THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

आंध्र प्रदेश में प्लाटून कमांडर सहित दो माओवादी गिरफ्तार

अमरावती, 7 जुलाई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के चिंटूरू में पुलिस ने कुंटा एरिया माओवादी पार्टी के चौथे प्लाटून कमांडर सोदी भामन और मिलिशिया सदस्य जद्दी नागेश्वर राव को गिरफ्तार किया है। दोनों लगभग 24 माओवादी घटनाओं में शामिल थे। पुलिस ने इनके पास से प्रेशर कुकर बम, 2 ग्रेनेड, बैटरी, कॉर्डटेक्स वायर, बिजली के तार और लोहे के टुकड़े बरामद किए हैं।

वर्ष-29 अंक : 106 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **आषाढ शु.3 2081 सोमवार, 8 जुलाई-2024**

प्रधान संपादक – **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

भारत बनेगा विकसित राष्ट्र : मोदी

प्रधानमंत्री ने जैन समुदाय को सराहा

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि विभिन्न क्षेत्रों में भारतीयों का शानदार काम और लोगों का उत्साह भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की सबसे बड़ी ताकत है। नजैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जेआईटीओ) को उसके इनक्यूबेशन इनोवेशन फंड के सातवें स्थापना दिवस पर लिखित संदेश में मोदी ने ये बात कही। उन्होंने लिखा कि 'भारत के लिए दुनिया भर में जिस तरह का आशावाद और भरोसा देखा जा रहा है, वह देश की ताकत का प्रतिबिंब है।'

प्रधानमंत्री ने कहा, भारत अपार संभावनाओं वाला देश है। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट काम करने वाले हमारे देशवासियों की भागीदारी और देश को विकसित करने का उनका उत्साह हमारी सबसे बड़ी ताकत है। प्रधानमंत्री ने प्रौद्योगिकी के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करते हुए साल 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा है।

पत्र के अनुसार, प्रधानमंत्री ने जेआईटीओ के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में किए गए जैन समुदाय के कार्यों और प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि विदेशी उत्पादों पर निर्भरता कम करना और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक है।

कई दिग्गज हुए कार्यक्रम में शामिल :

पीएम मोदी ने कहा, आज का आशावाद और हमारी क्षमताओं में अटूट विश्वास अंतरिक्ष विज्ञान, रक्षा और व्यापार सहित सभी क्षेत्रों तक फैला हुआ है। जेआईटीओ जैसे संगठनों ने पिछले एक दशक में इन उपलब्धियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जो एक आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण में योगदान दे रहा है।

दो दिवसीय कार्यक्रम में विजय शेखर शर्मा (पेटीएम), आदित पालीचा (जेप्टो) और संजीव बिखचंदानी (इन्फोएज) सहित विभिन्न क्षेत्रों के अग्रणी दिमाग शामिल हुए। इसमें 300 से अधिक एंजल निवेशक, 100 स्टार्टअप, 30 यूनिकॉर्न और कई अंतर्राष्ट्रीय निवेशक एक साथ आए, जिससे नेटवर्किंग के बेहतरीन अवसर मिले। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जेआईटीओ) की सहायक कंपनी जेआईआईएफए ने 80 कंपनियों में 200 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है और 25 से अधिक जैन उद्यमियों को इनक्यूबेट किया है।

पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा

भक्तों के साथ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी खींचा सुभद्रा का रथ

पुरी (ओडिशा), 7 जुलाई (एजेंसियां)। 53 साल बाद इस साल पुरी की रथयात्रा दो दिनों की होगी। स्नान पूर्णिमा पर बीमार हुए भगवान जगन्नाथ आज सुबह ठीक हुए, इसलिए रथयात्रा से पहले होने वाले उत्सव भी आज ही मनाए जा रहे हैं। दोपहर 2.20 बजे जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा अपने-अपने रथों में विराजित हुए। सबसे पहले बलभद्र का रथ खींचा गया है। रथ रुक-रुक कर आगे बढ़ रहा है। आज सूर्यास्त तक ही रथयात्रा चली और कल सुबह आठ बजे से रथयात्रा फिर शुरू होगी।

जगन्नाथ मंदिर के पंचांगकर्ता डॉ. ज्योति प्रसाद के मुताबिक, भगवान को आम दिनों से 2 घंटे पहले जगाया गया। मंगला आरती सुबह 4 की बजाय रात 2 बजे हुई। मंगला आरती के बाद करीब ढाई बजे दशावतार पूजन हुआ। 3 बजे नैत्रोत्सव और 4 बजे पुरी के राजा की तरफ से पूजा की गई। सुबह 5.10 बजे के बाद सूर्य पूजा और करीब 5.30 बजे द्वारपाल पूजा हुई। सुबह 7 बजे भगवान को खिचड़ी भोग-प्रसाद लगाया गया। रथयात्रा में बहुत ज्यादा भीड़ की वजह से भगवान के नवयौवन दर्शन नहीं होंगे। रथयात्रा में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी शामिल हुईं। इसके बाद वे यहां से लौट गई हैं और आज सुबह फिर रथयात्रा में शामिल होंगी। पीएम नरेंद्र मोदी ने रथयात्रा की देशवासियों को शुभकामनाएं दीं।

पीएम ने कहा, ऑस्ट्रिया की यात्रा से दोनों देशों के संबंध मजबूत होंगे

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि 9 जुलाई से शुरू होने वाली उनकी ऑस्ट्रिया यात्रा दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने का एक बड़ा अवसर है।

प्रधानमंत्री ने ऑस्ट्रियाई चांसलर की एक पोस्ट का जवाब देते हुए एक्स पर लिखा, धन्यवाद, चांसलर कार्ल नेहमर। इस ऐतिहासिक अवसर पर ऑस्ट्रिया की यात्रा करना वास्तव में सम्मान की बात है। दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने और सहयोग के नए रास्ते तलाशने पर चर्चा का इंतजार कर रहा हूं।

उन्होंने कहा, लोकतंत्र, स्वतंत्रता और कानून के शासन के साझा मूल्य वो आधार हैं, जिस पर हम एक और घनिष्ठ साझेदारी का निर्माण करेंगे। पीएम मोदी 9 जुलाई को मास्को से ऑस्ट्रिया जाएंगे। यह 41 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली ऑस्ट्रिया यात्रा होगी। वियना में अपने प्रवास के दौरान, पीएम मोदी ऑस्ट्रियाई राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वान डेर बेलन से मुलाकात करेंगे और चांसलर नेहमर के साथ बातचीत करेंगे। दोनों नेता भारत और ऑस्ट्रिया के बिजनेस लीडर्स को भी संबोधित करेंगे।

इससे पहले, शनिवार को ऑस्ट्रियाई चांसलर कार्ल नेहमर ने प्रधानमंत्री की वियना की आगामी यात्रा को "विशेष सम्मान" करार देते हुए कहा था कि वह इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। एक्स पर एक पोस्ट में, ऑस्ट्रियाई चांसलर ने कहा, यह यात्रा एक विशेष सम्मान है। यह चालीस वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा है और भारत के साथ राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने के अवसर पर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

शिवसेना-नेता के बेटे ने बीएमडब्ल्यू से दंपती को टक्कर मारी

महिला को 100 मीटर घसीटा, मौत, नशे में था आरोपी, ड्राइवर और पिता हिरासत में

मुंबई, 7 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे में चर्चित पोर्श एक्सीडेंट केस के बाद अब मुंबई में हिट एंड रन की घटना सामने आई है। मुंबई के वर्ली में रविवार (7 जुलाई) सुबह एक तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू ने स्कूटी सवार दंपती को टक्कर मार दी। आरोपी ने मौके से भागने के दौरान 45 साल की महिला को कार से 100 मीटर तक घसीटा, जिससे उनकी मौत हो गई। पति घायल है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, कार मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की पार्टी शिवसेना के नेता राजेश शाह का 24 साल का बेटा मिहिर शाह चला रहा था। उसके साथ ड्राइवर भी था।

>14

केजरीवाल के चेकअप के वक्त पत्नी सुनीता मौजूद नहीं रहेंगी

कोर्ट बोला- कई कैदी डाइबिटीज के मरीज, उन्हें भी अटेंडेंट रखने की परमिशन नहीं

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। केजरीवाल को राऊज एवेन्यू कोर्ट ने शनिवार 6 जुलाई को एक और झटका दिया है। कोर्ट ने उनके मेडिकल चेकअप के दौरान उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल को मौजूद रहने की इजाजत देने इनकार कर दिया। हालांकि, कोर्ट ने सुनीता केजरीवाल को मेडिकल बोर्ड से मिलने की इजाजत दे दी है। साथ ही कहा है कि केजरीवाल की सभी मेडिकल रिपोर्ट भी सुनीता को दी जाएंगी। केजरीवाल ईडी और सीबीआई के अलग-अलग केस में गिरफ्तार किए गए हैं। सीबीआई ने उन्हें 26 जून को अरेस्ट किया था। वे फिलहाल तिहाड़ में हैं। उनकी कस्टडी 12 जुलाई को खत्म होगी।

पुलिस आयुक्त-उपायुक्त के खिलाफ कार्रवाई

राज्यपाल की शिकायत के बाद केंद्र सरकार का एक्शन

कोलकाता, 7 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने कोलकाता के पुलिस आयुक्त विनीत गोयल और पुलिस उपायुक्त इंदिरा मुखर्जी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की है। दोनों पुलिस अधिकारियों पर पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस के कार्यालय को बदनाम करने का आरोप है। केंद्र सरकार के एक अधिकारी के अनुसार दोनों पुलिस अधिकारियों ने राज्यपाल के कार्यालय के बारे में झूठी अफवाहें फैलाईं। आपको बता दें कि इससे पहले राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने केंद्र सरकार को एक रिपोर्ट भेजी थी। रिपोर्ट में कोलकाता पुलिस आयुक्त और उपायुक्त पर गलत तरीके से काम करने का आरोप लगाया गया था।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल ने जून महीने के आखिरी सप्ताह में केंद्रीय गृह मंत्री को अपनी रिपोर्ट भेजी थी। रिपोर्ट में कहा गया, कोलकाता के पुलिस अधिकारियों द्वारा लोकसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा के पीड़ितों को राजभवन जाने से रोका जा रहा है। राज्यपाल ने पहले ही मुलाकात की अनुमति दे दी थी और इसके बाद भी पीड़ितों को राजभव जाने से रोका गया। एक अधिकारी का कहना है कि पश्चिम बंगाल के राज्यपाल की रिपोर्ट के आधार पर दोनों पुलिस अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई है। उन्होंने बताया कि आदेश की एक प्रति राज्य सरकार को भी भेज दी गई है।

राजभवन में तैनात अन्य पुलिस अधिकारियों पर भी आरोप :

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल ने राजभवन में तैनात किए गए अन्य पुलिस अधिकारियों पर भी आरोप लगाए हैं। राज्यपाल का कहना है कि कुछ पुलिस अधिकारियों द्वारा अप्रैल-मई के महीने में एक महिला कर्मचारी के आरोपों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है। राज्यपाल ने कहा, इन पुलिस अधिकारियों की हरकतों की वजह से राज्यपाल के कार्यालय की गरिमा को नुकसान पहुंचा जो कि बहुत ही गलत है। इन पुलिस अधिकारियों ने नियमों की अनदेखी की है।

6 आतंकी ढेर, 2 जवान शहीद

2 जगहों पर 2 दिन से एनकाउंटर जारी, राजौरी में आर्मी कैंप पर हमला

श्रीनगर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में रविवार (7 जुलाई) को लगातार दूसरे दिन मुठभेड़ जारी है। मुदरघम और चिन्निगम फ्रिसल में अबतक 6 आतंकी मारे गए हैं। दो जवान शहीद हुए हैं। मुदरघम में एक-दो आतंकियों और चिन्निगम फ्रिसल में एक और आतंकी के छिपे होने की संभावना है।

मुदरघम में आज सुबह दो आतंकी मारे गए हैं। यहां शनिवार (6 जुलाई) को एक आतंकी मारा गया था। एक जवान शहीद हो गया था। कुलगाम के चिन्निगम फ्रिसल में कल चार आतंकी मारे गए। एक जवान शहीद हुआ था। जम्मू-कश्मीर के डीजीपी आरआर स्वैन ने बताया कि दोनों जगहों पर मुठभेड़ जारी है। हमें स्थानीय आतंकियों के भी शामिल होने की खबर मिली है। 6 आतंकी मारे गए हैं। यह सुरक्षाबलों के लिए एक बड़ा मील का पत्थर है।

दूसरी तरफ, जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के मंजाकोट इलाके में आतंकियों ने रविवार सुबह एक आर्मी कैंप पर हमला कर दिया। इसमें एक जवान घायल हो गया। जवानों की जवाबी कार्रवाई के बाद आतंकी घने जंगल के रास्ते भाग गए। सेना और पुलिस ने सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है।

कुलगाम में आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर पहले फायरिंग की थी :

कुलगाम के मुदरघम में शनिवार (6 जुलाई) की सुबह सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जॉइंट ऑपरेशन के तहत सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। इस दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी की थी, जिसमें हरियाणा के रहने वाले लांस नायक प्रदीप नैन शहीद हो गए।

वहीं, चिन्निगम में शनिवार की दोपहर में मुठभेड़ शुरू हुई थी। शाम होते-होते जवानों ने 4 आतंकियों का एनकाउंटर कर दिया।

बिहार और आंध्र प्रदेश दोनों ने मांगा स्पेशल पैकेज

एनडीए के सहयोगियों के लिए खुलेगा खजाना?

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद 23 जुलाई को देश का बजट पेश होगा लेकिन इस बार का बजट कुछ खास होने वाला है। इसकी वजह यह है कि बीजेपी ने इस बार अपने दम पर बहुमत नहीं हासिल किया है जिसके चलते उसे एनडीए के गठबंधन घटक दलों टीडीपी और जेडीयू की जरूरत है। ऐसे में इस बार आंध्र प्रदेश और बिहार दोनों के लिए ही बजट में कुछ बड़े ऐलान हो सकते हैं, क्योंकि दोनों ही घटक दल राज्य के लिए बड़े आर्थिक पैकेज की मांग कर रहे हैं। दोनों ही राज्यों ने 2024 के केंद्रीय बजट से पहले पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार से एक लाख करोड़ के आर्थिक पैकेज की मांग की है।

रिपोर्ट बताती है कि बीजेपी के दोनों ही सहयोगियों ने चालू वित्त वर्ष के लिए फंड के अलावा बुनियादी ढांचे वाली परियोजनाओं के लिए उधार लेने की सीमा बढ़ाने का भी अनुरोध किया है।

रिपोर्ट बताती है कि हाल में प्रचंड बहुमत के साथ विधानसभा चुनाव जीतने वाले टीडीपी चीफ चंद्रबाबू नायुडू ने सीए पद की शपथ लेने के बाद दिल्ली में पीएम मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की थी और इस दौरान ही उन्होंने अपनी मांगों पर जोर देते हुए 1 लाख करोड़ रुपये का पैकेज आंध्र प्रदेश के लिए मांगा है। सीएम नायुडू ने आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती के विकास और पोलवरम सिंचाई परियोजना के लिए आर्थिक मदद मांगी है।सीएम नायुडू ने केंद्र सरकार से मांग की है कि विजयवाड़ा से लेकर विशाखापट्टनम और अमरावती में मेट्रो परियोजनाओं, एक लाइट रेल परियजना और विजयवाड़ा से मुंबई और नई दिल्ली तक के लिए वंदे भारत ट्रेन की मांग भी की है।

>14

सुप्रीम कोर्ट में नीट-यूजी परीक्षा से संबंधित याचिकाओं पर आज होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट सोमवार (8 जुलाई) को नीट-यूजी परीक्षा को रद्द करने समेत उससे जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर प्रकाशित कॉज लिस्ट के अनुसार, सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच सोमवार को मामले की सुनवाई करेगी।

केंद्र ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में दायर हलफनामे में नीट-यूजी परीक्षा रद्द करने का विरोध किया था। साथ ही कहा था कि पूरी परीक्षा रद्द करने से उन लाखों ईमानदार स्टूडेंट को नुकसान होगा, जिन्होंने इस वर्ष 5 मई को आयोजित परीक्षा में हिस्सा लिया था। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से दायर हलफनामे में कहा गया, अखिल भारतीय परीक्षा में किसी बड़ी गड़बड़ी के सबूत के अभाव में पूरी परीक्षा और पहले से घोषित परिणाम को रद्द करना तर्कसंगत नहीं होगा। बड़ी संख्या में छात्रों के हितों को भी खतरे में नहीं डाला जाना चाहिए, जिन्होंने बिना किसी कथित अनुचित साधन को अपनाए परीक्षा दी है। हलफनामे में कहा गया है कि धोखाधड़ी और कदाचार समेत अनियमितताओं के कथित मामलों के संबंध में सीबीआई जांच कर रही है। सीबीआई ने विभिन्न राज्यों में दर्ज मामलों को अपने हाथ में ले लिया है।

केंद्र ने कहा कि वह सभी प्रतियोगी परीक्षाओं को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध है। यदि कुछ आपराधिक तत्वों के इशारे पर प्रतियोगी परीक्षा की गोपनीयता भंग की गई है, तो उनके साथ सख्ती से निपटा जाना चाहिए।

केंद्र सरकार ने कहा, सरकार परीक्षाओं को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से करने और छात्रों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। परीक्षा में पारदर्शिता, निष्पक्षता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए संसद ने 12 फरवरी 2024 को पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम 2024 पारित किया। यह अधिनियम 21 जून 2024 को लागू किया गया है। अधिनियम के तहत पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) नियम, 2024 को भी 23 जून को अधिसूचित किया गया है।

बस्तर में 5 नक्सली अरेस्ट

फोर्स को देखकर छिप रहे थे माओवादी, जवानों को मारने की थी साजिश

सुकमा, 7 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में पुलिस ने 5 नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। दोरनापाल इलाके में नक्सलियों के कब्जे से विस्फोटक भी बरामद किया गया है। बताया जा रहा है कि मुखबिर की सूचना पर डीआरजी की टीम ने कार्रवाई की है। पूरा मामला दोरनापाल के जगरगुंडा थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक डीआरजी कमांडर सुन्नम समैया को मुखबिर से सूचना मिली थी, कि कुदेड़ और आस-पास के इलाके में नक्सल मूवमेंट है। इसके बाद कमांडर सुन्नम समैया के नेतृत्व में जिला बल, बस्तर फाइटर्स की संयुक्त टीम एरिया डॉमिनेशन के लिए लिए निकली थी। जगरगुंडा से सिंगावरम के बीच सादे कपड़ों में संदिग्ध लोग जवानों को देखकर छिपने का प्रयास करने लगे, जिन्हें घेराबंदी कर पकड़ा। संदिग्धों ने अपना नाम हेमला पाला, हेमला हुंगा, सोड़ी देवा, नुप्पो और कुंजाम मासा बताया। उन्होंने सुरपनगुड़ा आरपीसी मिलिशिया सदस्य के रूप में काम करने की बात कही।

महुआ मोइत्रा को टिप्पणी करना पड़ा भारी

दिल्ली पुलिस ने नए कानून के तहत दर्ज की एफआईआर

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय महिला आयोग की चीफ रेखा शर्मा पर अशोभनीय टिप्पणी सांसद महुआ मोइत्रा को भारी पड़ गई है। महुआ मोइत्रा के बयान पर दिल्ली पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की साइबर यूनिट ने टीएमसी सांसद के खिलाफ यह एफआईआर दर्ज की है। टीएमसी एमपी पर नए क्रिमिनल कानून की धारा 79 के तहत केस दर्ज किया गया है। महिला आयोग ने रेखा शर्मा पर की गई अभद्र टिप्पणी के खिलाफ शुक्रवार को शिकायत दर्ज की थी।

दिल्ली पुलिस ने क्या बताया?

महुआ मोइत्रा के मामले पर दिल्ली पुलिस ने बताया कि राष्ट्रीय महिला आयोग से एक शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि महुआ मोइत्रा, सांसद की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कथित पोस्ट ने धारा 79, बीएनएस-2023 के तहत अपराध किया है। शिकायत का संज्ञान लेते हुए और इसकी प्रारंभिक जांच के बाद, पीएस स्पेशल में धारा 79, बीएनएस-2023 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

महुआ मोइत्रा के एक बयान ने एक बार फिर उन्हें मुश्किल में डाल दिया है। दरअसल, 4 जुलाई तो राष्ट्रीय महिला आयोग की चेयरपर्सन रेखा शर्मा यूपी के हाथरस में हुई घटना पर पीड़ितों से मिलने पहुंची थीं। इस पर महुआ मोइत्रा ने अपने एक्स हैंडल से लिखा कि वे अपने बॉस का पायजामा पकड़ने में व्यस्त हैं। हालांकि विवाद बढ़ता देख महुआ ने एक्स पोस्ट डिलीट कर दिया। महुआ ने उस पोस्ट में एक फोटो भी शेयर की थी जिसमें एनसीडब्ल्यू चेयरपर्सन की पीछे एक व्यक्ति छाता लेकर चल रहा था।

महुआ मोइत्रा के एक्स पोस्ट पर राष्ट्रीय महिला ओयग ने आपत्ति दर्ज कराते हुए दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। एनसीडब्ल्यू ने महुआ के बयान पर कहा कि एनसीडब्ल्यू ने अध्यक्ष रेखा शर्मा के खिलाफ सांसद महुआ मोइत्रा की अपमानजनक टिप्पणी का स्वतः संज्ञान लिया है।

दुनिया की सबसे बड़ी खदान में चीन के हाथ लगा खजाना

वैज्ञानिकों ने खोजे दो दुर्लभ नए खनिज, मालामाल होगा ड्रैगन

बीजिंग, 7 जुलाई (एजेंसियां)। चीन के भूवैज्ञानिकों ने उत्तरी चीन में दुनिया की सबसे बड़ी रेयर-अर्थ मिनरल्स की खदान में दो नए खनिजों की खोज की है। चीनी विज्ञान अकादमी (सीएएस) ने सरकारी न्यूज एजेंसी से इसकी पुष्टि की है। चीनी विज्ञान अकादमी ने बताया है कि इनर मंगोलिया के स्वायत्त क्षेत्र में मौजूद बायन ओबो खदान जिले में दो नए नियोबियम-स्कैंडियम खनिजों की खोज की गई, जिनके नाम ओबियोबाइट और स्कैंडियो-फ्लो-एकरमैनाइट हैं। इस खोज में सीएएस इंस्टीट्यूट ऑफ जियोलॉजी एंड जियोफिजिक्स, इनर मंगोलिया बाओटो स्टील यूनियन कंपनी लिमिटेड, बाओटो रिसर्च इंस्टीट्यूड ऑफ रेयर अर्थ्स और सेंट्रल साउथ यूनिवर्सिटी ने सहयोग किया।

बेहद दुर्लभ हैं दोनों खनिज :

सीएएस की तरफ शिक्षाविद ली जियानहुआ ने निष्कर्षों की घोषणा करते हुए बताया कि अंतर्राष्ट्रीय खनिज संघ ने नए खनिजों के रूप में उनकी स्थिति की पुष्टि की है और उनके नामकरण को मंजूरी दी है। नियोबियम और स्कैंडियम अत्यंत दुर्लभ और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण धातुएं हैं। नियोबियम का इस्तेमाल मुख्य रूप से स्पेशल स्टील, सुपरकंडक्टिंग सामग्री और एयरोस्पेस इंडस्ट्री में किया जाता है। वहीं, स्कैंडियम का व्यापक रूप से एल्यूमीनियम-स्कैंडियम मिश्र धातुओं और ठोस ऑक्साइड ईंधन कोशिकाओं में उपयोग किया जाता है।

चीन के आर्थिक विकास में होगी अहम भूमिका :

ली ने कहा कि नए खनिजों में मूल्यवान तत्व हैं जिनका नए पदार्थों, नई ऊर्जा, सूचना प्रौद्योगिकी, एयरोस्पेस, राष्ट्रीय रक्षा और सैन्य उद्योग जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण अनुप्रयोग है।

रोज संसदीय प्रक्रियाओं का अपमान कौन करता है?

विपक्ष तो नहीं करता : सिब्बल ने धनखड़ से कहा

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने नए आपराधिक कानूनों पर कांग्रेस नेता पी। चिदंबरम की टिप्पणियों की उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा आलोचना किए जाने पर रविवार को उन पर निशाना साधा और कहा कि रोज संसदीय प्रक्रियाओं का अपमान विपक्ष नहीं करता है। कांग्रेस नेता पी। चिदंबरम ने टिप्पणी की थी कि तीन नए आपराधिक कानून "अंशकालिक" लोगों ने तैयार किए। धनखड़ का चिदंबरम पर निशाना धनखड़ ने चिदंबरम पर निशाना साधते हुए इस बयान को "अक्षम्य" करार दिया था और इस " आपत्तिजनक और मानहानिकारक" कथन को वापस लेने का अनुरोध किया था। धनखड़ ने कहा था कि वह एक राष्ट्रीय समाचार पत्र में चिदंबरम का साक्षात्कार पढ़कर दंग रह गए, जिसमें उन्होंने कहा है कि 'नए कानून अंशकालिक लोगों ने तैयार किए हैं।' सिब्बल का धनखड़ पर पलटवार सिब्बल ने रविवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "धनखड़ ने तीन आपराधिक कानून अंशकालिक लोगों द्वारा तैयार किए जाने के चिदंबरम के बयान की आलोचना करते हुए इसे 'संसद की सूझ-बूझ का अपमान बताया जिसकी कोई माफी नहीं है।' हम सभी अंशकालिक हैं धनखड़ जी।" विपक्ष के प्रमुख नेता व राज्यसभा सदस्य ने कहा, "और रोज संसदीय प्रक्रियाओं का अपमान कौन करता है? हम तो नहीं।" क्या संसद में हम अंशकालिक लोग हैं? उपराष्ट्रपति ने शनिवार को यहां भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईएसटी) के 12वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा था, 'क्या संसद में हम अंशकालिक लोग हैं? यह संसद की सूझ-बूझ का अपमान है, जिसके लिए कोई माफी नहीं है। मेरे पास ऐसी सोच और किसी सांसद को अंशकालिक कहे जाने की निंदा करने के लिए शब्द नहीं हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं इस मंच से उनसे (चिदंबरम) अपील करता हूं कि कृपया सांसदों के बारे में इस आपत्तिजनक, मानहानिकारक और निंदनीय टिप्पणी को वापस लें। मुझे आशा है कि वह ऐसा करेंगे।'

दिल्ली में नकली नोट बनाने वाले रैकेट का भंडाफोड़

करीब 3 लाख रुपए की फेक करंसी बरामद, 2 लोग दबोचे गए

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने नकली नोट रैकेट का भंडाफोड़ किया है और आनंद विहार इलाके के पास से लगभग 2.89 लाख रुपए के नकली नोट बरामद किए हैं। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को भी पकड़ा है। जनवरी 2024 में भी दिल्ली पुलिस ने 50 लाख रुपए के नकली नोट के साथ 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने इनके बारे में चौंकाने वाला खुलासा किया था और बताया था कि पिछले 5 साल में इन तीन आरोपियों ने 5 करोड़ रुपए के नकली नोटों को बाजार में चला भी दिया था। आरोपियों की पहचान आसिफ अली, दानिश अली और सरताज खान के रूप में हुई थी और ये लोग यूपी के बदायूं के रहने वाले थे। दिल्ली पुलिस ने अक्षरधाम मेट्रो स्टेशन के पास ट्रैप लगाकर इन लोगों को गिरफ्तार किया था। इसमें से एक आरोपी की गाड़ी से 50 लाख रुपए के नकली नोट भी बरामद किए गए थे। हैरानी की बात तो यह निकली थी कि ये लोग पढ़े लिखे थे, जिसमें एक मेडिकल की पढ़ाई कर रहा था और दूसरा कंप्यूटर सेंटर चलाता था।

भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा महोत्सव के मौके पर

सीएम ममता बनर्जी का दिखा अलग अंदाज, इस्कॉन मंदिर में की पूजा

कोलकाता, 7 जुलाई (एजेंसियां)। भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा महोत्सव समारोह के मौके पर सीएम ममता बनर्जी ने कोलकाता के इस्कॉन मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसका वीडियो भी सामने आया है, जिसमें ममता भगवान की आरती उतारती हुई दिख रही हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को लोगों को रथ यात्रा के अवसर पर बधाई दी और लोगों के जीवन में शांति, सौहार्द और समृद्धि की कामना की। बनर्जी ने बताया भी था कि वह कोलकाता में इस्कॉन द्वारा आयोजित रथ यात्रा में भाग लेंगी। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा था, 'रथ यात्रा के पावन अवसर पर आज सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। भगवान जगन्नाथ की कृपा से यह दिन सभी के लिए शांति, सौहार्द और समृद्धि लाए।' उन्होंने कहा, 'आज पूरे बंगाल से लाखों लोग रथ यात्रा में शामिल होंगे। ऐतिहासिक महेश (जहां हमने प्राचीन मंदिर का जीर्णोद्धार किया है) में विशाल जनसमूह होगा। कोलकाता इस्कॉन में मैं यात्रा में शामिल होऊंगी।' मुख्यमंत्री ने राज्य के लोगों को अगले वर्ष से पूर्वी मेदिनीपुर जिले के दीघा में निर्माणाधीन जगन्नाथ मंदिर से रथ यात्रा शुरू करने का आश्वासन भी दिया। उन्होंने कहा, 'हम सभी दीघा के अपने नये जगन्नाथ धाम में अगले वर्ष की रथ यात्रा का इंतजार करेंगे! जय जगन्नाथ।' पश्चिम बंगाल सरकार तटीय शहर दीघा में जगन्नाथ मंदिर का निर्माण करा रही है।

मुख्तार अंसारी के चचेरे भाई के घर से शाहिद गिरफ्तार

गाजीपुर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। गाजीपुर में पुलिस ने आज मुख्तार अंसारी के चचेरे भाई मंसूर अंसारी के घर से हत्या के अभियुक्त शाहिद उर्फ कुर्बान को गिरफ़्तार किया है। शाहिद को शरण देने वाला मंसूर अंसारी फरार बताया जा रहा है। शाहिद पर 25 हजार का इनाम भी घोषित था। शाहिद मुख्तार अंसारी से जुड़े बाराबंकी एम्बुलेंस मामले में भी वांछित चल रहा था। शाहिद और मंसूर दोनों ही मुख्तार अंसारी आईएस 191 गैंग के सदस्य बताये जा रहे हैं। शाहिद को मुहम्मदाबाद कस्बा से गिरफ्तार किया गया है।

शाहिद की गिरफ्तारी के बाद एक बार फिर अंसारी परिवार चर्चा में आ गया है। शाहिद मनोज राय हत्याकांड में आरोपी था और कोर्ट ने उसके खिलाफ 82 सीआरपीसी की नोटिस भी जारी कर रखी थी। पुलिस ने उसके ऊपर 25 हजार का इनाम भी घोषित कर रखा था।यही नहीं शाहिद के तार बाराबंकी एम्बुलेन्स मामले से भी जुड़ा था और बाराबंकी पुलिस को भी उसकी तलाश थी। मनोज राय की हत्या 15 जुलाई 2005 को मुहम्मदाबाद में कर दी गयी थी।

बंगाल नगरपालिका भर्ती मामला

सीबीआई का दावा, विभिन्न पदों के लिए एक जैसे प्रश्न पत्र किए गए तैयार

कोलकाता, 7 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में विभिन्न नगरपालिकाओं में भर्ती घोटाले के मामले में इस महीने की शुरुआत में सीबीआई ने आरोपपत्र दाखिल किया था। सीबीआई ने डिटेल में बताया कि भर्ती में अनियमितताएं कैसे शुरू हुईं। सूत्रों ने बताया कि पहला शक तब पैदा हुआ जब पाया कि अलग-अलग ग्रेड्स के पदों की लिखित परीक्षा के लिए एक जैसे प्रश्न पूछे गए थे। ग्रुप सी और ग्रुप डी के पदों के लिए पूछे गए प्रश्न 100 प्रतिशत एक जैसे थे, जोकि भर्ती परीक्षा आयोजित करने के किसी भी प्रोफेशनल तरीके में कल्पना से परे है। सूत्रों ने बताया कि दूसरा शक तब पैदा हुआ जब, प्रश्नों के पैटर्न को देखा। उससे साफ हो गया कि प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए प्रश्न पत्र तैयार करने में विशेषज्ञता और अनुभव रखने वाली किसी भी विशेषज्ञ आउटसोर्स एजेंसी की ओर से कोई प्रोफेशनल टच नहीं किया गया था। पूछताछ के दौरान जांच से पता चला कि इस मामले में किसी विशेष एजेंसी की विशेषज्ञता को नियुक्त करने के बजाय, विभिन्न पदों के लिए प्रश्न पत्र तैयार करने का कार्य निजी प्रमोटर अयान सिल के मालिकाना हक वाली एजेंसी को दिया गया था। वह नगर पालिका और स्कूल नौकरियों की भर्ती के मामलों में मुख्य आरोपी हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने स्कूल में नौकरी दिलाने के मामले में संलिप्तता के संबंध में पिछले साल मार्च में सिल को गिरफ्तार किया था।

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा शुरू अमित शाह ने की मंगल आरती

अहमदाबाद, 7 जुलाई (एजेंसियां)। भगवान जगन्नाथ की 147वीं रथ यात्रा रविवार सुबह गुजरात के अहमदाबाद शहर में शुरू हुई, जहां उनके दर्शन के लिए यात्रा मार्ग पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े। भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बालभद्र और बहन सुभद्रा का रथ दशकों पुरानी परंपरा के अनुसार खलासी समुदाय के सदस्यों ने खींचा। यह रथ यात्रा हर साल आषाढ़ माह के दूसरे दिन निकाली जाती है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने 'मंगला आरती' की और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने 'पाहिंद विधि' संपन्न की। 22,000 से अधिक सुरक्षाकर्मियों को तैनात यह विधि जमालपुर इलाके में भगवान जगन्नाथ के 400 वर्ष पुराने मंदिर से रथ यात्रा शुरू होने पर सोने की झाड़ू से यात्रा मार्ग को साफ करने की परंपरा है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने पहले बताया था कि इस कार्यक्रम के लिए 22,000 से अधिक सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया जाएगा और लोगों की आवाजाही पर नजर रखने के लिए 20 ड्रोन के साथ-साथ कैमरे लगे कुछ गुब्बारे का भी उपयोग किया जाएगा। इनमें से 4,500 जवान पूरे 16 किलोमीटर लंबे मार्ग पर रथ यात्रा के साथ चलेंगे, जबकि 1,931 जवान यातायात प्रबंधन के लिए तैनात किए जाएंगे। 1,733 'बॉडी कैमरे' से यात्रा पर करीबी नजर रखेंगे दशकों पुरानी परंपरा के अनुसार, रथ यात्रा शहर के विभिन्न इलाकों से गुजरते हुए रात 8 बजे तक लौटेगी, इनमें साम्प्रदायिक रूप से कुछ संवेदनशील इलाके भी शामिल हैं। यात्रा में आम तौर पर 18 सुसज्जित हाथी, 100 ट्रक और 30 अखाड़ों के लोग शामिल होते हैं। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी 1,733 'बॉडी कैमरे' से यात्रा पर करीबी नजर रखेंगे। इसके अलावा यात्रा मार्ग पर 47 स्थानों पर 20 ड्रोन और 96 निगरानी कैमरा भी लगाए गए हैं।

भारत का रोशनी जोरावर टैंक बनेगा चीन का काल; पहली झलक आई सामने

नईदिल्ली,7जुलाई (एजेंसियां)।भारत का जोरावर टैंक जल्द ही सेना में शामिल होगा जो चीन का काल बन सकता है। जोरावर लाइट वेट टैंक है, जिसे भारतीय सेना को लद्दाख जैसे हाई एल्टीट्यूड इलाकों में बेहतर क्षमता प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसका वजन सिर्फ़ 25 टन है, जो टी-90 जैसे भारी टैंकों के वजन का आधा है, जिससे यह मुश्किल पहाड़ी इलाकों में काम कर सकता है, जहां बड़े टैंक नहीं पहुंच सकते। इसका नाम 19वीं सदी के डोगरा जनरल ज़ोरावर सिंह के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने लद्दाख और पश्चिमी तिब्बत में सैन्य अभियानों का नेतृत्व किया था। हाई एल्टीट्यूड इलाकों के लिए लंबे समय से सेना में हल्के टैंकों की जरूरत महसूस की जा रही थी। जल्द ही वह वक्त आएगा जब लाइट वेट टैंक जोरावर भारतीय सेना में शामिल हो जाएंगे।

साल 2020 में में चीन के साथ गलवान में हुई खूनी भिड़ंत के बाद भारतीय सेना को ऊंचे पहाड़ी इलाकों के लिए लाइट टैंक की आवश्यकता थी। उस समय चीन ने अपने कब्जे वाले तिब्बत से सटे लद्दाख बॉर्डर पर जेडटीक्यू टी-15 लाइट टैंक तैनात कर दिए थे। जिसके बाद भारत को भी ऐसे हल्के टैंक चाहिए थे। लेकिन भारत को टी-72 जैसे भारी टैंक तैनात करने पड़े थे। भारतीय सेना ने करीब 200 टैंकों को हवाई मार्ग से लद्दाख पहुंचाया था। शनिवार को डीआरडीओ ने गुजरात के हजीरा में अपने लाइट बैटल टैंक जोरावर एलटी की झलक दिखाई। डीआरडीओ ने इस टैंक को लार्सन एंड टूब्रो के साथ मिल कर तैयार किया है।

बारिश के बीच हिरणों का झुंड खेतों में कर रहा अटखेलियां, यह देखकर कलेक्टर भी हुए रोमांचित

दमोह, 7 जुलाई (एजेंसियां)। दमोह जिले के ग्रामीण अंचलों में बारिश के मौसम के बीच हिरणों का झुंड जब अटखेलियां करता दिखाई देता है तो मन रोमांच से भर जाता है। क्योंकि, हरियाली के बीच यह जंगली जानवर काफी खूबसूरत लगता है। दमोह के पथरिया क्षेत्र में अक्सर हिरणों का झुंड खेतों में विचरण करते देखा जा सकता है और जब कलेक्टर ने हिरणों का झुंड देखा तो उसे अपने कैमरे में कैद कर लिया। हुआ यूं कि सुबह लखरौनी से पथरिया मार्ग के बीच खेतों में हरियाली के बीच हिरणों का झुंड विचरण करते देखा गया। उसी दौरान कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर भ्रमण पर थे। इस दौरान खेत में विचरण कर रहे वन्यजीवों को उन्होंने अपने मोबाइल के कैमरे में कैद कर लिया। साथ ही सोशल मीडिया पर लिखा कि प्रकृति की खूबसूरती इस समय चारों ओर हरियाली

के रूप में वसुधा पर बिखरी हुई है,

शिंदे को शिंदे देंगे मात

उद्धव की चाल से भाजपा सन्न, महाराष्ट्र में बड़ा खेल

मुंबई, 7 जुलाई (एजेंसियां)। सियासी रूप से देश के दूसरे सबसे बड़े राज्य महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव खत्म होने के साथ ही विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू हो गई है। लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के शानदार प्रदर्शन के बाद गठबंधन का प्रमुख दल शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट सियासी गणित साधने में जुट गया है। उसके लिए सबसे बड़े 'दुश्मन' शिवसेना पर कब्जा करने वाले नेता और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे हैं। वह विधानसभा चुनाव में एकनाथ शिंदे को मात देने का कोई भी मौका छोड़ना नहीं चाहती है। इसी रणनीति के तहत रविवार को उद्धव ठाकरे छत्रपति संभाजीनगर के दौरे पर हैं। वह किसानों से बातचीत करेंगे। फिर भाजपा के असंतुष्ट नेता राजू शिंदे शिवसेना ठाकरे समूह में शामिल होंगे। उनके साथ कई अन्य नेता भी उद्धव गुट में शामिल हो सकते हैं। इसे बीजेपी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं के आग्रह के बाद भी राजू शिंदे ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है।

दलित चेहरा

राजू शिंदे छत्रपति संभाजीनगर के पूर्व उपमेयर रह चुके हैं। वह भाजपा के अनुसूचित जाति सेल के प्रदेश प्रभारी थे। उद्धव गुट में जाने से पहले उनका आरोप है कि भाजपा केवल एकनाथ शिंद कैंप के लिए काम कर रही है। लोकसभा चुनाव में हमलोगों ने उनके लिए जी-जान से काम किया, लेकिन उन्होंने हमें कोई क्रेडिट नहीं दिया। कई कार्यकर्ताओं का अब भाजपा में दम घूंटने लगा है। उधर, पूर्व केंद्रीय मंत्री रावसाहेब दानवे, मंत्री अतुल सावे समेत कुछ नेता राजू शिंदे को मनाते रहे। इन नेताओं के बीच करीब डेढ़ से दो घंटे तक चर्चा हुई। इस बैठक के लिए रावसाहब दानवे ने अपना निर्धारित दौरा रद्द कर दिया। राजू शिंदे को पूर्व विधानसभा स्पीकर हरिभाऊ बागड़े का करीबी माना जाता है। वह 2019 के विधानसभा चुनाव में औरंगाबाद पश्चिम सीट से निर्दलीय मैदान में थे।

उन्होंने 43 हजार वोट मिले थे। अब उनके उद्धव गुट में शामिल होने से शिवसेना शिंदे गुट के विधायक संजय शिरसाते की मुश्किल बढ़ जाएगी। राजू शिंदे की पहचान लंबे समय से भाजपा में अनुसूचित जाति के नेता तौर पर है। ऐसे में वह विधानसभा चुनाव में उद्धव गुट की ओर से मैदान में उतर सकते हैं, जबकि मौजूदा वक्त में यहां के विधायक एकनाथ शिंदे गुट से हैं। ऐसे में अनुसूचित जाति के चेहरा होने के नाते वह सीधे एकनाथ शिंदे के चुनौती देंगे।

डीएमके सरकार पर भड़कीं बीएसपी सुप्रीमो मायावती

सीबीआई जांच की मांग

चेन्नई, 7 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती दिवंगत तमिलनाडु के बीएसपी अध्यक्ष के.आर्मस्ट्रांग को श्रद्धांजलि देने चेन्नई पहुंचीं। बसपा प्रमुख के साथ पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद ने भी आर्मस्ट्रांग को श्रद्धांजलि दी। पूर्व सीएम मायावती ने आर्मस्ट्रांग की हत्या मामले में सीबीआई जांच की मांग की। उन्होंने कहा, ₹मैं राज्य सरकार और यहां के मुख्यमंत्री (एमके स्टालिन) से यह कहना चाहूंगी कि उन्हें राज्य में कानून व्यवस्था पर ध्यान देना चाहिए और कमजोर वर्ग की सुरक्षा का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

मामले को सीबीआई को सौंप दिया जाए- मायावती

उन्होंने कहा कि अगर सरकार गंभीर होती तो अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाता लेकिन अभी तक मुख्य अपराधियों को नहीं पकड़ा गया है इसलिए हम राज्य सरकार से यह चाहेंगे कि इस मामले को सीबीआई को सौंप दिया जाए। अगर राज्य सरकार यह मामला सीबीआई को नहीं सौपती है तो समझो इस घटना में कहीं न कहीं सरकार का भी हाथ है।

6 लोगों ने आर्मस्ट्रांग की हत्या कर दी थी

बता दें कि तमिलनाडु में शुक्रवार को बहुजन समाज पार्टी के अध्यक्ष के। आर्मस्ट्रांग की हत्या कर दी गई थी। यह घटना चेन्नई के पेरांबूर में आर्मस्ट्रांग के घर के पास हुई, जिसमें 6 लोगों की अज्ञात भीड़ ने उनकी हत्या कर दी।

तमिलनाडु में दलित वर्ग के लोग डरे हुए हैं- मायावती

मायावती ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से कहा कि यह सिर्फ प्रदेश अध्यक्ष की हत्या का मामला नहीं है, पूरे तमिलनाडु में दलित और पिछड़े वर्ग के लोग इस घटना से डरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि दलित समाज सोच रहा है कि जब यह घटना प्रदेश अध्यक्ष के साथ हो सकती है तो हमारे साथ ही हो सकता है।

'भाजपा ने किया जनमत का अपमान, उपचुनाव में तीनों सीटें जीतेगी कांग्रेस

शिमला, 7 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व सांसद प्रतिभा सिंह ने कहा कि प्रदेश की तीनों विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस भारी बहुमत से जीत हासिल कर रही है। हमीरपुर, देहरा व नालागढ़ के मतदाताओं का रुझान कांग्रेस के पक्ष में है और लोग प्रदेश में कांग्रेस सरकार को मजबूत करने के लिए एकजुट हैं। तीन उपचुनाव के बाद प्रदेश में कांग्रेस विधायकों की संख्या 41 होने जा रही है।

प्रतिभा सिंह ने यहां जारी एक बयान में कहा है कि भाजपा का कोई भी राजनीतिक दांव अब प्रदेश में चलने वाला नहीं है। उन्होंने कहा है कि प्रदेश में उपचुनाव के लिए भाजपा पूरी तरह जिम्मेदार है और इससे वह कभी भी दोषमुक्त नहीं होगी। प्रतिभा सिंह ने कहा है कि तीनों पूर्व निर्दलीय विधायकों ने अपने मतदाताओं के उस भरोसे को तोड़ा है जिसके लिए उन्होंने उन्हें चुना था।

इंदौर में छह बच्चों की मौत पर पीएम मोदी सख्त कहा- पूरी तहकीकात करें, कौन है दोषी

इंदौर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। इंदौर पंचकुइयां रोड स्थित श्री युग पुरुष धाम आश्रम में छह बच्चों की मौत का मामला अब राष्ट्रीय स्तर पर पहुंच गया है। प्रधानमंत्री कार्यालय और केंद्रीय महिला एवं बाल विकास विभाग की मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने एक जांच दल इंदौर भेजा है। जांच टीम की सदस्य डॉ। दिव्या गुप्ता ने कहा कि अब मामला इंदौर का नहीं राज्य और राष्ट्रीय स्तर का हो गया है। उन्होंने कहा कि बच्चों को कितनी गंभीरता से लेना चाहिए इसे लेकर पीएम मोदी हमेशा संवेदनशील रहते हैं। उन्होंने आग्रह किया है कि इस विषय को लेकर आप पूरी तहकीकात करके आएं। जांच कर मामले की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर सबमिट की जाएगी। टीम ने यहां से दस्तावेज और कंप्यूटर की हार्ड डिस्क जांच में ली है। साथ ही यहां की जांच में क्या मिला उसके दस्तावेज भी हासिल किए हैं।

यह रिपोर्ट पहले पीएमओ को सबमिट होगी। डॉ। गुप्ता ने बताया कि केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने रिपोर्ट मांगी है और उनकी ओर से पीएमओ को रिपोर्ट जानी है। पीएमओ से रिपोर्ट भेजने को कहा गया है। डॉ. गुप्ता ने इंदौर के सरकारी अधिकारियों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को नियमित रूप से आश्रम जाकर जांच करना थी। इस बात को भी संज्ञान में लेना चाहिए।

मुंबई के केईएम अस्पताल की लापरवाही का वीडियो, मरीजों की रिपोर्ट से बन रही हैं पेपर प्लेटें

मुंबई, 7 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई से एक बेहद चौंकाने वाला वीडियो सामने आया है, जिसमें अस्पताल की लापरवाही साफ देखी जा सकती है। ममला मुंबई के केईएम अस्पताल का बताया जा रहा है। यहां के मरीजों की रिपोर्ट से बनी पेपर प्लेट का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में मुंबई के किंग एडवर्ड मेमोरियल (केईएम) अस्पताल में मरीजों की रिपोर्ट को कागज की प्लेट के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। मरीजों की मेडिकल रिपोर्ट को पेपर प्लेटें यानी खाने की प्लेट बना दी गईं, जिसमें लोग खाना परोसकर खाते हैं। प्लेटों पर अस्पताल का नाम, मरीज की डिटेल और चिकित्सा प्रक्रिया जैसी जानकारी दर्ज है। केईएम अस्पताल की डीन डॉ। संगीता रावत ने साफ किया कि ये प्लेटें मरीज की रिपोर्ट से नहीं बनाई गई थीं। उन्होंने कहा कि ये मरीज की रिपोर्ट नहीं हैं, ये सीटी स्कैन के पुराने फोल्डर हैं।

अब इस मामले में बीएमसी कमीश्नर भूषण गगरानी ने जांच के आदेश दिए हैं। मामले पर जब हंगामा मचा तो अस्पताल प्रशासन ने छह कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इस पूरे मामले में मुंबई की पूर्व मेयर किशोरी पेडनेकर ने सोशल मीडिया पर उजागर करते हुए अस्पताल प्रशासन और नगर निगम पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

शिक्षकों को सातवें वेतन आयोग के अनुसार एरियर दें एचसी का दिल्ली के निजी स्कूलों को सख्त निर्देश

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली के निजी स्कूलों के शिक्षकों के लिए अच्छी खबर है। दिल्ली हाई कोर्ट ने निजी स्कूलों को निर्देश दिया है कि वे शिक्षकों को सातवें वेतन आयोग के तहत एरियर का भुगतान करें। निजी स्कूलों के शिक्षकों को एरियर नहीं मिलने को लेकर दायर याचिका पर हाई कोर्ट ने निजी स्कूलों के संचलकों को फटकार भी लगाई। हाई कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि अगर निजी स्कूल बकाया राशि का 25 प्रतिशत भी जमा करने में असमर्थ हैं तो इसका मतलब है कि स्कूल दयनीय स्थिति में है। उनके पास स्कूल के संचालन के लिए पर्याप्त धन नहीं है। कोर्ट ने स्कूल संचालकों से पूछा कि वे कैसे, किस तरीके से और कब अपने शिक्षकों को सातवें वेतन आयोग के अनुसार वेतन दे सकते हैं। जस्टिस सुरेश कुमार कैथल ने कहा कि अगर स्कूलों के पास इसे लागू करने का संसाधन नहीं है तो अदालत शिक्षा निदेशालय को ऐसे स्कूलों को अपने नियंत्रण में लेने का आदेश देने को बाध्य होगी। जस्टिस कैथल ने कहा कि कोर्ट शिक्षकों और छात्रों के हितों के साथ खिलवाड़ होता नहीं देख सकती है। कोर्ट ने इस मामले में सभी पक्षों से अपनी-अपनी लिखित रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। इससे पहले मामले की सुनवाई के दौरान निजी स्कूलों की ओर पेश वकील ने कहा कि स्कूल याचिकाकर्ता शिक्षकों को देय राशि का 25 प्रतिशत भी देने की स्थिति में नहीं है। वकील ने दलील दी कि शिक्षा निदेशालय ने उन्हें फीस में बढ़ोतरी करने की इजाजत नहीं दी। इस मामले में अगली सुनवाई 21 अगस्त को होगी। बता दें कि इससे पहले दिल्ली हाई कोर्ट ने आप सरकार को निजी गैर सहायता प्राप्त स्कूलों के शिक्षकों के वेतन से संबंधित वेतन आयोग की शिफारिशों के क्रियान्वयन की निगरानी के लिए समिति गठित करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि यह खेदजनक है कि शिक्षकों को सातवें वेतन आयोग की शिफारिशों के अनुसार अपने वेतन और अन्य लाभ के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ रहा है, जिसके वे हकदार हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता

सुविचार: इस दुनिया में दुर्लभ कुछ भी नहीं है, अगर उत्साह का साथ न छोड़ा जाए।

मुख्यमंत्री ने जगन्नाथ रथ यात्रा का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ने जगन्नाथ रथ यात्रा का आज एनटीआर स्टेडियम में उद्घाटन किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के कहा कि इस्कॉन ने एक अच्छा कार्यक्रम आयोजित किया। मेरी सरकार सभी के लिए है। राज्य सरकार हर धर्म का सम्मान करती है और सभी धर्मों को स्वतंत्रता और अवसर प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि इस्कॉन की प्रार्थनाओं से राज्य फल-फूल रहा है और राज्य समृद्ध होगा। मेरी सरकार यह संदेश फैलाने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है कि मानव सेवा ही परम सेवा है। सरकार ऐसे अच्छे कार्यक्रमों का समर्थन कर रही है ।

स्कॉन मंदिर अबिड्स हैदराबाद के तत्वावधान में रथ यात्रा आज शुरू हुई। रथ यात्रा एनटीआर स्टेडियम से प्रदर्शनी मैदान तक गई।

हरीश ने सीएम से शिक्षा क्षेत्र की समस्याओं को हल करने का आग्रह किया

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री हरीश राव ने आज मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को एक खुला पत्र लिखा और उनसे राज्य के शिक्षा क्षेत्र की समस्याओं को हल करने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया। अपने पत्र में उन्होंने दावा किया कि तेलंगाना के गठन के बाद मुख्यमंत्री बने पूर्व सीएम केसीआर ने सरकार की शिक्षा प्रणाली को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर के बाद अब सत्ता में आई कांग्रेस सरकार ने शिक्षा प्रणाली के प्रति घोर लापरवाही बरती है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि तेलंगाना शिक्षा प्रणाली खराब सुविधाओं, शिक्षकों की कमी, पाठ्यपुस्तकों की कमी, कपड़ों की कमी, पीने के पानी की कमी और वेतन भुगतान में देरी से ग्रस्त है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार के शासक राज्य के शिक्षा क्षेत्र पर ध्यान देने के बजाय केवल राजनीतिक मुद्दों को प्राथमिकता दे रहे हैं। सत्ता में आने के सात महीने के भीतर, कुछ भी नया नहीं किया गया है। सरकार पिछली सरकार जो कर रही थी उसे जारी रखने में भी विफल रही है। कांग्रेस का शासन शिक्षकों, छात्रों और सरकारी स्कूलों के लिए अभिशाप बन गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस सरकार ने सरकारी स्कूलों के विकास के लिए 'माना ऊरु-माना बड़ी' नामक एक भव्य कार्यक्रम शुरू किया है, लेकिन वर्तमान सरकार द्वारा इसकी उपेक्षा की जा रही है। स्कूलों में छात्रों को बारीक चावल की जगह कटा हुआ चावल खिलाया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि छात्रों के पौष्टिक भोजन के लिए दिए जाने वाले चिकन अंडे के बिल का भी भुगतान नहीं किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार दो जोड़ी स्कूल यूनिफॉर्म देने के बजाय सिर्फ एक जोड़ी कपड़े देकर हाथ धुलवा रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने पिछली सरकार द्वारा 27,000 स्कूलों में शुरू किए गए 'सीएम ब्रेकफास्ट' कार्यक्रम को भी रोक दिया है, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि एक भी छात्र भूखा न रहे। उन्होंने कहा कि सफाई व्यवस्था खराब होने के कारण स्कूलों में मच्छर और मक्खियां पनप रही हैं। पाठ्यक्रम के अनुसार शिक्षकों के रिक्त पदों पर नियुक्ति न होने से पाठ्यक्रम पूरा होना संदिग्ध हो गया है। बिजली बिल न मिलने से अंधेरा छाया हुआ है। दुख की बात है कि स्कूली शिक्षा व्यवस्था में इन सभी समस्याओं के बावजूद आपकी सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। भारत के भावी नागरिक तैयार करने वाले स्कूलों के प्रबंधन को हवा में छोड़ना कांग्रेस सरकार की शिक्षा के विकास के प्रति ईमानदारी की कमी का प्रमाण है। उन्होंने मांग की कि स्कूली शिक्षा को पटरी पर लाने के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं और समस्याओं का समाधान किया जाए।

जगन्नाथ रथ यात्रा समारोह के लिए भक्तों से गुलजार शहर

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को शहर के विभिन्न हिस्सों में आयोजित जगन्नाथ रथ यात्राओं में बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया। अंतर्राष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) मंदिर, अबिड्स द्वारा आयोजित जगन्नाथ रथ यात्रा में भक्तों की भारी भीड़ देखी गई और भक्तों के जयकारों के बीच जुलूस आगे बढ़ा। इस बीच, श्री जगन्नाथ स्वामी रामगोपाल ट्रस्ट, जो 130 वर्षों से हर वर्ष जनरल बाजार स्थित जगन्नाथ मंदिर से भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा की रथ यात्रा का आयोजन करता आ रहा है, ने इस वर्ष भी रविवार को रथ यात्रा निकाली। अंतरराष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (इस्कको), सिकंदराबाद की शोभायात्रा में भी भक्तों की भारी भीड़ देखी गई, जो हरि हर कला भवन, आरपी रोड, बाटा चौराहा, मोंड़ा मार्केट, घंटाघर, संगीत थिएटर जंक्शन से होकर गुजरी।

केंद्रीय कर्मचारी को साइबर ठगों ने लगाया 3 लाख का चूना

संगारेड्डी, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पटनचेरू मंडल के लकडाराम गांव निवासी एक केंद्रीय सरकारी कर्मचारी ने साइबर जालसाजों के हाथों 3 लाख रुपये गंवा दिए, जिन्होंने उन्हें फोन पर धमकी दी कि मुंबई में उनके खिलाफ धन शोधन का मामला दर्ज किया गया है। फोन करने वाले ने पीड़ित को बताया कि वह केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से बोल रहा है। जब उसने आरोपी द्वारा भेजे गए लिंक पर क्लिक किया, तो बुधवार को उसके बैंक खाते से 3 लाख रुपये डेबिट हो गए।

जब उन्हें एहसास हुआ कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है, तो उन्होंने तुरंत 1930 पर कॉल करके शिकायत दर्ज कराई। डी4सी डीएसपी एन वेणुगोपाल रेड्डी ने कहा कि वे आरोपी के बैंक खाते में पूरी राशि फ्रीज कर सकते हैं, क्योंकि पीड़ित ने धोखाधड़ी होने के एक घंटे से भी कम समय के भीतर 'गोल्डन ऑवर' के भीतर शिकायत दर्ज कराई थी।

डीएसपी ने कहा कि वे सभी उचित प्रक्रियाओं का पालन करके पैसे वापस ले लेंगे। उन्होंने कहा कि एक घंटे से भी कम समय में साइबर अपराध की शिकायत करना खोए हुए पैसे वापस पाने के लिए महत्वपूर्ण है।

बीआरएस नेताओं को दलबदल के बारे में बात करने का कोई अधिकार नहीं : जूपल्ली

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। विधायकों के दलबदल को लेकर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की निंदा करते हुए पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने कहा कि बीआरएस नेताओं को दलबदल के बारे में बात करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। रविवार को यहां कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) के मीडिया हॉल में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए जुपल्ली कृष्ण राव ने शादनगर के विधायक शंकर के साथ कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव तेलंगाना में दलबदल की अनैतिक प्रथा शुरू करने वाले पहले व्यक्ति थे और उन्होंने भारतीय संविधान की भावना को कुचला। जुपल्ली ने कहा, भले ही लोगों ने बीआरएस पार्टी को दो बार स्पष्ट जनादेश दिया हो, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने सत्ता में रहते हुए लोकतंत्र की हत्या की और सभी व्यवस्थाओं को भ्रष्ट कर दिया। पूर्ण बहुमत होने के बावजूद केसीआर ने अन्य दलों के विधायकों को अपनी पार्टी में शामिल किया और तेलंगाना में विपक्ष की आवाज को दबाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि वे विधायक बीआरएस पार्टी छोड़ रहे हैं, जिसने लोगों के फैसले का मजाक उड़ाया और बीआरएस विधायक स्थिर सरकार के लिए कांग्रेस पार्टी में शामिल हो रहे हैं। जुपल्ली ने कहा, बीआरएस विधायकों को कांग्रेस पार्टी में शामिल करना कुछ भी गलत नहीं है, जब बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव तेलंगाना में लोगों की सरकार को गिराने की साजिश रच रहे हैं। मंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी पर लोगों की सरकार की रक्षा करने की जिम्मेदारी है और वह सरकार को गिराने की केसीआर की साजिशों को बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने आगे कहा कि पूर्व मंत्री निरंजन रेड्डी के पास विधायकों के दलबदल पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना करने का स्तर नहीं है। जुपल्ली कृष्ण राव ने कहा, राहुल गांधी को पत्र लिखने के बजाय, निरंजन रेड्डी को केसीआर को पत्र लिखना चाहिए था क्योंकि बीआरएस अध्यक्ष ने तेलंगाना राज्य के गठन के बाद से दलबदल को बढ़ावा दिया था।

आसिफाबाद में बाघ की सक्रियता

ग्रामीणों से जंगल में न जाने की अपील

कुमराम भीम आसिफाबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कागजनगर रेंज में बाघ की गतिविधि के बाद वन अधिकारियों ने लोगों से अकेले जंगल में न जाने का आग्रह किया है। कागजनगर वन रेंज अधिकारी रमा देवी ने जंगल के सीमावर्ती गांवों में रहने वाले लोगों से अनुरोध किया है कि वे अंकुशपुर, नंदीगुडा, गोंधी, नरलापुर, चारीगांव, कोसिनी, रेगुलागुडा, ऊटपल्ली और वेम्पल्ली गांवों के पास के जंगलों में बाघ की आवाजाही के मद्देनजर जंगल में न जाएं।

वन अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से भी आग्रह किया कि वे क्षेत्र में बाघों के पैरों के निशान और उनकी आवाजाही से संबंधित कोई भी जानकारी तुरंत साझा करें। उन्होंने ग्रामीणों से जंगली बिल्ली को नुकसान न पहुंचाने का अनुरोध किया। उन्होंने चेतावनी दी कि जंगली जानवरों का शिकार करना दंडनीय अपराध है और कहा कि एक बाघ पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र से आकर कागजनगर के जंगलों को लंबे समय से अपना घर बना चुका है। 6 और 8 जनवरी को धारेगांव गांव के पास के जंगलों में एक डेढ़ साल की मादा शावक और एक 6 साल का नर बाघ मृत पाए गए। दूसरे बाघ की मौत का कारण जहर माना जा रहा है, जबकि पहले बाघ की मौत का कारण क्षेत्रीय लड़ाई बताया जा रहा है।

जवाहर बाल मंच की बैठक में शिक्षा मिशन पर चर्चा

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जवाहरलाल मंच के प्रदेश अध्यक्ष श ममिदी ऋषिकेष रेड्डी ने शनिवार सुबह सोमाजीगुड़ा प्रेस क्लब में सरकार द्वारा चलाए जा रहे शिक्षा मिशन पर एक गोलमेज बैठक की। इस बैठक के मुख्य अतिथि राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष सिरिसिल्ला राजैया, वाईएम थे।

वी फाउंडेशन के राष्ट्रीय संयोजक आर. वेंकट रेड्डी, राज्य ओबीसी सेल कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष नुथी श्रीकांत गौड़, जेबीअम राज्य प्रभारी अशोक मारिदास और अन्य लोग आए और शिक्षा मिशन को कुछ सिफारिशें दीं। ये सिफारिशें महत्वपूर्ण हैं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सरकार का लक्ष्य होना चाहिए। सरकार को शिक्षा संकट को समझना चाहिए। शिक्षा में सुधार लाया जाना चाहिए शिक्षा की उपेक्षा एक पीढ़ी के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। सीएम रेवंत रेड्डी की सार्वजनिक शिक्षा को मजबूत करने की घोषणा खुशी की बात है, लेकिन तेलंगाना की शिक्षा प्रणाली इतने गहरे संकट में है कि सार्वजनिक शिक्षा को मजबूत करना संभव नहीं होगा।

केंद्र सरकार द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक, केंद्र शासित प्रदेशों में शिक्षा सुविधाएं मुहैया कराने के मामले में तेलंगाना 36 राज्यों में से 35वें स्थान पर है। केवल मेघालय ही हमसे पीछे है और पिछले शैक्षणिक वर्ष में एससीईआरटी द्वारा किए गए एफएलएन मूल्यांकन के साथ-साथ कुछ जातीय रिपोर्टें भी यही दर्शाती हैं।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को पहले इन सभी रिपोर्टों की पूरी समीक्षा करनी चाहिए। पिछले दस वर्षों से शिक्षा व्यवस्था पर ध्यान न देने के कारण राज्य जवाहर बाल मंच इकाई सरकार से अनुरोध करती है कि केन्द्रीय शिक्षा का अधिकार अधिनियम, जो कानूनी है, को लागू किया जाये तथा उपरोक्त सिफ़ारिशों को उचित ढंग से लागू किया जाये।

रिश्वत लेने के आरोप में बिजली विभाग का कर्मचारी निलंबित

मंचेरियल, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नॉर्दर्न पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एनपीडीसीएल) के नेन्नल सहायक अभियंता मिट्टापल्ली मल्लैया को कर्तव्यों में लापरवाही बरतने और किसानों से रिश्वत लेने के आरोप में निलंबित कर दिया गया। इस संबंध में शनिवार को आदेश जारी किया गया। सहायक अभियंता, मल्लैया को अपने कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही बरतने तथा अपनी सेवाएं देने के लिए किसानों से रिश्वत मांगने के आरोप में निलंबित कर दिया गया।

एक किसान से नया बिजली ट्रांसफार्मर लगाने से जुड़ी समस्या के समाधान के लिए 15,000 रुपये वसूलने के कारण उनकी काफी आलोचना हुई थी। कुछ सप्ताह पहले किसानों ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। इंजीनियर के खिलाफ व्यापक आलोचना के बाद, अधिकारियों ने जांच की और एक रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसके बाद उच्च अधिकारियों को मल्लैया के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए प्रेरित किया गया।

घर में लटका मिला युवक

मेदक, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शिववमपेट मंडल के कोंथनपल्ली में रविवार तड़के एक व्यक्ति मृत पाया गया। अरिकेला रमेश (42) शनिवार रात को अपने घर से निकला था और घर के पास ही एक झोपड़ी में लटका हुआ मिला। चूंकि उसका शव जमीन को छू रहा था, इसलिए परिवार के सदस्यों को संदेह है कि यह हत्या है। शिकायत के बाद शिववमपेट पुलिस मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए। बाद में शव को पोस्टमार्टम के लिए नरसापुर एरिया अस्पताल ले जाया गया। रमेश के परिवार में उसकी पत्नी और दो बच्चे हैं।

एक अन्य घटना में शिववमपेट मंडल के चिन्नागोट्टीमुक्कला गांव के कुम्मारीवारी कुंटा में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। पुलिस को शव की पहचान के लिए कोई सबूत नहीं मिला है और उसने शव की तस्वीर सभी पुलिस थानों में भेज दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए नरसापुर क्षेत्र के अस्पताल में भेज दिया गया है।

हैदराबाद बना सौ सीवेज उपचार करने वाला पहला शहर

केटीआर ने बीआरएस शासन के प्रयासों को किया याद

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नाले के पानी के उपचार के लिए बीआरएस शासन के सफल दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने रविवार को कहा कि लगभग 2,000 एमएलडी क्षमता के साथ हैदराबाद 100 प्रतिशत सीवेज का उपचार करने वाला पहला भारतीय शहर बन गया है।

उन्होंने कहा कि केसीआर सरकार द्वारा 3,866 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ शुरू की गई पहल सफल हो गई है। उन्होंने कहा कि मुझे यह बताते हुए खुशी और गर्व हो रहा है कि हमारी योजना और प्रयास सफल हो रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि यह मुसी नदी के पुनरुद्धार और उसके बाद इसके सौंदर्यीकरण की दिशा में पहला कदम है, जिसके लिए वैश्विक डिजाइन निविदाएं आमंत्रित की गई थीं।

कुकटपल्ली आंतर्राष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ हैदराबाद द्वारा भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी की रथ यात्रा निकाली गई। हैदरनगर निजामपेट स्थित माता के मंदिर से प्रारंभ हुई यह रथ यात्रा जेएनटीयू विवेकानगर से कुकटपल्ली में जाकर पोंहची। जिसमें हजारों की संख्या में भक्त सम्मिलित हुए। रथ यात्रा कमिटि के चेयरमैन अंजनीकुमार अग्रवाल के आयोजन में निकाली गई इस रथ यात्रा में अग्रवाल समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, उपाध्यक्ष पुरूषोत्तम अग्रवाल, कपूरचंद गुप्ता, कंचन अग्रवाल, नवीन कुमार अग्रवाल, सतीश कुमार अग्रवाल आदि सहभागी हुए। रथ यात्रा में गाए गए भजनों पर अबालवृद्धों ने ताल पकडा और सभी भगवान जगन्नाथ के रंग में रंग गए।

लोग परिवार की राजनीति में ही हैं उलझे हैं

लालू के परिवार पर क्यों भड़क गए नीतीश कुमार; बीमा को भी नहीं बख्शा

रुपौली (पूर्णिया), 7 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रुपौली उपचुनाव के लिए एनडीए प्रत्याशी कलाधर मंडल के पक्ष में प्रचार करने पूर्णिया पहुंचे। इस दौरान उन्होंने परिवारवाद को लेकर लालू यादव पर जमकर हमला बोला। जनसभा को संबोधित करते हुए नीतीश कुमार ने कहा राजनीति में मैंने कभी अपने परिवार को आगे नहीं बढ़ाया, जबकि आज लोग परिवार की राजनीति करते हैं। यहां तक कि टिकट भी अपने बेटे-बेटियों के बीच ही बांटते हैं। मेरे लिए पूरा बिहार परिवार है। बिना किसी का नाम लिए नीतीश कुमार ने कहा कि कुछ लोग इतने बच्चे पैदा करते हैं कि परिवार में ही उलझे रहते हैं। मैंने बीच में उन लोगों को मौका भी दिया, लेकिन वे गड़बड़ी करने लगे; इसलिए हम हट गए। अब कभी इधर-उधर नहीं करेंगे।

बीमा भारती पर बरसे नीतीश कुमार

इस दौरान नीतीश कुमार राजद प्रत्याशी बीमा भारती पर भी खूब बरसे। उन्होंने कहा, उसे बोलना तक नहीं आता था, लेकिन तीन बार विधायक बनाए, मंत्री भी बनाए। फिर से मंत्री बनाने की जिद कर रही थी, नहीं बनाए तो सांसद बनने चली गई। परिणाम आया तो क्या हुआ। तीसरे नंबर पर आईं। मुख्यमंत्री सुबह करीब साढे.10 बजे हेलीकॉप्टर से पूर्णिया स्थित मे-फेयर होटल के हेलीपैड पर उतरे और लगभग दो घंटे विश्राम के बाद सड़क मार्ग से रूपौली पहुंचे और माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में सभा को संबोधित किया। वहां से वे फिर हेलीकाप्टर से पटना के लिए रवाना हो गए।

22 लाख युवाओं को दी नौकरी

अपने भाषण में नीतीश कुमार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली और सात निश्चय योजना से जुड़ी उपलब्धियां गिनाई। उन्होंने कहा कि मैंने अबतक 22 लाख युवाओं को नौकरी दी है। अभी 12 लाख लोगों को और नौकरी देने की योजना है। नीतीश ने दावा किया कि हमने महिलाओं को सशक्त बनाया। पूर्णिया के लिए भी विकास से जुड़े अनगिनत काम किए। पॉलिटेक्निक कॉलेज, पूर्णिया कॉलेज, मेडिकल कॉलेज और इंजीनियरिंग कॉलेज का निर्माण कराया। पूर्णिया में छह लेन सड़क का निर्माण कराया। एयरपोर्ट बनाने का काम भी शुरू हो गया है।

जीरो वाली स्थिति में कांग्रेस को लाकर छोड़ाः सम्राट

चुनावी सभा को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कांग्रेस और आईएनडीआईए पर तंज कसा। सम्राट चौधरी ने कहा कि एनडीए ने कांग्रेस को लूडो वाली स्थिति में लाकर छोड़ दिया है। जहां लोग पूरा पासा फेंकने के बाद 99 पर आकर ठहर जाते हैं और सांप के काटते ही सीधे एक पर आ जाते हैं। देश में उसी जीरो वाली स्थिति में कांग्रेस को लाकर एनडीए ने छोड़ा है।

लालू यादव की बढ़ने वाली है टेंशन

अदालत पहुंचा हत्या का 30 साल पुराना मामला; 19 जुलाई को है सुनवाई

मुजफ्फरपुर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के खिलाफ अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम पश्चिमी के कोर्ट में परिवाद दाखिल किया गया है। यह परिवाद मुजफ्फरपुर के पारू थाना के उस्ती गांव के राजीव रंजन उर्फ टुनटुन सिंह ने दाखिल किया है। परिवाद में लालू यादव पर भड़काऊ भाषण देने का आरोप है। राजीव रंजन ने आरोप लगाया है कि 30 साल पहले लालू यादव ने एक ऐसा भड़काऊ भाषण दिया था, जिससे उत्तेजित होकर उनकी पार्टी (राजद) के समर्थकों ने मेरे पिता की हत्या कर दी थी। कोर्ट ने परिवाद को सुनवाई पर रखा है। इसके लिए 19 जुलाई की तिथि तय की है।

परिवाद में लालू यादव पर क्या हैं आरोप

परिवाद में राजीव रंजन उर्फ टुनटुन सिंह ने कहा है कि 1994 में राज्य में जनता दल की सरकार थी और लालू प्रसाद यादव मुख्यमंत्री थे। परिवाद में आरोप लगाया गया है कि 27 जून 1994 को पटना के गांधी मैदान में लालू प्रसाद यादव ने जातिगत आधार पर टिप्पणी की।

इस भाषण से उनकी पार्टी के कार्यकर्ता उग्र हो उठे। 30 जून 1994 की सुबह बथान पर से उसके पिता जयनारायण सिंह का अपहरण कर लिया गया। गोली मारकर हत्या करने के बाद उनका शव चार जुलाई 1994 को शीशम के पेड़ से लटका दिया गया था।

परिवाद में उसने कहा है कि उनके पिता तत्कालीन बिहार पीपुल्स पार्टी के सक्रिय सदस्य व मुजफ्फरपुर पश्चिमी के अध्यक्ष थे। जातीय उन्माद में उसके पिता के अलावा, जिले में अन्य लोगों की भी हत्याएं हुईं। परिवाद में इसके लिए लालू प्रसाद यादव को जिम्मेदार बताया गया है।

बिहार के सूक्ष्म और लघु उद्योगों को लेकर एक्शन में जीतन राम मांझी, बताई क्या है प्राथमिकता?

पटना, 7 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री जीतन राम मांझी ने शनिवार को कहा कि छोटे उद्योगों को बढ़ावा देना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। इससे ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों के परंपरागत काम करने वालों को मदद मिलेगी, रोजगार के अवसर पैदा होंगे और देश का समावेशी विकास संभव होगा। वहीं, केंद्रीय मंत्री ने लघु उद्योग विभाग के अधिकारियों के साथ मुलाकात कर बिहार के सूक्ष्म और लघु उद्योगों पर चर्चा की और स्थानीय कार्यालय परिसर में पौधरोपण भी किया। जीतन राम मांझी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लघु उद्योगों को सशक्त बनाने के सपने को साकार करते हुए हमें देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अपना योगदान देना चाहिए। मांझी शनिवार को बिहार के केवीआईसी स्टेट ऑफिस और एमडीटीसी का दौरा किया, जहां उन्होंने एमडीटीसी के नियमित एवं मौजूदा प्रशिक्षुओं, पीएम विश्वकर्मा प्रशिक्षुओं, पीएमईजीपी और जीवीवाई आदि के लाभार्थियों और उद्यमियों से बातचीत की।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लघु उद्योग के क्षेत्र में बहुत संभावनाएं हैं, इसलिए सभी को पारदर्शिता के साथ इस क्षेत्र में अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने खादी एवं ग्रामोद्योग के अधिकारियों से काम में तेजी लाने की अपील भी की। अपने दौरे के दौरान मांझी ने विभिन्न सूक्ष्म और लघु उद्यमों से जुड़े प्रशिक्षुओं और लाभार्थियों से मुलाकात की और संबंधित अधिकारियों के साथ राज्य में केवीआईसी, एमडीटीसी, पीएम विश्वकर्मा समेत अन्य उद्यमों द्वारा की जा रही गतिविधियों की समीक्षा की।

वाराणसी लोकसभा चुनाव में अबकी बार भाजपा ने चुनाव में 70 लाख तो कांग्रेस ने खर्च किए सिर्फ 26 लाख रुपये

बसपा से आगे रही यह पार्टी

वाराणसी, 7 जुलाई (एजेंसियां)। निर्वाचन आयोग के आदेश के क्रम में वाराणसी संसदीय सीट से चुनाव लड़ने वाले भाजपा, कांग्रेस समेत सभी दलों के सातों प्रत्याशियों की ओर से चुनावी खर्च का लेखा जोखा सौंप दिया गया है। इस बार सर्वाधिक 70 लाख रुपये खर्च भाजपा प्रत्याशी नरेन्द्र मोदी की ओर से दर्शाया गया है। जबकि कांग्रेस के अजय राय ने सिर्फ 26 लाख रुपये चुनाव व्यय पर खर्च को दिखाया है। आयोग ने प्रत्याशियों को 95 लाख रुपये तक अधिकमत खर्च की सीमा तय की थी। हालांकि प्रत्याशियों ने इस लक्ष्मण रेखा को पार नहीं किया है। बसपा प्रत्याशी अतहर जमाल लारी ने पांच लाख 87 हजार तो अपना दल कमेरावादी के गगन प्रकाश यादव ने आठ लाख 82 हजार रुपये चुनाव में खर्च होने की रिपोर्टिंग आयोग के समक्ष की है। युग तुलसी पार्टी के कोलीशेट्टी शिवकुमार ने तीन लाख 44 हजार तो निर्दलीय संजय तिवारी ने एक लाख 71 हजार तो दिनेश यादव ने एक लाख खर्च दिखाया है। वाराणसी संसदीय सीट से वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में सबसे अधिक खर्च कांग्रेस प्रत्यशी अजय राय की ओर से 54 लाख, आप आदमी पार्टी के अरविंद केजरीवाल ने 51 लाख तो भाजपा प्रत्याशी नरेन्द्र मोदी की ओर से सबसे कम 37 लाख रुपये दर्शाया गया था। वर्ष 2019 के चुनाव में कांग्रेस ने 45 लाख खर्च किया किंतु भाजपा ने अपनी राशि 37 लाख से बढाक़र 49 लाख पहुंचा दी। कांग्रेस ने 2024 के चुनाव में पूर्व चुनाव की तुलना में आधे से कम खर्च कर तीन गुना अधिक वोट बंटारने में कामयाब हुई। जबकि भाजपा ने वर्ष 2019 की तुलना में 21 लाख से अधिक खर्च की लेकिन वोट व जीत का अंतर नहीं बढ़ा सकी।

अलीगढ़ में मुस्लिम महिला ने बीजेपी को दिया वोट तो पति ने दे दिया तीन तलाक, थाने में नहीं हो रही सुनवाई

अलीगढ़, 7 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी के अलीगढ़ से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक मुस्लिम महिला को केवल इसलिए तलाक दे दिया गया क्योंकि उसने बीजेपी को वोट दिया था। महिला का कहना है कि उसने लोकसभा चुनाव में बीजेपी को वोट दे दिया, तो उसके पति ने घर आते ही उसे तलाक दे दिया। अब महिला पिछले दो महीनों से न्याय के लिए दर-दर भटक रही है। गांव सुनपहर एदलपुर निवासी आसिया की शादी 7 अप्रैल 2021 को बरौली निवासी सेवान मियां के साथ हुई थी। आसिया ने बताया कि शादी के समय उसके माता-पिता द्वारा करीब 8 लाख 50 हजार रुपए का दान-दहेज भी दिया गया था। आसिया का आरोप है कि उसका पति सेवानमियां पहले से ही शादी-शुदा था और उसके साथ धोखे से दूसरी शादी की गई। शादी के बाद से ही पति व ससुरालियों द्वारा उसे अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर परेशान किया जाने लगा। जिसकी वजह से वह अपने घर आकर रह रही थी। आसिया ने बताया कि 26 जून को वह अपने भाई के साथ वोट डालकर वापस अपने घर जा रही थी, तभी रास्ते में उसका पति सेवान मियां अपने भाईयों के साथ उसे मिला और उसने पूछा कि वह किसे वोट डालकर आ रही है, जिस पर उसने कहा कि वह बीजेपी को वोट डालकर आ रही है। इतना सुनते ही सेवान मियां आग बबूला हो गया और कहा कि समाजवादी पार्टी को वोट नहीं डाला? तभी सेवान मियां के साथ आए उसके भाई शब्बू व सादान ने सेवान मियां से कहा कि भाई इसे तलाक दे दो। इस पर सेवान मियां ने उसे तीन बार तलाक-तलाक-तलाक बोल दिया और वहां से चला गया। आसिया ने बताया कि वह सेवान मियां के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर पिछले दो महीनों से थाने-चौकियों के दर-दर चक्कर लगा रही है, पर अभी तक उसकी कोई भी सुनवाई नहीं हुई है। अब उसने इसकी शिकायत तहसील दिवस में की है।

खुले में शौच का खतरनाक अंजाम, अचानक आए मगरमच्छ ने कर दिया बड़ा कांड

कुशीनगर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के खड्डा थाना क्षेत्र में एक हैरान करने वाली घटना हुई है। यहां बरसात में नहर के किनारे शौच कर रहे एक व्यक्ति पर अचानक आए मगरमच्छ ने हमला कर दिया और उसका प्राइवेट अंग काट लिया। गंभीर हालत में उन्हें गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है, यह क्षेत्र गैनेही जंगल में पड़ता है। पुलिस के मुताबिक घटनास्थल महराजगंज जिले के निचलौल रेंज के अंतर्गत आता है। खड्डा थाना क्षेत्र के गैनही जंगल निवासी बुजुर्ग कन्हैया शौच करने के लिए बुढवा जंगल से सटे होकर बहने वाली नहर के किनारे गया था। इसी दौरान नहर से निकले एक मगरमच्छ ने उस पर हमला बोल दिया।बुजुर्ग किसी तरह बचाव के लिए जैसे-तैसे उठा ही था कि तब तक मगरमच्छ ने झपट्टा मारा और गुप्तांग काटकर वापस नहर में चला गया। बुजुर्ग के चिल्लाने पर पहुंचे आसपास के लोगों ने इसकी सूचना उसके घर वालों को दी। घायलावस्था में उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

31 दिन तक बंद रहेगी प्रयागराज-वाराणसी हाईवे की एक लेन

सावन महीने में कांवड़ियों के लिए रहेगी रिजर्व, स्टेशन पर बनेगा होल्ड एरिया

वाराणसी, 7 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीकाशी विश्वनाथ का प्रिय माह सावन 22 जुलाई से शुरू हो रहा है। ऐसे में संगम से जल लेकर काशी आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शासन ने प्रयागराज-वाराणसी हाईवे की एक लेन 31 दिनों तक बंद रखने का फैसला लिया है। यह व्यवस्था 20 जुलाई की रात 12 बजे से 19 अगस्त की रात 12 बजे तक लागू रहेगी। साथ वाराणसी में सावन के प्रत्येक सोमवार के पहले शनिवार की रात से मंगलवार की सुबह तक किसी भी भारी वाहन को शहर में एंट्री नहीं दी जाएगी। इसके अलावा कांवड़ियों के आराम के लिए कैंट स्टेशन पर होल्ड एरिया बनाया जाएगा। हर साल की तरह इस साल भी सावन को लेकर प्रशासनिक अधिकारी तैयारियां कर रहे हैं। ऐसे में आने वाले सावन पर संगम (प्रयागराज) से जल लेकर काशी विश्वनाथ को जल लेकर चढ़ाने वाले कावड़ियों की सुविधा के लिए प्रयागराज-वाराणसी हाईवे की एक लेन बंद रखने का निर्णय लिया गया है। इस लें पर कोई भी भारी वाहन या चार पहिया नहीं दौड़ेगी। इसके अलावा सिर्फ कावड़ियों के वाहन ही इस पर चलेंगे। नई दिल्ली से कोलकाता को जोड़ने वाले इस हाईवे पर कांवड़ियों के आवागमन को देखते हुए सावन के सोमवार के पहले प्रत्येक शनिवार रात 8 बजे से लेकर मंगलवार की सुबह 7 बजे तक भारी वाहनों को वाराणसी शहर में एंट्री नहीं दी जाएगी। किसी भी प्रकार के भारी वाहन वाराणसी शहर में प्रवेश नहीं कर सकेगा।

पुरानी व्यवस्था में नो व्हीकल जोन रहेगा गोदौलिया-मैदागिन क्षेत्र

वाराणसी के अधिकारियों के अनुसार सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर जनपद स्तरीय पुलिस और प्रशासनिक अफसरों की बैठक अगले सप्ताह होगी। वहीं पुरानी परंपरा के अनुसार गोदौलिया से मैदागिन तक नो व्हीकल जोन रहेगा। किसी भी प्रकार के वाहनों को आने की अनुमति नहीं होगी। सिर्फ जिनके घर हैं उन्हें अनुमति दी जाएगी।

कैंट स्टेशन पर बनेगा होल्डिंग एरिया

कैंट रेलवे स्टेशन से भी लाखों श्रद्धालु सावन में वाराणसी पहुंचते हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा के लिए जीआरपीर और आरपीएफ मुस्तैद है। स्टेशन के सीसीटीवी कैमरे दुरुस्त कराए गए हैं। इसके अलावा सभी व्यवस्था चौबंद है। रेलवे अधिकारियों की मानें तो इस बार भी स्टेशन में कांवड़ियों के लिए होल्डिंग एरिया बनाया जाएगा।

प्रेम विवाह से नाराज पिता ने बेटी के ससुराल वालों पर चलाई गोली, प्रेमी के पिता की मौत

अमरोहा, 7 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अमरोहा में प्रेम विवाह से नाराज प्रेमिका के पिता और उसके साथियों ने बेटी को उसकी ससुराल से उठा ले जाने की कोशिश की। वहीं फिर विवाद होने पर लड़के के पिता की गोली मार कर हत्या कर दी और एक अन्य को गोली मार कर घायल कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद फायरिंग करते हुए भाग गए। दरअसल पूरा मामला अमरोहा जनपद के मंडी धनौरा थाना क्षेत्र के गांव मलकपुर का है। जहां मुजफ्फरनगर के रहने वाले पिता ने बेटी के प्रेम विवाह से नाराज होकर बेटी की ससुराल पहुंच कर बेटी के ससुर को गोली मारकर हत्या कर दी। समझौते के बहाने आये और लड़की को अपने साथ ले जाने की कोशिश करने लगे। जिसमे विवाद हो गया और लड़की के पिता ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। जिसमें प्रेमी युवक के पिता की गोली लगने से मौके पर मौत हो गई। जबकि बीच बचाव में आए पड़ोस के ही रहने वाले छत्रपाल की भी गोली लगने से हालत गंभीर बताई जा रही है।

सड़क पर नमाज अल्लाह को भी कबूल नहीं होती

चंद्रशेखर के बयान पर इमरान मसूद का पलटवार; अब चढ़ेगा सियासी पारा

सहारनपुर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि सड़क पर नमाज अल्लाह को भी कबूल नहीं होती। उन्होंने यह प्रतिक्रिया नगीना से आजाद समाज पार्टी के सांसद चंद्रशेखर के उस बयान पर दी, जिसमें उन्होंने कुछ दिन पहले कहा था कि जब कांवड़ के लिए कई दिनों के लिए सड़कें बंद हो सकती हैं तो नमाज के लिए आधा घंटा क्यों नहीं। इमरान ने राहुल गांधी के लोकसभा में दिए गए हिंदुत्व के बयान को भी गलत ढंग से प्रस्तुत करने का आरोप लगाया। पत्रकारों से वार्ता के दौरान जब उनसे चंद्रशेखर द्वारा सड़क पर नमाज पढ़ने की छूट दिए जाने के बयान पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि सड़कों पर नमाज अल्लाह को भी कबूल नहीं होती।

'चंद्रशेखर का सवाल चंद्रशेखर से करें'

वैसे भी सड़क सरकार की है और हम लोगों के साथ क्या हो रहा है, यह सारी दुनिया जानती है। चंद्रशेखर का सवाल चंद्रशेखर से करें। इमरान ने राहुल गांधी के संसद में दिए गए हिंदुत्व के बयान को भी गलत ढंग से प्रस्तुत करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अधूरे पड़े दिल्ली-यमुनोत्री हाईवे के संबंध में वार्ता कर लिंक रोड बनाकर सिद्धपीठ मां शाकम्भरी देवी को भी जोड़ने का प्रस्ताव दिया है। भतीजे हमजा मसूद की इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित वीडियो के सवाल पर जवाब देने से इमरान मसूद बचते नजर आए। कहा कि हम संविधान को मानने वाले लोग हैं, लोकसभा में संविधान की शपथ लेकर आए हैं। वीडियो में कोई मखौल नहीं उड़ाया गया है, फिर भी हमजा माफी मांग चुका है।

भाजपा के पत्ते देख अपने प्रत्याशी फाइनल करेगी सपा

अखिलेश ने पदाधिकारियों के साथ किया मंथन

लखनऊ, 7 जुलाई (एजेंसियां)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी मुख्यालय पर विधानसभा उपचुनाव को लेकर पार्टी पदाधिकारियों के साथ मंथन किया। संबंधित जिलों के पदाधिकारियों का आह्वान किया कि उपचुनाव में जीत के लिए जी-जान से जुटें, ताकि लोकसभा चुनाव में मिले नतीजों को आगे भी दोहराया जा सके। हालांकि, इस बैठक के बारे में आधिकारिक तौर पर सपा की ओर से कोई जानकारी नहीं दी गई। सूत्रों का कहना है कि उपचुनाव में भाजपा के पत्ते देख सपा अपने प्रत्याशी फाइनल करेगी। यूपी में शीघ्र ही विधानसभा की 10 रिक्त सीटों पर चुनाव होने हैं। इनमें से एक सीट सीसामऊ (कानपुर) सपा विधायक इरफान सोलंकी को सजा होने से रिक्त हुई है, जबकि नौ विधायक अब लोकसभा सांसद बन चुके हैं। इनमें से पांच सीटें करहल, सीसामऊ, मिल्कीपुर, कटेहरी और कुंदरकी अभी सपा के पास थीं, जबकि खैर, गाजियाबाद और फूलपुर सीट भाजपा, मझवा निषाद पार्टी और मीरापुर रालोद ने जीती थी। करहल सीट अखिलेश यादव के सांसद बनने से रिक्त हुई है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, यहां से अखिलेश परिवार के सदस्य व पूर्व सांसद तेज प्रताप सिंह यादव को उतारा जाना करीब-करीब तय है। सपा के लिए सबसे अहम सीट अयोध्या की मिल्कीपुर है, क्योंकि फैजाबाद (अयोध्या) लोकसभा सीट को जीतना सपा देश में अपनी बड़ी उपलब्धि के तौर पर प्रस्तुत कर रही है। मिल्कीपुर से सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत भी टिकट के दावेदार हैं। सूत्रों के मुताबिक, सपा नेतृत्व नहीं चाहता है कि अवधेश प्रसाद की जीत से बने माहौल को कोई नुकसान पहुंचे, इसलिए उनके बेटे के बजाय किसी अन्य को लड़ाने पर विचार किया जा रहा है। मिल्कीपुर सीट पर सपा के पास कई मजबूत दावेदार हैं। कटेहरी सीट लालजी वर्मा के सांसद चुने जाने से खाली हुई है और उनकी बेटी छाया वर्मा को लड़ाने की चर्चाएं बीच में उठ रही हैं। लेकिन, पार्टी सूत्र बताते हैं कि वहां से किसी ब्राह्मण या मांझी दावेदार को मौका मिल सकता है। सीसामऊ से इरफान सोलंकी के परिवार के ही सदस्य को उतारा जा सकता है। इसके अलावा कानपुर से सपा विधायक अमिताभ वाजपेयी की पत्नी वंदना वाजपेयी या परिवार के किसी अन्य सदस्य के नाम पर भी विचार चल रहा है। कुंदरकी से तुर्क मुस्लिम को उतारा जाना करीब-करीब तय है। सपा सूत्रों का कहना है कि भाजपा के प्रत्याशियों को देखते हुए पार्टी अपने जातिगत समीकरणों का आकलन करेगी और उसी के आधार पर अपनी रणभूमि सजाएगी। यही वजह है कि मीरापुर (मुजफ्फरनगर) सीट पर मुस्लिम, गुर्जर और जाट दावेदारों के नाम पर विचार किया जा रहा है। खैर (अलीगढ़) में निर्दल प्रत्याशी के रूप में अच्छा प्रदर्शन कर चुकीं एक नेता के नाम पर विचार चल रहा है। रालोद के एक नेता भी टिकट के लिए सपा के संपर्क में बताए जा रहे हैं। फूलपुर से पटेल या कुशवाहा बिरादरी के नेता पर सपा दांव लगाएगी। मझवा (मिर्जापुर) में ब्राह्मण या बिंद बिरादरी के नेता को मौका मिल सकता है।

भारी बारिश से उफान पर नदियां, हर घंटे 3 सेमी बढ़ रहा गंगा का जलस्तर; गंडक, कोसी व पहाड़ी नदियों का भी बुरा हाल

पटना, 7 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर बिहार में लगातार वर्षा से नदियों में उफान है। पश्चिम चंपारण से लेकर मिथिलांचल तक नदियां लबालब हैं। बगहा में शनिवार की सुबह से गंडक नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने लगा है। सीमावर्ती नेपाल के पहाड़ों का पानी मैदानी इलाकों का रुख करने लगा है। गंडक बराज नियंत्रण कक्ष में सतर्कता बढ़ा दी गई है। शनिवार की शाम पांच बजे जलस्तर तीन लाख क्यूसेक के आसपास पहुंच गया है। इससे निचले इलाके में बाढ़ का खतरा बढ़ चला है।

पश्चिमी चंपारण के रामनगर इलाके में नदियों के जलस्तर बढ़ने से तटवर्ती गांवों पर एक बार फिर से दबाव बढ़ गया है। भितहा-हसनापुर जानेवाले मुख्य मार्ग पर लगभग एक मीटर पानी बह रहा है। नरकटियागंज में पंडई समेत अन्य पहाड़ी नदियां कहर बरपाने लगी हैं। जलस्तर बढ़ने से तटीय गांवों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। नरकटियागंज सहोदरा मुख्य पथ में प्रेमनगर के पास स्थित आठ साल पुराना डायवर्सन बह गया। मझौलिया प्रखंड के तिरुआह क्षेत्र में जमींदारी बांध रिंग तटबंध क्षतिग्रस्त होने के कगार पर है। कभी भी नदी का जलस्तर बांध को तोड़ सकता है। सीतामढ़ी में बागमती नदी के जलस्तर में शाम को बढ़ोतरी हुई। यहां के ढेंग में बागमती खतरे के निशान से 72 सेंटीमीटर तथा सोनाखान में 32 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। अभी जलस्तर में वृद्धि जारी है। खगड़िया में पिछले 24 घंटे के दौरान 83.4 मिलीमीटर वर्षा हुई है।

गोगरी-नारायणपुर तटबंध के चार किलोमीटर नवटोलिया बौरना स्थल के पास तटबंध के टाप पर बनी सड़क का किनारा क्षतिग्रस्त हुआ है। मुंगेर में गंगा का जलस्तर डेंजर लेवल 39.33 मीटर की तुलना में शनिवार को 31.95 मीटर रहा। केंद्रीय जल आयोग के कर्मी हरेराम प्रसाद ने बताया कि गंगा का जल स्तर हर घंटे तीन सेंटीमीटर बढ़ रहा है। खड़गपुर में मनी नदी का जलस्तर काफी बढ़ गया और पुलिया से ऊपर जल का बहाव हो रहा है। इस कारण इस होकर आवागमन बंद है। कटिहार में महानंदा के जलस्तर में उतार-चढ़ाव है। गंगा और कोसी के जलस्तर में भी मामूली वृद्धि हुई है।

किशनगंज में महानंदा, कनकई, चेंगा, रतुआ, मेची नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हुई है। सुपौल में शाम पांच बजे कोसी बराज पर कोसी का डिस्चार्ज 2,82,680 क्यूसेक रिकार्ड किया गया। वीरपुर कोसी बराज से जारी रिपोर्ट के अनुसार, कोसी का जलस्राव शाम सात बजे तीन लाख सात हजार क्यूसेक (घनफुट प्रति सेकेंड या 28.316 लीटर प्रति सेकेंड) पर पहुंच गया है। पूर्वी कोसी तटबंध सुपौल डिवीजन के कार्यपालक अभियंता अरविंद कुमार ने बताया कि स्थिति नियंत्रण में है। कहीं दबाव नहीं है।

दिल्ली में पेड़ों की कटाई पर आप की बीजेपी को चुनौती

दस्तावेज हैं तो एससी में क्यों नहीं करते पेश

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली के रिज इलाके में काटे गए पेड़ों को लेकर आम आदमी पार्टी और बीजेपी के बीच घमासान बढ़ता ही जा रहा है। दोनों की सियासी दल इसे लेकर आक्रामक रुख अपनाए हुए हैं। इसके लिए दोनों एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराने में लगे हैं। जहां बीजेपी का आरोप है कि सीएम केजरीवाल के आदेश पर रिज इलाके में 1100 पेड़ काट दिए गए, वहीं आप ने बीजेपी को चुनौती दी है कि अगर उनके पास सीएम केजरीवाल की इजाजत पर पेड़ काटने के दस्तावेज हैं, तो वे उसे सुप्रीम कोर्ट के सामने रखें।

'दिल्ली में लगाए चार करोड़ पौधे'

आम आदमी पार्टी की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने बीजेपी को सुप्रीम कोर्ट में दस्तावेजों को प्रस्तुत करने की चुनौती देते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए केजरीवाल सरकार ने दिल्ली में बीते चार साल में दो करोड़ से ज्यादा पौधे लगाए हैं। बीजेपी के एलजी ने सुप्रीम कोर्ट से बिना अनुमति लिए रिज एरिया में हजारों पेड़ कटवा दिए। जिसके संज्ञान में आने के बाद सुप्रीम कोर्ट और दिल्ली सरकार बीजेपी के निर्देश पर काम कर रहे एलजी और अधिकारियों से लगातार जवाब मांग रही हैं, लेकिन सभी चुप बैठे हैं। प्रियंका कक्कड़ का आरोप है कि बीजेपी अब इसे लेकर राजनीति कर रही है। सीएम केजरीवाल के कहने पर इन पेड़ों को काटने का आरोप लगा रही है। एक झूठे दस्तावेज भी दिखा रही है। उन्होंने कहा कि रिज एरिया में पेड़ काटने की अनुमति केवल सुप्रीम कोर्ट ही दे सकता है। बीजेपी अपनी नौटंकी बंद करे और कोर्ट को अनुमति के कागज दिखाए।

एलजी के आदेश पर काटे गए 1100 पेड़ - कांग्रेस

दिल्ली के कांग्रेस नेताओं का कहना है कि सतबरी ईको सेंसिटिव जोन भी इसी श्रेणी में आता है, जहां दिल्ली के एलजी के आदेश पर बिना सुप्रीम कोर्ट की इजाजत के 1100 पेड़ काटे गए। पेड़ काटने के बाद वो सुप्रीम कोर्ट से इसकी अनुमति लेने के लिए गए, जहां कोर्ट को पता चला कि ये पेड़ पहले ही काटे जा चुके हैं। तब कोर्ट एलजी और उनके निर्देश पर काम करने वाले अधिकारियों से जवाब मांग रहा है, जिससे बचने के लिए बीजेपी झूठे दस्तावेजों का दिखावा कर राजनीति कर रही है।

जनता को गुमराह न करे आप - बीजेपी

दिल्ली बीजेपी प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने आप प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ के आरोपों का जवाब देते हुए कहा है कि दस्तावेज स्पष्ट रूप से साबित करते हैं कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने न केवल पेड़ काटने के प्रस्ताव को मंजूरी दी बल्कि एलजी को भी इसे हस्ताक्षरित करने के लिए मजबूर किया। कपूर ने कहा कि, सभी दस्तावेज जो हमने जनता के साथ साझा किए हैं, उनमें आप सरकार के पर्यावरण मंत्री और मुख्यमंत्री के हस्ताक्षर हैं। इस पर आप सरकार अपनी जिम्मेदारी से भाग नहीं सकती।

उत्तराखंड में भारी बारिश का अलर्ट

चारधाम यात्रा रोकी

गढ़वाल, 7 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र में मौसम विभाग ने 7 और 8 जुलाई को भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मद्देनजर चारधाम यात्रा रविवार को अस्थायी रूप से रोक दी गई। गढ़वाल के आयुक्त विनय शंकर पांडे ने कहा कि तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यात्रा स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि मौसम विभाग ने गढ़वाल मंडल में 7 और 8 जुलाई को भारी बारिश होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया है, इसके मद्देनजर सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया जाता है कि वे 7 जुलाई को ऋषिकेश से आगे चारधाम यात्रा के लिए रवाना न हों। जो श्रद्धालु चारधाम यात्रा पर निकल चुके हैं उन्हें मौसम ठीक होने तक उसी स्थान पर रुकना चाहिए जहां वे अभी हैं। उत्तराखंड में नदियां भी उफान पर हैं। जोशीमठ के पास विष्णु प्रयाग में अलकनंदा नदी खतरे के निशान के करीब बह रही है, अलकनंदा विष्णु प्रयाग में धौली गंगा में मिल जाती है। अल्मोड़ा जिले में शनिवार शाम को रामनगर से रानीखेत और अल्मोड़ा को जोड़ने वाला पुल पानी के तेज बहाव को सहन नहीं कर पाया। देखते ही देखते यह पुल क्षण भर मे ताश के पत्तों की तरह ढह गया। चमोली जिले में भूस्खलन के बाद पहाड़ी से गिर रही चट्टानों की चपेट में आने से हैदराबाद के दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। दोनों मोटरसाइकिल से बद्रीनाथ से लौट रहे थे। पिछले कुछ दिन से उत्तराखंड के विभिन्न भागों में भारी बारिश के कारण पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन हो रहा है तथा बद्रीनाथ जाने वाला राजमार्ग कई स्थानों पर पहाड़ी से नीचे गिर रहे मलबे के कारण अवरुद्ध हो गया है।

हाथरस भगदड़ कांड

राहुल गांधी ने सीएम योगी आदित्यनाथ को लिखा लेटर, अधिक मुआवजा देने को कहा

हाथरस, 7 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ को लेटर लिखा है। उन्होंने कहा, 'हाथरस में भगदड़ हादसे से प्रभावित पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर, उनका दुख महसूस कर और समस्याएं जान कर उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को पत्र के माध्यम से उनसे अवगत कराया। मुख्यमंत्री से मुआवजे की राशि को बढ़ाकर शोकाकुल परिवारों को जल्द से जल्द प्रदान करने का आग्रह किया। इस दुख की घड़ी में उन्हें हमारी सामूहिक संवेदना और सहायता की आवश्यकता है।' हाथरस में दो जुलाई की शाम को एक सत्संग के दौरान भगदड़ मच गई थी। इस भगदड़ में 121 लोगों की मौत हुई थी। वहीं भगदड़ के बाद से सत्संग करने वाला बाबा नारायण हरि साकार फरार चल रहा था। नारायण हरि साकार को सूरजपाल उर्फ भोले बाबा कहकर भी बुलाया जाता है।

हाथरस में हुए हादसे के बाद पहली बार सूरजपाल जब मीडिया के सामने आया तो उसने हाथरस हादसे पर दुख जताया। उसने कहा है कि उपद्रवियों पर सख्त कार्रवाई होगी, लोग प्रशासन पर भरोसा बनाए रखें। सूरजपाल उर्फ भोले बाबा ने एक वीडियो बयान में हाथरस भगदड़ की घटना पर कहा, 'हम 2 जुलाई की घटना के बाद बहुत ही व्यथित हैं। प्रभु हमें इस दुख की घड़ी से उभरने की शक्ति दें। सभी शासन और प्रशासन पर भरोसा बनाए रखें। हमें विश्वास है कि जो भी उपद्रवकारी हैं,

जम्मू से 6,145 यात्रियों का जत्था अमरनाथ यात्रा के लिए हुआ रवाना, बाबा बर्फानी के दर्शन शुरू

जम्मू, 7 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू से रविवार तड़के 6,000 से अधिक तीर्थयात्रियों का एक और जत्था दक्षिण कश्मीर हिमालय स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अमरनाथ यात्रा के लिए 6,145 तीर्थयात्रियों का दसवां जत्था 238 वाहनों के दो काफिलों में जम्मू भगवती नगर आधार शिविर से रवाना हुआ। एक सौ पंद्रह वाहनों के पहले काफिले में 2,697 तीर्थयात्री हैं। यह गंदेरबल जिले के बालटाल आधार शिविर के लिए तड़के करीब तीन बजकर 10 मिनट पर रवाना हुआ, जबकि 123 वाहनों का दूसरा काफिला 3,448 तीर्थयात्रियों के साथ अनंतनाग जिले के पहलगाम आधार शिविर के लिए रवाना हुआ है।

19 अगस्त को समाप्त होगी अमरनाथ यात्रा

तीर्थयात्रा 29 जून को अनंतनाग के 48 किलोमीटर लंबे नुनवान-पहलगाम मार्ग और गंदेरबल में बालटाल मार्ग से शुरू हुई थी और यह 19 अगस्त को समाप्त होगी। अब तक डेढ़ लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन किये हैं। बता दें कि इससे पहले अमरनाथ गुफा में बढ़ती गर्मी की वजह से शिवलिंग के पिघलने की खबर सामने आई थी। ऐसे में खराब मौसम और शिवलिंग के पिघलने के कारण भक्त बाबा बर्फानी के दर्शन नहीं कर पाए थे। इस दौरान अमरनाथ यात्रा बालटाल और पहलगाम दोनों मार्गों से स्थगित कर दी गई है।

बता दें कि इस साल अबतक डेढ़ लाख से अधिक श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं। यह यात्रा 19 अगस्त तक जारी रहेगी। यात्रा के पहले सप्ताह में ही रिकॉर्ड 1.51 लाख यात्रियों ने बाबा बर्फानी के दर्शन कर लिए थे। लेकिन नए अमरनाथ यात्रियों के हाथ निराशा लगीं क्योंकि पवित्र गुफा में बर्फ का शिवलिंग पूरी तरह पिघल गया। इस कारण यात्रियों को दर्शन नहीं करने दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि पिछले एक सप्ताह के दौरान बहुत अधिक गर्मी पड़ने के कारण बर्फ के पिघलने की प्रक्रिया तेज हो गई। साल 2008 के बाद पहली बार ऐसा देखने को मिला है।

रिकॉर्ड के अनुसार रक्त संबंधियों को मिलेंगे कुनबी प्रमाण-पत्र, मराठा आरक्षण पर मंत्री ने दिया जवाब

मुंबई, 7 जुलाई (एजेंसियां)। कुनबी के रूप में दर्ज रिकॉर्ड वाले लोगों के रक्त संबंधियों को भी प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे। महाराष्ट्र के मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने इस बारे में बताया। हालांकि इसके बाद कुछ ओबीसी नेताओं ने इसका विरोधे भी किया है। मराठा कार्यकर्ता मनोज जरांगे कुछ समय पहले अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे थे। जिसमें वो मसौदा अधिसूचना के कार्यान्वयन की मांग कर रहे थे। इस अधिसूचना में कुनबी को मराठा समुदाय के सदस्यों के ऋषि सोयारे के रूप में मान्यता दी गई है। उनकी मांग थी कि सभी मराठों को कुनबी प्रमाण पत्र जारी किए जाएं। ताकि वे आरक्षण के लाभ का पात्र बन सकें। हाल ही में महाराष्ट्र के मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने कहा कि जिन लोगों के रिकॉर्ड कुनबी के रूप में दर्ज हैं, उनके ऋषि सोयारे (रक्त संबंधी) को भी ऐसे प्रमाण-पत्र मिलेंगे। बता दें कि पिछले महीने, ओबीसी कार्यकर्ता लक्ष्मण हेके और नवनाथ वाघमारे ने 10 दिनों तक भूख हड़ताल की थी। उनकी मांग थी कि मराठों को कोटा लाभ प्राप्त करने के लिए कुनबी प्रमाण पत्र देने वाली मसौदा अधिसूचना को रद्द किया जाए। उन्होंने मांग की है कि ओबीसी कोटा को कम नहीं किया जाना चाहिए। दोनों ने जरांगे की मांग के जवाब में उपवास शुरू किया था कि मराठों को ओबीसी श्रेणी में आरक्षण मिलना चाहिए। मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने कहा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और देवेंद्र फडणवीस दोनों समुदायों के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत कर रहे हैं। कुछ ओबीसी नेताओं द्वारा मराठों के लिए इस उठाए इस कदम के विरोध पर पाटिल ने कहा कि दोनों समुदायों (ओबीसी और मराठा) को यह समझाना होगा कि ऋषि सोयारे पर अधिसूचना किसी के हितों को नुकसान नहीं पहुंचाएगी।

सूरत में 5 मंजिला बिल्डिंग गिरी

7 शव निकाले गए:2017 में अवैध रूप से बनाई गई थी, 8 साल में ही ढह गई

सूरत, 7 जुलाई (एजेंसियां)। सूरत शहर के इंडस्ट्रियल एरिया सचिन में शनिवार दोपहर पांच मंजिला बिल्डिंग ढह गई थी। रेस्क्यू में जुटी टीम को रविवार सुबह तक 7 लोगों के शव मिल चुके हैं। जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल है। एनडीआरएफ की टीम का रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। अभी भी मलबा हटाने का काम चल रहा है। हादसे में जान गंवाने वालों के नाम हीरामन केवट, अभिषेक केवट, शिवपूजन केवट, साहिल, प्रवेश, ब्रिजेश गौंड हैं। सातवें की पहचान अभी नहीं हो पाई है। हादसे में घायल कशिश शर्मा को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बिल्डिंग 2017 में ही बनी थी। सिर्फ 7 साल में ही पूरी बिल्डिंग के ढह जाने से इसके निर्माण की गुणवत्ता का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। शनिवार रात 9.10 बजे पहला शव निकाला गया। इसके बाद दूसरा शव 11.50 बजे, तीसरा 4 बजे, चौथा साढ़े 4 बजे और 4.45 पर एक साथ तीन शव निकाले गए। अब भी बिल्डिंग का मलबा हटाने का काम चल रहा है। आशंका है कि मलबे में 2-3 लोग और दबे हो सकते हैं।

बिल्डिंग के दो फ्लोर पर ही लोग रहते थेः शुभम

इमारत में रहने वाले शुभम ने बताया कि उनका 17 साल का छोटा भाई साहिल है। हादसे के दौरान वह कमरे में ही था। पूरी बिल्डिंग के दो फ्लोर ही भरे हुए थे। फर्स्ट और सेकंड फ्लोर पर ही लोग रहते थे। नीचे दो रूम और उसके ऊपर 6 रूम में लोग रहते थे। शुभम ने बताया- बाकी के फ्लोर खाली थे। हर एक रूम में कम से कम 5 लोग तो रहते थे। इस तरह दोनों फ्लोर में 20 से 25 लोग रहते थे। मेरे बगल में एक कमरा था, जिसमें एक आंटी रहती थीं।

वे चार दिन पहले ही अपने भाई के साथ यहां रहने आए थे। राजकोट के टीआरपी गेम जोन में 25 मई की शाम आग लग गई थी। इस हादसे में 12 बच्चों समेत 28 लोगों की मौत हो गई थी। किराए की 2 एकड़ जमीन पर तीन मंजिला गेम जोन 2020 में बनाया गया था। इसका स्ट्रक्चर लकड़ी और टीन शेड का था। कई जगह रिपेयरिंग और रेनोवेशन का काम भी चल रहा था। एक जगह सीढ़ी पर वेल्डिंग के दौरान निकली चिनगारी से ब्लास्ट हुआ और आसपास आग लग गई।

दिल्ली में उमस और जलभराव से बढ़ा डेंगू का खतरा, सामने आए 200 से ज्यादा मामले

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली में मानसून की एंट्री हो चुकी है। बीते दिनों राष्ट्रीय राजधानी में हुई बारिश से 11 लोगों की जान चली गई है। अब मौसम विभाग ने मौसम का पूर्वानुमान जारी करते हुए बताया कि इस हफ्ते दिल्ली में बारिश नहीं और लोगों को उमस भरी गर्मी की मार झेलनी पड़ सकती है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान जारी करते हुए कहा कि कई इलाकों में हल्की छुटपुट बारिश होगी और जैसे ही बारिश बंद होगी तो तापमान बढ़ेगा। साथ ही रुक-रुक कर होने वाली इस बारिश से जल जनित बीमारियां यानी डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों का खतरा पैदा करती है। दिल्ली में डेंगू एक बड़ी समस्या है। जगह-जगह पर पानी जमा है, जिससे उसमें डेंगू मच्छरों के लार्वा पैदा होने का बड़ा खतरा बढ़ जाता है तो बारिश के दौरान कई बार जलभराव ज्यादा होने पर सप्लाई वाले पानी में गंदा पानी मिक्स होने लगता है। लिहाजा दूषित पानी से लोगों के बीमार पड़ने का खतरा बढ़ जाता है।

जुलाई की शुरुआत में ही भारी बारिश ने पूरी कर दी कमी, दक्षिण से लेकर उत्तर तक मूसलाधार वर्षा

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। इस सीजन में पूरे देश में मानसून मेहरबान है। यही वजह है कि भारत के बड़े हिस्से में भारी बारिश ने जून में हुई कम बारिश की भरपाई कर दी है। यानी कि जुलाई के महीने में अबतक शानदार वर्षा दर्ज किया गया है, जिससे मानसूनी बारिश औसत प्रतिशत से ज्यादा हो गई है। मौसम विज्ञान विभाग के ताजा आंकड़े के मुताबिक, अगले दो-तीन दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत और प्रायद्वीपीय भारत के पश्चिमी भागों के साथ में अगले पांच दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया है कि पूरे भारत में जून के महीने में 11 फीसदी कम बारिश हुई है, जबकि उत्तर-पश्चिम भारत में बारिश में 33 फीसदी की कमी दर्ज की गई। बता दें कि भारत चावल की पैदावार करने वाले देशों में तीसरे पायदान पर है। कम बारिश की वजह से चावल की फसल पर काफी प्रभाव पड़ता है। बारिश के आंकडे बता रहे हैं कि जुलाई के पहले हफ्ते में हुई भारी बारिश ने कमी की भरपाई कर दी है। मगर इसकी वजह से पूर्वोत्तर के कई राज्यों में बाढ़ की स्थिति है। आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार, 1 जून को मानसून सीजन शुरू होने के बाद से देश में 214.9 मिमी बारिश हुई है, जबकि सामान्य तौर पर बारिश 213.3 मिमी होती है। उत्तर-पश्चिमी भारत में 3 प्रतिशत और दक्षिणी प्रायद्वीप में 13 फीसदी ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। पूर्व और पूर्वोत्तर भारत में 30 जून तक 13 प्रतिशत कम बारिश हुई थी, लेकिन 6 जुलाई को यह आंकड़ा शून्य हो गया। इसी दौरान सेंट्रल इंडिया में वर्षा की कमी 14 प्रतिशत से घटकर 6 प्रतिशत हो गई है।

बाढ़ से जूझ रहे पूर्वोत्तर भारतीय राज्य

मौसम विभाग ने कहा है कि अगले पांच दिनों तक पूर्वोत्तर भारत में भारी बारिश जारी रहेगी। पूर्वोत्तर राज्य पहले से ही भयंकर बाढ़ से जूझ रहे हैं। असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। बाढ़ में लगभग 25 लाख से भी ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं और 52 लोगों की जान चली गई है। इसके अलावा मणिपुर, मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश के कारण नदियां खतरे के स्तर तक पहुंच गई हैं।

9 युवतियां, एक काली डायरी और दो सरगना

फर्जी बीमा पॉलिसी बेचकर करोड़ों की ठगी की

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सटे नोएडा में एक नकली कॉल सेंटर का भंडाफोड़ हुआ है। इस कार्रवाई में पुलिस दो पूर्व बीमा एजेंटों को पकड़ा है। उन पर फर्जी लोन और बीमा पॉलिसी बेचकर करोड़ों रुपये की ठगी का आरोप है। पुलिस ने बताया कि आशीष और जितेंद्र नाम के ये दोनों आरोपी 2019 में एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस में काम करते थे। नौकरी छोड़ने के बाद उन्होंने 2,500 रुपये में इंडियामार्ट से लगभग 10,000 लोगों का डेटा खरीदा और फिर इन लोगों को लोन और बीमा देने के बहाने कॉल करके ठगी करने लगे। ठगी का यह धंधा नोएडा के सेक्टर 51 स्थित एक इमारत की चौथी मंजिल पर चल रहा था। पुलिस ने इस मामले में 11 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें नौ महिलाएं भी शामिल हैं बताया जा रहा कि ये फर्जी कॉल सेंटर करीब एक साल से भी ज्यादा समय से चल रहा था। जिन 9 महिलाओं को पकड़ गया वो कॉल सेंटर में एक्जीक्यूटिव बनकर लोगों को कॉल किया करती थीं। वो लोगों को पहले तो फर्जी लोन और बीमा पॉलिसी की जानकारी देती और जब कस्टमर चंगुल में फंस जाते तो पूरा खेल होता था। पुलिस ने बताया कि गिरोह के सदस्य फर्जी आधार कार्ड के जरिए सिम कार्ड खरीदते थे और अपनी पहचान छुपाने के लिए इनका इस्तेमाल करते थे। फर्जीवाड़े में शामिल ये आरोपी पहले तो लोग को झांसे में फंसाने के लिए उन्हें लोन पर ज्यादा रिटर्न और आकर्षक बीमा पॉलिसी का झांसा देते। गिरोह कमीशन के आधार पर काम करता था, यानी जितने ज्यादा लोगों को ठगा जाता था, उतनी ही ज्यादा कमाई होती थी। पीड़ितों से मिले पैसे कर्नाटक के अरविंद नाम के एक शख्स के पंजाब नेशनल बैंक खाते में जमा किए जाते थे। अरविंद को यह खाता किराए पर देने के लिए हर महीने 10,000 रुपये मिलते थे। आशीष और जितेंद्र फिर नोएडा में डेबिट कार्ड का इस्तेमाल करके पैसे निकाल लेते थे। पुलिस ने छापेमारी के दौरान आशीष के पास से एक काली डायरी बरामद की है। इस डायरी में एक साल से चल रहे इस घोटाले के दौरान हुए हर लेन-देन का ब्योरा दर्ज था। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि सीआरटी और स्थानीय सेक्टर 49 पुलिस थाना के अधिकारियों ने संयुक्त अभियान चलाकर इस गिरोह का भंडाफोड़ किया। उन्होंने यह भी बताया कि इस गिरोह के खिलाफ रांची में भी इसी तरह के एक मामले में केस दर्ज है। डीसीपी ने कहा कि आरोपी आशीष और जितेंद्र ने 2019 में एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस में काम करने के बाद यह धोखाधड़ी शुरू की थी।

महाराष्ट्र के अमरावती जेल में धमाके, बैरक नंबर 6 और 7 के पास फेंका गया था विस्फोटक, कैदियों में मचा हड़कंप

मुंबई, 7 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के अमरावती जिले में मध्यवर्ती जेल के अंदर बम धमाका हुआ है। यह घटना शनिवार की रात तकरीबन 8:30 की है। धमाके की आवाज से पूरे जेल परिसर में दहशत की स्थिति है। यह धमाका जेल के बैरक नंबर सात और छह के बीच हुआ। गनीमत रही कि इस धमाके की वजह से किसी जान माल का नुकसान नहीं हुआ है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक यह धमाका किसी छोटे और देसी बम से किया गया है। हालांकि अभी तक साफ नहीं हो सका है कि किसने और क्यों यह धमाके किए हैं। जेल प्रबंधन की सूचना पर मौके पर पुलिस दस्ता पहुंचा। बाद में खुद पुलिस कमिश्नर ने भी बम निरोधक दस्ते के साथ पहुंच कर घटना की पड़ताल की। उन्होंने बताया कि जेल के अंदर बैरक नंबर छह और सात के पास किसी बम या पटाखे के फटने की जोरदार आवाज आई थी।

बीएसएफ की लापता दोनों महिला जवान आखिरी बार ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर दिखीं

ग्वालियर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। बीएसएफ की दो महिला कांस्टेबल एक महीने से लापता हैं। महिला जवानों के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है। इस बीच पुलिस को एक बड़ा सुराग हाथ लगा है। बीएसएफ की लापता दो महिला कांस्टेबल आखिरी बार ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर जाते दिखीं। सीसीटीवी में दिख रहा है कि दोनों महिला कांस्टेबल वर्दी पहने हुए हैं साथ में जाती दिख रही हैं। पुलिस ने बिलौआ थाने में महिला आरक्षक सहाना खातून और उसकी बहन पर अपहरण और बंधक बनाने की धाराओं में मामला दर्ज किया है। गायब हुई महिला आरक्षक आकांक्षा के परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। सहाना की बहन को टेकनपुर थाने में पूछताछ की जा रही है। वहीं, पुलिस ने एक टीम पश्चिम बंगाल के लिए की रवाना की है। पुलिस को मिले इनपुट के आधार पर आगे की जांच चल रही है। दोनो महिला कांस्टेबल बीएसएफ की एसटीसी विंग में कंप्यूटर सेक्सन में तैनात थीं। दोनों के लापता होने की सूचना के बाद खुफिया एजेंसी हाई अलर्ट पर हैं। फिलहाल अभी तक दोनों महिला कांस्टेबल का कोई सुराग नहीं लग पाया है। बता दें कि ग्वालियर में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के टेकनपुर कैंप में तैनात दो लेडी कांस्टेबल आकांशा निखार और सहाना खातून 6 जून को संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। पुलिस का कहना है कि दोनों का मोबाइल फोन कैंप के हास्टल में ही पड़ा मिला है। कैंप से दो महिला कांस्टेबलों के लापता होने के बाद बीएसएफ ने स्थानीय पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस दोनों महिलाओं की तलाश कर रही है।

आकांक्षा और सहाना हैं अच्छे दोस्त

एक कांस्टेबल की पहचान मध्य प्रदेश के जबलपुर की आकांक्षा निखार के रूप में हुई। दूसरी कांस्टेबल की पहचान पश्चिम बंगाल की शहाना खातून के रूप में हुई। आकांक्षा निखार 2021 से टेकनपुर में बीएसएफ अकादमी में तैनात हैं। उनकी 2023 में मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल की सहाना खातून अंसारी से दोस्ती हुई। दोनों करीबी दोस्त बन गए और सहाना इस साल की शुरुआत में आकांक्षा के घर जबलपुर भी गईं।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 8 जुलाई- 2024

स्टार्मर के सामने चुनौतियां

ब्रिटेन में चौदह वर्षों के वनवास के बाद लेबर पार्टी ने कंजर्वेटिव पार्टी को बुरी तरह पराजित कर दिया है। इसके साथ ही लेबर पार्टी के स्टार्मर को ब्रिटेन की सत्ता संभालने का मौका मिला है। लेबर पार्टी ने जो ऐतिहासिक जीत हासिल की है उससे जल्द उबर पाना पूर्व पीएम ऋ षि सुनक के लिए आसान नहीं होगा। लेबर पार्टी ने चार सौ बारह सीटें जीती हैं। स्टार्मर ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री का पद संभाल चुके हैं। बता दें कि ब्रिटेन में सत्ता परिवर्तन के कयास बहुत पहले से लगाए जा रहे थे। चुनाव पश्चात सर्वेक्षणों में भी लेबर पार्टी को चार सौ से ऊपर सीटें मिलने के कयास लगाए गए थे। देखा जाए तो कंजर्वेटिव पार्टी की रीति-नीति से लोगों का मोहभंग हो चुका था। खासकर प्रधानमंत्री ऋ षि सुनक इतने अलोकप्रिय हो चुके थे कि लोग इनके नाम से ही मुंह बिदका लेते थे। जाहिर है ऐसे माहौल में वहां सत्ता-विरोधी लहर थी, जिसमें कंजर्वेटिव पार्टी ध्वस्त हो गई। ब्रिटेन में काफी समय से बढ़ी महंगाई ने लोगों का जीवन दूभर कर दिया था, ऊपर से लोगों पर भारी करों का बोझ थोप दिया गया। सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाएं चरमरा चुकी थीं। देश की अर्थव्यवस्था भी एक तरह से ठहर सी गई थी। ऋषि सुनक ने अर्थव्यवस्था संभालने का आश्वासन दिया था, इसके लिए उन्होंने परिश्रम भी खूब किया, मगर कामयाबी नहीं मिल सकी। नतीजतन, लोगों के रहन-सहन पर खर्च बढ़ता गया। कंजर्वेटिव पार्टी के प्रति वहां के लोगों में इस बात को लेकर भी रोष था कि 'ब्रेक्जिट' जैसा अलोकप्रिय कदम उठाते हुए ब्रिटेन यूरोपीय संघ से अलग हो गया, जिससे वहां की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पडा। इसके अलावा गैरकानूनी तरीके से हो रहे प्रवासन पर सुनक सरकार काबू नहीं पा सकी। इसके चलते वहां की सार्वजनिक सुविधाओं पर बोझ बढ़ा। लेबर पार्टी ने आवास नीति बनाने, आव्रजन नीति को कड़ा करने और यूरोपीय संघ से रिश्ते मजबूत बनाने का वादा किया। इससे वहां के लोगों ने पार्टी के प्रति भरोसा जताया। अब सवाल है कि लेबर पार्टी ने जो चुनावी वादे किए हैं उसे किस तरह और कितनी जल्दी जमीन पर उतार सकेगी। हालांकि अभी तो लेबर पार्टी जीत की खुमारी से उबरी नहीं है लेकिन यदि अर्थव्यवस्था जल्द नहीं संभलती है तो लोगों का आक्रोश लेबर पार्टी के प्रति भी बढ़ते देर नहीं लगेगी। ऐसे में ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की चुनौती स्टार्मर के ऊपर रहेगी। एक ओर ब्रिटेन का खजाना खाली हो चुका है तो दूसरी ओर उसकी भरपाई के लिए कर बढ़ाना जरूरी हो गया है। ऐसे में यदि करों का बोझ बढ़ाकर सार्वजनिक सुविधाओं को बेहतर बनाने की कोशिश की गई तो यह भी लोक लुभावन तरीका नही माना जाएगा। ऐसे में, अगर आव्रजन नीतियों को कड़ा किया जाता है, तो अलग मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। देखने की बात है कि यूरोपीय संघ के साथ मिल कर वे ब्रिटेन की जर्जर हो चुकी अर्थव्यवस्था और लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने में कहां तक कामयाब हो पाते हैं। जनहित में उन पर इसका दबाव लगातार बना रह सकता है।

अग्निपथ योजना अच्छी है लेकिन सुधार बहुत जरूरी

राजेश कुमार पासी

लोकसभा चुनाव में अग्निपथ योजना को विपक्ष ने मुद्दा बनाया था और मेरा मानना है कि इसका भाजपा को बड़ा नुकसान हुआ । वास्तव में इस योजना के विरोध में जो सवाल उठाये जा रहे थे, मोदी सरकार ने उनका समाधान नहीं किया है । विपक्ष के विरोध का आधार कुछ सही और कुछ गलत था लेकिन सरकार इसके पक्ष में जनता को अपनी बात नहीं समझा पाई । सेना की जरूरत को देखते हुए 16 जून 2022 में इस योजना को लाया गया था । वास्तव में सेना का कहना है उसके जवानों की औसत उम्र 32 साल से ज्यादा हो गई है और सेना की जरूरतों के अनुसार ये उम्र बहुत ज्यादा है । इस योजना के माध्यम से सेना अपने सैनिकों की औसत उम्र को 6-7 साल कम करना चाहती है । सेना की जरूरतों को कोई भी देश अनदेखा नहीं कर सकता क्योंकि देश की सुरक्षा की जिम्मेदारी सेना पर ही होती है । हमारा देश एक तरफ पाकिस्तान तो दूसरी तरफ चीन जैसे दुश्मन से घिरा हुआ है और हम सेना में किसी भी तरह की कमजोरी का जोखिम मोल नहीं ले सकते ।

सेना रोजगार जरूर देती है लेकिन सेना को रोजगार देने का साधन नहीं मानना चाहिए । इस संगठन में वो ही लोग आए जिनमें देश के लिए कुछ करने का जज्बा हो ।

इस योजना के अंतर्गत भर्ती होने वाले जवानों को अग्निवीर का नाम दिया गया है । इस योजना के लिए भर्ती होने वाले जवानों की भर्ती पुरानी भर्ती प्रक्रिया की तरह ही की जाती है । सेना ने अग्निवीरों की भर्ती के लिए अपने मानदंडों से किसी प्रकार को समझौता नहीं किया है लेकिन इस योजना में भर्ती होने वाले जवानों में से 75 प्रतिशत जवानों को सिर्फ चार साल की नौकरी के बाद रिटायर कर दिया जाता है । सिर्फ 25 प्रतिशत जवानों को ही नियमित सेवा का अवसर मिलता है । यही सबसे बड़ा सवाल है कि जिन 75 प्रतिशत युवाओं ने सेना में चार साल सेवा की है, उन्हें किसके आसरे छोड़ दिया जाता है । विपक्ष भी यही सवाल उठा रहा है जो कि जनता को उचित लगता है । इस नियम के कारण युवाओं में सेना के प्रति आकर्षण कम हो सकता है । सिर्फ चार साल की सेवा के कारण जवानों को पेंशन की सुविधा भी नहीं है । विपक्ष ने इस योजना के बारे में एक झूठ भी फैलाया है कि अग्निवीर के शहीद होने पर उसके परिवार को अन्य जवानों की तरह आर्थिक लाभ नहीं दिया जायेगा । सेना ने स्पष्ट कर दिया है कि सेवा के दौरान शहीद होने पर अग्निवीर के परिवार को पेंशन के अतिरिक्त अन्य सभी आर्थिक लाभ दिये जायेंगे ।

अग्निवीर बनने पर होने वाले लाभ को देखा जाये तो सेवा के दौरान बचत के अलावा सैनिक को रिटायर होने के समय 12-13 लाख रुपए की पूंजी मिलेगी । इसके अतिरिक्त उसे अपना रोजगार करने के लिए आसानी से लोन भी मिल जायेगा । मतलब साफ है कि जिस 22-23 की उम्र में युवा नौकरी ढूंढने निकलते हैं, उस उम्र में अग्निवीर 20 लाख से ज्यादा की रकम लेकर अपने रोजगार की तलाश में जायेगा । इसके अलावा उसके पास सेना में काम करने का अनुभव होगा और उसे भारतीय सेना का उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त होगा । भारत सरकार ने कहा है कि अग्निवीर को एक स्किल सर्टिफिकेट भी दिया जायेगा जिसके कारण उसे अन्य नौकरियों में भी प्राथमिकता मिलेगी । वो भीड़ का हिस्सा नहीं होगा बल्कि उसकी एक पहचान होगी । इसके अलावा भाजपा की कई राज्य सरकारों ने यह आश्वासन दिया है कि अग्निवीरों को वो अपने राज्य की पुलिस भर्तियों में आरक्षण देंगे । केन्द्र सरकार ने केंद्रीय अर्ध-सैनिक बलों और असम राइफल्स में अग्निवीरों को प्राथमिकता की बात कही है। दूसरी तरफ निजी क्षेत्र में भी अग्निवीरों के लिए निजी सुरक्षा अधिकारी बनने का मौका मिल सकता है ।

सरकार ने कहा है कि अग्निवीरों को इंजीनियरिंग और कानून व्यवस्था जैसे क्षेत्रों में काम करने का प्रशिक्षण दिया जायेगा ताकि वो इतने कुशल हो जाये कि उनके लिए आगे का रास्ता आसान हो जाये। उनके प्रशिक्षण को शिक्षा मंत्रालय स्नातक की मान्यता देगा । जो कि किसी नये युवा के पास नहीं होगी ।

कालनेमि बाबाओं के आगे नतमस्तक सरकार

मनोज कुमार अग्रवाल

इसे कलियुग का प्रभाव कहा जाए या कालनेमी बाबाओं की लोकलुभावन कला कि लाखों की संख्या में आम लोगों को अपना अनुयायी बनाने उनके परिवारों में भगवान की तरह पूजे जाने और लाखों लोगों को कथित सत्संग में जुटाने की सामर्थ्य को विकसित करने में कामयाब हो जाते हैं। इस बाबागिरी का ऐसा तिलिस्म है कि कई बार भक्तों की संख्या करोड़ों में पहुंच जाती है और इन खंडियो के भ्रमजाल में फंसे लोग इनके एक ईशारे पर कुछ भी करने को तैयार रहते हैं। यही वजह है कि सत्संग या मंगल मिलन अथवा पूर्णिमा दर्शन के नाम पर ये बाबा लाखों भक्तों को जुटा कर समाज में अपना वर्चस्व स्थापित करने की कोशिश करते हैं एक बार मजुमा लगना शुरू हो जाए फिर तो भीड़ और अधिक लोगों की भीड़ को जुटाने का काम करती है और इनका कारवां बढता चला जाता है और अब बाबा लोग अपने भक्तों को निर्देश जारी कर किसी भी राजनीतिक दल को जिताने या हराने का दावा भी कर रहे हैं यही वजह है कि यूपी के हाथरस में एक अवकाश प्राप्त सिपाही बाबा बन कर अपना भक्तों का साम्राज्य स्थापित कर लेता है और मंगल मिलन के नाम पर लाखों की संख्या में भक्तों को जुटा लेता है फिर मनमानी धर्म की व्याख्या कर अपने चरणों की रज से तमाम बाधा दूर करने का दावा करता है बाबा तो निकल जाता है लेकिन चरणों की रज लेने के चक्कर में 127 लोगों की मौत हो जाती है।

सबसे शर्मनाक बात यह है कि इस हादसे को लेकर यूपी की योगी सरकार एक बाबा के खिलाफ रिपोर्ट तक दर्ज करने का साहस नहीं जुटा पाती है बल्कि चेले चपाटो के खिलाफ मामला दर्ज करती है। आप को बता दें कि हाथरस हादसे में मृतकों का आंकड़ा 127 पर जा पहुंचा है। ज्ञात रहे कि यह कोई प्राकृतिक विपदा नहीं थी, यह एक कथित बाबा की अंधी भक्ति के कारण हुई दुर्घटना है। हैरानी की बात देखिए कि हादसे को लगभग 48 घंटे बीत चुके हैं, लेकिन जिस बाबा के कारण वह भीड़ जुटी थी, उस पर एक पुलिस प्राथमिकी तक दर्ज नहीं हुई। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप जरूर शुरू हो गए हैं। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार को होती है, उस कार्यक्रम में पर्याप्त इंतजाम क्यों नहीं किए गए? अखिलेश परोक्ष रूप से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं उनकी भाजपा सरकार पर निशाना साध रहे थे। इसके जवाब में मुख्यमंत्री योगी ने भी कह दिया कि यह बताने की आवश्यकता नहीं है कि इन सज्जन का फोटो किसके साथ है। उनका इशारा अखिलेश यादव की ओर था, जिन्होंने पिछले साल न केवल इसी बाबा के कार्यक्रम में भाग लिया था, बल्कि उनकी जय-जयकार करते हुए सोशल मीडिया पर फोटो और वीडियो भी अपलोड किए थे। भीड़ जुटाने वाले किसी बाबा के प्रति यह प्रेम अनायास नहीं है और न ही इसमें कोई आश्चर्य की बात है। राजनीति में हर उस आदमी को पसंद किया जाता है जो भीड़ जुटाने में सक्षम हो, भले वह कोई धार्मिक गुरु हो, कोई फिल्म अभिनेता-अभिनेत्री हो या फिर कोई सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर हो क्यों न हो। हाथरस वाला बाबा भी इसका अपवाद नहीं है।

इस देश में धर्म कितना बड़ा धंधा हो गया है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि भ्रष्टाचारी और यौन शोषण जैसे गंभीर अपराधों के आरोपी भी जब किसी धर्म का चोला पहन लेते हैं तो वह चोला उनके लिए कवच का काम करने लगता है। हाथरस प्रकरण वाले सूरजपाल सिंह जाटव को ही ले लीजिए। वह पहले पुलिस में नौकरी करता था, वहां भ्रष्टाचार और यौन शोषण जैसे गंभीर आरोप लगे तो उन्हें पुलिस विभाग से बर्खास्त कर दिया गया। इसके खिलाफ पांच आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसके बावजूद उसने बाबा का चोला पहना और बन बैठे नारायण साकार हरि। श्रद्धा का बिजनेस चल निकला और उनके कार्यक्रमों में लाखों की भीड़ जुटने लगी। मंगलवार को जो हादसा हुआ, उसमें भी आयोजकों ने 80 हजार लोगों के पहुंचने की उम्मीद जताई थी, जबकि वहां 2 लाख से अधिक लोग पहुंचे। इतनी भीड़ तो अच्छे-भले नेताओं की रैलियों में नहीं जुटती, ऐसे में नेताओं को ऐसे बाबाओं के सामने नतमस्तक होना कोई हैरानी पैदा नहीं करता। यह बाबा इतना शातिर है कि अपने कार्यक्रमों की वीडियो या फोटो नहीं लेने देता था। इस ने अपनी और अपने पाखंड के किले की सुरक्षा के लिए तीन सैना बना रखी है इनके नाम नारायणी सैना गरूड वाहिनी और हरि वाहिनी हैं। गरूड वाहिनी में सौ ब्लेक केट ड्रैस के पारा मिलट्री जैसे दिखने वाले जवान बाबा को सुरक्षा कवच देते हैं हरी वाहिनी में रिटायर्ड पुलिस के करीब 25 जवान है जो ड्राईवर व अन्य काम देखते हैं जबकि गरूड वाहिनी में करीब पांच हजार स्त्री पुरुष स्वयंसेवकों की भर्ती है पिंक साड़ी पिंक शर्ट व कैप में इनकी ड्यूटी आश्रम कार्यक्रम में लगती है।

यह एकमात्र ऐसा केस नहीं है जिसमें धर्म की आड़ में कोई इतना शक्तिशाली हो गया हो। हरियाणा में भ्रष्टाचार के आरोप में सिंचाई विभाग से बर्खास्त किए गए और जेल भेजे गए जूनियर इंजीनियर रामपाल महाराज का भी मामला ठीक ऐसा ही है। जेल से निकलते ही वह भी बाबा बन गया और प्रवचन देने लगा, प्रवचन क्या आर्य समाज के प्रति जहर उगलने लगा। लोगों की बुद्धि देखिए कि सत्यार्थ प्रकाश जैसा ग्रंथ देने वाले महात्मा को गाली देने वाले के दर्शनों के लिए लाइन लगाने लगे। आर्य समाजियों ने विरोध किया तो दोनों पक्षों में भिड़ंत हो गई और एक युवक की मौत हो गई। सतलोक नामक उसके ठिकाने पर छापा पडा तो बोरियों में सोना- चांदी व अन्य गंभीर आपत्तिजनक सामान बरामद हुआ। अब वह जेल में है। इसी तरह, डेरा सच्या सौदा का मुखिया गुरमीत राम रहीम एक पत्रकार की हत्या व दो शिष्याओं से बलात्कार के आरोप में कैद काट रहा है। हैरानी देखिए कि जब भी चुनाव आते हैं, उसे फरलो पर जेल से बाहर निकाल दिया जाता है, ताकि वह सत्ताधारी दल के पक्ष में वोट दिला सके। लोकसभा चुनावों से पहले भी हरियाणा की सरकार ने ऐसा ही किया। आसाराम जैसे विरले ही मामले होते हैं जिनमें किसी बाबा को सजा होती है, अन्यथा भीड़तंत्र के दम पर वे इतने सशक्त हो जाते हैं कि उन पर कोई हाथ डालने का न मन बनाता है, न हिम्मत दिखाता है। हाथरस प्रकरण में भी केवल आयोजकों या बाबा के सुरक्षाकर्मियों पर कार्रवाई होकर बाबा का बख्श दिया जाए तो कोई हैरानी नहीं होगी।

जाहिर है कि सरकार चाहे कितनी भी पावरफुल होने का दावा करे लेकिन सरकार बनाने के लिए जो वोटर चाहिए उसका रिमोट कंट्रोल बाबाओं के डेरो और आश्रमों से चल रहा है यही वजह है कि बाबा मनमानी कर रहे हैं यौन शोषण के मामले में बेल पर होकर भी महिलाओं को आशीर्वाद और प्रवचन दीक्षा दे रहे हैं। लाखों की संख्या में लोगों की भीड़ जुटा कर उनके जीवन से खेल रहे हैं। 127 घरों में पसरे मातम के इकलौता जिम्मेदार होने के बावजूद सरकार उस पर हाथ डालने की हिम्मत नहीं कर पा रही है क्योंकि दलित व पिछड़ी जातियों के लोगों में बाबा का रुतबा है ऐसा रुतबा कि अखिलेश यादव भी उस के समारोह में मंच पर जयकारे लगा चुके हैं ऐसे हालात में बाबा को गिरफ्तार करने से पूर्व पहले से नाराज वोटर और अधिक बिगड़ गए तो क्या होगा? यह भय सरकार पर हावी है। राजनीतिक नफा नुकसान का तोल जोख किए बिना यूपी सरकार पहले बहुत खमियाजा भुगत चुकी है एक पुलिस टीम को मार गिराने वाले माफिया अपराधी का एनकाउंटर कराने पर उस की जाति के काफी वोटर खिलाफ हो गए थे अब जिस के पीछे लाखों की संख्या में भीड़ और कई लाख परिवार अनुयायी हैं उस पर हाथ कौन डाले?

आप कब शुरू करेंगे छोटे और मोटे अनाज का भोजन

आर.के. सिन्हा

कुछ ही दिन पहले हिन्द महासागर, अरब सागर और बंगाल की खाड़ी के त्रिवेणी संगम पर स्थित कन्याकुमारी के स्वामी विवेकानंद परिसर के विशाल सभागार में आयुष मंत्रालय के सहयोग से आयोजित "इंटरनेशनल आयुष समिट" का तीन दिवसीय आयोजन हुआ था, जिसका "की नोट स्पीच" मैंने दिया था और समारोह का उद्घाटन केरल के माननीय राज्यपाल आरिफ मोहमम्द खान साहब ने किया।

मेरा पूरा व्याख्यान रोगों से बचाव में छोटे और मोटे अनाज यानि मिलेट्स की उपयोगिता को लेकर ही था। मैंने उपस्थित सैकड़ों डॉक्टरों और विभिन्न मेडिकल कॉलेज के छात्रों से यही कहा कि आप अच्छे डॉक्टर मात्र बड़ी कम्पनियों की अच्छी और महंगी दवाइयां लिखने भर से नहीं कहे जायेंगे, बल्कि, अच्छे डॉक्टर बनने के लिए आपको अपने मरीजों को यह भी बताना होगा कि वे जिस रोग से ग्रसित हैं, वे रोग उन्हें हुये क्यों और उससे बचा कैसे जा सकता है। यदि डॉक्टर रोगों की प्रतिरोधक क्षमता तैयार करने वाले छोटे और मोटे अनाजों के गुणों को ठीक से समझ लें तो उनका, उनके मरीजों का और पूरे समाज को भारी फायदा होगा।

छोटे और मोटे अनाज सिर्फ प्रोटीन और फाइबर ही नहीं देते बल्कि, खाने वाले को शरीर में उत्पन्न हो रहे रोगों का निदान भी करते हैं क्योंकि, मोटे और खासकर छोटे अनाज के फाइबर (रेशे) मानव शरीर की सभी प्रमुख अंगों के कोशिकाओं या सेल्स को साफ भी करते हैं ।

यदि आप हाल के दिनों में दिल्ली गए हों तो देखेंगे कि राजधानी दिल्ली में भारत सरकार के बहुत से बड़े-बड़े दफ्तर निर्माण भवन, शास्त्री भवन, कृषि भवन, उद्योग भवन आदि भवनों से चलते हैं। जाहिर है, जहां पर हजारों मुलाजिम काम करेंगे और रोज़ सैकड़ों बाहरी लोगों का भी आना-जाना लगा रहेगा, वहां पर कैंटीन तो होगी ही। पर निर्माण भवन की कैंटीन ने अपने को बदला है। वहां पर अब मोटे और छोटे अनाज से तैयार होने वाले पकवान भी परोसी जाने लगी हैं। हालांकि पिछले सात दशकों से यहाँ मात्र गेहूं और मैदे की बनी पकवानें ही मिला करती थीं।

यह एक तरह से यह वर्त्तमान मोदी सरकार की संकल्प शक्ति और दृढ़ इच्छा का ठोस संकेत है कि चालू वर्ष 2023 को चूँकि विश्व स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष के रूप में मनाया गया जिसने मोटे और छोटे अनाज के प्रति जागृति पैदा कीI अतः खान-पान में एक व्यावहारिक बदलाव की शुरुआत हुई और कोशिश यही रही कि अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष नाम भर का नहीं रह जाये। इसका प्रस्ताव भारत ने ही दिया था और भारत के इस प्रस्ताव को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 5 मार्च 2021 को अपनी स्वीकृति दे दी थी। इसका उद्देश्य विश्व स्तर पर मोटे और छोटे अनाज के उत्पादन और खपत के प्रति जागरूकता पैदा करना ही था । दरअसल मोटे और छोटे अनाजों में पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में होते हैं। बीटा-कैरोटीन, नाइयासिन, विटामिन-बी6, फोलिक एसिड, पोटेशियम, मैग्नीशियम, जस्ता आदि से भरपूर इन अनाजों को सुपरफूड भी कहा जाता है। ज्वार, बाजरा, रागी (मडुआ), मक्का, जौ, कोदो, सामा, सांवा, कंगनी, कुटकी चीना आदि जिसे लघु धान्य या "श्री धान्य" या "श्री अन्न" भी कहा जाता है, मोटे और छोटे अनाज की श्रेणी में आते हैं। लघु धान्य या कुटकी, कांगनी और साँवा जैसे अनाज मिलेट्स यानी छोटे अनाज होते हैं। इनका सेवन करने से हड्डियों को मजबूती मिलती है, कैल्शियम की कमी से बचाव होता है, ज्यादा फाइबर होने से पाचन दुरुस्त रहता है, वजन कंट्रोल होने लगता है, दुबले-पतलों का वजन कुछ बढ़ जाता है तो ज्यादा वजन वालों का घट कर बी.एम.आई. (बॉडी मास इंडेक्स) के स्तर पर घट जाता है I एनीमिया का खतरा कम होता है, यह डायबिटीज तथा दिल के रोगियों के लिए भी यह उत्तम माना जाता है।

जब इन दोनों रोगों की चपेट में लगातार लोग आ रहे हैं तब छोटे और मोटे अनाज का सेवन संजीवनी बूटी का काम कर सकता है। शादियों के सीजन में तो हर रोज भारी संख्या में विवाह हो रहे हैं। आपको भी विवाह समारोहों में भाग लेने के निमंत्रण मिल ही रहे होंगे। अगर विवाह के कार्यक्रमों में भी छोटे और मोटे अनाज से तैयार कुछ व्यंजन अतिथियों को परोसे जाएं, तो यह एक शानदार पहल होगी। आखिर हम कब तक वही खाएंगे, जो खाते चले आ रहे हैं और बीमार पड़ते चले जा रहे हैं। आज विश्व भर में सारी बीमारियों की जड़ गेहूं है। मैं सलाह देता हूँ कि पाठक गूगल पर सर्च करके एक पुस्तक "वीट बेली" यानि "गेहूं की तोंद" नामक पुस्तक को डाउनलोड कर लें जिसने पूरे अमेरिका और यूरोप में तहलका मचाया हुआ है। "वीट बेली" अमरीकी वैज्ञानिकों द्वारा शोध के उपरांत तैयार एक ऐसी पुस्तक है जिसमें यह सिद्ध किया गया है कि गेहूं में पाया जाने वाला "ग्लूटेन" नाम का रसायन डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, मानसिक बीमारियों के साथ-साथ मोटापे की भी मुख्य वजह है। गेहूं छोड़िये और वजन घटाइए। अभी हम जिस गेहूं से पका हुआ भोजन कर रहे हैं, उससे हमारी सेहत बिगड़ रही है। देखिए अब देश वासियों को अपनी जुबान से ज्यादा अपनी सेहत पर तो ध्यान देना ही होगा। वह तब ही संभव है जब हम छोटे और मोटे अनाज को अपने भोजन का हिस्सा बनाने लगेंगे। अब इस लिहाज से देरी करने का समय नहीं रह गया है। देरी से नुकसान ही होगा। देरी छोड़िये, अपना स्वास्थ्य सुधारिये ! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी चाहते हैं कि भारत छोटे और मोटे अनाज का वैश्विक केंद्र बने और छोटे और मोटे अनाज को "जन आंदोलन" का रूप दिया जाए। बेशक, भारत दुनिया को छोटे और मोटे अनाज के लाभ बताने-समझाने में अहम भूमिका निभा रहा है। हमारे देश में एशिया का लगभग 80 प्रतिशत और विश्व का 20 प्रतिशत मोटा अनाज पैदा होता है। चूँकि, यह असिंचित भूमि पर आसानी से हो सकता है अतः यदि इसकी विश्व में मांग बढ़ेगी तो भारत में इसकी पैदावार कई गुना बढाई जा सकती है। अभी तो गरीब किसान खुद के खाने भर ही मोटे अनाज को उगाते हैं। जब उनका मोटा अनाज बाज़ार में बिकने लगेगा तो वे क्यों न अपना उत्पादन बढ़ाएंगे ? एक अनुमान के मुताबिक, 100 से अधिक देशों में मोटे अनाज की खेती होती है। आपको बुजुर्ग बता सकते हैं कि मोटा अनाज (ज्वार, बाजरा, रागी (मडुआ), जौ, कोदों आदि) पहले खूब खाया जाता था। हम आज गेहूं के आटा के आदी हो चुके हैं या बना दिये गये हैं, तो मिलेट्स और गेहूं का आटा मिलाकर भी खा सकते हैं। अगर हम गेहूं के साथ कई तरह के अनाज या चने आदि को पिसवा लें तो मल्टिग्रेन आटा बन जाता है। जैसे गेहूं में प्रोटीन कम होता है लेकिन चने में ज्यादा। मिस्सी रोटी भी ऐसे ही तैयार होती है। वह छोटे या मोटे अनाज जैसा पुष्टिकारक तो नहीं, पर गेहूँ और चावल से बेहतर तो है ही I पारंपरिक तौर पर दाल-चावल, दाल-रोटी की जोड़ी भी ऐसी है, जिसमें अलग-अलग तरह के एमिनो एसिड होते हैं जो एक-दूसरे की कमी दूर करते हैं।

संसद में पक्ष-विपक्ष का दुश्मन बन जाना खतरनाक संकेत

जयसिंह रावत

लोकसभा में एनडीए और इंडिया नाम के दो गठबंधन पक्ष और विपक्ष के जैसे आचरण करने के बजाय दो घोर शत्रुओं का जैसा आचरण कर रहे थे और पीठासीन अधिकारी पंच परमेश्वर की भूमिका नहीं निभा रहे थे। जिम्मेदार नेता संसदीय आचरण और परम्पराओं को भूल कर राष्ट्रहित की बातें कम और एक दूसरे के खिलाफ व्यक्तिगत जहर ज्यादा उगल रहे थे। इसलिये कहा जा सकता है कि दोनों हाथों से ताली बजने के कारण संसद में यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति पैदा हुयी है जो आने वाले सत्रों के लिये बहुत बुरा संकेत है।

संसद में टकराव स्पीकर के चुनाव को लेकर ही शुरू हो गया था। सत्ता पक्ष विपक्ष को यह संदेश देना चाहता था कि तुम चाहे हमारा आधार और लोकप्रियता घटने का जितना भी प्रचार करो और बहुमत न मिलने का चाहे जितना भी ढोल क्यों न पीट लो मगर सरकार हमारी ही बन गयी और तुम सब मिल कर भी एक अकेली भाजपा के बराबर नहीं पहुँच सके। सत्ता पक्ष पहले ही मंत्रियों को पुराने विभाग दे कर संदेश दे चुका था कि सब कुछ वही है और सरकार का इकबाल उतना ही बुलंद है। इसलिये स्पीकर भी वही रहेंगे जो कि मोदी-2 में थे लेकिन विपक्ष सत्रहवीं लोकसभा के कटु अनुभव नहीं भूला था। पिछली बार विपक्ष के जो 140 सांसद संसद से निलंबित किये गये उनमें 100 सांसद लोकसभा के थे। यही नहीं विपक्ष को स्पीकर ओम बिड़ला से एक नहीं बल्कि अनेक शिकायतें थीं। इसलिये विपक्ष का ओम बिड़ला के नाम से बिदकना स्वाभाविक ही था लेकिन टकराव की असली वजह इस बार विपक्ष के और ताकतवर बन कर उभरने की तथा सत्ता पक्ष और खास कर भाजपा के कमजोर होने की थी। इसलिये विपक्ष भी सत्ता पक्ष को अपनी ताकत का अहसास दिलाने के लिये डिप्टी स्पीकर की मांग पर अड़ा रहा। बहरहाल लोकसभा में महज ध्वनिमत से ओम बिड़ला स्पीकर चुन लिये गये।

चूंकि विपक्षी इंडिया खेमे ने आम चुनावों के दौरान संविधान को खतरे का मुद्दा बनाया था और उसे कुछ हद तक इसका लाभ भी मिला था, इसलिये विपक्षी सदस्यों ने उस मुद्दे को जिन्दा रखने के लिये संविधान की प्रतियां हाथों में लेकर लोकसभा सदस्यता की शपथ ली जो कि सत्ता पक्ष को नागवार गुजरी। इसलिये उसने भी राष्ट्रपति और पीठासीन अधिकारियों के मार्फत 1975 में लगी इमरजेंसी की याद विपक्ष को दिला दी। इसने आग में घी डालने का काम किया। सर्वविदित है कि राष्ट्रपति का भाषण कैबिनेट द्वारा तैयार होता है और उसी की मंजूरी के बाद राष्ट्रपति द्वारा पढ़ा जाता है लेकिन स्पीकर या राज्यसभा के सभापति की ऐसी कोई मजबूरी नहीं होती। लोकसभा में स्पीकर का एक पार्टी और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का नाम लेकर इमरजेंसी का निन्दा प्रस्ताव पढ़ना विपक्ष और खास कर विपक्ष के सबसे बड़े दल को नागवार गुजरना स्वाभाविक ही था।

बात यहीं समाप्त नहीं हुयी। लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी का भाषण प्रधानमंत्री को उकसाने के लिये काफी था और उसके जवाब में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा जिस तरह राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को कांग्रेस पार्टी और खास कर राहुल गांधी पर केन्द्रित किया, उसका जवाब उन्हें तत्काल ही सदन में भारी हूटिंग से मिल गया। पिछली बार विपक्ष बहुत कमजोर और बंटा हुआ था इसलिये अक्सर सत्ता पक्ष के भारी बहुमत की हूटिंग से विपक्ष के नेताओं की आवाजें दब जाया करतीं थीं लेकिन इस बार प्रधानमंत्री के भाषण के दौरान विपक्ष ने अपनी आवाज के बढ़े हुये वॉल्यूम का अहसास जानबूझ कर प्रधानमंत्री को दिलाया हालांकि इसका जवाब भी विपक्ष को आने वाले सत्रों में अवश्य मिलेगा।

संसद का माहौल बिगाड़ने के लिये राजनीतिक दलों के साथ ही पीठासीन अधिकारियों का पक्षपातपूर्ण रवैया भी जिम्मेदार रहा है। दोनों सदनों के पीठासीन अधिकारियों ने पहले ही सत्र में संकेत दे दिया कि वे न तो बदलने वाले हैं और लोकतंत्र से ज्यादा उनकी निष्ठा पद का सुख प्रदान कराने वालों के प्रति है। बीते सत्र के दौरान न तो विपक्ष ने सदन के नेता प्रधानमंत्री का लिहाज किया और ना ही नेता सदन ने विपक्ष के नेता का लिहाज किया। शोले फिल्म की मौसी के जैसे उदाहरणों ने चर्चा का स्तर गिरा दिया। यही नहीं एक दूसरे को नीचा दिखाने के लिये ऐतिहासिक तथ्यों को इस तरह पेश किया गया जिससे लगा कि उदाहरण देने वालों को इतिहास का ज्ञान नहीं। लोकसभा में नेता विपक्ष के भाषण के रिकार्ड में जिस तरह काटपीट हुयी वह नेता प्रतिपक्ष की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हनन ही था।

संसद में भारी हंगामें और पक्ष-विपक्ष की बीच बहुत तीखी तकरार के कई मौके आ चुके हैं लेकिन ऐसी नौबत शायद ही पहले कभी आयी हो। राज्य विधानसभाओं में पक्ष विपक्ष की दुश्मनी के चलते अनेक बार हिंसक घटनाऐं हो चुकी हैं।

विकास रास्ते में है

सुरेश कुमार मिश्रा

विकास अनुभव करने की चीज़ है। देखने की नहीं है। सड़क का कूड़ा नाली में पड़ा तो एकाध वर्ष में उत्तम खाद बनेगा। सड़क अलग साफ़ होगी। खाद से शहर के बगीचे हरे होंगे। ज़िंदगी की 'क्वालिटी' सुधरेगी। अगर नाली वाकई साफ़ हो गई तो दो-तीन साल साफ़ रहेगी। विकास अवरुद्ध होगा। ठेकेदार को काम नहीं मिलेगा। उसके कर्मचारी बेकार होंगे। देश की बेकारी बढ़ेगी। रोज़गार के अवसर घटेंगे। आर्थिक तरक्की पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। यकीनन नाली रुकना, साफ़ होना और फिर उसमें कूड़ा भरना राष्ट्रीय हित की एक अनिवार्य प्रक्रिया है। यहाँ केवल उद्यानों के नाम बदलते हैं, हरियाली के नाम पर खर्च किए जाने वाले फंड खाने वाले नेता जस के तस रहते हैं। हरियाली उद्यानों में भले न हों, लेकिन नेताओं की जेबों में भर-भरकर रहती है। उद्यान की हरियाली इसी नीति की देन है। नाली रुकना हमारे लिए भले असुविधाजनक है पर देश के लिए ज़रूरी है। ज़्यादा से ज़्यादा यही तो होगा कि नाक पर रुमाल रखकर घर से निकलना पड़ेगा और घर पहुँचने के लिए 'गंद' के दरिया को पार करना होगा। कभी पैर फिसला तो उसमें डुबकी भी लग सकती है। हम कमर कसकर व्यक्तिगत स्वार्थ को देश के विकास के हित में त्यागने को तैयार हो गए। यही तो विकास है।

इसलिए किसी भी तरह की खुदाई को ऊपर वाले की खुदाई समझकर उसमें साथ देना देश का विकास कहलाता है। खुदाई बार-बार इसीलिए होती है क्योंकि वह विकास का राजपथ है। बिजली के साथ भी यही हो रहा है। बिजली रहती है तो खंबे नहीं रहते हैं और खंबे रहते हैं तो बिजली गुम होती है। कहीं तो बिजली भी है और खंबे भी तो तार ग़ायब हैं। जल के संकट का तो एक ही हल है। आदमी 'थूक चाटने' की कला का विकास करे।

देश का सबसे अनपढ़ व्यक्ति विकास का संक्रामक रोग पूरे मुल्क में फैला देता है, बशर्ते कि उसे संसद में पहुँचा दिया जाए। विकास का राजपथ ठेकेदार, 'इंस्पेक्टर' और दफ़्तर के अफ़सर बाबू के घर से होकर गुज़रता है। प्रजातंत्र की ज़िंदगी में अमृतकाल का समय पलक-झपकने और खोलने-जैसा है। भारत जैसा विशाल जनतंत्र तो अमृतकाल में जम्हाई भर ले ले तो बड़ी बात है। यानी विकास के रास्ते में रोड़े अटकते ही रहते हैं। हमें संतोष है कि इस सबके बावजूद विकास लगातार हो रहा है। हर सड़क खुद रही है। हर 'गटर' उफन रही है। हर नल में जल का संकट है। यह विकास के लाज़मी लक्षण हैं। प्रसन्नता का विषय है कि इधर विकास की रफ़्तार भी बढ़ी है। कभी विकास साइकिल से होता था। फिर वह जीप-कार से होने लगा। अब तो हर सूबे में मंत्री-मुख्यमंत्री विकास 'हेलीकाप्टर' और 'हवाई जहाज़' से करने को आमादा हैं।

भगवान शिव को सबसे पहले किसने चढ़ाया था बेलपत्र

सावन का महीना शिव जी और शिवभक्तों के लिए अलग ही महत्व रखता है। सावन का माह भगवान शंकर का अति प्रिय है। जब बात नील कंठ के सबसे प्रिय चीजों की आती है। तो उसमें सबसे पहला नाम 'बेलपत्र' का आता है। बेलपत्र भगवान शिव को बेहद पसंद है और शास्त्रों के अनुसार शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाए बिना पूजा पूर्ण नहीं मानी जाती है। तो चलिए जानते हैं क्यों भगवान शंकर को चढ़ाया जाता है बेलपत्र?

जानिए सबसे पहले किसने चढ़ाया शिव को बेलपत्र

पुराणों के अनुसार जब समुंद्र मंथन के समय विष निकला तो सभी देवता जीव-जंतु व्याकुल होने लगे। सारी सृष्टि में हाहाकार मच गया। सृष्टि की रक्षा के लिए देवताओं और असुरों ने भगवान शिव से प्रार्थना की तब भगवान शंकर ने इस विष को अपने गले में धारण कर लिया। विष के कारण भगवान शंकर के मस्तिष्क गर्मी काफी बढ़ गई। जिसे कम करने के लिए देवी-देवताओं ने भगवान शंकर पर पवित्र नदियों का जल और बेलपत्र चढ़ाया था। वहीं शास्त्रों के

अनुसार देवी पार्वती जी घोर तप के बाद शिव की अर्धांगिनी बनी और सबसे पहले महादेव को राम नाम लिखकर बेलपत्र माता पार्वती ने ही चढ़ाया था।

जानिए क्यों चढ़ाया जाता है महादेव को बेलपत्र?

भगवान शंकर राम नाम लिखे बेलपत्र चढ़ाने से अति प्रसन्न होते हैं। रामलला के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास बताते हैं कि भगवान राम और भगवान शिव दोनों का शाश्वत संबंध है। भगवान शिव कहते हैं, राम हमारे गुरु हैं और भगवान राम कहते हैं कि, शिव हमारे गुरु हैं। "शिव द्रोही मम दास कहावा, सो नर मोहि सपनेहुँ नहिं भावा'"। जो शिव का द्रोही हो और मेरा दास अथवा भक्त बनने का प्रयास करे, वो व्यक्ति मुझे सपने में भी स्वीकार नहीं। भगवान श्री राम को भगवान शिव प्रिय हैं और भगवान शिव को भगवान राम प्रिय हैं। इस नाते भगवान शंकर के शिवलिंग पर राम नाम लिखा बेलपत्र चढ़ाया जाता है। श्रद्धालु मनोज मिश्रा ने बताया कि सावन में भोलेनाथ की अपार महिमा होती है।सावन में ही कांवरिया भोलेनाथ पर जलाभिषेक करते हैं जिस से अपार कृपा होती है। इस खास विधि से ही संपूर्ण होगी शिव साधना भगवान शंकर को बेलपत्र अति प्रिय है। बेलपत्र में तीन पत्तियां एक साथ जुड़ी होती हैं, लेकिन इन्हें एक ही पत्ती मानते हैं। भगवान शिव की पूजा में बेल पत्र प्रयोग होते हैं और इनके बिना शिव की उपासना सम्पूर्ण नहीं होती। पूजा के साथ ही बेलपत्र के औषधीय प्रयोग भी होते हैं।

परम शिवभक्त रावण से जुड़ी 10 बातें जो आप नहीं जानते होंगे

वैसे तो आप सभी को पता है कि दशानन रावण भगवान भोलेनाथ का सबसे बड़ा भक्त माना जाता है। पौराणिक शास्त्रों के सबसे बड़े खलनायक की उपाधि रखने वाला रावण इन सबके इतर अपने अंदर कई अच्छाई भी रखता थी। आइए रावण के जीवन से ऐसे ही कुछ बातों को जानने की कोशिश करते हैं जो हम सभी को सीखना चाहिए।

रावण को लेकर आज भले चाहे जो माना जा रहा हो लेकिन वह बहुत बड़ा और अच्छा राजा माना जाता था, रावण की लंका में उसके राज्यवाले बहुत ज्यादा खुश रहते थे। आपको ज्ञात तो इसी कारण भगवान राम ने लक्ष्मण को भेजा था उसके पास राजनीति के टिप्स लेने को। यही नहीं उसकी सोने की लंका में किसी को कोई भी कष्ट नहीं था। रावण की प्रजा उससे खुश और संतुष्ट थी।

यही नहीं रामचरित मानस में गोस्वामी तुलसीदास ने भी रावण को भगवान शिव का बहुत बड़ा भक्त और उनके अच्छे गुणों के बारे में काफी लिखा है।

रावण एक कुशल राजनीतिज्ञ, सेनापति और वास्तुकला का मर्मज्ञ होने के साथ-साथ बहु-विद्याओं का जानकार था।

देश के कम ही लोग हैं जो यह जानते हैं कि मध्यप्रदेश के मंदसौर सहित देश के कई कोनों में रावण पूजा उसकी अच्छाईयों के कारण किया जाता है।

रावण को मायावी इसलिए कहा जाता था कि वह इंद्रजाल, तंत्र, सम्मोहन और तरह-तरह के जादू जानता था। उसने युद्ध के दौरान राम को बहुत बार छकाया था।

रावण बहुत बड़ा पंडित था और इसी कारण भगवान राम ने उससे विजय यज्ञ करवाया था। रावण ने शिवतांडव स्त्रोत की रचना की, जो आज भी शिव अराधना का सबसे बड़ा मंत्र माना जाता है। पौराणिक ग्रंथों के अनुसार रावण को कई भाषाओं का ज्ञान था।

रावण को लोग बहुत बढ़िया कवि कहते थे, उसने कई रचनाएं भी लिखी हैं। रावण ने तांडव स्तोत्र, अंक प्रकाश, इंद्रजाल, कुमारतंत्र, प्राकृत कामधेनु, प्राकृत लंकेश्वर, ऋग्वेद भाष्य, रावणीयम, नाड़ी परीक्षा आदि पुस्तकों की रचना की थी।

रावण को शिव का सबसे बड़ा भक्त माना जाता है। यह बात किसी और ने नहीं बल्कि खुद भगवान शिव ने कही थी कि रावण बहुत बड़ा शिवभक्त है, उसकी भक्ति पर भगवान राम को भी शक नहीं था।

बहन सूर्पणखा के अपमान का बदला लेने के लिए रावण ने सीताहरण किया था। उसके पीछे रावण का तर्क था कि वह भाई का धर्म निभा रहा है। उसने वो ही किया जो एक भाई को करना चाहिए। लेकिन उसका तरीका गलत था।

रावण ने सीता का अपहरण जरूर किया था लेकिन उसने कभी भी अपने पौरूष का गलत फायदा नहीं उठाया, उन्होंने दो साल तक सीता को बंदी बनाये रखा लेकिन कभी भी सीता को हाथ नहीं लगाया। रावण ने सीता के सामने उन्हें पत्नी बनाने के लिए हमेशा याचना ही की।

दर्पण का सही उपयोग दूर करता है वास्तुदोष

दर्पण का उपयोग केवल सजने, संवरने एवं श्रृंगार के लिए ही नहीं बल्कि वास्तुदोष दूर करने के लिए भी होता है। इसका सही ढंग से उपयोग विभिन्न प्रकार के वास्तु दोषों का निराकरण करता है। दर्पण के विभिन्न प्रकार के प्रयोगों से जीवन में समृद्धि लाई जा सकती है और नकारात्मक प्रभाव देने वाली ऊर्जा को परिवर्तित किया जा सकता है।

दर्पण का जहां सही उपयोग करने से वास्तु दोषों में कमी आती है, वहीं गलत प्रकार से उपयोग में लाया गया दर्पण अनेक गंभीर समस्याओं को पैदा करता है।

वास्तुशास्त्र के अनुसार घर में कोई भी टूटा हुआ कांच का टुकड़ा अथवा दर्पण नहीं होना चाहिए तथा धुंधला या विकृत प्रतिबिंब दिखाने वाले आईने को भी प्रयोग में नहीं लाना चाहिए।

दो दर्पण एक-दूसरे के सामने नहीं लगाने चाहिए क्योंकि इससे उस स्थान पर शांति व शुभ ऊर्जा संचार की अपेक्षा बेचैनी तथा उदासी की मात्रा में वृद्धि होती है।

शयनकक्ष में भी दर्पण नहीं लगाना चाहिए, खासतौर पर उस जगह जहाँ से सोने वाला बिस्तर उसमें दिखाई देता हो, शयनकक्ष में बिस्तर के सामने लगा हुआ दर्पण पति-पत्नी के बीच मन-मुटाव, वैमनस्य का कारण बनता है। जगह के अभाव में अगर दर्पण वहाँ लगाना भी पड़े तो सोते समय शीशे को किसी कपड़े से ढक देना चाहिए।

किसी भी कमरे में दरवाजे के अंदर की ओर भी दर्पण नहीं लगाना चाहिए।

व्यापारिक स्थल पर दर्पण इस प्रकार लगाना चाहिए जिसमें आपका कैश बॉक्स, बिलिंग मशीन, रजिस्टर आदि सामान का प्रतिबिम्ब दिखाई दे, इससे संपन्नता आती है। व्यापार का स्थान, नकद लेन-देन पर दर्पण लगाना लाभदायक होता है।

पूर्व की दीवार पर तथा घर या कार्यालय के मुख्य द्वार के सामने की दीवार पर गोल दर्पण लगाना लाभकारी होता है, यह दर्पण उगते हुए सूर्य का प्रतिनिधित्व करता है।

आवासीय भवन अथवा व्यावसायिक भवन में ईशान क्षेत्र में दर्पण लगाया जाए, तो इससे आय में वृद्धि होती है।

उत्तर-पूर्व की दीवार पर लगा दर्पण नई-नई योजनाओं के द्वार खोलता है।

घर का कोई कोना जहां कोई गतिविध न होती हो या वहां अंधेरा हो तो वहां पर नकारात्मक ऊर्जा का संचार शुरू हो जाता है।

ऐसे स्थान को ऊर्जावान करने के लिए वहां दर्पण का प्रयोग किया जा सकता है तथा सही स्थिति में वहां दर्पण लगाकर प्रकाश भी बढ़ाया जा सकता है।

यदि आपके घर के बाहर टेलीफोन के खंभे, वृक्ष या दूसरे के घर की दीवारों से बनने वाले कोण वास्तुदोष पैदा करते हैं तो जरूरत के अनुसार वहां पर दर्पण लगाकर वेध को विपरीत दिशा में प्रतिबिंबित कर वास्तुदोष को कम किया जा सकता है।

रसोईघर में दर्पण लगाने की भूल न करें। चाहें तो भोजन कक्ष में डाइनिंग टेबल के पास दर्पण लगा सकते हैं।

आप भी घर पर दूध फाड़कर बनाते हैं पनीर?

अच्छे स्वास्थ्य के लिए दूध और दूध से बनी सामग्रियों जैसे दही, मक्खन, पनीर, घी आदि बेहद महत्वपूर्ण हैं। लेकिन आप शायद ये नहीं जानते होंगे कि दूध और उससे बनी वस्तुओं का ज्योतिषीय महत्व भी बहुत ज्यादा है। भारतीय संस्कृति में दूध हमेशा पवित्र माना गया है। पहले के जमाने में घर के बड़े-बुजुर्ग घर पर दूध को फाड़ने से मना करते थे। ज्योतिषीय मान्यता है कि यह अशुभ होता है। यहां तक यदि दूध किसी कारण से खुद फट जाता है, तो उसे भी बेहद अशुभ माना जाता है। आइए जानते हैं, घर पर दूध फाड़कर पनीर बनाना क्यों अशुभ माना जाता है, इससे किस ग्रह का दोष लगता है और जीवन पर क्या-क्या नकारत्मक असर होते हैं?

दूध से संबंधित हैं ये ग्रह

यदि आप भी घर पर दूध फाड़कर पनीर बनाते हैं, तो आप खुद अपना भाग्य बिगाड़ रहे हैं। वैदिक ज्योतिष के अनुसार, सफेद रंग के सभी जलीय पदार्थों पर चंद्रमा अधिकार होता है। इसलिए दूध का संबंध सीधे तौर पर चंद्रमा से है, जो

नवग्रहों में बेहद महत्वपूर्ण ग्रह है। इसका किसी व्यक्ति की कुंडली में शुभ होना बेहद जरूरी माना गया है।

दूध फाड़ने से क्या होता है?

घर पर दूध फाड़ने के लिए प्रायः नींबू, इमली का पानी, विनेगर या अन्य खट्टी चीजों का इस्तेमाल होता है। ज्योतिष शास्त्र में खट्टी और कसैली चीजों में अशुभ ग्रह केतु का वास माना गया है। जब आप दूध फाड़ने के लिए उसमें नींबू का रस मिलाते हैं, तो ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इससे चंद्रमा और केतु मिलन होता है। यह मिलन बेहद अशुभ माना गया है। बता दें कि जब चंद्रमा का मिलन केतु से होता है, तो चंद्र ग्रहण लगता है। इससे चंद्र दोष बढ़ता है, जिसका जीवन पर पर काफी नकारात्मक असर होता है।

जीवन पर होते हैं ये असर

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, चंद्रमा मन, मस्तिष्क, चेहरे की आभा, माता, दाहिनी आंख, कफ, चांदी, दूध आदि के कारक और स्वामी ग्रह हैं। मान्यता है कि घर पर दूध फाड़कर पनीर बनाने से जीवन के इन सभी पहलुओं पर बुरा असर होता है।

आपका मन बेचैन रह सकता है, मानसिक अशांति बढ़ सकती है और कोई मनोरोग हो सकता है।

माता जी की स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ सकती हैं। बार-बार घर पर पनीर बनाने से वे लंबे समय के लिए बीमार हो सकती हैं।

आपकी आंख, विशेष कर दाहिनी आंख, से संबंधित परेशानियां हो सकती हैं। शरीर में में कफ मात्रा बढ़ सकती है, जो अनेक स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ा सकता है।

आपकी मानसिक स्थिति बिगड़ सकती है, जिसका नकारात्मक असर हर प्रकार के कामकाज पर पड़ सकता है।

क्या आपके भी खुशहाल घर में बहू आते ही होने लगा है क्लेश ?

पुराणी कहावत है जहां चार बर्तन होंगे वह आपस में टकराएंगे ही लेकिन सुखी संपन्न घर में कई बार बहू आने से गृह क्लेश होने लगते हैं। क्या आप जानते हैं इसका कारण घर में उत्पन्न हुआ वास्तुदोष भी हो सकता है। घर में नई बहू के आने की खुशी में घर में तोड़-फोड़ करके उसे नया रूप दिया जाता है। जिससे वास्तु अनुसार न करके अपनी सहुलियत के अनुसार कर लिया जाता है। आईए जानें कैसे गृह क्लेश को रोक कर परिवार में प्रेम और अपनापन लाया जा सकता है?

सास-ससुर का बैडरूम दक्षिण-पश्चिम दिशा में होना चाहिए क्योंकि यह दिशा हावी होती है। घर के बड़ों को ही इस दिशा में निवास करना चाहिए। यदि ऐसा करना संभव न हो तो उनको अपना बैड इस दिशा में कर लेना चाहिए।

अपनी कम्पलिट फैमिली फोटो को लाल रंग के फ्रेम में मड़वा कर सभी पारिवारिक सदस्य अपने-अपने कमरे में लगवाएं। इससे सास बहू का रिश्ता मां बेटी सा हो जाएगा और जिन सदस्यों में मतभेद रहते हैं उनके मतभेद समाप्त होंगे।

किचन का निर्माण घर के मध्य में न करें क्योंकि इससे पारिवारिक सदस्यों में दरार पैदा होती है और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी अपना सिर ऊठाने लगती हैं। रसोई उत्तर-पूर्व में बनाएं।

घर की दिवारों को सजाने के लिए बहुत से रंगों को उपयोग में न लाएं। खासकर लाल रंग को कम से कम उपयोग में लाएं। स्वास्थ्य की दृष्टि से रसोई के लिए नीला रंग ना करवाएं।

8 जुलाई की सुबह 04:12 बजे से इन 5 राशियों की पलटेगी किस्मत

वैदिक पंचांग के अनुसार, आज से पांच दिन बाद यानी 8 जुलाई 2024 को प्रातः काल राहु देवता अपनी चाल बदलेंगे। सोमवार सुबह 04:12 मिनट पर छाया ग्रह राहु उत्तर भाद्रपद नक्षत्र में गोचर करेंगे। राहु के नक्षत्र परिवर्तन से 12 राशियों के करियर, नौकरी, आय, सेहत और लव लाइफ आदि सभी पर शुभ और अशुभ प्रभाव पड़ेगा।

वृश्चिक राशि

मनचाही कंपनी में जॉब करने का मौका मिल सकता है। कारोबारी अपने परिवारवालों को विदेश घुमाने लेकर जाने का प्लान बना सकते हैं। किसी बड़ी कंपनी के शेयर खरीदना इस समय फायदेमंद रहेगा। दुकानदारों की आय में

अचानक इजाफा हो सकता है, जिससे जल्द ही आपको कर्ज से मुक्ति मिल जाएगी।

मेष राशि

प्राइवेट कंपनी में नौकरी कर रहे लोगों को पदोन्नति जैसा शुभ समाचार मिल सकता है। पद में बढ़ोतरी होने के साथ-साथ सैलरी में भी वृद्धि होगी। बिजनेसमैन को धार्मिक आयोजन में सम्मिलित होने का मौका मिल सकता है, जिससे यश की प्राप्ति होगी। माता को पेट से जुड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

मीन राशि

ऑफिस में बॉस आपके काम से खुश होकर सहकर्मियों के सामने आपकी तारीफ कर सकते हैं। शेयर खरीदने के लिए ये समय आपके लिए सही है। किसी बड़ी कंपनी के शेयर खरीदेंगे, तो फ्यूचर में मालामाल हो सकते हैं। छात्रों को स्कूल की किसी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मिल सकता है।

कर्क राशि

नौकरीपेशा लोगों की कुंडली में प्रमोशन के प्रबल योग बन रहे हैं। कारोबारियों को जल्द ही विदेश जाने का मौका मिल सकता है। आज आपके घर कोई मेहमान शुभ समाचार लेकर आ सकता है। कोर्ट के किसी मामले में सफलता मिल सकती है। रिलेशनशिप में मौजूद लोग पार्टनर के साथ विदेश घूमने जा सकते हैं।

तुला राशि

कारोबारियों की घर खरीदने की इच्छा इस माह पूरी हो सकती है। आप अपने नाम पर मकान खरीद सकते हैं। प्राइवेट नौकरी कर रहे लोगों की आय में अकस्मात वृद्धि हो सकती है। बिजनेसमैन को बड़ा मुनाफा हो सकता है।

'वेट्टैयन' के बाद 'कुली' में रजनीकांत के साथ काम करेंगे फहद फाजिल?

सुपरस्टार रजनीकांत इन दिनों कई फिल्मों को लेकर सुर्खियों में छाए हुए हैं। रजनीकांत ने फिल्म की शूटिंग में शुरू कर दी है। फिल्म की शूटिंग हाल ही में हैदराबाद में हो रही है, जिसमें श्रुति हासन भी शामिल हुईं। फिल्म को लेकर छोटी से छोटी जानकारी का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। हालांकि, फिल्म के अन्य कलाकार के बारे में निर्माताओं की ओर से जानकारी नहीं आई है। ऐसे में अब सोशल मीडिया पर एक और अभिनेता के फिल्म में शामिल होने की खबरें आ रही हैं। यह अभिनेता कोई और नहीं बल्कि फहद फाजिल हैं।

सोशल मीडिया पर ऐसी खबरें फैलीं कि मलयालम स्टार फहद फाजिल ने 'वेट्टैयन' के बाद सुपरस्टार रजनीकांत के साथ एक और फिल्म साइन की है। ऐसे में लोगों का मानना है कि 'कुली' के निर्देशक लोकेश कनगराज ने कमल हासन की 'विक्रम' में फहद के साथ काम किया था और वे उन्हें 'कुली' के लिए साइन करने के इच्छुक थे। वे पहले से ही 'आवेशम' के अभिनेता फहद के साथ बातचीत कर रहे थे। ऐसे में अब अफवाह है कि फहद 'वेट्टैयन' के साथ-साथ 'कुली' में भी रजनीकांत के साथ काम कर सकते हैं।

कुली की शूटिंग पहले ही शुरू हो चुकी है, जो हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में चल रही है। 'वेट्टैयन' में रजनीकांत के साथ काम करने के बारे में फहद ने हाल ही में कहा था कि उन्होंने फिल्म में एक मजेदार किरदार निभाया है और यह तमिल सिनेमा में आम तौर पर निभाए जाने वाले खलनायकों की भूमिकाओं से अलग होगा। सुपरस्टार एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं, जो धार्मिकता के लिए खड़ा है। ऐसे में दोनों सितारे पहली बार एक साथ स्क्रीन पर दिखाई देंगे, इसलिए उनसे काफी उम्मीदें हैं।

'वेट्टैयन' के अलावा फहद फाजिल के पास अल्लू अर्जुन के साथ तेलुगु फिल्में 'पुष्पा 2', 'डोंट ट्रबल द ट्रबल' और 'ऑक्सीजन' हैं। इसके साथ ही वे मलयालम फिल्में 'ओडुम कुथिरा चाडुम कुथिरा' और 'बोगनविलिया' में नजर आएंगे। 'वेट्टैयन' का निर्देशन नेल्सन दिलीप कुमार ने किया है और इसमें अमिताभ बच्चन, राणा दग्गुबाती और मंजू वारियर जैसे दमदार कलाकार हैं। यह फिल्म लाइका प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित है और 10 अक्तूबर को रिलीज होने वाली है।

'कुली' के कलाकारों और क्रू के बारे में अधिक जानकारी जल्द ही घोषित की जाएगी। कुली फिल्म का निर्माण सन पिक्चर्स द्वारा किया गया है, जिसमें अनिरुद्ध रविचंदर संगीत निर्देशक हैं। वहीं, फिल्म को 2025 में रिलीज करने की योजना है। जानकारी के मुताबिक 'कुली' लोकेश सिनेमैटिक यूनिवर्स की फिल्म नहीं होगी।

अभिनेता कमल हासन ने कहा, सरकार से सवाल पूछने वाली फिल्में बनाने में जोखिम

हिंदी सिनेमा के प्रसिद्ध अभिनेता कमल हासन ने कहा कि कलाकार देश के नागरिक हैं और उन्हें अधिकारियों को जवाबदेह ठहराने का पूरा अधिकार है। इसी के साथ उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि सरकार से सवाल पूछने वाली फिल्में बनाना जोखिम भरा है।

अभिनेता ने अपनी आगामी फिल्म 'हिंदुस्तानी 2: जीरो टालरेंस' की झलकी जारी करने अवसर पर यह बात कही। इस फिल्म में वह एक ऐसे सेनापति की भूमिका में नजर आएंगे, जिन्होंने भारत को अंग्रेजों से आजादी दिलाई और फिर बाद में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ी। तमिल में 'इंडियन 2: जीरो टालरेंस' शीर्षक वाली यह आगामी फिल्म कमल की 1996 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली 'इंडियन' फिल्म की अगली कड़ी है, जिसमें उन्होंने दोहरी भूमिका निभाई थी। शंकर ही इस फिल्म का निर्देशन करेंगे। अभिनेता ने कहा कि यह समस्या ब्रिटिश शासन के समय से चली आ रही है। कमल हासन ने कहा कि लोग तब भी फिल्में बनाते थे। हम ऐसी फिल्में बनाते रहेंगे और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि सत्ता पर कौन बैठा है। यह सिर्फ फिल्म निर्माता का अधिकार नहीं है बल्कि सवाल पूछना नागरिकों का भी अधिकार है।

उन्होंने कहा कि हम कलाकार आप लोगों के बीच बहुत से लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

तालियों की बदौलत हम मानते हैं कि हम आपके प्रतिनिधि हैं इसलिए हम सजा के बारे में सोचे बिना निर्भीकता से बात करते हैं। हां, इसमें जोखिम जरूर है और सरकार नाराज भी हो सकती है, लेकिन आपकी कमजोर तालियां उस आग को बुझा देती हैं इसलिए तालियों की गड़गड़ाहट को हम कलाकार आप के बीच बहुत से लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं। तालियों की बदौलत हम मानते हैं कि हम आपके प्रतिनिधि हैं इसलिए हम सजा के बारे में सोचे बिना निर्भीकता से बात करते हैं।

कमल हासन (69) ने कहा कि देश में व्याप्त भ्रष्टाचार के लिए न केवल नेता बल्कि नागरिक भी जिम्मेदार हैं। हम सभी भ्रष्टाचार के लिए जिम्मेदार हैं और हमें अपनी सोच बदलनी चाहिए। अपनी सोच बदलने का सबसे अच्छा समय चुनाव के दौरान होता है। ये सिर्फ याद दिलाते हैं कि हम कितने भ्रष्ट हो गए हैं... भ्रष्टाचार की वजह से कुछ भी नहीं बदला है।

लोगों सामूहिक चेतना की बदौलत ही सब कुछ बदलेगा। अभिनेता-फिल्म निर्माता ने कहा कि वे महात्मा गांधी के प्रशंसक हैं, लेकिन वे उदारता की विचारधारा को नहीं मानते। कमल ने साल 2000 में प्रदर्शित हुई फिल्म 'हे राम' का निर्देशन और अभिनय भी किया था। यह फिल्म महात्मा गांधी की हत्या पर आधारित थी। उन्होंने कहा कि मैं गांधी जी का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। वे कहते हैं कि उन्होंने आपको सहनशीलता सिखाई, 'आप सहनशीलता के बारे में क्या सोचते हैं?' मैं कहता हूं कि मैं उस सहिष्णुता में बहुत ज्यादा यकीन नहीं रखता। गांधी जी मेरे हीरो हैं। लेकिन आप किसको बर्दाश्त करते हैं? किसी दोस्त को तो नहीं ही बर्दाश्त करना पड़ता। मैं चाहता हूं कि दुनिया में दोस्ती बढ़े। आप जो बर्दाश्त करते हैं, वह सिरदर्द है। जो कुछ भी समाज के लिए सिरदर्द है, उसके प्रति आपकी सहनशीलता शून्य होनी चाहिए। कोई दवा खोजें, उसे खत्म करें।

नशे की हालत में दिखाई दीं उर्फी जावेद! खुद को संभालते हुए वायरल हुआ वीडियो

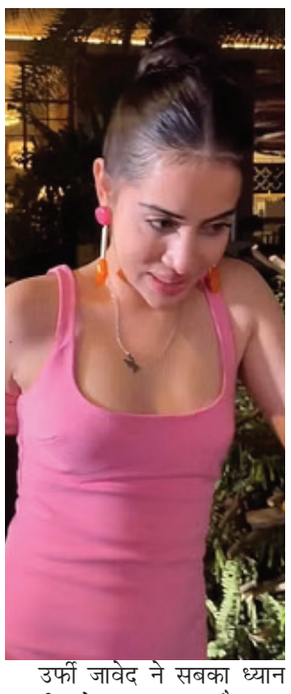

उर्फी जावेद ने सबका ध्यान अपनी ओर एक बार और तब खींचा जब वह मुंबई में एक पार्टी से बाहर निकलीं लेकिन सीधे चल नहीं पा रही थीं। इस दौरान उन्हें देखकर यही लग रहा था कि उर्फी नशे की हालत में हैं और उन्होंने कुछ हद से ज्यादा ही शराब पी रखी है।

उर्फी जावेद ने शनिवार रात को एक पार्टी में शराब पीकर आने की अटकलों को एक बार फिर से हवा दे दी है। यह अफवाह ऑनलाइन साझा किए गए एक वीडियो से फैली, जिसमें उर्फी को चलने में दिक्कत हो रही थी। बिग बॉस ओटीटी की पूर्व प्रतिभागी उर्फी को कुछ दोस्त और उनकी बहन रेस्टोरेंट से साथ बाहर लाए। इस समय उर्फी की हालत देखकर ही पता चल रहा था कि मामला कुछ ज्यादा ही गंभीर है, क्योंकि इस दौरान उर्फी की चाल बदली नजर आई।

इस दौरान उर्फी ने गुलाबी रंग की शॉर्ट मिनी ड्रेस पहनी हुई थी। उर्फी ने अपने बालों को बांधा हुआ था। उर्फी हमेशा की तरह खूबसूरत दिख रही थी। पार्टी के बाद, जब उर्फी को उनकी कार तक बड़ी ही मुश्किलों से पहुंचाया गया।

कैमरों से घबराई हुई उर्फी अपनी दोस्त और बहन को पकड़कर कार की ओर जाती दिखीं। अभिनेत्री अपनी कार तक पहुंचने में सफल रहीं और उसमें बैठ गईं, जबकि उनकी दोस्त ने कैमरामैन से पीछे हटने का अनुरोध किया। वीडियो को इंस्टाग्राम पर कई यूजर्स ने साझा किया है।

महेंद्र सिंह धोनी ने सलमान खान के साथ मनाया जन्मदिन, भाईजान बोले- हैप्पी बर्थडे कप्तान साहब

टीम इंडिया को दो विश्व कप दिलाने वाले पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं। सितारों से लेकर फैंस तक उन्होंने इस खास मौके पर बधाई दे रहे हैं। माही के नाम से मशहूर धोनी ने इस बार अपना बर्थडे पत्नी साक्षी और बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के साथ मनाया। सोशल मीडिया पर उनके जन्मदिन के वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं। इनमें से एक वीडियो में धोनी केट काटकर अपनी पत्नी और फिर बाद में सलमान खान को खिलाते नजर आ रहे हैं। वहीं एक वीडियो में साक्षी अपने पति महेंद्र सिंह धोनी के पैर छूती नजर आ रही हैं। वीडियो सामने आने के बाद फैंस इस पर जमकर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, धोनी हमारे सलमान भाई के साथ केक काट कर रहे...दो दिग्गज एक साथ एक फ्रेम में...वाह क्या पल है। एक अन्य यूजर ने लिखा, मुझे पता है कि धोनी मुंबई में हैं, इसलिए सलमान उनके जन्मदिन पर हैं। वास्तव में दोनों के बीच अच्छी बॉन्डिंग है। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने भी धोनी को खास अंदाज में सोशल मीडिया पर बधाई दी है। उन्होंने बर्थडे फोटो साझा कर एक्स पर लिखा, जन्मदिन मुबारक हो कप्तान साहब...। इस फोटो में सलमान खान कैजुअल लुक में काफी हैंडसम लग रहे हैं। इससे पहले शनिवार को सलमान खान अनंत अंबानी, रणवीर सिंह, हार्दिक पांड्या और एमएस धोनी के साथ फिल्म किक के अपने मशहूर गाने जुम्मे की रात है पर डांस करते नजर आए थे। पांचों का डांस वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था। वर्क फ्रंट की बात करें तो सलमान खान जल्द ही सिकंदर में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में रश्मिका मंदाना भी हैं। यह फिल्म अगले साल ईद के मौके पर रिलीज होगी।

जीनत अमान को याद आए बचपन के दिन

दिग्गज अभिनेत्री जीनत अमान अपने समय की सबसे मल्टी टैलेंटेड एक्ट्रेसेस में से एक रही हैं। वह अपनी बेहतरीन एक्टिंग के अलावा अपनी खूबसूरती के लिए भी जानी जाती थीं। हालांकि 72 साल की उम्र में भी वे अपनी अच्छी पर्सनैलिटी के कारण लाखों लोगों के दिलों पर राज कर रही हैं। वहीं जीनत सोशल मीडिया पर भी खासा एक्टिव रहती हैं जहां वो अक्सर कोई न कोई तस्वीरें या वीडीयो फैंस के साथ शेयर कर उनसे जुड़ी रहती हैं। वहीं एक बार फिर जीनत अपने हालिया पोस्ट की वजह से एक बार फिर चर्चा में आ गई हैं। दरअसल, जीनत ने हाल ही में इंस्टा पर अपनी कुछ नई तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में वह व्हाइट फुल-स्लीव शर्ट के साथ लॉन्ग ब्लैक कॉटन ड्रेस में नजर आ रही हैं। वहीं अपने इस लुक को एक्ट्रेस ने ब्लैक सनग्लासेस और बूट्स के साथ पूरा किया है, जिसमें वो कमाल की दिख रही हैं। जीनत इन तस्वीरों में काफी स्टाइलिश दिख रही हैं। उनकी अदाएं देख आप यकीन नहीं करेंगे की वह 72 साल की हैं।

सूर्या की नई फिल्म को लेकर सुधा कोंगरा ने खोला राज, 'पूरननूरु' में दिखेगा हिंदी विरोधी आंदोलन

इन दिनों निर्देशक सुधा कोंगरा अपनी फिल्म 'सरफिरा' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इस फिल्म में अक्षय कुमार मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। 'सरफिरा' सुधा द्वारा ही निर्देशित सोरारई पोटरु का हिंदी रीमेक है, जिसमें सूर्या लीड रोल में नजर आए थे। सुधा कोंगरा एक बार फिर से सूर्या के साथ एक फिल्म कर रही हैं, जिसे लेकर उन्होंने कुछ बातें साझा की है। सुधा कोंगरा और सूर्या 'पूरननूरु' फिल्म पर काम कर रहे हैं। यह दोनों की साथ में दूसरी फिल्म है। सुधा ने एक हालिया साक्षात्कार में, 'पूरननूरु' के बारे में बात करते हुए कहा कि यह फिल्म एक व्यवस्था विरोधी कहानी पर आधारित है। उन्होंने बताया कि यह फिल्म 60 के दशक में हुए हिंदी विरोधी आंदोलन की पृष्ठभूमि में सेट है।

सुधा कोंगरा ने आगे बताया कि 'पूरननूरु' एक ऐसी फिल्म है, जिसमें उत्पीड़न विरोधी कहानी देखने को मिलेगी। सुधा का मानना है कि उनकी सभी फिल्मों में अत्याचार के खिलाफ मोर्चा खोला जाता है। उन्होंने अपनी फिल्म 'साला खड़ूस' का जिक्र करते हुए कहा कि उसमें बॉक्सर लड़की अपने रास्ते में आने वाली बाधाओं को पार करती है।

सुधा ने कहा कि समाज में कई तरह का उत्पीड़न, अलगाव और विभाजन मौजूद है। उन्होंने महिलाओं के पितृसत्ता के जाल में फंसे होने का जिक्र करते हुए कहा कि अधिकतर महिलाएं लंबे वक्त से इसका सामना कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस बात को स्वीकार करके पितृसत्ता को मात देनी होगी।

'पूरननूरु' सूर्या की 43वीं फिल्म है। इसमें सूर्या के साथ-साथ दुलकर सलमान, विजय वर्मा और नाजरिया भी नजर आएंगे। इसका निर्माण सूर्या की ही प्रोडक्शन कंपनी 2डी एंटरटेनमेंट द्वारा किया जा रहा है। संगीतकार जीवी प्रकाश फिल्म की धुनें तैयार कर रहे हैं।

करती हूं 'वही' जो पसंद हो मुझे : दीपिका

मेरे लिए, मेरा दिल और आत्मा बहुत साफ होनी चाहिए। मुझे यकीन है कि मैं गलतियां करती हूं लेकिन यह समझना महत्वपूर्ण है कि मैंने ऐसा क्यों किया। फिल्म 'ओम शांति ओम' से बॉलीवुड में फि डेब्यू करने वाली दीपिका पादुकोण के फिल्मी करियर को 18 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। पिछले वर्ष उसकी दोनों ही फिल्मों 'पठान' और 'जवान' ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाते हुए एक-एक हजार करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार किया। इस वर्ष रिलीज उसकी फिल्म 'फाइटर' ने भी ठीक-ठाक कमाई की है।

मल्टी-टास्किंग पर बोली दीपिका

निःस्संदेह दमदार कलाकार और इंडस्ट्री की सबसे सफल तथा भरोसेमंद अभिनेत्रियों में से एक है। वह बहुमुखी प्रतिभा की धनी होने के लिए भी जानी जाती है क्योंकि वह कई फैशन और ब्यूटी ब्रांड्स की ब्रांड एम्बैसेडर से लेकर एक प्रीमियम स्किनकेयर ब्रांड की मालकिन और यहां तक कि 'लव लाफ फाऊंडेशन' के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता को लेकर जागरूकता फैलाने में भी सक्रिय है।

इतने सारे काम के बीच उसने मल्टीटास्किंग (एक साथ एक से अधिक काम करने का कौशल) पर अपने विचार सांझे किए और बताया कि वह अपनी प्राथमिकताएं कैसे तय करती है। उसने कहा कि वह अलग-अलग चीजों को एक साथ कर सकती है लेकिन उन चीजों से बचती है जो उसे पसंद नहीं हैं, मेरे लिए मल्टीटास्किंग आसान है, लेकिन ऐसी कई चीजें हैं जिन्हें लेकर आप उत्साहित होते हैं।

कभी-कभी, आपको ऐसे काम करने पड़ते हैं, जिन्हें करने में आपको मजा नहीं आता लेकिन जहां तक हो सके, मैं ऐसे काम करने से बचती हूं। हालांकि, कुछ जिम्मेदारियां और प्रतिबद्धताएं होती हैं और आपको उनको पूरा करना होता है। अपने जीवन में कार्यों को प्राथमिकता देने के तरीके के बारे में उसने बताया, एक समय आता है जब आप एक ऐसे चरण में पहुंच जाते हैं जहां आप अधिकांश चीजों को छोड़ देते हैं और केवल वही रखते हैं, जिसके बारे में आपको पता है कि वह आपके जीवन में मूल्य जोड़ेगी। शुरुआती वर्षों में, यह सब कुछ चाहने के बारे में था, लेकिन जब आप एक चरण में आते हैं, तो उन चीजों को फिल्टर करना और चुनना शुरू कर देते हैं, जो आपके जीवन को बेहतर बना सकती हैं।

दर्शकों को अपने काम से प्रभावित करने पर बात करते हुए दीपिका ने ईमानदारी के महत्व पर जोर देते हुए कहा, जहां तक रूपहले पर्दे पर खुद को अभिव्यक्त करने की बात है, मैं ईमानदार होना जानती हूं। मैं बेईमानी से असहज हूं। मैं ऐसी इंसान हूं' जो अपनी कमजोरियों को अच्छे से समझती हूं, अपनी गलतियों को स्वीकार करने से लेकर मैं हर तरह के टकराव के लिए भी तैयार रहती हूं।

मैं चीजों को स्वीकार करती हूं और शायद इसीलिए मेरा प्रदर्शन दर्शकों को छू जाता है। चर्चा में दीपिका इन दिनों वह अगली फिल्म' कल्कि 2898 एडी' और अपनी प्रैग्नैंसी को लेकर सुर्खियां बटोर रही है। हाल ही में फिल्म के प्री-रिलीज इवेंट में इसके सारे सितारे मौजूद थे। इस दौरान अमिताभ बच्चन, प्रभास और दीपिका ने खूब मस्ती मजाक किया। दीपिका ने अपने 'बेबी बम्प' के लिए भं खूब ध्यान खींचा।

हालांकि, उसने अपने बढ़े हुए पेट को लेक प्रभास के साथ एक मजाक किया और उसे ह इ स के लि ए जि म्मे दा र ठ ह रा या। प्रभास की तारीफ करते हु ए दीपिका ने कहा

मैं दरअसल ऐसी इसलिए दिख रही हूं, क्योंवि प्रभास ने मुझे बहुत खाना खिलाया है। यह इस हद तक पहुंच गया था कि फिल्म का सैट एक कैटरिंग सर्विस जैसा बन गया था। वह न केवल अपने घर से बना खाना लेकर आते थे, बल्कि दिल से खिलाते भी थे। इसके बाद दीपिका ने सोशल मीडिया पर इवेंट से जुड़ी अपनी कई सारी फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा ठीक है, बहुत हो गया... अब मुझे भूख लगी है! अगली फिल्म इस फिल्म के बाद वह एक्शन कॉमेडी फिल्म 'सिंघम अगेन' में दिखाई देगी। 'बेबीमून' से लौटी दीपिका 3 महीने बाद अपने पहले बच्चे को जन्म देने वाली है। इस साल फरवरी में उसने और उसके पति रणवीर सिंह ने फैन्स के साथ यह गुड न्यूज शेयर की थी। गत दिनों ही वह रणवीक के साथ लंदन में 'बेबीमून' (प्रैग्नेंसी में छुट्टियां) मनाने गई थी और हाल ही में दोनों वहां से वापस मुंबई लौटे।

जहीर से शादी के बाद मां को मिस कर रही हैं सोनाक्षी सिन्हा, साझा किया अपने दिल का हाल

सोनाक्षी सिन्हा ने 23 जून को अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल से शादी करके उन्हें अपना जीवनसाथी बना लिया है। उनकी शादी रजिस्टर थी। सोनाक्षी-जहीर की शादी में उनकी फैमिली और करीबी दोस्त मौजूद थे। सोनाक्षी सिन्हा और जहीर खान की शादी को अभी कुछ ही दिन हुए हैं, और अभी से सोनाक्षी को अपनी मां और घरवालों की याद सता रही है। सोनाक्षी ने सोशल मीडिया पर अपनी मां और पिता के साथ कुछ तस्वीरें साझा की हैं और साथ ही अपने दिल का हाल बयां किया है।

सोनाक्षी ने अपनी शादी की कुछ ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरें साझा कीं हैं, जिसके साथ उन्होंने बड़ा ही भावुक नोट भी लिखा है। सोनाक्षी ने लिखा, 'शादी में मां रोने लगीं, जब उन्हें इस बात का अहसास हुआ कि मैं अब घर से जाने वाली हूं। तब मैंने मां को समझाया कि चिंता मत करिए जुहू से बांद्रा केवल 25 मिनट की ही दूरी पर तो है।' आगे सोनाक्षी ने लिखा, 'आज सभी लोगों की बहुत ज्यादा याद आ रही है, इसलिए मैं वही बात को फिर से दोहरा रही हूं।' आगे सोनाक्षी ने अपने घर के खाने के बारे में भी लिखा, 'आज संडे है तो घर पर सिंधी कढ़ी बनी होगी, जल्द ही मिलूंगी जूम जूम...जूम'। इस खास मैसेज के साथ सोनाक्षी ने लाल रंग का हार्ट इमोजी भी लगाया।

सोनीक्षी ने अपनी मां के प्रति सोशल मीडिया पर जो तस्वीरों के साथ कैप्शन साझा किया है, उसे लेकर उनके कई प्रशंसक लगातार सोशल मीडिया पर अपनी राय साझा कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा, 'आपने इमोशनल मोमेंट्स में भी अपनी मां को दिलासा दिया।', एक और फैन ने लिख, 'रिस्पेक्ट करती हूं आपकी', एक और फैन ने लिखा, 'एक मां को पता होता है कि जब उसकी बच्ची दूसरे घर जाती है तो कैसा महसूस होता है।'

सोनाक्षी सिन्हा की शादी को 10 दिन से ज्यादा का समय बीत चुका है। मगर उनकी मैरिज को लेकर हो रही बातों का सिलसिला लगातार जारी है। कभी भाई लव के शादी ना अटेंडेंट करने की खबर तो कभी कुछ और विवाद सोनाक्षी की शादी को लेकर आता ही जा रहा है। सोनाक्षी ने हाल ही में उनकी शादी को लेकर ट्रोल करने वालों को करारा जवाब दिया था। अब शत्रुघ्न सिन्हा ने परिवार को लेकर तरह-तरह की बातें करने वालों को मुंहतोड़ जवाब दिया है। उन्होंने साफ किया कि उनके परिवार को निशाना बनाया जाएगा, वो ये बात बर्दाश्त नहीं करेंगे।

सोनाक्षी जल्द ही हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'काकुड़ा' में नजर आएंगी। इस बात की जानकारी खुद सोनाक्षी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा की थी। 'काकुड़ा' में सोनाक्षी सिन्हा के साथ रितेश देशमुख और साकिब सलीम भी नजर आएंगे। फिल्म को लेकर बात करते हुए सोनाक्षी ने कहा, उनकी मां पूनम सिन्हा ने बचपन में एक किस्सा सुनाया था, जिसे सोचकर वह आज भी डर जाती हैं।

सोनाक्षी ने आगे कहा- जब हमारा बंगला था, मैं मेरे पैरेंट्स के रूम में तीसरे फ्लोर पर रहती थी। वहां बड़े-बड़े पेड़ थे। तो जब मैं सोती नहीं थी तो मेरी मां मुझसे कहती थीं अगर तुम टाइम पर नहीं सोने जाओगी, तो वहां एक संबोरी बैठा है, वो आकर तुम्हें ले जाएगा। मुझे वह आज भी याद है।''

संस्कृत में हैं रोजगार के व्यापक अवसर

बदलते परिवेश ने युवाओं को ऐसी धारणा बनाने के लिए विवश कर दिया, कि कुछ गिने- चुने विषयों के अलावा कहीं करिअर नहीं है। जबकि वास्तविकता यह कि करिअर संभावनाएं चंद विषयों की परिधि में कभी समाप्त नहीं होती। सूचना, तकनीक और प्रबंधन के पाठ्यक्रमों की विराट लोकप्रियता के इस युग में उन विषयों की चर्चा ही नहीं हो पाती जो उन बहुत से विद्यार्थियों को एक सही करिअर और धनोपार्जन का मार्ग देते हैं। इन वैकल्पिक करिअर संभावनाओं में संस्कृत का विषय भी है। इस प्राचीन विषय में कई नूतन संभावनाएं बनी है, पर इसको लेकर लोगों में बहुत प्रकार की आशंकाएं और पूर्वाग्रह रहते हैं लेकिन यदि आप इस विषय की विशेषताओं से परिचित हैं और उसमें अपने विशिष्ट या महारत हासिल की है तो आपके लिए अर्थोपार्जन यानी सम्मानजनक कमाने के मार्ग खुलते हैं। संस्कृत से जुड़ी हुई सर्वाधिक रोचक बात यह है कि इसका पठन-पाठन करने वाले विद्यार्थियों को रोजगार के लिए सरकार का मुंह नहीं ताकना पड़ता। संस्कृत का ज्ञान पूजा-पाठ, कुंडली मिलान, सोलह संस्कारों का संपादन, विद्यार्थियों के लिए स्वरोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध कराता है। इन सब कारणों से संस्कृत दिन- प्रतिदिन

का महत्त्व बढ़ता जा रहा है।

कंप्यूटर युग के साथ संस्कृत

संस्कृत अब प्राचीन परंपराओं तक ही सीमित न होकर वर्तमान के कंप्यूटर युग के साथ भी स्पर्धा कर रही है। आजकल ज्यातिषी कुंडली का पूरा अंक गणित कंप्यूटर पर ही कर देते हैं। उदाहरण स्वरूप कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक अर्थात संस्कृत के माध्यम से कंप्यूटर के क्षेत्र में काम करने के लिए आपके पास धनोपार्जन के कई तरह के साधन उपलब्ध हो सकते हैं क्योंकि संस्कृत ने कंप्यूटर में बेहतर कार्य के नए आयाम स्थापित किए हैं। इसके लिए पहले आपको कंप्यूटर की ठीक समझ बनाने के साथ संस्कृत व्याकरण शास्त्र में निशनाहट होने की आवश्यकता है।

कोर्स व योग्यता

संस्कृत एक ऐसा विषय है जिसकी शिक्षा पारंपरिक व आधुनिक दोनों तरह से दी जाती है। संस्कृत में स्नातक करने के लिए आपको किसी भी मान्यता प्राप्त संस्थान से 12वीं की परीक्षा संस्कृत विषय में 50 फीसद अंकों के साथ उत्तीर्ण करनी होगी। इसके बाद आप किसी भी ऐसे कालेज में दाखिला ले सकते हैं जहां पर संस्कृत विषय की विशेषज्ञता के साथ आपको कला संकाय के साथ स्नातक एवं अन्य डिप्लोमा कराए जाते हों। संस्कृत विषय को विशेष विषय के तौर पर चुन करके 3 साल की अवधि में आपका स्नातक पूरा हो सकता है। तो वहीं 1 ही 1 वर्षीय डिप्लोमा कोर्स किए जा सकते हैं। इसके अलावा आप मास्टर आफ आर्ट्स संस्कृत भी कर सकते हैं। इसकी अवधि 2 वर्ष की होती है।

अनुवाद का क्षेत्र

अब एक बड़ा उभरता क्षेत्र हैं अनुवाद का। अच्छा अनुवादक बनने में संस्कृत बहुत उपयोगी सिद्ध होती है। भारत सहित संसार भर में हमेशा अच्छा अनुवाद करने वालों की काफी मांग रहती है। अनुवादक के तौर पर सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों में तो नौकरी के अच्छे अवसर हैं ही, साथ ही स्वतंत्र रूप से जिसे अंग्रेजी में फ्रीलांसर कहते हैं, उस रूप में भी अनुवाद कार्य कर- के विद्यार्थी अपना एक अच्छा करिअर व पहचान बना सकते हैं और सम्मानजनक आमदनी कर सकते हैं।

पारंपरिक शिक्षा के लिए प्रमुख संस्थान आधुनिक शिक्षा के लिए

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, दिल्ली
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, बनारस
सेंट स्टीफंस कालेज, दिल्ली
श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, दिल्ली
कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, बिहार
पटना विश्वविद्यालय, पटना
जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), दिल्ली
तिरुपति संस्कृत विद्यापीठ, आंध्र प्रदेश
बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, बनारस
इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज

'होलोग्राफिक' यानी 'चमकीला फैशन'

फैशन वर्ल्ड में होलोग्राफिक डिजाइन सभी के सिर चढ़कर बोल रहा है। सत्तर के दशक का यह फैशन कुछ सालों से काफी टैंड में चल रहा है. इसमें रैट्रो और न्यू एज दोनों वाइब्स जो मिलती हैं। इसे 'चमकीला' या 'उडी फैशन' भी कहा जाता है, जो सैलेब्स के स्टाइल का हिस्सा बन चुका है। आप भी इन पार्टी वियर ड्रैसेज को चुनकर भीड़ से अलग दिख सकती हैं। चलिए जानते हैं इसमें सजने के कुछ टिप्स :

होलोग्राफिक मिनी ड्रेस और स्कर्ट

तमन्ना भाटिया (ऊपर) ने इस मिनी ट्रैस में सबका ध्यान अपनी ओर खीचा था। कॉलेज गोइंग गर्ल अपने वॉर्डरोब में हिना खान (नीचे। की स्कर्ट को जोड़ सकती हैं। उसने प्लेन पफ स्लीय व्हाइट टॉप के के साथ होलोग्राफिक स्कर्ट स्टाइल की थी। यह किसी भी कलर की टॉप के साथ स्टाइल की जा सकती है। होलोग्राफिक को न्यूट्रल कलर्स यानी ब्लैक, व्यइट या बेज कलर के साथ मिक्स एंड मैच किया जा सकता है।

इस तरह आया होलोग्राफिक फैशन

1947 में ईजाद होने वाला होलोग्राम चमकीला स्टिकर था, जिसके चमकने से उसके ऊपर लिखा हुआ नाम कई एंगल से अलग- अलग तरीके से दिखने लगता था। इसी से सीख लेते हुए होलोग्राम को कपड़े और फैशन में भी लाने की कोशिश की गई। 1970 के दौरान होलोग्राफिक आऊटफिट्स ने फैशन जगत में अपनी जगह बना ली और धीरे-धीरे यह टैंड काफी पॉपुलर हो गया।

लोग पार्टी या फिर डिस्को जाने के लिए होलोग्राफिक आऊटफिट कोस्टाइल करते है।

होलोग्राफिक नेल पेंट

वनक, रंग और स्टाइलिश होने के कारण होलोग्राफिक नेल पेंट को भी खूब पसंद किया जा रहा है। इस तरह के नेल्यास पाने के लिए माकीट में होलोग्राफिक सैलोफिन और फॉइल जैसे अनेक उपकरण भी मौजूद हैं। आप इसे किसी भी पार्टी या थीम के साथ मैच कर सकती हैं।

एक्सैसरीज में भी होलोग्राफिक लुक

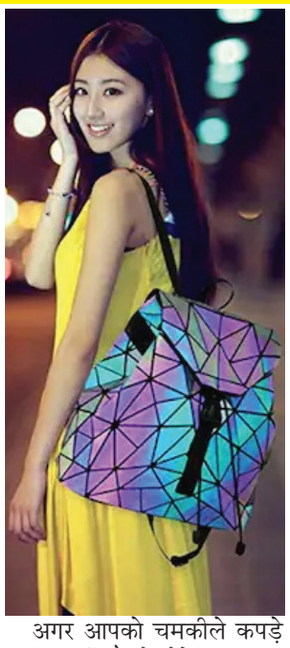

अगर आपको चमकीले कपड़े पसंद नहीं है तो मेटेलिक लुक वाली आऊटफिट पहन सकती है। सिपल होने के कारण इसे आसानी से स्टाइल किया जा सकता है। आप चाहें तो इसके साथ होलोग्राफिक वैगपैक और शूज को भी अपनी लुक का हिस्सा बना सकती हैं।

मलायका की होलोग्राफिक शीन ब्ल्यू जीन्स

मलायका अरोड़ा किसी भी फैशन ट्रेंड को मिस नहीं करतीं। उन्होंने भी होलोग्राफिक को अपने स्टाइल से पेश किया है। यह होलोग्राफिक शीन ल्यू जीन्स उनकी लुक को कूल बनाने का काम कर रहीं थीं। मलायका ने इसके साथ ब्ल्यू एंड व्हाइट चीकर्स पेयर किए थे। साथ में नैचुरल मेकअप लुक इस आऊटफिट पर बिल्कुल परफैक्ट लग रही थी।

होलोग्राफिक टॉप और पैट

आप नेहा कक्कड़ की तरह होलोग्राफिक बो टॉप और पेंट्स जैसा कुछ ट्रेंडी भी ट्राई कर सकती है। इसे आप बीच पार्टी या लेट नाइट पार्टीज के लिए चुन सकती हैं। ध्यान रखें कि इस तरह के

आऊटफिट के साथ लाइट एक्सेसरीज ही पेयर करें। स्टाइल के साथ-साथ कंफर्ट का ध्यान रखना भी बेहद जरूरी होता है।

जो गलतियों से सीख लेता है, वही जीवन में हासिल करता है सफलता

नए काम करते हैं तो गलतियां होने की संभावनाएं काफी अधिक रहती हैं। जो लोग गलतियों से सीख लेकर काम करते हैं, वे ही बड़ी कामयाबी हासिल करते हैं। इसलिए गलतियों के लिए भी सकारात्मक सोच रखें, उन्हें दोहराने से बचें और सीख लेकर आगे बढ़ें। जीवन की बहुत सी समस्याओं को सुलझाने के लिए जरूरी है कि कुछ गलतियां करना। कारण, बहुत से लोग प्रयास करने से ही घबरा जाते हैं, क्योंकि उन्हें भय होता है कि वे गलती कर बैठेंगे, जबकि मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि गलतियां सफलता की दिशा में जरूरी प्रतिक्रिया हैं। केवल गलतियों के जरिए ही व्यक्ति जान पाता है कि आगे वह कैसे बेहतर कोशिश कर सकता है। गलती करना जीवन के इम्तहान में फेल होना नहीं, बल्कि

सफलता की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाना है। बुद्धिमान व्यक्ति वही है जो अपने साथ ही दूसरों की गलतियों से भी सीख लेकर अपना जीवन सुधार लेता है और आगे बढ़ जाता है। इसके अलावा माता-पिता का दायित्व है कि वे बच्चों को अपने संदेहों को दूर करने व अपनी क्षमताओं पर विश्वास करने के लिए प्रेरित करें। आत्म-संदेह पर काबू पाकर, वे पूरी क्षमता के साथ महान चीजें हासिल करने में सक्षम होंगे। हमारे पीछे क्या है और हमारे आगे क्या है, यह सब हमारे भीतर क्या है, इसकी तुलना में बहुत छोटी बातें हैं। बच्चों को सिखाएं कि उनकी आंतरिक शक्ति बाहरी परिस्थितियों से ज्यादा महत्वपूर्ण है। आंतरिक शक्ति का उपयोग करके, वे अपने सामने आने वाली किसी भी चुनौती पर विजय प्राप्त कर सकते हैं।

गूगल का मुफ्त एआई पाठ्यक्रम?

आने वाला भविष्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) का है। एआई तकनीक आने के बाद शिक्षा, मनोरंजन, स्वास्थ्य आदि विभिन्न क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव आ रहे हैं। ऐसे में अगर आप भविष्य में अच्छी खासी आय करना चाहते है, तो आपको एआइ से जुड़ी तकनीकों से अवगत रहना जरूरी है। इसी चीज को ध्यान में रखते हुए कई स्कूल और कालेजों में भी एआइ से जुड़ी पढ़ाई पर जोर दिया जा रहा है। इसके अलावा कई निजी संस्थाएं भी बच्चों को एआइ और मशीन लर्निंग के बारे में सिखाने के लिए नए पाठ्यक्रम की शुरुआत कर रही हैं। इन्हीं सब के बीच गूगल ने एक खास तरह का एआइ पाठ्यक्रम शुरू किया है। गूगल के इस पाठ्यक्रम को सीखने के लिए आपको एक भी रुपए खर्च करने की जरूरत नहीं है यह पूरी तरह मुफ्त है।

गूगल के इस एआइ पाठ्यक्रम को आप 8 से 10 घंटे में खत्म करके प्रमाणपत्र ले सकते हैं। गूगल के इस पाठ्यक्रम में आपको कुल 5 विषय मिलते हैं। इस पाठ्यक्रम को आप अपने समय के मुताबिक पूरा कर सकते हैं। सबसे अच्छी बात कि इसको करने के लिए आपके पास इससे जुड़ी कोई डिग्री होना जरूरी नहीं है।

इसमें आपको एआइ की नीतियों के बारे में भी सिखाया जाएगा। एआइ का कैसे जिम्मेदारी के साथ उपयोग करना है यह सब इस आपको बताया जाएगा। आप स्पष्ट निर्देश लिखना भी सीखेंगे। यही नहीं एआइ की मदद से आप अपने रोजाना के कामों की गति को कैसे बढ़ा सकते हैं उसके बारे में भी बताया जाएगा।

पाठ्यक्रम के ये हैं पांच चरण

1- एआई का परिचय (समय- 1 घंटा)
2- वीडियो अनुकूलन उपकरण (समय- 2 घंटे)
3- इंजीनियरिंग की कला की खोज (समय- 2 घंटे)
4- एआई का जिम्मेदारी से उपयोग करना (समय 1 घंटा)
5- कृत्रिम बुद्धिमत्ता से एक कदम आगे रहें (समय- 2 घंटे)

शुरू करना है अपना बिजनेस? हर तरह से मदद करेंगी केंद्र सरकार की योजनाएं

पढ़ाई पूरी करने के बाद हर नौजवान की बस एक ही ख्वाहिश होती है कि उसे बढ़िया सैलरी के साथ कोई नौकरी मिल जाए। हालांकि, बीते कुछ सालों में देखें तो युवाओं ने करियर के तौर पर नौकरी के बजाय खुद के स्टार्टअप को तरजीह दी है। यही वजह है कि स्टार्टअप के मामले में देश काफी आगे निकला है और 'स्टार्टअप हब' कहा जाने लगा है। वहीं, केंद्र सरकार की तरफ से भी ऐसी कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, जो स्टार्टअप के लिए ट्रेनिंग से लेकर आर्थिक सहायता तक प्रदान करती हैं। आइए, कुछ ऐसी ही योजनाओं के बारे में जानते हैं।

डेयरी के क्षेत्र में स्वरोजगार को बढ़ावा देने के मकसद से केंद्र सरकार ने इस योजना की शुरुआत की है। पशुपालन, मत्स्य पालन और डेयरी विभाग की तरफ से चलाई जा रही इस योजना में दूध के उत्पादन से लेकर प्रोसेसिंग और मार्केटिंग तक सबकुछ शामिल है। योजना के तहत अप्लाई करने वाले सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों को उनके प्रोजेक्ट की कुल लागत की 25 फीसदी और एससी/एसटी वर्ग के साथ-साथ किसानों को 33.33 फीसदी बैक-एंड रकम प्रदान की जाती है।

इस योजना का मकसद लघु उद्योगों के लिए लोन सिस्टम को आसान बनाना है। एमएसएमई मंत्रालय और भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक ने लोन लेने की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए मिलकर क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट की शुरुआत की है। इस योजना के तहत, केंद्र सरकार लघु उद्योगों और सूक्ष्म स्तर के उद्योगों को बहुत ज्यादा रियायती दरों पर और बिना किसी जमानत के लोन प्रदान करती है।

स्टार्टअप के तौर पर लघु उद्योग हमेशा से युवाओं की पहली पसंद रहे हैं। इसीलिए लघु उद्योग क्षेत्र में खरीद को बढ़ावा देने के मकसद से एमएसई को सपोर्ट प्रदान करने के लिए सिंगल पॉइंट रजिस्ट्रेशन स्कीम शुरू की गई है। राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम की तरफ से चलाई जा रही इस योजना के तहत बिना किसी शुल्क के टेंडर, टेंडर में भागीदारी और एमएसई से खरीद शामिल है। केंद्र सरकार ने इस योजना के तहत एमएसई से होने वाली कुल सालाना खरीद का कम से कम 25 फीसदी भी तय किया है।

केंद्र सरकार की इस योजना का मकसद उद्योगों के बीच सहयोगात्मक रिसर्च और विकास को बढ़ावा देना है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की तरफ से संचालित इस योजना के तहत दो साल से कम समय-अवधि के साथ प्रति प्रोजेक्ट अधिकतम 2 करोड़ रुपए की राशि दी जाती है। उद्योगों को मजबूत बनाने और स्वदेशी उत्पादों के विकास को बढ़ावा देने के लिए ही ये योजना लाई गई है।

हिमाचल में आउटसोर्स पर भर्ती होंगे 6,297 प्री प्राइमरी शिक्षक

हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों में 6,297 प्री प्राइमरी शिक्षक आउटसोर्स पर भर्ती होंगे। राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन के माध्यम से ये भर्तियां की जाएंगी। दो साल का नर्सरी टीचर ट्रेनिंग (एनटीटी) डिप्लोमा करने वालों को भर्ती में शामिल किया जाएगा। शिक्षा सचिव राकेश कंवर की ओर से मंगलवार को इस बाबत प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय को पत्र जारी किया। हिमाचल के 6,297 प्री प्राइमरी स्कूलों में करीब 60 हजार विद्यार्थी पंजीकृत हैं। प्रदेश में तीन से छह वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों के लिए हिमाचल प्रदेश प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा अनुशिक्षक योजना शुरू की गई है। शिक्षा सचिव की ओर से भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की अधिसूचना जारी की है। भर्ती के लिए निदेशालय की ओर से राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन को 6,297 स्कूलों में पद भरने के लिए रिक्तियों की जानकारी दी जाएगी। कॉर्पोरेशन कंपनियों का चयन करने के बाद आउटसोर्स के माध्यम से शिक्षकों को नियुक्तियां देगी।

10 हजार रुपये मानदेय किया है तय

शिक्षकों को मासिक मानदेय 10,000 रुपए तय किया है। इसमें एजेंसी चार्जेज, जीएसटी, अन्य खर्च शामिल है। जानकारी के मुताबिक इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन वर्तमान में 5 फीसदी एजेंसी चार्ज लेता है, जबकि 10 फीसदी की कटौती ईपीएफ के लिए होती है। आउटसोर्स भर्ती पर जीएसटी 18% है। शिक्षकों को हर माह करीब 7,000 रुपए कैश इन हैंड मिलेगा।

आईटीबीपी में एसआई और एएसआई सहित कई अन्य पदों पर निकली भर्ती

देश में बड़ी संख्या में युवा सरकरी नौकरी की तैयारी करते हैं। सरकारी नौकरी के लिए प्रतियोगी परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं, जिसमें सफल होने के लिए निरंतर प्रयास, समर्पण और दृढ़ संकल्प की आवश्यकता होती है। अगर आप भी सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं तो यहां हमने बताया है कि वर्तमान में किन सरकारी विभागों में भर्तियां चल रही हैं। इच्छुक उम्मीदवार विवरण पढ़कर अपनी पसंद की नौकरी के लिए आवेदन कर सकते हैं।

एसएससी सीजीएल भर्ती

कर्मचारी चयन आयोग की ओर से संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा (CGL 2024) के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन मांगे जा रहे हैं। अधिसूचना के अनुसार, इस भर्ती अभियान के माध्यम से कुल 17,727 पदों को भरा जाएगा। **उम्मीदवार 25 जुलाई, 2024** तक एसएससी सीजीएल भर्ती 2024 के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती अभियान के तहत ग्रुप बी राजपत्रित और गैर-राजपत्रित पदों के साथ-साथ ग्रुप सी स्टाफ पदों के लिए योग्य उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा। इच्छुक उम्मीदवार आयोग की आधिकारिक वेबसाइट ssc.gov.in. के माध्यम से इस भर्ती के लिए आवेदन कर सकते हैं।

SSC MTS 2024 के 8326 पदों पर भर्ती

अगली बड़ी भर्ती भी कर्मचारी चयन आयोग की ओर से ही निकाली गई है। एसएससी ने मल्टी टास्किंग (गैर-तकनीकी) स्टाफ और हवलदार (सीबीआईसी और सीबीएन) परीक्षा 2024 के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस भर्ती के माध्यम से 8,326 पदों को भरा जाएगा, जिसमें सीबीआईसी और सीबीएन में 4,887 एमटीएस और 3,439 हवलदार पद शामिल हैं। 12वीं पास उम्मीदवार इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदक की आयु 18 से 25 वर्ष के बीच होनी चाहिए। इच्छुक उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट ssc.gov.in. पर जाकर **31 जुलाई, 2024** आवेदन कर सकते हैं।

असिस्टेंट प्रोफेसर के पदों पर भर्ती

बिहार लोक सेवा आयोग ने असिस्टेंट प्रोफेसर के 1339 पदों पर योग्य उम्मीदवारों से आवेदन मांगे हैं। इच्छुक उम्मीदवार आयोग की वेबसाइट bpsc.bih.nic.in पर जाकर 26 जुलाई, 2024 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। जिन उम्मीदवारों ने किसी भी मान्यता प्राप्त मेडिकल कॉलेज से एमडी/एमएस/डीएनबी की डिग्री ली, वे आवेदन कर सकते हैं। इसके साथ अनुभव भी जरूरी है। आयुसीमा 50 वर्ष तक निर्धारित है।

पीएनबी अप्रेंटिस भर्ती

पंजाब नेशनल बैंक नें अप्रेंटिस के पदों पर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार पीएनबी की आधिकारिक वेबसाइट- pnbindia.in. के माध्यम से इन पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 14 जुलाई, 2024 है। इस भर्ती अभियान का लक्ष्य कुल 2700 अप्रेंटिस के पदों को भरना है। आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की आयु 20 से 28 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

आईबीपीएस क्लर्क भर्ती

इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनेल की ओर से क्लर्क के 6,128 पदों पर योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। आवेदन कर रहे उम्मीदवारों को किसी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएट होना चाहिए। उम्मीदवारों की आयु 20 वर्ष से 28 वर्ष के बीच होनी चाहिए। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट- ibps.in. के माध्यम से इन पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 21 जुलाई, 2024 है।

इंडिया पोस्ट में भर्ती में 7 पदों पर भर्ती

इंडिया पोस्ट में 10वीं पास युवाओं के लिए 7 पदों पर भर्ती की जा रही है। इंडिया पोस्ट ने ड्राइवर के 7 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। अगर आप 10वीं पास हैं और हल्के और भारी मोटर वाहन चलाने में सक्षम हैं, तो यह आपके लिए सुनहरा मौका है। इच्छुक उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट indiapost.gov.in. पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई है।

ऐप डेवलपर बनकर तराशें भविष्य

स्मार्टफोन के इस युग में दुनिया मुट्ठी में सिमट कर रह है। डाक्टर से इलाज कराना हो, पढ़ाई गई करनी हो, खरीदारी करनी हो, दोस्तों और सगे संबंधियों से वीडियो काल के माध्यम से बात करनी हो, टैक्सी लेनी हो, होटल में कमरा बुक करना हो, ट्रेन, फ्लाइट, बस आदि की टिकट खरीदनी हो, दफ्तर की बैठक करनी हो, सोशल मीडिया का जायजा लेना हो, मनपसंद फिल्में, सीरियल, रील आदि देखकर मनोरंजन करना हो या गेम खेलना हो फोन में मौजूद ऐप (ऐप्लिकेशंस) के माध्यम से यह सब चुटकियों में हो जाता है। इतना ही नहीं प्ले स्टोर की आभासी दुनिया में एक-एक चीज के लिए हजारों ऐप उपलब्ध हैं। हर सेवा प्रदाता कंपनी ऐसा ऐप बनाना चाहती है जो अधिक से अधिक सुविधा आसानी से उपलब्ध करा सके। इन सब के लिए भारी तादात में ऐसे विशेषज्ञों की मांग पैदा हो गई है, जो उपभोक्ताओं की जरूरतों के मुताबिक मोबाइल एप्लिकेशन तैयार कर सकें। मोबाइल एप्लिकेशन तैयार करने वाले विशेषज्ञों को ऐप डेवलपर के नाम से जाना जाता है।

कोडिंग सीखने के बाद

विशेषज्ञों के दिशा-निर्देशन में इंटर्नशिप की जा सकती है। उसके तत्काल बाद अपना काम शुरू किया जा सकता है। इसके अलावा टेलीकाम कंपनियों, आइटी कंपनियों, ई-कामर्स कंपनियों, वित्तीय संस्थानों आदि में नौकरी के लिए आवेदन किया जा सकता है। शुरुआती दिनों में 25-30 हजार प्रतिमाह की आमदनी हो सकती है लेकिन अनुभव बढ़ने के साथ आय के स्रोत असीमित हो जाते हैं।

प्रमुख संस्थान

वेल्लोर इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी, वेल्लोर
आइआइटी, मद्रास
बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू), बनारस
आइआइआइटी, हैदराबाद
एलएनएम इंस्टीट्यूट आफ इंफार्मेशन टेक्नोलाजी
नेशनल इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी, तिरुचिरापल्ली
दिल्ली टेक्नोलाजिकल विश्वविद्यालय
आइआइआइटी, प्रयागराज

शैक्षणिक संस्थानों में आम तौर पर 12वीं उत्तीर्ण छात्रों को दाखिला दिया जाता है। हालांकि अब अनेक संस्थाएं कोडिंग का प्रशिक्षण आनलाइन प्रदान करने लगी हैं और इसके लिए शैक्षणिक योग्यता मायने नहीं रखती है। ख्याति प्राप्त विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए विज्ञान विषय में स्नातक होना आवश्यक है।

कोडिंग का ज्ञान जरूरी

ऐप डेवलपर बनने के लिए कोडिंग प्रणाली का ज्ञान आवश्यक है। जिस प्रकार एक दुकान बनाने के लिए इंट, गारे और सरिये की जरूरत पड़ती है उसी प्रकार ऐप यानी आभासी दुकान बनाने के लिए प्रोग्रामिंग कोड की जरूरत पड़ती है। प्रोग्रामिंग कोड यानी कम्प्यूटर की भाषा। कोड मानवीय इनपुट को संख्यात्मक अनुक्रमों में बदल देता है जिसे कम्प्यूटर समझ लेते हैं। एक बार जब कम्प्यूटर इन संदेशों को समझ लेते हैं तो वे डेवलपर की कल्पना को मूर्त रूप देने लगते हैं।

क्या है भविष्य

आंकड़ों के मुताबिक भारत में 1.2 अरब से भी अधिक मोबाइल फोन उपभोक्ता हैं। इनमें से 60 करोड़ से अधिक लोग ऐसे हैं जो स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते हैं। इस प्रकार भारत अमेरिका, रूस और जापान आदि को पिछाड़ते हुए दुनिया का सबसे अधिक स्मार्टफोन इस्तेमाल करने वाला देश बन गया है। यह तब है जबकि देश की लगभग आधी आबादी अब भी स्मार्टफोन इस्तेमाल नहीं करती। उम्मीद के मुताधिक वर्ष 2026 तक स्मार्टफोन इस्तेमाल करने वालों की संख्या भी एक अरब हो जाएगी। इतनी बड़ी तादात में आभासी ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए लाखों की तादात में ऐप डेवलपर की जरूरत पड़ेगी।

मिस्र को आसानी से होगा फूड प्रोडक्ट्स का एक्सपोर्ट वहां की सरकार ने भारत में शुरू की यह सुविधा

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। भारत से मिस्र को अब मीट और पॉल्ट्री समेत डेरी और अन्य फूड प्रोडक्ट्स का आसानी से निर्यात हो सकेगा। भारत से निर्यात किए जाने वाले मीट और पॉल्ट्री प्रोडक्ट मिस्र द्वारा निर्धारित हलाल स्टैंडर्ड के अनुरूप हो, इसके लिए एक बड़ा कदम उठा है। मिस्र ने यह सुनिश्चित करने के लिए बीते दिनों भारत में औपचारिक रूप से एक कार्यालय खोलने का फैसला किया। इसकी घोषणा भारत में मिस्र के राजदूत वील मोहम्मद अवाद हमेद ने की। इस अवसर पर एग्रीकल्चर एंड प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी के अधिकारी भी उपस्थित थे।

भारत के लिए मौका

मिस्र के राजदूत ने बताया कि अब हलाल सर्टिफिकेशन के लिए भारत में एजेंसी की शुरुआत हो चुकी है। यह एजेंसी पूरे भारत में अपनी सेवाएं देगा। फिलहाल यह एजेंसी मीट और पॉल्ट्री प्रोडक्ट्स का सर्टिफिकेशन करेगी। बाद में इसमें डेरी और फार्मा भी जुड़ सकेंगे। उन्होंने कहा कि भारत के मीट निर्यातकों के पास सुनहरा मौका है कि वे मिस्र को निर्यात किए जाने वाले मीट की मात्रा बढ़ा सकते हैं।

भारत है सबसे बड़ा मीट एक्सपोर्टर

मिस्र में इस समय भारत सबसे बड़ा मीट एक्सपोर्टर है। मिस्र के राजदूत ने बताया कि इस समय मिस्र में जितना मीट मंगाया जाता है, उसमें अभी भारतीय मीट की मात्रा 75 से 80 फीसदी के बीच है। हमें उम्मीद है कि आप मीट के कारोबार को 85 फीसदी, 90 फीसदी और 100 फीसदी तक बढ़ाना चाहेंगे। अगर आप इसे 100 फीसदी तक भी पहुंचाना चाहते हैं, तो मिस्र सरकार की तरफ से आपको पूरा सहयोग मिलेगा। उल्लेखनीय है कि मिस्र की 99 फीसदी आबादी मांसाहारी है।

5,000 करोड़ रुपये का होता है निर्यात

भारत ने कैलेंडर ईयर 2023 में मिस्र को 630 मिलियन डॉलर करीब 5,000 करोड़ रुपये का मीट एक्सपोर्ट किया था। इससे पहले साल 2022 में यह करीब 600 मिलियन डॉलर का रहा था। इसमें हर साल बढ़ोतरी ही हो रही है। मिस्र भारत के अलावा ब्राजील, अमेरिका, यूरोप, जर्मनी आदि देशों से भी मीट मंगाता है।

हाल ही में शुरू हुआ है सर्टिफिकेशन

मिस्र की भारत में हलाल सर्टिफिकेशन एजेंसी हलाल मार्केट इंडिया के सीईओ डॉ. गासर अलसईद ने बताया कि साल 2020 से पहले वहां कोई हलाल सर्टिफिकेशन अनिवार्य नहीं था। उस समय विश्वास के आधार पर मीट खरीदा जाता था। लेकिन कुछ गड़बड़ी होने की वजह से इसे साल 2020 में लागू कर दिया गया। उन्होंने बताया कि भारत में हलाल सर्टिफिकेशन के लिए कोई फेसिलिटेशन शुल्क नहीं लिया जाएगा। सिर्फ मिस्र सरकार द्वारा घोषित प्राइस लिस्ट लागू होगी। यदि कोई एक्सपोर्टर 40 फुट वाले किसी कंटेनर, जिसमें 28 टन तक मीट हो, का सर्टिफिकेशन कराना चाहता है तो उसे 2250 डॉलर का शुल्क चुकाना होगा।

वित्त मंत्री ने विभिन्न क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ पूरा किया विचार-विमर्श, अब तैयार होगा बजट

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय बजट 2024-25 का बजट तैयार किया जाना है। इसके लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट तैयार करने की प्रक्रिया के तहत उद्योग और सामाजिक क्षेत्रों के प्रतिनिधियों समेत विभिन्न हितधारकों के साथ विचार-विमर्श पूरा कर लिया है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को अपना सातवां बजट पेश करेंगी। यह मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला पूर्ण बजट होगा, जो 2047 तक विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त करेगा। 18वीं लोकसभा के गठन के बाद संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा, यह बजट सरकार की दूरगामी नीतियों और भविष्य की दूरदर्शिता का एक प्रभावी दस्तावेज होगा। उन्होंने यह भी कहा था कि आगामी बजट सत्र में कई ऐतिहासिक कदम और बड़े आर्थिक फैसले लिए जाएंगे। उन्होंने कहा, बड़े आर्थिक और सामाजिक फैसलों के साथ-साथ इस बजट में कई ऐतिहासिक कदम भी देखने को मिलेंगे।

वहीं वित्त मंत्रालय ने यह भी कहा कि केंद्रीय बजट 2024-25 के लिए 19 जून से शुरू हुआ, बजट-पूर्व परामर्श 5 जुलाई 2024 को समाप्त हुआ। इस व्यक्तिगत परामर्श के दौरान, 10 हितधारक समूहों के 120 से अधिक आमंत्रितों ने बैठकों में भाग लिया। इस बैठक में किसान संघों और कृषि अर्थशास्त्रियों, ट्रेड यूनियनों, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र, रोजगार और कौशल, एमएसएमई, व्यापार और सेवाएं, उद्योग, अर्थशास्त्री, वित्तीय क्षेत्र और पूंजी बाजार, साथ ही बुनियादी ढांचे, ऊर्जा और शहरी क्षेत्र के विशेषज्ञ और प्रतिनिधि शामिल थे।

इस बैठक की अध्यक्षता वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण में की थी। इस दौरान वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, वित्त सचिव और व्यय सचिव टी वी सोमनाथन, आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ, दीपम सचिव तुहिन के पांडे, वित्तीय सेवा सचिव विवेक जोशी और राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा सहित अन्य शामिल हुए।

परामर्श के बाद सीतारमण ने बहुमूल्य सुझाव साझा करने के लिए प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। साथ ही विशेषज्ञों और प्रतिनिधियों को यह आश्वासन दिया कि केंद्रीय बजट 2024-25 तैयार करते समय उनके सुझावों की सावधानीपूर्वक जांच की जाएगी साथ ही उन पर विचार किया जाएगा।

खाद्य पदार्थों के पैकेट पर बड़े अक्षरों में देनी होगी नमक, चीनी की जानकारी

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। खाद्य नियामक एफएसएसएआई खाद्य पदार्थों के पैकेट पर नमक, चीनी और वसा से जुड़ी जानकारी बोल्ड अक्षरों के साथ बड़े फॉन्ट में देने को अनिवार्य करने की तैयारी कर रहा है। नियामक ने शनिवार को इस संबंध में लेबलिंग नियमों में बदलाव को मंजूरी दी। अब, इस संशोधन के लिए मसौदा अधिसूचना जारी कर सभी हितधारकों से सुझाव और आपत्तियां मांगी जाएंगी।

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण की तरफ से जारी बयान में बताया गया कि पैकेट पर पोषण संबंधी जानकारी देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। यह फैसला एफएसएसएआई के चेयरमैन अपूर्व चंद्रा की अध्यक्षता में लिया गया। नियामक ने कहा, संशोधन का मकसद उपभोक्ताओं को उत्पाद के पोषण मूल्य को अच्छी तरह समझने और बेहतर निर्णय लेने में सक्षम बनाना है।

5 साल में दिल्ली-एनसीआर में घरों की कीमतें 50 प्रतिशत बढ़ीं

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। देश में प्रॉपर्टी की कीमत में आसमान बढ़ोतरी जारी है। कोरोना महामारी के बाद मेट्रो सिटी से लेकर छोटे शहरों में घरों की कीमत तेजी से बढ़ी है। आपको बता दें कि दिल्ली-एनसीआर और मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में घरों की औसत कीमतें पिछले पांच वर्षों में लगभग 50 प्रतिशत बढ़ी हैं। संपत्ति सलाहकार एनारॉक ने कहा है कि यह वृद्धि उच्च मांग से प्रेरित है। एनारॉक के आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर में आवासीय संपत्तियों की औसत कीमत जनवरी-जून, 2024 में 49 प्रतिशत बढ़कर 6,800 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गई है, जो 2019 की समान अवधि में 4,565 रुपये प्रति वर्ग फुट थी।

मुंबई रीजन में भी कीमत तेजी से बढ़ी

इसी तरह, एमएमआर में समीक्षाधीन अवधि के दौरान आवास की औसत कीमतें 10,610 रुपये प्रति वर्ग फुट से 48 प्रतिशत बढ़कर 15,650 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गईं। एनारॉक ने कहा कि निर्माण लागत में भारी बढ़ोतरी और अच्छी बिक्री के कारण कीमतों में वृद्धि हुई। इसने बताया कि 2016 के अंत से 2019 तक दोनों क्षेत्रों में कीमतें स्थिर रहीं थीं। एनारॉक ने कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण इन दोनों आवासीय बाजारों में मांग नई ऊंचाइयों पर पहुंच गई। शुरुआत में, डेवलपर्स ने पेशकश और मुफ्त उपहारों की मदद से बिक्री को बढ़ावा दिया, लेकिन मांग बढ़ने के साथ ही उन्होंने धीरे-धीरे औसत कीमतें बढ़ा दीं।

लग्जरी घरों की बिक्री में बड़ा उछाल

भारत के लग्जरी रियल एस्टेट मार्केट में बड़ा उछाल आया है। प्रॉपर्टी कंसलटेंट फर्म नाइट फ्रैंक की ओर से जारी 'इंडिया रियल एस्टेटः रेजीडेंशियल और ऑफिस (जनवरी-जून 2024)' रिपोर्ट के अनुसार, 2024 की पहली छमाही में एक करोड़ रुपये से ऊपर के घरों की बिक्री कुल बिक्री का 41 प्रतिशत रही है। यह आंकड़ा 2023 की समान अवधि में 30 प्रतिशत था।

2024 की पहली छमाही में देश के आठ बड़े शहरों जिसमें मुंबई, दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरू, पुणे और हैदराबाद शामिल हैं, वहां घरों की बिक्री में पिछले वर्ष के मुकाबले 11 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली है। इस अवधि में कुल 1,73,241 घरों की बिक्री हुई है, जो कि 11 वर्षों का उच्चतम स्तर है।

मियावाकी तकनीक से वन विकसित कर हरित क्षेत्र बढ़ाएगा नगर निगम राजधानी में 13 स्थानों की पहचान

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। नगर निगम मियावाकी तकनीक से वन विकसित कर दिल्ली में हरित कवर बढ़ाएगा। निगम ने बीते दो साल में आठ स्थानों पर मियावाकी तकनीक से शहरी वन विकसित किए हैं, इस साल दिल्लीभर में इस तकनीक के इस्तेमाल से वन विकसित करने के लिए 13 स्थान चिन्हित किए गए हैं, जहां तेजी से बढ़ने वाले देसी पौधों के बाग लगाए जाएंगे। इसमें गाजीपुर और भलस्वा लैंडफिल साइट पर भी मिनी वन विकसित कर हरा भरा किया जाएगा।

जापानी पारिस्थितिकीविद् अकीरा मियावाकी ने 1970 के दशक में शहरी क्षेत्र में मिनी वन विकसित करने की पद्धति विकसित की थी। बाद में इस पद्धति को जापान के विभिन्न निगमों ने अपनाया और दुनियाभर में भी इस तकनीक को पहुंचाया। मियावाकी वन लगाने की ये तकनीक अब भारत में बेहद लोकप्रिय हुई है। दिल्ली में एमसीडी ने आठ स्थानों पर मियावाकी तकनीक से मिनी वन विकसित किए, जिसमें दिल्ली की पारिस्थितिकी के लिहाज से देसी पौधे जैसे कि गूलर, पीपल, सागौन, आम, नीम, जामुन, पाकड़ लगाए गए और विभिन्न प्रकार की झाड़ियां भी लगाई गईं।

शून्य खर्च और कम समय में हो जाते हैं तैयार : निगम के उद्यान विभाग के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक निगम ने सीएसआर फंड से सभी आठ शहरी मिनी वन मियावाकी तकनीक से विकसित किए हैं। इस साल जो 13 वन विकसित होंगे वे भी ऐसे ही विकसित होंगे, इसलिए एमसीडी का इसमें एक पैसा खर्च नहीं हो रहा। उन्होंने बताया कि दो-तीन साल तक इनकी देखरेख करनी होती है, इसके बाद ये बड़े हो जाते हैं।

2.31 लाख पौधे और 3.80 लाख झाड़ियां लगेंगी

वित्त वर्ष 2024-25 में निगम दिल्ली में 2.31 लाख से ज्यादा पौधे और करीब 3.80 लाख झाड़ियां अपने पार्कों में लगाएगा। इस साल सड़कों पर 181 पौधे और 1243 झाड़ियां लगाई जाएंगी। इस साल दिल्लीभर में कुल 3.83 लाख से ज्यादा झाड़ियां लगाने की तैयारी की गई है। निगम ने इस साल अप्रैल से जून के बीच 1.30 लाख से ज्यादा पौधे (करीब 69 हजार पौधे, करीब 61 हजार झाड़ियां) लगा दिए हैं।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया पौधरोपण

नारायणा गांव में प्रधानमंत्री के एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत दिल्ली पंचायत संघ, साईकल संस्था, ग्राम पंचायत नारायणा के सदस्यों ने पौधरोपण किया। इस दौरान पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव, साईकल संस्था के संस्थापक पारस त्यागी बुढेला गांव, राष्ट्रीय युवा संघ के अध्यक्ष आदित्य तंवर, ग्राम पंचायत प्रमुख देवेंद्र तंवर इत्यादि के साथ गांव के तमाम लोगों ने पौधे लगाए। थान सिंह यादव ने कहा, प्रधानमंत्री के एक पेड़ मां के नाम अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को भी सशक्त बनाना, पर्यावरण को हरा-भरा बनाने के साथ माताओं के योगदान को सम्मानित करना भी है।

हिंडनबर्ग ने अदाणी समूह के खिलाफ रिपोर्ट प्रकाशित करने से पहले मार्क किंगडन को दिखाई, सेबी का दावा

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। बाजार नियामक सेबी के अनुसार अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने अदाणी समूह के खिलाफ अपनी रिपोर्ट प्रकाशित करने से करीब दो महीने पहले न्यूयॉर्क स्थित हेज फंड मैनेजर मार्क किंगडन के साथ साझा की थी। और शेयर मूल्य में उतार-चढ़ाव से होने वाले नुकसान को साझा करने के सौदे से लाभ कमाया था।

सेबी का आरोप- रिपोर्ट प्रकाशित कर हिंडनबर्ग ने कमाया अनुचित लाभ

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने हिंडनबर्ग को भेजे गए अपने 46 पन्ने के कारण बताओ नोटिस में बताया कि कैसे अमेरिकी शॉर्ट सेलर, न्यूयॉर्क हेज फंड और कोटक महिंद्रा बैंक से जुड़े एक ब्रोकर ने रिपोर्ट के प्रकाशन के बाद अदाणी समूह की 10 सूचीबद्ध फर्मों के बाजार मूल्य में 150 अरब डॉलर से अधिक की गिरावट से लाभ कमाया।

सेबी ने हिंडनबर्ग पर 'गैर-सार्वजनिक' और 'भ्रामक' सूचनाओं का इस्तेमाल करके अडानी समूह के शेयरों की शॉर्ट सेलिंग गलत तरीके से लाभ कमाने का आरोप लगाया। वहीं सेबी नोटिस को सार्वजनिक करने वाली हिंडनबर्ग रिसर्च ने अपने जवाब में कारण बताओ नोटिस को 'भारत में सबसे शक्तिशाली व्यक्तियों द्वारा किए गए भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी को उजागर करने वालों को चुप कराने और डराने' का प्रयास बताया है। हिंडनबर्ग ने दावा किया कि अदाणी समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) के खिलाफ दांव लगाने के लिए माध्यम कोटक महिंद्रा (इंटरनेशनल) लिमिटेड था, जो कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड की मॉरीशस स्थित सहायक कंपनी है।

कोटक महिंद्रा बैंक को लेकर किया दावा

कोटक महिंद्रा (इंटरनेशनल) लिमिटेड के फंड ने अपने ग्राहक किंगडन कैपिटल मैनेजमेंट के लिए अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड पर दांव लगाया। सेबी नोटिस में एईएल में फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट बेचने के लिए हेज फंड के एक कर्मचारी और केएमआईएल ट्रेडर्स के बीच चैट के अंश शामिल हैं। सेबी ने पिछले साल सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त पैनल को बताया था कि वह 13 अपारदर्शी संस्थाओं की जांच कर रहा है, जिनके पास अदाणी समूह के शेयरों में 14 प्रतिशत से 20 प्रतिशत तक की हिस्सेदारी है।

सेबी ने न केवल हिंडनबर्ग को बल्कि कोटक महिंद्रा इंटरनेशनल लिमिटेड, किंगडन और हिंडनबर्ग के संस्थापक नाथन एंडरसन को भी नोटिस भेजा है। वरिष्ठ वकील महेश जेठमलानी, ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में दावा किया कि किंगडन का चीन से संबंध है। उन्होंने दावा किया कि किंगडन की शादी 'चीनी जासूस' अनला चेंग से हुई है।

थोक मंडी में ही चढ़ गए आलू-प्याज-टमाटर के रेट, रिटेल में तो बढ़ेगा ही

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। आपके आसपास की दुकानों या सब्जी के ठेलों पर ही नहीं, थोक सब्जी मंडी में भी यही हाल है। एक बार फिर से साग-सब्जियों के दाम बढ़ गए हैं। पिछले महीने तक 30 रुपये प्रति किलो बिकने वाला टमाटर अब 80 रुपये किलो बिक रहा है। इसके अलावा आलू, प्याज, शिमला मिर्च समेत कई सब्जियों के दाम में भी बढ़ोतरी हुई है। कारोबारियों का कहना है कि बारिश कम होने के चलते कई जगह फसल खराब हुई है। इसकी वजह से दामों में तेजी आई है।

दिल्ली की थोक मंडियों में बढ़े भाव

दिल्ली में सबसे बड़ी सब्जी मंडी है आजादपुर फल एवं सब्जी मंडी। यह दिल्ली ही नहीं, देश की भी सबसे बड़ी सब्जी मंडी है। कुछ लोग एशिया की भी सबसे बड़ी सब्जी मंडी कहते हैं। इसके अलावा दिल्ली में सब्जी के कई छोटे-छोटे होलसेल मार्केट हैं। इस समय आजादपुर मंडी ही नहीं बल्कि गाजीपुर सब्जी मंडी, ओखला सब्जी मंडी, दरियागंज सब्जी मंडी, शाहदरा सब्जी मंडी में भी इन दिनों सब्जियों का भाव काफी बढ़ गए हैं। जाहिर है कि जब थोक मंडी में ही भाव बढ़ गए तो खुदरा बेचने वाले तो भाव बढ़ाएंगे ही।

क्या है दाम बढ़ने की वजह

सब्जियों के दाम बढ़ने की मुख्य वजह बारिश कम होना बताई जा रही है। आजादपुर सब्जी मंडी के वेजिटेबल ट्रेडर्स असोसिएशन के

जनरल सेक्रेटरी अनिल मल्होत्रा ने बताया कि बारिश कम होने के चलते कई राज्यों में फसल खराब हुई हैं। जिसका असर हरी सब्जियों के दामों पर पड़ा है।

बेंगलुरु से टमाटर नहीं आ रहा

इस समय दिल्ली एनसीआर में टमाटर की सप्लाई हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और बेंगलुरु से होती है। लेकिन, इस समय साउथ इंडिया में टमाटर की ज्यादा डिमांड होने से बेंगलुरु से आने वाला टमाटर नहीं आ रहा है। वहीं, हिमाचल प्रदेश में कम बारिश के चलते टमाटर की फसल खराब हुई है। इसकी का असर बाजार पर पड़ा है। थोक बाजार में ही यह 30 से 40 रुपये किलो बिक रहा है। रिटेल में यह कहीं 70 रुपये तो कहीं 80 रुपये किलो बिक रहा है।

प्याज क्यों हो रहे हैं महंगे

देश में प्याज की सबसे बड़ी होलसेल मंडी महाराष्ट्र में नासिक के पास लासलगांव में है। वहीं इस समय प्याज के दाम दो साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए हैं। पिछले सप्ताह वहीं अच्छे किस्म का प्याज 49,00 रुपये प्रति क्विंटल नीलाम हुआ था। इसके दिल्ली पहुंचने पर प्रति क्विंटल करीब 600 से 800 रुपये का भाड़ा जुटता है। ऐसे में दिल्ली में प्याज तो महंगा होगा ही। उधर, मध्य प्रदेश में मौसम की वजह से प्याज की फसल खराब हो रही है, जिससे प्याज का रेट भी तेजी से बढ़ रहे हैं।

हरी सब्जियों के भी दाम बढ़े

बारिश के मौसम में हर साल हरी सब्जियों के दाम बढ़ जाते हैं। दरअसल, बारिश खूब होने पर भिंडी, परवल, तोरी, घीया आदि के पौधे सड़ने लगते हैं। इस मौसम में इन्हीं सब्जियों की खूब आवक रहती है। इस समय कुछ इलाकों में ज्यादा बारिश होने से सब्जियों को नुकसान हुआ है। इससे अन्य सब्जियों के भी दाम बढ़ गए हैं। इस समय थोक बाजार में ही भिंडी का भाव 30 से 35 रुपये किलो तक पहुंच गया है। रिटेल में यह 60 रुपये किलो बिक रहा है। परवल, करेला, घीया आदि भी इस समय महंगे ही बिक रहे हैं।

लहसुन और धनिया भी तेज

रिटेल बाजार में इन दिनों हरी मिर्च, धनिया, अदरक और लहसुन के दाम में भी बढ़ोतरी हुई है। सब्जी कारोबारी श्रीकांत बताते हैं कि धनिया का रेट 300 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है। एक महीने पहले तक धनिया 100 से 150 रुपये किलो बिक रही थी। वहीं लहसुन भी 300 रुपये प्रति किलो के रेट पर पहुंच गया है। आजादपुर सब्जी मंडी के लहसुन करोबारी वरुण चौधरी बताते हैं कि पिछले साल लहसुन का बीज महंगा होने के चलते किसानों ने लहसुन की खेती कम की। इसका असर उत्पादन पर दिखा।

दैनिक पंचांग

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन में	मिथुन..	04-14 बजे
चंद्र-	कर्क में	कर्क...	06-27 बजे
मंगल	मेष में	सिंह...	08-38 बजे
बुध-	कर्क में	कन्या..	10-45 बजे
गुरु-	वृष में	तुला..	12-52 बजे
शुक्र-	कर्क में	वृश्चिक..	15-02 बजे
शनि-	कुंभ में	धनु.....	17-14 बजे
राहु-	मीन में	मकर..	19-20 बजे
केतु-	कन्या में	कुंभ....	21-12 बजे
		मीन...	22-49 बजे
		मेष.....	00-25 बजे
		वृष....	02-10 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -वर्षा
महावीर निर्वाण संवत -2550, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 05-51
भोग्य कलि वर्ष-426875 सूर्यास्त. - 18-50
कलियुग संवत -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- पूर्व - कांच में मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- तृतीया 06-08 तक अहोरात्र
मास - आषाढ़ शुक्ल , सोमवार 08 July
नक्षत्र - पुष्य 06-02 तक उपरान्त आश्लेषा
योग - वज्र 02-05 तक उप सिद्ध
करण- तैतिल 17-29 तक उप गर
विशेष:- सर्वार्थ सिद्ध योग - 06-03 से
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:27 से 09:05 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
अमृत	05:51 - 07:27 शुभ	चंचल	18:50 - 20:15 शुभ
काल	07:27 - 09:05 अशुभ	रोग	20:15 - 21:37 अशुभ
शुभ	09:05 - 10:43 शुभ	काल	21:37 - 22:59 अशुभ
रोग	10:43 - 12:21 अशुभ	लाभ	22:59 - 00:21 शुभ
उत्पात	12:21 - 13:59 अशुभ	उत्पात	00:21 - 01:43 अशुभ
चंचल	13:59 - 15:37 शुभ	शुभ	01:43 - 03:05 शुभ
लाभ	15:37 - 17:15 शुभ	अमृत	03:05 - 04:27 शुभ
अमृत	17:15 - 18:50 शुभ	चंचल	04:27 - 05:51 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आप अपने कार्य स्थल की जिंदगी में अपने आप को फंसा हुआ महसूस करेंगे ।आपने अपने लिए उस कार्य क्षेत्र या करियर की कल्पना नहीं की थी जिसमे आप अभी कार्य कर रहे है । आप अपने जुनून को पाने के लिए अचानक अपनी नौकरी का त्याग कर सकते है , हालाँकि ग्रहो के विपरीत प्रभाव के कारण ये समय निर्णय लेने का नहीं है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

काम का दबाव आप पर बढ़ेगा और आप उन चीजो से दूर हो सकते है जिन को करने में आपको आनंद आता था । आपको आराम करने के लिए ज्यादा समय नहीं मिल पायेगा इसलिए आपको जीवन की छोटी बातों से आनंद लेना होगा । ये बहुत ही संतोषजनक और आपके सामान्य प्रयास की तुलना में कम खर्चीला साबित होगा।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आज आप आत्मविश्वास और सकारात्मक रहेंगे । आज किसी भी साक्षात्कार या ग्राहक के साथ किसी भी सौदे को तय करने के लिए एक अच्छा दिन है। आपको आज एक अछा लाभ मिल सकता है । आप दिन के उत्तरार्ध में किसी कार्य को लेकर कुछ अटक सकते है। कल के लिए मनोरंजन या मनोरंजन के लिए अपनी योजनाओं को स्थगित करे एवं अपने सहयोगी से आज मदद ले ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आपने अपने व्यक्तिगत काम में व्यस्त होने के कारण अपने पेशेवर कार्यो को कुछ समय के लिए अधर में लटका दिया था , लेकिन लोगों को कार्यस्थल पर आपकी बुरी तरह से आवश्यकता है , हालाँकि अगर आप ई-मेल पर संदेश या फोन पर जवाब न दें पाये तो इसमें कोई बुराई नहीं है । व्यय बढ़ेंगे लेकिन आपको बहुत जल्द ही कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त होने के आसार है।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आपकी वित्तीय जरुरतो पर अनसोची द अप्रत्याशित मांगों की वजह से दिन परेशानी में रह सकता हैं। आपने अपने सभी बकाया राशि का भुगतान कर दिया है यह सुनिश्चित करने के लिए अपने सभी बिलों और अन्य दायित्वों की जाँच करें । अनदेखी में निकट भविष्य में वह राशि बड़ी मात्रा में आपको परेशान कर सकती है

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

आप अपने सबसे अच्छे आलोचक हैं । अपनी स्थिति का विश्लेषण और उसके अनुसार कार्य करे । आज आपको समय के अनुसार चलने के लिए अपने आप को प्रेरित करने की आवश्यकता है । ध्यान केंद्रित करे जिससे की आप नीचे की और न जाये । समय के साथ आपको बड़ी जिम्मेदारियों के साथ सौंपा जा सकता है।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज आप एक ऐसे सफल पेशेवर से मिल सकते है जो आपका कार्य करने के लिए उपलब्ध सबसे अच्छा विकल्प हो सकता है , लेकिन उसके साथ साझेदारी के गठन से पहले थोड़ा सावधान रहे , संभावना है कि वह कार्य के मध्य में अपनी दरों में वृद्धि कर सकता है । सर्वश्रेष्ठ विकल्प ये होगा की आप ऐसे समझौते पर हस्ताक्षर करे जिसमे दरें गतियमान की बजाय स्थायी हो ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज का दिन विशेष रूप से उन लोगों के लिए अच्छा और सफलता से भरपूर है जो किसी भी तरह से शिक्षा या लेखन से जुड़े हैं । छात्रों, शोधकर्ताओं, पत्रकारों, लेखकों और शिक्षा से जुड़े अन्य पेशेवरों के लिए एक बहुत आनंदमयी एवं अच्छा दिन होने के संकेत है। आज का दिन लंबी अवधि की योजनाओं में निवेश करने के लिए उपयुक्त है।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आज आप सकारात्मक ऊर्जा से भरे हुए हैं और आज आपके हैरान होने की संभावना है , क्यों की आपके प्रबंधन कौशल की वजह से आप पाएंगे की अपने कितना कुछ पाया है । आपके सारे बकाया कार्य पूर्ण हो जाएंगे और मुश्किल परियोजनाओं के रास्ते में जो रुकावट थी , वो पूरी तरह से खत्म हो जाएंगी ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आप समस्या पैदा नहीं करते , लेकिन आज आप अपने को घिरा हुआ पाएंगे । आप अपना आपा खो सकते है। आप अपने को शांत बनाए रखे और समस्याओं को एक एक करके निपटे । आपको देर तक अपने कार्यालय में कार्य करना पड़ सकता है । शाम तक की अपनी प्रतिबद्धताओं को रद्द कर दे । अपने कार्य को ढंग से समाप्त करने की और ध्यान लगाएं ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज आप क्षमावान रहेंगे और उन्हें भी माफ़ करेंगे जिन्होंने आपके साथ गलत किया है । चाहे वे आपके सहकर्मी हो जिन्होंने जलन की वजह से आपको नुकसान पहुँचाने कोशिश की या आपका क्रूर मालिक जिसने कभी आपकी बात नहीं सुनी और हमेशा से आपकी प्रगति में बाधा उत्पन्न की ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज आपको अपने खर्चों का ध्यान रखना होगा और उनपर पैनी निगाह रखनी होगी क्योंकि यह छोटे छोटे खर्चे आगे जाकर विराट रूप धारण कर लेते है , हालाँकि आपकी व्यक्तिगत जरूरते कम है पर फिर भी आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा ताकि भविष्य में धन की समस्या उत्पन न हो । आपको कुछ अन्य कार्यो के बारे में भी सोचना चाहिए ताकि आपकी आय बढ़ सके ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

विधायक देवेंद्र यादव को बड़ा झटका

कोर्ट ने पूर्व विधायक प्रेम प्रकाश पांडेय की चुनावी याचिका की स्वीकार

बिलासपुर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। भिलाई विधायक देवेंद्र यादव को हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने पूर्व विधायक और भाजपा प्रत्याशी प्रेम प्रकाश पांडेय की चुनावी याचिका को स्वीकार कर सुनवाई योग्य माना है। मामले में अगली सुनवाई 31 जुलाई तय की गई है।

बता दें कि हाईकोर्ट ने भिलाई के कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव के निर्वाचन को चुनौती देते दायर याचिका पर 20 जून को फैसला सुरक्षित कर दिया था। भाजपा उम्मीदवार प्रेमप्रकाश पांडेय ने चुनाव याचिका दायर कहा है कि यादव ने जनप्रतिनिधित्व कानून का उल्लंघन कर नामांकन में अपनी संपत्ति की जानकारी छिपाई है। साथ ही आपराधिक प्रकरण का भी अपने शपथपत्र में उल्लेख नहीं किया। इसलिये उनका निर्वाचन निरस्त किया जाये।

पांडेय ने अपनी चुनाव याचिका में कहा कि चुनाव आयोग से आपराधिक मामलों और संपत्ति की जानकारी छिपाना प्रावधानों का उल्लंघन है। यदि कोई उम्मीदवार इस तरह की जानकारी छिपाता है, तो उसका निर्वाचन अवैध हो जाता है। रायपुर और बिलासपुर कोर्ट ने देवेंद्र यादव को समन जारी किया था, जिसमें उन्हें भगोड़ा घोषित किया गया है। सुनवाई के दौरान यादव की ओर से उनके एडवोकेट ने आवेदन प्रस्तुत कर याचिका को चलने योग्य नहीं बताया था, इसे कोर्ट ने स्वीकार नहीं किया।

देवघर में तीन मंजिला बिल्डिंग ढही...

मलबे में दबकर दो की मौत, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

देवघर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड के देवघर जिले में तीन मंजिला इमारत ढह गई. यह घटना गुजरात के सूरत में एक इमारत के ढहने के बाद हुई, जिसमें सात लोगों की मौत हो गई. जिला प्रशासन ने एनडीआरएफ के साथ-साथ अन्य बचाव टीमों को राहत एवं बचाव कार्य के लिए घटनास्थल पर तैनात किया है. मलबे में 6 से 7 लोग दब गए थे उनमें से 4 को बाहर निकालने में कामयाबी मिली है. इन सभी को इलाज के लिए देवघर सदर अस्पताल भेजा गया, जहां दो की मौत हो गई. वहीं दो का इलाज जारी है. मृतकों की पहचान 30 वर्षीय सुनील यादव और 50 वर्षीय मनीष दत्त द्वारी के रूप में हुई है. प्रशासन अभी मलबा हटाने का काम कर रहा है.

देवघर कमिश्नर विशाल सागर ने बताया कि सीता होटल के समीप रविवार सुबह एक तीन मंजिला

बिल्डिंग ढह गई. इस बारे में सूचना मिलते ही एनडीआरएफ और स्वास्थ्य विभाग की टीमों को तत्काल घटना स्थल पर राहत एवं बचाव कार्य के लिए भेजा गया. रेस्क्यू में दमकल और पुलिस विभाग की टीमें भी एनडीआरएफ की मदद कर रही हैं. मौके पर एम्बुलेंस की तैनाती की गई है. देवघर कमिश्नर के मुताबिक मलबे में 6 से 7 लोग दब गए. स्थानीय लोगों ने दो बच्चों को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया. गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे, देवघर पुलिस अधीक्षक भी मौके पर उपस्थित रहे.

निशिकांत दुबे ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'देवघर में आज सुबह 6 बजे के आसपास बमबम झा पथ पर तीन मंजिला मकान ढह गया. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तुरंत एनडीआरएफ की टीम भिजवाया. सुबह से मैं खुद भाजपा के वरिष्ठ नेताओं व स्थानीय लोगों के साथ घटना स्थल पर मौजूद हूं. स्थानीय लोगों ने अभी तक 3 लोगों को तथा एनडीआरएफ ने 1 महिला को बचाया है. बचाव कार्य जारी है, घायलों के लिए देवघर एम्स ने इलाज की सुविधा कर रखी है.

रेस्क्यू ऑपरेशन का नेतृत्व कर रहे एनडीआरएफ इंस्पेक्टर रणधीर कुमार ने कहा, 'अब तक चार लोगों को रेस्क्यू किया गया है, जिन्हें अस्पताल भेजा गया. इनमें से दो की मौत हो गई. जबकि दो अन्य के मलबे में फंसे होने की आशंका है. उन्हें निकालने के प्रयास जारी हैं. एनडीआरएफ की टीम बिल्डिंग के मलबे को कटर से काटकर हटा रही है'. इससे पहले गुजरात के सूरत में एक छह मंजिला इमारत ढह गई थी. मलबे से रविवार सुबह तक 7 लोगों के शव निकाले जा चुके थे. मृतकों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि स्थानीय प्रशासन के मुताबिक कई और लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है.

रायपुर में निकली भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा

सीएम विष्णुदेव साय ने की छेरपहरा की रस्म, श्रद्धालुओं का उमड़ी भीड़

रायपुर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में रविवार को रथयात्रा धूमधाम से मनाया गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय रायपुर के गायत्री नगर स्थित जगन्नाथ मंदिर में आयोजित रथ यात्रा में शामिल हुए। जगन्नाथ मंदिर में विशेष रस्म के साथ रथ यात्रा निकाली गई है। रथ यात्रा शुरू करने से पहले भगवान की प्रतिमा को रथ तक लाया गया और रास्ते को सोने के झाड़ से साफ भी किया गया। इस रस्म को छेरापहरा रस्म कहा जाता है। इस मौके पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सभी प्रदेशवासियों को रथयात्रा की बधाई देते हुए कहा कि यह पर्व ओडिशा के लिए जितना बड़ा उत्सव है, उतना ही बड़ा उत्सव छत्तीसगढ़ के लिए भी है। महाप्रभु

जगन्नाथ जितने ओडिशा के लोगों को प्रिय हैं। उतने ही छत्तीसगढ़ के लोगों को भी प्रिय हैं। उनकी जितनी कृपा ओडिशा पर रही है। उतनी ही कृपा छत्तीसगढ़ पर रही है।

सीएम साय ने कहा कि भगवान जगन्नाथ किसानों के रक्षक हैं। उन्हीं की कृपा से बारिश होती है। उन्हीं की कृपा से धान की बालियों में दूध भरता है। उन्हीं की कृपा से किसानों के घर समृद्धि आती है। मैं भगवान जगन्नाथ से प्रार्थना करता हूं कि इस साल भी छत्तीसगढ़ में भरपूर फसल हो। उन्होंने कहा कि भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा से मेरी प्रार्थना है कि वे हम सभी पर अपनी कृपा बनाए रखें और हमें शांति, समृद्धि और खुशहाली की ओर अग्रसर करें।

राजधानी रायपुर के गायत्री मंदिर में पुरी के जगन्नाथ रथ यात्रा की तर्ज पर पुरानी परंपरा निभाई जाती है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छेरापहरा की रस्म पूरी कर सोने की झाड़ू से बुहारी लगाकर रथ यात्रा की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने प्रभु जगन्नाथ की प्रतिमा को रथ तक लेकर गए।

रथ यात्रा के लिए भारत में ओडिशा राज्य को जाना जाता है। ओडिशा का पड़ोसी राज्य होने के नाते छत्तीसगढ़ में भी इसका काफी बड़ा प्रभाव है। आज निकाली गई रथयात्रा में प्रभु जगन्नाथ, भैया बलदाऊ और बहन सुभद्रा की खास अंदाज में पूजा-अर्चना की गई। जगन्नाथ मंदिर के पुजारी के अनुसार उत्कल संस्कृति और दक्षिण कोसल की संस्कृति के बीच की यह एक अटूट साझेदारी है। ऐसी मान्यता है कि भगवान जगन्नाथ का मूल स्थान छत्तीसगढ़ का शिवरीनारायण-तीर्थ है, यहीं से वे जगन्नाथपुरी जाकर स्थापित हुए। शिवरीनारायण में ही त्रेता युग में प्रभु श्रीराम ने माता शबरी के मीठे बेरों को ग्रहण किया था। यहां वर्तमान में नर-नारायण का मंदिर स्थापित है।

तीन दिनों तक भारी बारिश के आसार

मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

रायपुर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में आज से अगले तीन दिनों तक मानसून सक्रिय रहेगा। इससे प्रदेश के अधिकांश जगहों पर बारिश की संभावना है। साथ ही दक्षिण भागों में भारी के आसार हैं। कई जगहों पर गरज चमक के साथ तेज हवाएं चलने की संभावना है।

छत्तीसगढ़ में आज से अगले तीन दिनों तक मानसून सक्रिय रहेगा। इससे प्रदेश के अधिकांश जगहों पर बारिश की संभावना है। साथ ही दक्षिण भागों में भारी के आसार हैं। कई जगहों पर गरज चमक के साथ तेज हवाएं चलने की संभावना है। प्रदेश के कई

जिले ऐसे हैं, जहां गरज चमक के साथ तेज हवा और भारी बारिश की संभावना है। इन जगहों में मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग के अनुसार, एक चक्रवती परिसंचरण दक्षिण आंध्र प्रदेश तट के पास मध्य पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर औसत समुद्र तल से 5.8 और 7.6 किलोमीटर के मध्य स्थित है। इसके प्रभाव से प्रदेश में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। आज से अगले तीन दिनों तक अधिकांश जगहों पर मध्यम बारिश हो सकती है। वहीं दक्षिण भागों में भारी बारिश की संभावना है।

प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान डोंगरगढ़ में 35.2 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं सबसे कम न्यूनतम तापमान 20.5 डिग्री सेल्सियस नारायणपुर में दर्ज किया गया है। रायपुर में 34.2, माना एयरपोर्ट में 33, बिलासपुर में 33.4, पेंड्रा रोड में 30.8, अंबिकापुर में 31.5, जगदलपुर में 29.3, दुर्ग में 32.6 और राजनांदगांव में 32.8 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज किया गया है।

कोल्हान में नक्सली बंद को लेकर रेलवे प्रशासन हाई अलर्ट पर

ट्रेनों की आवाजाही पर रखी जा रही नजर

जमशेदपुर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। माओवादी और नक्सली नेताओं के एनकाउंटर के विरोध में नक्सलियों के विभिन्न संगठनों ने नौ को रात 12 बजे से लेकर 10 जुलाई की रात 12 बजे तक कोल्हान प्रमंडल बंद बुलाया है. यहां सबसे ज्यादा नक्सलियों के खिलाफ पुलिस की ओर से कार्रवाई की गयी है. यही वजह है कि नक्सलियों के रेड जोन से गुजरने वाली ट्रेनों की आवाजाही पर नजर रखी जा रही है.

9 से 10 जुलाई की रात तक नक्सलियों के इस एलान से ट्रेनों की रफ्तार कम करने को कहा गया है. मुंबई, दिल्ली, कोलकाता समेत अन्य स्थानों की ओर जाने वाली एक्सप्रेस ट्रेनों में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम रहेंगे. ट्रेनों को स्कॉट कर चलाने को कहा गया है. चक्रधरपुर रेल मंडल के उग्रवाद प्रभावित माने जाने वाले

सेक्शन में भी ट्रेनों की स्पीड कम कर दी गई है.

मेल एक्सप्रेस ट्रेनों के आगे चलेंगे पायलट इंजन

गौरतलब है कि पिछले बंदी में नक्सलियों ने रेल पटरी उड़ा दी थी. आरपीएफ डीआइजी ने नक्सली बंदी को लेकर अलर्ट जारी कर दिया है. बंद के दौरान किसी खास गतिविधि की खुफिया सूचना अब तक नहीं मिली है. बंद के दौरान नक्सली रेलवे ट्रैक और रेल संपत्ति को नुकसान पहुंचा सकते हैं. इसको लेकर महत्वपूर्ण मेल एक्सप्रेस ट्रेनों के आगे पायलट इंजन चलाने का निर्णय लिया गया है. ट्रैक मैन कीमैन अलर्ट रहेंगे. ब्रिज और रेलवे ट्रैक पर नियमित पेट्रोलिंग करेंगे. स्टेशन मास्टर, केबिन मैन, ड्राइवर गार्ड समेत सभी स्टेशन कर्मचारी अलर्ट रहेंगे. चक्रधरपुर रेल मंडल के सरायकेला, खरसावां, चाईबासा, चक्रधरपुर, मनोहरपुर, पोसैता समेत अन्य स्थानों के सारे रेलवे ट्रैक पर सुरक्षा बल रहेंगे.

नक्सलियों ने जारी किया रिलीज

बंद को लेकर नक्सलियों प्रेस रिलीज जारी किया है. जिसमें लिखा है कि 23 मई को लोवादा गांव के पास कॉमरेड बुधवाम समेत तीन लोगों को पुलिस ने मार डाला. इसके अलावा लिपुंगा में भी 17 जून को उनके साथियों को मारा गया. जिसका नक्सली संगठन विरोध करता है.

नक्सली बंदी को लेकर रेलवे की सुरक्षा पर खास ध्यान : रेल एसपी

टाटानगर रेल एसपी प्रवीण पुष्कर ने बताया कि नक्सली बंदी को लेकर अलर्ट पर पूरी पुलिस टीम है. आरपीएफ के साथ समन्वय स्थापित कर सुरक्षा के बंदोबस्त किये जा रहे हैं.

हेमंत सोरेन के सत्ता संभालते ही 'खेल' शुरू

'मिशन झारखंड' पर लगे बीजेपी के दो कद्दावर नेता

रांची, 7 जुलाई (एजेंसियां)। हेमंत के सत्ता संभालते ही झारखंड में सियासी खेल शुरू हो गया है। हेमंत के सीएम की कुर्सी पर बैठते ही गठबंधन का उत्साह बढ़ गया है। हेमंत के दोबारा मुख्यमंत्री बनने से यह साफ हो गया है कि विधानसभा चुनाव उनके ही चेहरे पर लड़ा जाएगा। कांग्रेस को इससे काफी उम्मीदें भी हैं। वहीं दूसरी ओर बीजेपी ने अपने दो कद्दावर नेताओं को मिशन झारखंड पर लगा दिया है। समय के साथ उनकी भूमिका बदल जाती है। पांच माह पहले जब ईडी का शिकंजा हेमंत सोरेन के विरुद्ध कस रहा था तो सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकर्ता इसके विरोध में राजभवन के समक्ष प्रदर्शन में जुटे थे।

राजधानी का यह वीवीआईपी इलाका कई दिनों तक कड़ी सुरक्षा घेरे में रहा। गुरुवार को परिस्थिति बदल गई थी। हेमंत सोरेन राजभवन के अंदर तीसरी बार झारखंड की कमान संभाल रहे थे

तो इन समर्थकों का उत्साह चरम पर था। वे खूब आतिशबाजी कर रहे थे। इस दौरान लड्डू भी बांटे गए।

रौ में लौटे हेमंत सोरेन

हेमंत सोरेन की जेल से वापसी के एक सप्ताह के भीतर घटनाक्रम कुछ इस कदर बदला कि वे सीएम की कुर्सी संभालने के साथ-साथ अपनी रौ में पूरी तरह वापस लौट आए हैं। इससे उनके दल के साथ-साथ गठबंधन के अन्य सहयोगी दलों में भी उत्साह है।

गठबंधन के विधायकों की संयुक्त बैठक में कांग्रेस ने आम सहमति बनाने से लेकर राजभवन जाकर सरकार बनाने का दावा पेश करने में हेमंत सोरेन का साथ दिया तो इसकी बड़ी वजह यह है कि विधानसभा चुनाव में सत्ता में वापस लौटने का दबाव है। हेमंत सोरेन के समक्ष कोई चुनौती नहीं है।

हेमंत के चेहरे पर लड़ा जाएगा विधानसभा चुनाव

गठबंधन पिछले विधानसभा चुनाव की तरह उनके चेहरे को आगे कर ही चुनाव लड़ेगा। उनके फिर से सत्ता संभालने से कांग्रेस में उत्साह की बड़ी वजह लोकसभा चुनाव का परिणाम है। कांग्रेस डबल हो गई, जबकि झामुमो के हिस्से में भी तीन सीटें आई। सभी पांच आदिवासी सुरक्षित सीटों पर कब्जे की एक बड़ी वजह हेमंत सोरेन के जेल जाने से पैदा हुई सहानुभूति को भी माना जा रहा है।

ऐसे में हेमंत सोरेन की मौजूदगी आगामी विधानसभा चुनाव में गठबंधन के दलों के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकती है। सत्ता हस्तांतरण में भी कांग्रेस की सक्रियता इसी कारण दिखी। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर यहां जमे रहे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर भी हर कदम पर हेमंत सोरेन के साथ दिखे।

बीजेपी ने दो कद्दावर नेताओं को दी बड़ी जिम्मेदारी

यह भी उल्लेखनीय है कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए अपने दो कद्दावर नेताओं शिवराज सिंह चौहान और हिमंता बिस्वा सरमा को जिम्मा सौंपकर गठबंधन को सतर्क कर दिया है। दोनों ने यहां जमीनी स्तर पर काम भी आरंभ कर दिया है। ऐसे में गठबंधन में हेमंत सोरेन के फिर सत्ता संभालकर पूरी तरह एक्शन में आने से गठबंधन में नए उत्साह का संचार हुआ है।

गिरिडीह में एक ही परिवार के दो लोगों का शव बरामद, पुलिस जांच में जुटी

गिरिडीह, 7 जुलाई (एजेंसियां)। गिरिडीह के पीरटांड़ थाना क्षेत्र में स्थित धावाटांड़ के एक नाले से रविवार सुबह एक ही परिवार के दो लोगों शव बरामद हुआ है. बताया जाता है कि वे दोनों रिश्ते में भाई-बहन हैं. घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गयी. लोगों की भीड़ घटनास्थल पर जुट गयी. मृतकों की पहचान बिशनपुर पंचायत के धावाटांड़ निवासी राधिका कुमारी (10 वर्ष) और सचिन सोरेन (7 वर्ष) के रूप में हुई है. मामले की जानकारी पुलिस की दी गयी. सूचना मिलने के बाद वह तुरंत मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी.

ग्रामीणों ने बताया कि घटना के बाद से मृतक की मां और एक दस माह का बच्चा गायब है. इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद पीरटांड़ थाना पुलिस की घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. मौके पर मौजूद भीड़ हत्या की आशंका जता रहे हैं. गांव में इसे लेकर कई तरह की चर्चाएं चल रही है. पुलिस भी आस पास के लोगों से जानकारी इकट्ठा कर मामले की छानबीन में जुटी हुई है.

गिरिडीह जेल में बंद महिला नक्सली दुला बास्की की तबीयत बिगड़ने पर उसे इलाज के लिए धनबाद के एसएनएमएमसीएच में भर्ती कराया गया है. शुक्रवार की रात अचानक पेट में दर्द उठने के बाद उसे पहले गिरिडीह के सदर अस्पताल ले जाया गया. वहां गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच रेफर कर दिया. महिला नक्सली को एसएनएमएमसीएच के गायनी विभाग में भर्ती किया गया है. चिकित्सकों के अनुसार, शुरुआती जांच में उसकी पेट में गांठ बनने की बात सामने आ रही है. अस्पताल में कड़ी सुरक्षा के बीच महिला नक्सली को रखा गया है. उसके साथ दो महिला, तीन पुरुष जवान व एक प्रभारी मौजूद हैं. दुला बास्की ने बताया कि वह गिरिडीह के निमियाघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत चेचेरिया गांव की रहने वाली है. 2022 में हजारीबाग से पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था. इसके बाद से वह गिरिडीह जेल में बंद है.

युवक की पीट-पीटकर हत्या करने के आरोप में नौ लोग गिरफ्तार

35 साल की विधवा भी शामिल

जमशेदपुर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले में 24 साल के युवक की पीट-पीट कर हत्या करने के मामले में नौ लोग गिरफ्तार किए गए हैं। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपियों में 35 साल की विधवा महिला भी शामिल है। लगभग एक महीने पहले महिला और युवक का मोबाइल फोन को लेकर झगड़ा हो गया था। जिसके बाद आरोपियों ने मिलकर युवक की हत्या कर दी।

पुलिस ने युवक का शव बरामद कर लिया है। जिसकी पहचान राजाराम सोरेन के रूप में बोड़ाम पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र के तहत लायलयम जंगल से हुई। पुलिस अधीक्षक (शहर और ग्रामीण) ऋषभ गर्ग ने कहा कि शरीर पर चोट के निशान थे।

मोबाइल ना लौटाने पर कर दी हत्या

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जांच में पता चला कि सोरेन के पास महिला का मोबाइल फोन था और वह उसे लौटाने में आनाकानी कर रहा था। इसको लेकर झगड़ा शुरू हो गया और युवक की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई थी। एसपी ने कहा कि इसके बाद आरोपियों ने शव को जंगल में फेंक दिया। सोरेन पटमदा पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाले दूसरे गांव का निवासी है और विधवा के घर अक्सर आता-जाता रहता था।

तीन अंतरराज्यीय चोरों को पुलिस ने ओडिशा से किया गिरफ्तार

चोरों की सारी करतूत सीसीटीवी कैमरे में कैद

कोरबा, 7 जुलाई (एजेंसियां)। विभिन्न क्षेत्रों से दुपहिया गाड़ियों की चोरी करने के बाद उन्हें दूसरे प्रदेश में बेच देने की घटनाएं हो रही हैं। कोरबा जिला की पुलिस ने ऐसे ही एक मामले को उजागर किया है। इसमें एक खरीदार सहित तीन चोरों को गिरफ्तार किया है । पता चला है कि कोरबा से चोरी की जाने वाली दुपहिया को उड़ीसा के सीमावर्ती क्षेत्र में बड़ी आसानी से खपा दिया जाता था।

कोरबा में पुलिस की ओर से की गई कार्रवाई में भूपेंद्र शर्मा और गजेंद्र नमक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है जो चोर सिंडिकेट के लिए काम कर रहे हैं। पता चला कि पिछले दिनों कोरबा रेलवे स्टेशन के पार्किंग क्षेत्र से एक व्यक्ति की बाइक की चोरी हो गई थी। उसकी रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया और आगे जांच पड़ताल की गई। इस दौरान कई चीजे सामने आई इसके बाद पुलिस की टीम ने सीमावर्ती और उड़ीसा के बरगढ़ क्षेत्र में पहुंचकर कार्रवाई की। वहां से कुल 5 बाइक बरामद की गई है।

ये सभी चोरी कर यहां तक लाई गई है मानिकपुर चौकी प्रभारी प्रेमचंद साहू ने बताया कि दूसरे क्षेत्र से चोरी करने के बाद इन गाड़ियों की नंबर प्लेट उड़ीसा में बदल दी जाती थी ताकि आगे का काम आसान हो सके।बताया जा रहा है कि पकड़े गए आरोपी खरसिया उड़ीसा क्षेत्र के रहने वाले हैं और इससे पहले भी चोरी की कई घटना को अंजाम दे चुके हैं जो चोरी करने के बाद वहां का नंबर प्लेट बदलकर दूसरे को भेज देते हैं कुछ दिनों पहले रेलवे स्टेशन के बाहर खड़ी एक एक्टिवा वाहन को चोरी किया जिसमें चोर की शादी करतूत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

धरती की तरफ बढ़ रहा विशालकाय एस्टेरॉयड

65 हजार किमी प्रतिघंटे की है रफ्तार, नासा ने दी जानकारी

वॉशिंगटन, 7 जुलाई (एजेंसियां)। आसमान से धरती की तरफ एक बड़ा खतरा आ रहा है। दरअसल हम बात कर रहे हैं उल्कापिंड यानी एस्टेरॉयड की। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने इसे लेकर चेतावनी भी जारी की है। जानकारी के मुताबिक यह उल्कापिंड 65,215 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से पृथ्वी की तरफ बढ़ रहा है, जिसका नाम 2024 एमटी-1 रखा गया है। इस उल्कापिंड का व्यास लगभग 260 फीट है। वहीं इसके 8 जुलाई तक पृथ्वी के करीब पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। नासा ने पहली बार इस क्षुद्रग्रह का पता नियर अर्थ ऑब्जेक्ट ऑब्जर्वेशन प्रोग्राम में लगाया था। इस प्रोग्राम के तहत धरती की तरफ आ रहे उल्कापिंडों और धूमकेतुओं को ट्रैक किया जाता है।

पृथ्वी के करीब आ रहा विशाल एस्टेरॉयड

बता दें कि जमीन पर दूरबीन और बड़े-बड़े उपकरणों तथा रडार की मदद से पृथ्वी की तरफ आ रहे उल्कापिंडों का पता लगाया जाता है। ऐसे में 2024 एमटी-1 की आकार और गति ने वैज्ञानिकों की चिंता को बढ़ा दिया है। हालांकि नासा ने कहा है कि पृथ्वी से इसके टकराने का कोई तुरंत खतरा नहीं है। बता दें कि नासा की जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी की ओर से 2024 एमटी-1 के मार्ग की निगरानी की जा रही है। बता दें कि 2024 एमटी-1 पृथ्वी की तरफ बढ़ रहा है, हालांकि वह पृथ्वी से टकराने वाला नहीं है। यह पृथ्वी से करीब 15 लाख किमी दूर से ही गुजरेगा। यह दूरी पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी से चार गुना ज्यादा है। तबाही लाने में सक्षम होते हैं उल्कापिंड बता दें कि इस तरह के एस्टेरॉयड के आकार बेहद खतरनाक होते हैं। बता दें कि 2024 एमटी-1 जैसे उल्कापिंड अगर पृथ्वी से टकराते हैं तो आग, सुनामी, विस्फोट और भी कई प्रकार की तबाही लाने में सक्षम होते हैं। हालांकि नासा का ग्रह रक्षा समन्वय कार्यालय इस तरह के खतरों और उनसे निपटने की रणनीतियों पर लगातार काम कर रहा है। बता दें कि पीडीसीओ एक ऐसी तकनीक विकसित करने में जुटा हुआ है, जिससे इस तरह के खतरों को टाला जा सके।

सिडनी के एक घर में आग लगने से तीन बच्चों की मौत पुलिस को हत्या की आशंका

सिडनी, 7 जुलाई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर में एक बड़ा हादसा हो गया। देर रात सिडनी के एक घर में आग लगने से 10 महीने के बच्चे सहित तीन बच्चों की मौत हो गई। ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने इसकी जानकारी दी है, हालांकि ऑस्ट्रेलियाई पुलिस इस घटना को हत्या मान रही है। पुलिस ने इस घटना के बारे में आगे जानकारी देते हुए कहा, सिडनी के सिटी सेंटर से लगभग 35 किमी (20 मील) पश्चिम में लालोर पार्क पर देर रात 1 बजे (शनिवार को 1500 जीएमटी) आपातकालीन सेवाओं को बुलाया गया। पुलिस ने ये भी बताया कि दो और चार साल की उम्र के दो लड़कों का घटनास्थल पर ही इलाज किया गया, लेकिन अस्पताल ले जाने के तुरंत बाद उनकी मौत हो गई, जबकि आग बुझने के बाद 10 महीने की एक लड़की भी मृत पाई गई। बता दें कि अस्पताल में छह से 11 साल की उम्र के चार अन्य बच्चों की हालत स्थिर है, साथ ही बच्चों की मां 29 वर्षीय महिला का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है।

हम इस दौरे को बेहद खास मानते हैं पीएम नरेंद्र मोदी का रूस में हो रहा इंतजार, क्रेमलिन ने बयान में कही अहम बात

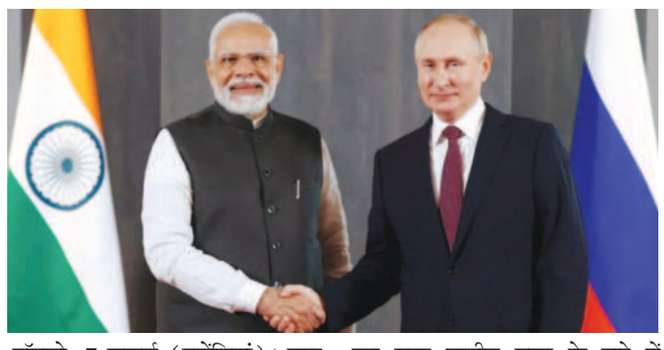

मॉस्को, 7 जुलाई (एजेंसियां)। रूस की सरकार भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मॉस्को की यात्रा को लेकर उत्सुक है। मॉस्को इस यात्रा को रूस तथा भारत के संबंधों के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानता है। रूस के राष्ट्रपति के आधिकारिक कार्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने यह बात कही है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे और वह 8-9 जुलाई को मॉस्को में रहेंगे। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को नई दिल्ली में इस उच्च स्तरीय यात्रा के बारे में जानकारी देते हुए कहा था कि दोनों देशों के नेता बहुआयामी संबंधों की संपूर्ण समीक्षा करेंगे तथा आपसी हितों के समकालीन क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे। पेस्कोव ने रूस के सरकारी टेलीविजन वीजीटीआरके के साथ साक्षात्कार में कहा कि मॉस्को में दोनों नेता अन्य कार्यक्रमों के अलावा अनौपचारिक बातचीत भी करेंगे।उन्होंने कहा, 'जाहिर है कि अगर इसे अति व्यस्त न भी कहा जाए तो भी एजेंडा व्यापक होगा। यह एक आधिकारिक यात्रा होगी और हमें उम्मीद है कि दोनों नेता अनौपचारिक तरीके से भी बातचीत कर सकेंगे।'

भारत-रूस के संबंधों में आएगी और ज्यादा बेहतरी

पेस्कोव ने कहा कि रूस और भारत के बीच संबंध रणनीतिक साझेदारी के स्तर पर हैं। सरकारी समाचार एजेंसी तास ने पेस्कोव के हवाले से कहा है कि हम एक अति महत्वपूर्ण यात्रा की उम्मीद कर रहे हैं जो रूस-भारत संबंधों के लिए बहुत अहम है। भारत के पीएम नरेंद्र मोदी 8-9 जुलाई को रूस की यात्रा पर जा रहे हैं।

अपने दौरे पर पीएम मोदी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बैठक करेंगे। इस दौरान दोनों देशों में आपसी रिश्तों को मजबूत करने समेत कई अहम मुद्दों पर बातचीत हो सकती है। इस दौरान पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट और दूसरे हथियारों की डील से जुड़ी बातचीत होने की उम्मीद है। रूस के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ऑस्ट्रिया जाएंगे। 40 साल बाद भारत का कोई प्रधानमंत्री ऑस्ट्रिया का दौरा कर रहा है।

जेल से बड़ी साजिश रच रहे इमरान खान

पीएम के सलाहकार राणा सनाउल्लाह का दावा- अधिकारियों के पास इसके सबूत

रावलपिंडी, 7 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के राजनीतिक मामलों के सलाहकार राणा सनाउल्लाह ने इमरान खान पर बड़ा आरोप लगाया है। राणा ने पूर्व पीएम इमरान पर जेल से पाकिस्तान में अराजकता फैलाने का आरोप लगाया। राणा ने दावा किया कि जेल में बंद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान राजनीतिक अराजकता फैलाने की साजिश रच रहे हैं। सनाउल्लाह ने कहा कि इमरान खान को जेल परिसर के अंदर राजनीतिक बैठकें करने से अदालत ने प्रतिबंधित कर दिया है। सनाउल्लाह ने कहा कि पीटीआई संस्थापक जेल में रहते हुए अराजकता फैलाने की योजना बना रहे थे। उन्होंने जेल अधिकारियों के पास इसके सबूतों होने का भी इशारा किया।

ऑडियो-वीडियो सबूत होने का दावा

इमरान खान की कथित गतिविधियों के सबूत के बारे में पूछे जाने पर सनाउल्लाह ने कहा कि हमारे पास खुद ऑडियो या वीडियो सबूत नहीं हैं, लेकिन जेल के अंदर सुरक्षा के लिए जिम्मेदार लोगों के पास ये सबूत हैं। सनाउल्लाह की टिप्पणी पूर्व सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं की शिकायतों के बाद आई है, जिन्होंने दावा किया कि कई घंटों तक इंतजार करने के बावजूद उन्हें अदियाला जेल में इमरान खान से मिलने नहीं दिया गया।

प्रधानमंत्री के सलाहकार ने मुहर्रम के पवित्र महीने के दौरान इस्लामाबाद में रैली करने के पीटीआई के फैसले की भी आलोचना की, उन्होंने सुझाव दिया कि इसका उद्देश्य राजनीतिक उथल-पुथल पैदा करना था। सनाउल्लाह ने कहा कि इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद 9 मई 2023 को हुए दंगों के दौरान विदेशी तत्वों ने पाकिस्तान को अस्थिर करने के इरादे से पीटीआई का समर्थन किया। उन्होंने कहा "दुश्मन देश पीटीआई के माध्यम से पाकिस्तान में अराजकता फैलाने का लक्ष्य रखे हुए है।" उन्होंने यह भी कहा कि अगर रैली होने दी गई तो देश में अराजकता फैलने का खतरा होगा।

चीन के आगे झुका श्रीलंका, ड्रैगन के 'जासूसी'

जहाजों को देगा अपने क्षेत्र में आने की मंजूरी, भारत की बढ़ेगी टेंशन!

कोलंबो, 7 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीलंका की सरकार ने अपने जल क्षेत्र में रिसर्च के लिए आने वाले जहाजों पर लगे बैन हटाने का फैसला लिया है। श्रीलंका अगले साल विदेशी अनुसंधान जहाजों पर से प्रतिबंध हटाएगा। श्रीलंका का ये फैसला चीन के लिए हिमायत की तरह देखा जा रहा है। वहीं भारत के लिए सुरक्षा की दृष्टि से ये चिंता का सबब है क्योंकि रिसर्च के नाम पर चीन के जहाज पड़ोसी देशों में जासूसी करते रहे हैं। श्रीलंका के विदेश मंत्री अली साबरी ने इसका ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि हम अलग-अलग देशों के लिए अलग-अलग नियम नहीं बना सकते हैं। हम दूसरे देशों को इजाजत देकर सिर्फ चीन को ब्लॉक नहीं कर सकते हैं। इस साल जनवरी में श्रीलंका ने विदेशी शोध जहाजों की यात्रा पर प्रतिबंध लगाने का ऐलान किया था, जिसे अब हटाया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, अली साबरी ने कहा है कि श्रीलंका अगले साल से अपने बंदरगाहों पर विदेशी शोध जहाजों को आने की अनुमति देगा। साबरी ने हाल ही में टोक्यो की अपनी यात्रा के दौरान जापानी सरकारी मीडिया एनएचके वर्ल्ड से बात करते हुए ये टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि हम अलग नियम नहीं रख सकते और केवल चीन को ही रोक सकते हैं। हम ऐसा नहीं करेंगे। हम किसी का पक्ष नहीं लेंगे। अपने साक्षात्कार में सबरी ने कहा कि यह कदम श्रीलंका को अपना खुद का सर्वेक्षण करने, डाटा एकत्र करने और इसे बाकी दुनिया के साथ साझा करके व्यावसायिक रूप से दोहन करने का अवसर देगा।

चीन से श्रीलंका को मिला है बड़ा निवेश

बीते साल मई में चाइना मर्चेंट्स ग्रुप ने कोलंबो पोर्ट पर एक बड़े लॉजिस्टिक्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण के लिए 400 मिलियन डॉलर के बड़े निवेश की घोषणा की था। ये 2022 में दिवालिया होने के बाद से श्रीलंका में आने वाला पहला बड़ा विदेशी निवेश है। दूसरी ओर भारत अपने 'क्वाड' भागीदारों, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ, हिंद महासागर क्षेत्र में चीनी प्रभाव का मुकाबला करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। 2020 में, भारत ने श्रीलंका और मालदीव के साथ कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन किया, इसे मॉरीशस, सेशेल्स और बांग्लादेश को शामिल करने के लिए विस्तारित किया। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 20 जून, 2024 को कोलंबो की अपनी यात्रा के दौरान, कोलंबो नौसेना मुख्यालय में स्थित एक समुद्री बचाव समन्वय केंद्र का उद्घाटन किया था, जिसमें दक्षिणी हंबनटोटा जिले में एक उप-केंद्र और श्रीलंका के समुद्र तट पर मानव रहित प्रतिष्ठान थे। इसके बाद राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के कार्यालय ने कहा था कि यह केंद्र भारत और श्रीलंका के बीच समुद्री सुरक्षा सहयोग को दर्शाता है। अमेरिका भी श्रीलंकाई बंदरगाहों पर बड़ी भूमिका निभा रहा है। जापान ने भी श्रीलंका को पानी के नीचे सोनार से लैस एक जहाज देने की योजना बनाई है, जिसका उपयोग देश की समुद्र विज्ञान सर्वेक्षण क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए अन्य जहाजों के स्थान का पता लगाने के लिए किया जाता है।

इजराइल की गाजा के स्कूल पर एयरस्ट्राइक

16 की मौत:75 से ज्यादा घायल, सेना ने कहा- स्कूल आतंकवादियों का अड्डा

गाजा, 7 जुलाई (एजेंसियां)। इजराइली सेना ने गाजा में एक स्कूल पर एयरस्ट्राइक की, जिसमें 16 लोगों की मौत हो गई और 75 से ज्यादा घायल हो गए। अलजजीरा के मुताबिक ये स्कूल संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का था, जहां शरणार्थियों ने शरण ली हुई थी। स्थानीय लोगों के मुताबिक इजराइली सेना ने पहले स्कूल को चारों ओर से घेरा और फिर उस पर हमला कर दिया। इजराइल के हमले से स्कूल की इमारत नीचे गिर गई, जिसमें रह रहे बच्चे दब गए है। लोग रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहे हैं। लोगों अब तक दो बच्चों को बचा लिया है, जिसमें से एक बच्ची की हाथ में गंभीर चोट आई है। वहीं दूसरे बच्चे के चेहरा और सिर पर कई चोट के निशान हैं। यूएन की रेस्क्यू टीम के मुताबिक पिछले महीने भी सेना ने एक स्कूल को निशाना बनाया था।

फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, मरने वालों में ज्यादा बच्चे और महिलाएं हैं। 50 घायलों का इलाज किया जा रहा है बाकी लोगों का मौके पर ही इलाज किया गया। वहीं इजराइली सेना ने स्कूल को आतंकवादियों का अड्डा बताया। हमले से बचने के सैकड़ों शरणार्थियों ने स्कूल की आस-पास की जगह को छोड़ दिया है। इससे पहले इजराइल ने स्कूल को सेफ जोन बताया था। पिछले महीने किए स्कूल पर हमले में 40 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी और दर्जनों लोग घायल हो गए थे।

जंग में 38 हजार फिलिस्तीनियों की मौत

इजराइल-हमास जंग के बीच पिछले 9 महीने से जंग जारी है। इसमें अब तक 38 हजार फिलिस्तीनियों की मौत हो चुकी है, इनमें 14,500 बच्चे शामिल हैं। वहीं गाजा के करीब 80% लोग बेघर हो गए। यह जंग अब मिस्र बॉर्डर के करीब गाजा के राफा शहर पहुंच गई है। दरअसल, जंग की शुरुआत में इजराइल की कार्रवाई से बचते हुए लोगों ने उत्तरी गाजा छोड़कर राफा में शरण ली थी। अलजजीरा के मुताबिक इस इलाके में 10 लाख से ज्यादा लोग रहते हैं। अब इजराइल की सेना यहां भी हमले की योजना बना रही है। इजराइल का तर्क है कि उन्होंने अब तक हमास की 24 बटालियन को खत्म कर दिया है। लेकिन अब भी 4 बटालियन राफा में छिपी हुई हैं। इनके खात्मे के लिए राफा में ऑपरेशन चलाना जरूरी है।

जो बाइडेन ने फिर कराई अपनी बेइज्जती अमेरिकी राष्ट्रपति को हो क्या गया है?

वॉशिंगटन, 7 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन एक बार फिर जुबान फिसलने की वजह से इंटरनेट पर वायरल हो रहे हैं। 81 साल के जो बाइडेन अक्सर अपने बयानों में कोई न कोई गलती कर देते हैं। देश में चुनाव का दौर है और इसका फायदा उठाने से उनके विरोधी बिल्कुल नहीं चूक रहे हैं। मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति ने विस्कॉन्सिन की एक रैली के दौरान कहा कि वे अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप को 2020 में फिर से हराएंगे। उनके इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर उनकी एक बार फिर फजीहत होने लगी है। पिछले हफ्ते हुई प्रेसिडेंशियल डिबेट में खराब प्रदर्शन करने के बावजूद जो बाइडेन ने रैली में अपनी जीत का दावा किया है। डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई बहस के बाद आए सर्वे में जो बाइडेन को हारा हुआ माना गया था। जिस पर जो बाइडेन ने

स्वीकार किया कि ये उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं था।

"मैं दौड़ में हूं और फिर से जीतूंगा"

राष्ट्रपति बहस के बाद से ही हो रही चर्चाओं का जवाब देते हुए बाइडेन ने कहा, तब से बहुत सारी अटकलें लगाई जा रही हैं, जो बाइडेन क्या करने जा रहा है? क्या वह दौड़ में बने हैं? क्या वह बाहर होने जा रहा है, वह क्या करने जा रहा है?' खैर, यहां मेरा जवाब है, मैं दौड़ रहा हूं और फिर से जीतूंगा! जो बाइडेन ने जोश में कहा कि वे फिर से 2020 में डोनाल्ड ट्रंप को हराएंगे। हालांकि उन्होंने अपनी गलती का सुधार करते हुए फौरन बाद कहा कि 2024 में फिर हराएंगे। लेकिन सोशल मीडिया पर लोगों ने उनकी गलती को यूं ही नहीं जाने दिया और उनकी याददाश्त और उम्र को लेकर सवाल उठाने लगे। कुछ दिन पहले बाइडेन ने गलती से खुद को एक अश्वेत राष्ट्रपति के साथ काम करने वाली पहली अश्वेत महिला कह दिया था। फिलाडेल्फिया के वर्ड रेडियो स्टेशन के साथ इंटरव्यू के दौरान खुद को उप राष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ मिला दिया था। उन्होंने कहा, मुझे गर्व है कि मैं पहली उपराष्ट्रपति, पहली अश्वेत महिला हूं... जिसने अश्वेत राष्ट्रपति के साथ काम किया है। उनके इस बयान के बाद उनकी काफी फजीहत हुई थी। बता दें जो बाइडेन बराक ओबामा के कार्यकाल के दौरान उपराष्ट्रपति रह चुके हैं।

किएर स्टार्मर के मंत्रिमंडल में भारतीय और पीओके मूल की महिला सांसद क्या है दोनों का इतिहास

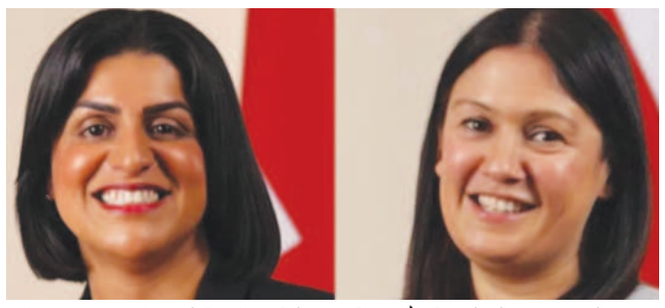

लंदन, 7 जुलाई (एजेंसियां)। ब्रिटेन के आम चुनाव में लेबर पार्टी में धमाकेदार जीत हुई है। इस एकतरफा जीत में लेबर पार्टी को हाउस ऑफ कॉमंस की कुल 650 सीटों में से 412 सीटें मिली हैं। वहीं, कंजर्वेटिव पार्टी को मात्र 121 सीटें मिली। चुनाव में पूर्व पीएम ऋषि सुनक की भी हार हुई। वहीं, अब लेबर पार्टी के नेता किएर स्टार्मर ब्रिटेन के नए पीएम बन गए हैं। किएर ने कैबिनेट का भी गठन कर लिया है, जिसमें दो नाम सबसे ज्यादा चर्चा में हैं।

लिसा नंदी और शबाना महमूद को मंत्री पद

चौंकाने वाली बात ये है कि 19 भारतीय मूल के सांसद होने के बावजूद केवल एक भारतीय मूल की सांसद लिसा नंदी ही नए ब्रिटिश प्रधानमंत्री के मंत्रिमंडल में जगह बना पाई हैं। किएर की कैबिनेट बोरिस जॉनसन के मंत्रिमंडल से बिल्कुल अलग है, जो ब्रिटिश इतिहास में सबसे विविध थी। दूसरी ओर पीओके मूल की ब्रिटिश सांसद शबाना महमूद को किएर ने न्याय सचिव बनाया है। शबाना कश्मीर को लेकर भारत सरकार की कड़ी आलोचना करती रही हैं।

कौन है लिसा नंदी

मैनचेस्टर में जन्मी भारतीय मूल की 44 वर्षिय लिसा नंदी स्टारमर की कैबिनेट में संस्कृति, मीडिया और खेल मंत्री बनी हैं। इससे पहले वो शैडो कैबिनेट में शैडो विदेश मंत्री सहित कई भूमिकाएं निभा चुकी हैं। लिसा के पिता दीपक नंदी, कोलकाता में जन्मे शिक्षाविद हैं। ब्रिटेन के निवासी दीपक नंदी ने लेबर पार्टी की 1976 में नस्ल संबंध विधेयक का मसौदा तैयार करने में मदद की थी। उनकी मां एन लुइस बायर्स हैं, जो खुद लेबर पार्टी की बड़ी नेता रह चुकी हैं।

भारत के खिलाफ बयान दे चुकी महमूद

पाकिस्तान मूल की ब्रिटिश सांसद शबाना महमूद को ब्रिटिश पीएम किएर ने न्याय सचिव बनाया है। शबाना महमूद विपक्ष में शैडो न्याय सचिव भी थीं। शबाना ने 2019 में पूर्व पीएम बॉरिस जॉनसन को लिखे एक पत्र पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें उन्हें भारतीय सरकार के कार्यों की कड़ी निंदा करने और कथित रूप से इकश्मीर के खिलाफ अनुच्छेद 370 को अवैध और असंवैधानिक रूप से हटाने का आह्वान किया था।

बर्मिंघम में पैदा हुई हैं शबाना

शबाना महमूद का जन्म बर्मिंघम में हुआ है और उनके माता-पिता पीओके के मीरपुर के बाब-ए-यम गांव में पैदा हुए थे। शबाना कई बार हाउस ऑफ कॉमन्स में कश्मीर का राग अलाप चुकी है।

जंग के बीच हमास का रुख नरम, बिना शर्त स्थायी युद्ध विराम के लिए बातचीत को तैयार

यरुशलम, 7 जुलाई (एजेंसियां)। हमास और इस्राइल बीते नौ महीने से जंग लड़ रहे हैं। इस्राइल द्वारा हमास को खत्म करने का संकल्प गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा है। गाजा में पैदा हुई मानवीय परिस्थितियों को लेकर देशभर में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इस बीच, हमास का रुख कुछ नरम होता दिख रहा है। वह किसी भी समझौते पर पहुंचने से पहले इस्राइल पर लगातार स्थायी युद्धविराम के लिए दबाव डालने की अपनी जिद पर पुनर्विचार करने के लिए तैयार है।

अस्थायी युद्ध विराम पर बातचीत को तैयार

गाजा में युद्ध विराम तक पहुंचने के

लिए चल रहे प्रयासों में यह बयान एक महत्वपूर्ण पल है। हमास लगातार कई मांगे रखता आ रहा है। हालांकि अब वह बिना किसी शर्त के एक अस्थायी युद्ध विराम पर बातचीत शुरू करने के लिए तैयार है।

छह सप्ताह तक हो सकती है वार्ता

हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि संशोधित दृष्टिकोण से समझौते के प्रारंभिक चरण के दौरान स्थायी युद्धविराम पर बातचीत जारी रखने की अनुमति मिल जाएगी, जिसके छह सप्ताह तक चलने की उम्मीद है। महत्वपूर्ण बात यह है कि मध्यस्थ अस्थायी युद्धविराम के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करेंगे, गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाने में सुविधा प्रदान करेंगे, तथा वार्ता जारी रहने तक इस्राइली सैनिकों की वापसी की निगरानी करेंगे। मसौदे में कहा गया है कि 16वें दिन से पहले, इस समझौते के दूसरे चरण के कार्यान्वयन की शर्तों को अंतिम रूप देने के लिए दोनों पक्षों के बीच बातचीत शुरू हो जाएगी। पहले चरण के पांचवें सप्ताह के अंत से पहले यह बातचीत पूरी हो जानी चाहिए।

कतर में हो रहीं बैठक

हमास के रुख में यह बदलाव कतर में इस्राइल और हमास के प्रतिनिधियों के बीच फिर से शुरू हुई वार्ता के बीच आया है। बता दें, इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की ओर से व्यापक समझौते पर मध्यस्थता के उद्देश्य से विस्तृत चर्चा करने की अनुमति मिलने के बाद यह बातचीत फिर से शुरू हुई। रिपोर्ट के अनुसार, मोसाद के निदेशक डेविड बार्निया ने मध्यस्थों से मिलने तथा युद्ध विराम और बंधकों की रिहाई को शामिल करते हुए संभावित नए समझौते की शर्तों पर चर्चा करने के लिए कतर की यात्रा की। वहीं एक इस्राइली मसौदा प्रस्ताव का विवरण स्थानीय मीडिया में सामने आया है। इसमें एक तय समय सीमा के भीतर बातचीत शुरू करने के प्रावधान शामिल हैं। हालांकि, इस्राइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने इन दस्तावेजों की प्रामाणिकता की पुष्टि करने से परहेज किया है।

हमास और इस्राइल के बीच एक समझौते को सुरक्षित करने के प्रयासों को हाल के महीनों में महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। नेतन्याहू पर इस्राइली बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए दक्षिणपंथी मंत्रियों और बंधकों के परिवारों सहित विभिन्न क्षेत्रों से दबाव है।

यह है मामला

हमास ने सात अक्तूबर को इस्राइली शहरों पर पांच हजार से ज्यादा रॉकेट दागकर हमले की शुरुआत की थी। इसके बाद हमास के आतंकियों ने इस्राइल में घुसकर लोगों को मौत के घाट उतारा। इसके जवाब में इस्राइल ने हमास आतंकियों के खिलाफ गाजा में ऑपरेशन शुरू किया था। इस ऑपरेशन में गाजा स्थित हमास के ठिकानों पर जबरदस्त बमबारी की गई है, जिससे अधिकतर गाजा खंडहर में तब्दील हो गया है। अब तक इस्राइल और गाजा में कुल मिलाकर 37000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

आईएएस की जांच को लेकर बैकफुट पर क्यों सरकार?

अखिल अरोड़ा की लंबित अभियोजन स्वीकृति बनी गले की हड्डी

जयपुर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस का वादा करके राजस्थान की सत्ता में आई बीजेपी सरकार को अब विधानसभा में इन सवालों पर अपना बचाव करना होगा कि भ्रष्टाचार के प्रकरणों में उसने बड़े अफसरों के खिलाफ एसीबी को अभियोजन की स्वीकृति क्यों नहीं दी।

वीडियो वॉल टेंडर सहित अन्य मामलों में एसीबी की जांच के दायरे में आने वाले राजस्थान के सबसे विवादित IAS अखिल अरोड़ा सहित अन्य पॉवरफुल अफसरों पर सरकार ने क्या कार्रवाई की इस पर अब विधानसभा में लिखित जवाब देना होगा। बजट सत्र में न सिर्फ कांग्रेस बल्कि बीजेपी विधायकों ने भी इस मामले को लेकर सदन में सवाल लगाए हैं। कांग्रेस विधायकों में पूर्व मंत्री शांति धारीवाल, हरिमोहन शर्मा, मनोज

कुमार व बीजेपी विधायकों में अतुल भंसाली ने लंबित अभियोजन स्वीकृति को लेकर सरकार से सवाल पूछे हैं।

सरकार का बजट भी उन्हीं हाथों में

विपक्ष में रहते हुए योजना भवन और डीआईटी में भ्रष्टाचार को बड़ा मुद्दा बनाने वाली भाजपा के सारे आरोप सियासी ही साबित हुए। विवादित अफसर अखिल अरोड़ा सरकार से न सिर्फ अपनी अभियोजन स्वीकृति का प्रकरण ठंडे बस्ते में डलवाने में कामयाब रहे बल्कि नई सरकार का पहला बजट भी वही बना रहे हैं।

516 मामलों में अनुमति लंबित

गौरतलब है कि 16वीं विधानसभा के प्रथम सत्र में राज्य सरकार की तरफ से विधानसभा को एसीबी के लंबित प्रकरणों की जो जानकारी दी गई थी, उसके अनुसार कुल 38 हजार से ज्यादा परिवाद एसीबी में दर्ज किए गए। इनमें से 706 परिवादों को गंभीर मानते हुए एसीबी ने सरकार से अनुमति मांगी। इनमें से 112 मामलों में सरकार ने एसीबी को मनाही कर दी और सिर्फ छोटे कर्मचारियों से जुड़े 78 मामलों में ही मंजूरी दी गई।

10 महीनों से अटकी फाइल

पिछली गहलोत सरकार में बीजेपी विधायक किरोड़ीलाल मीणा ने डीओआईटी में भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया था, तब इसका चार्ज अखिल अरोड़ा के पास था। राजस्थान में विधानसभा चुनावों की आचार संहिता लागू होने के बाद एसीबी के तत्कालीन डीजी हेमंत प्रियदर्शी ने 6 अक्टूबर 2023 में सरकार को चिट्ठी लिखकर अखिल अरोड़ा के खिलाफ अभियोजना स्वीकृति मांगी लेकिन यह चिट्ठी पहले कार्मिक विभाग और उसके बाद डीओआईटी विभाग में दबा ली गई। हैरानी बात यह है कि जब यह चिट्ठी डीओआईटी में दबी हुई थी उस वक्त महकमे का चार्ज अखिल अरोड़ा के पास ही था। हालांकि इसके बाद सरकार ने अखिल अरोड़ा को डीओआईटी से हटा लिया लेकिन महकमे के अफसर इस पॉवरफुल अफसर की अभियोजन स्वीकृति की फाइल आगे बढ़ाने की हिम्मत ही नहीं जुटा पाए, क्योंकि उन्हें डर था कि मामले में कहीं वे टारगेट पर नहीं आ जाएं।

मुख्य सचिव भी टाल गए

अफसर के प्रभाव का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मुख्य सचिव सुधांश पंत ने भी इस मामले में ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखाई, जबकि हर पखवाड़े आईएएस अफसरों की होने वाली सीनियर लेवल ऑफिसर्स मीटिंग में दो बार उन्होंने ऑल इंडिया सर्विसेज की लंबित अभियोजन स्वीकृति के मामले निस्तारित करने के निर्देश दिए थे।

किरोड़ी लाल के इस्तीफे के बाद भाजपा अलर्ट मोड पर, उठाए बड़े कदम

जयपुर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। किरोड़ी लाल मीना के मंत्री पद से इस्तीफे के बाद भाजपा और सरकार अलर्ट मोड पर आ गई है। पार्टी हाल ही पांच रिक्त विधानसभा सीटों पर प्रभारी लगाए हैं। इनको निर्देश दिए गए हैं कि 13 जुलाई को इन क्षेत्रों से आने वाले नेताओं से मुलाकात करें और इसके बाद दो माह तक संबंधित विस क्षेत्रों में प्रभारी कैंप कर लें। पार्टी हर हाल में पांच में से कुछ सीटें जीतना चाहती है। लोकसभा चुनाव में जो पांच विधानसभा सीटें रिक्त हुई थी। उनमें से एक भी भाजपा का विधायक नहीं है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार बड़े नेता यह मानकर चल रहे हैं कि अक्टूबर में विधानसभा उपचुनाव हो सकते हैं। पार्टी चाहती है कि पांच में से कुछ सीटों पर हर हाल में जीत हो, जिससे लोकसभा चुनाव की हार को कुछ हद तक

भुलाया जा सके। पार्टी का सबसे ज्यादा फोकस खींवसर सीट पर है। यहां भाजपा प्रत्याशी करीब दो हजार वोटों से ही चुनाव हारे थे। इसके अलावा दौसा, देवली-उनियारा, झुंझनूं पर भी पार्टी फोकस कर रही है।

चौरासी विधानसभा सीट पर भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) से विधायक रहे राजकुमार रोत सांसद बन चुके हैं। रोत विधायक पद से इस्तीफा दे चुके हैं। इस सीट पर बीएपी को कैसे हराया जाए। इस पर भी मंथन किया जा रहा है। लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा ने कांग्रेस के दिग्गज नेता महेन्द्रजीत सिंह मालवीय को भी तोड़ लिया था, लेकिन वे भी इस क्षेत्र में जीत नहीं दिला सके थे।

किरोड़ी लाल मीना से मिले मदन राठौड़

कृषि मंत्री पद से इस्तीफा दे चुके किरोड़ी लाल मीना से राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने मुलाकात की। सूत्रों के अनुसार इस्तीफे को लेकर भी चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि मदन राठौड़ ने मीना को कहा कि वे पार्टी के मजबूत स्तंभ हैं। भावावेश में आकर कोई निर्णय न करें। दोनों के बीच करीब एक घंटे तक बातचीत हुई।

हाथरस कांड के बाद

दरबार लगाकर लाइलाज बीमारियों का इलाज कर रहा था बाबा पर एक्शन

भरतपुर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के भरतपुर जिले में अंधविश्वास के नाम पर दरबार लगाकर लोगों की कैंसर जैसी बीमारियों को ठीक करने का झांसा देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बयाना के मुरिंकी गांव में चल रहे बाबा के दरबार को बंद कराया। साथ ही बाबा को दरबार चलाने से रोकने के लिए पाबंद किया है। उल्लेखनीय है कि पड़ोसी राज्य उत्तरप्रदेश के हाथरस में हुए हादसे के बाद पुलिस-प्रशासन की ओर से सख्ती बरती जा रही है। बताते हैं कि बाबा इलाज के नाम पर आने वाले लोगों को दवा के नाम पर गुलाब की पंखुड़ियां और लौंग दे रहा था। पुलिस कोतवाली प्रभारी बाबूलाल गुर्जर ने बताया कि भरतपुर के मुरिंकी गांव में बाबा को पाबंद किया है कि वह लोगों की भीड़ को जुटा कर दरबार नहीं लगाए। इस बाबा को पुलिस पहले पुलिस थाने भी ले गई। जहां इससे पूछताछ की। कथित बाबा के दरबार की जानकारी मिलने पर एसडीएम राजीव शर्मा के निर्देश के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बाबा को पांबद कर मौके पर जुटी भीड़ को वहां से हटाया। बाबा से पूछताछ के बाद बाबा को दरबार नहीं लगाने को लेकर पाबंद किया है। अनिल कुमार नाम का यह बाबा बयाना मुरिंकी में पिछले महीने भर से अधिक समय से दरबार लगाकर लोगों का कैंसर, पथरी और बांझपन जैसी बीमारियों को दावे के साथ ठीक करने का झांसा देकर इलाज कर रहा था और खुद सिद्ध पुरुष बता रहा था।

बेनीवाल के गढ़ को ढहाने की तैयारी में जुटी बीजेपी-कांग्रेस

क्या खींवसर में 16 साल बाद लौट पाएगी कोई अन्य पार्टी?

नागौर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। आरएलपी विधायक हनुमान बेनीवाल के सांसद बनने के बाद रिक्त हुई खींवसर सीट पर उप चुनाव को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों ने चुनाव जीतने को लेकर दाव पेच शुरू कर दिए। दलों के नेताओं ने मतदाताओं की नब्ज टटोलनी शुरू कर दी। इसके लिए कांग्रेस की जिला मुख्यालय पर बैठक हुई। वहीं भाजपा की जयपुर मुख्यालय में। यहां कार्यकर्त्ताओं से प्रत्याशी को लेकर राय शुमारी शुरू हो गई। बेनीवाल के गढ़ रहे खींवसर को ढहाने के लिए सभी राष्ट्रीय दलों ने अपनी-अपनी तैयारी शुरू कर दी। मूण्डवा को हटाकर 2008 में बनी खींवसर विधानसभा सीट पर लगातार तीन बार हनुमान बेनीवाल विधायक रहे। वहीं हनुमान बेनीवाल के सांसद बनने के बाद रिक्त हुई इस सीट पर उप चुनाव में हनुमान के भाई नारायण बेनीवाल विधायक बने। इस बार हुए विधानसभा चुनाव में फिर से हनुमान बेनीवाल ने जीत दर्ज की। अब वे फिर सांसद बन गए और सीट खाली हो गई।

अन्तराल लगातार घटा

खींवसर सीट बनने के बाद से लेकर अब तक हनुमान बेनीवाल का इस सीट पर कब्जा रहा, लेकिन शुरू से लेकर जीत का अंतराल घटा जरुर। बेनीवाल वर्ष 2008 का चुनाव 24443 वोटों से जीते जबकि 2013 में यह

अन्तराल घटकर 23020 वोट से रह गया। 2018 में 16948 वोट से ही जीते। जबकि 2019 के उप चुनाव में हनुमान के भाई नारायण बेनीवाल 4630 वोटों से जीते। इस बार के विधानसभा चुनाव में हनुमान बेनीवाल मात्र 2200 वोटों से ही अपनी सीट बचा पाए।

प्रत्येक चुनाव में बाजी मारी

खींवसर विधानसभा बनने के बाद वर्ष 2008 में यहां से हनुमान बेनीवाल ने भाजपा के टिकिट पर चुनाव लड़ा और बसपा के उम्मीदवार दुर्गसिंह चौहान को 24443 मतों से हराया। यही स्थिति 2013 के चुनावों में रही। हालांकि इस चुनाव में बेनीवाल निर्दलीय लड़े, लेकिन बसपा के दुर्गसिंह चौहान को 23020 वोटों के अन्तराल से दूसरी बार चुनाव हराकर विधानसभा सदस्य निर्वाचित हुए। वर्ष 2018 में जब दुर्गसिंह चौहान ने मैदान छोड़ दिया तो निर्दलीय उम्मीदवार हनुमान बेनीवाल ने कांग्रेस के प्रत्याशी एवं पूर्व डीआईजी सवाईसिंह चौधरी को 16948 मतों से हराकर विधानसभा पहुंचे। वर्ष 2019 में हनुमान बेनीवाल ने अपनी खुद की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी बनाकर भाजपा से गठबन्धन किया और लोकसभा चुनाव लड़ा। संसद सदस्य निर्वाचित हो गए। सांसद बनने के बाद खाली हुई खींवसर सीट पर भाजपा के साथ गठबंधन कर अपने भाई नारायण बेनीवाल को चुनाव लड़वाया जिसमें वे 4630 वोटों से जीते। इस बार के चुनाव में हनुमान बेनीवाल ने भाजपा के रेवन्तराम डांगा को हराकर विधायक बने।

तो जमानत भी जब्त हुई

खींवसर में राष्ट्रीय पार्टियां तीसरे व चौथे नम्बर पर भी रही। वर्ष 2008 के चुनावों में कांग्रेस के सहदेव चौधरी तीसरे नम्बर पर रहे, उन्हें केवल 17150 वोट ही मिले। वहीं 2013 के चुनावों में भाजपा के भागीरथ मेहरिया तीसरे नम्बर पर रहे, वहीं कांग्रेस के राजेन्द्र फिड़ौदा चौथे नम्बर पर रहे उन्हें केवल 9257 वोट ही मिल पाए। वहीं 2018 के चुनावों में भाजपा तीसरे नम्बर पर रही, भाजपा के रामचन्द्र उत्ता को 26809 वोट मिले।

लड़कियों को शादी करने के लिए सरकार देगी 51,000 रुपए, ऐसे करना होगा अप्लाई

जयपुर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना राजस्थान सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है। जो प्रदेश के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की लड़कियों की शादी को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई है। इस योजना के तहत सरकार उन परिवारों को सहायता प्रदान करती है, जो अपनी बेटियों की शादी का खर्च नहीं उठा सकते हैं। योजना का उद्देश्य इन परिवारों को आर्थिक सहायता देकर उनकी बेटियों की शादी में मदद करना और यह सुनिश्चित करना है कि आर्थिक बाधाओं के कारण लड़कियों की शादी में कोई रुकावट न आएं।

राज्य सरकार योजना के तहत योग्य लड़कियों को उनके विवाह के समय 31,000 से 41,000 रुपए की सहायता देगी।

इस योजना में लगभग 24 करोड़ रुपए की बचत का प्रावधान है।- प्रदेश की लड़कियां अगर 10वीं पास करती हैं तो सरकार उन्हें उनके विवाह के समय 41,000 रुपए देगी।

प्रदेश की लड़कियां अगर 12वीं पास करती हैं तो सरकार उन्हें उनके विवाह के समय 51,000 रुपए देगी। दुल्हन की आयु 18 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।- परिवार की वार्षिक आय 2.5 लाख रुपये से कम होनी चाहिए और उनके पास आय का कोई अन्य स्रोत नहीं होना चाहिए।

मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के माध्यम से बीपीएल परिवार की कन्याओं, अंत्योदय परिवार की कन्याओं, आस्था कार्डधारी परिवार की कन्या, आर्थिक दृष्टि से ऐसे परिवार जिनके कमाने वाला कोई व्यक्ति नहीं है और विधवा महिलाओं की कन्याओं को विवाह के लिए सहायता राशि प्रदान की जाएगी।

किरोड़ी लाल के इस्तीफे पर पत्नी गोलमा देवी का आया बड़ा बयान

बताया क्या होगा डॉक्टर साहब का अगला कदम?

जयपुर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीना के इस्तीफे ने राजस्थान की सियासत का माहौल गरमाया हुआ है। मीना के अपने पद से इस्तीफा देने के बाद भाजपा अलर्ट मोड़ पर है। इसी बीच किरोड़ी लाल की पत्नी गोलमा देवी ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि लोग अफवाह फैला रहे है कि बड़े पद की लालसा में डॉक्टर साहब ने इस्तीफा दिया है। लेकिन, ऐसा नहीं है।

पहले भी दे चुके इस्तीफा- गोलमा देवी

किरोड़ी लाल मीना की पत्नी गोलमा देवी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि वसुंधरा सरकार में भी डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा इस्तीफा दे चुके हैं, तब भी वापस नहीं लिया था। इससे पता चलता है कि डॉक्टर

किरोडी लाल मीणा को बड़े पद की कोई लालसा नहीं है।

उपचुनाव में करेंगे प्रचार- गोलमा देवी

उन्होंने आगे कहा कि डॉक्टर साहब ने शुरू से जनता के लिए काम किया है। जनता के बीच रहकर किया है और आगे भी करेंगे। विधानसभा उपचुनाव को लेकर गोलमा देवी ने कहा पार्टी का प्रचार करेंगे, बाकी मुकद्दर की बात है। पार्टी के लिए तन मन से प्रचार करेंगे मतदाताओं के बीच में जाएंगे। रही बात पार्टी की तो हम पार्टी के कार्यकर्ता हैं, पार्टी का काम तो करना ही चाहिए।

लोकसभा चुनावों में किरोड़ी लाल मीना ने एलान किया था कि उनके प्रभाव में आने वाली सात लोकसभा सीटों में से किसी एक पर बीजेपी हार जाती है तो वह अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। उनका कहना था कि पीएम मोदी ने उन्हें पूर्वी राजस्थान की सात सीटें सौंपी थीं और मैं प्रधानमंत्री को दिए वादे को पूरा नहीं कर पाया। इसलिए इस्तीफा दिया है।

गौरतलब है कि राजस्थान लोकसभा चुनाव में बीजेपी को राजस्थान में बड़ा नुकसान हुआ। राज्य की 25 सीटों में से बीजेपी 14 ही जीत पाई। वहीं, उनके गृह क्षेत्र दौसा में भी बीजेपी चुनाव हार गई थी।

महिला टीचर ने स्कूल में मचाया बवाल

प्रिंसिपल की गिरेबां पकड़कर बोली- सीएम भजनलाल और भूपेंद्र यादव से मेरी जानकारी

अलवर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर जिले से एक सरकारी महिला शिक्षिका की दबंगई सामने आई है। जहां जिले के मालाखेड़ा ब्लॉक के राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल नंगली जोगा में महिला टीचर से स्कूल में कार्यरत अन्य शिक्षक और ग्रामीण काफी परेशान है। बताया जा रहा है कि महिला टीचर नेताओं से सांठ-गांठ बताते हुए आए दिन धमकाने का काम करती है। हाल ही में आरोपी महिला टीचर का अन्य शिक्षकों को धमकाने और जातिसूचक शब्दों का उपयोग करने का वीडियो सोशल मीडिया पर लगातार वायरल हो रहा है। इस महिला टीचर से तंग आकर ग्रामीणों और स्टूडेंट्स ने स्कूल के गेट पर तालाबंदी की और शिक्षा विभाग से उसे हटाने की मांग की। जिसके बाद विभाग के सामने पूरा मामला आने के बाद डीईओ नेकीराम ने उसे सस्पेंड कर दिया।

सरपंच और ग्रामीणों ने महिला टीचर ममता मीणा पर आरोप लगाया कि वह शराब पीकर स्कूल में आती है। आए दिन स्कूल में स्टाफ को धमकाती नजर आती है। इतना ही नहीं उसने गांव की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को देशी कट्टा मंगवाने को कहा। टीचर ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से कहा कि किसी को मारना है और खुद भी मरना है। ममता मीणा ने हेड मास्टर का गला पकड़ लिया।

स्कूल के हेड मास्टर रामनिवास यादव ने जब मैंने ममता मीणा को कहा कि आप महिला हैं, ऐसा करना सही नहीं है। बच्चों पर गलत असर पड़ता है। इस पर हेड मास्टर से झगड़ने लग गई। हेड मास्टर का कहना है कि ममता ने उनका गिरेबां पकड़ लिया और वह कुछ नहीं कर सका, महिला होने के कारण चुप हो गया। उसे समझाने का प्रयास किया। फिर स्कूल की दूसरी टीचर प्रिया शर्मा के साथ बदसलूकी की।

शिक्षामंत्री दिलावर ने शिक्षकों की बढ़ाई मुश्किल

बोले- खराब रिजल्ट देने वाले टीचरों पर होगी कार्रवाई

जयपुर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के शिक्षामंत्री मदन दिलावर ने सरकारी शिक्षकों को लेकर बड़ा बयान दिया है। मदन दिलावर सवाई माधोपुर दौर पर रहे। जहां उन्होंने कलेक्ट्रेट में जिलास्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। दिलावर ने जिले के अधिकारियों से विकास योजनाओं के क्रियान्वयन पर चर्चा की। इस दौरान जिला कलेक्टर खुशाल सिंह यादव मौजूद रहे।

शिक्षामंत्री मदन दिलावर ने इस बैठक में शिक्षा विभाग के अधिकारियों को शैक्षिक व्यवस्था को अधिक दुरुस्त करने पर विशेष जोर देने के लिए कहा। साथ ही प्रत्येक सरकारी व गैर

सरकारी विद्यालय में पौधरोपण करने के दिशा निर्देश दिए। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को शिक्षा से वंचित विद्यार्थियों के संदर्भ में नामांकन करने का निर्देश दिया।

इस अवसर पर मंत्री दिलावर ने कहा कि खराब रिजल्ट वाले स्कूलों में सबंधित विषय अध्यापक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा मंत्री में कहा कि आगामी 8 अगस्त को अमृत पर्यावरण महोत्सव मनाया जाएगा। अधिक से अधिक पौधरोपण किया जाएगा। जब पत्रकारों ने उनसे डॉक्टर किरोडी लाल मीना के इस्तीफा देने संबंधी सवाल पूछा तो उन्होंने सवाल टाल दिया। कहा कि इस बारे में या तो डॉक्टर साहब बता सकते है या प्रदेश अध्यक्ष बता सकते हैं।

माचिया सफारी में मृत मिला 82 दिन से घूम रहा लेपर्ड

60 जानवरों के शिकार के बाद भी भूख से हुई मौत

जोधपुर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। जोधपुर की माचिया सफारी में मृत मिले लेपर्ड की पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार उसकी मौत भूख के कारण हुई है लेकिन बीते 82 दिनों के दौरान 13 ब्लैक बग समेत जंगली सूअर, हिरण और अन्य जानवरों का शिकार करने के बाद भूख से मौत होने के बात अस्वाभाविक सी लगती है। ऐसे में अब विसरा रिपोर्ट आने के बाद ही लेपर्ड की मौत के कारणों का पता चल पाएगा।

जोधपुर में लेपर्ड पाए जाने के संबंध में कोई हिस्ट्री नहीं है ऐसे में पिछले 82 दिनों से लेपर्ड के यहां होने को लेकर कई प्रश्न हैं। 40 दिन पहले 26 मई को माचिया सफारी में देखे गए लेपर्ड के लिए वहां बकरी भी बांधी गई थी लेकिन उसने शिकार नहीं किया। वन विभाग के एक्सपर्ट बंशीलाल का कहना है कि लेपर्ड की कुल उम्र करीब 10 साल तक होती है और जोधपुर आया लेपर्ड 9 साल के आसपास का था।

8-8 लाख रुपए में बिका था पर्चा, एसओजी की बड़ी कार्रवाई, सात अभ्यर्थी सहित 11 गिरफ्तार

बांसवाड़ा, 7 जुलाई (एजेंसियां)। वनरक्षक के 2,646 पदों की भर्ती के लिए नवंबर-2022 में हुई परीक्षा की दोनों पारियों के पेपर लीक हुए थे। गिरोह ने आठ-आठ लाख रुपए में अभ्यर्थियों को पेपर पढ़ाए थे। लीक पेपर पढ़कर कई अभ्यर्थी वनरक्षक बन गए। बांसवाड़ा पुलिस ने पेपर लीक मामला दर्ज करने के बाद 7 सफल अभ्यर्थियों सहित 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बाद में मामला एसओजी को सौंपा है। एसओजी ने इन आरोपियों को कोर्ट में पेश कर तीन दिन के रिमांड पर लिया है। पेपर लीक के इस मामले में वन विभाग में पहले से कार्यरत कई कर्मचारी लपेटे में आएंगे। बांसवाड़ा एसपी हर्षवर्धन अग्रवाला ने बताया कि रीट परीक्षा में डमी अभ्यर्थी को लेकर एक मामला कुशलगढ़ थाने में दर्ज किया गया था। इसमें प्रतापगढ़ निवासी प्रवीण मालवीया को गिरफ्तार किया गया था। उससे पूछताछ में सामने आया कि वर्ष 2022 में हुई वनरक्षक भर्ती परीक्षा की दोनों पारियों के पेपर लीक हुए थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धनफूल मीणा की रिपोर्ट पर 30 जून को राजतालाब थाने में पेपर लीक का मामला दर्ज किया गया। पेपर लीक मामले में राजतालाब थाना पुलिस ने पहले प्रवीण मालवीया और उसकी पत्नी सविता मालवीया को गिरफ्तार किया था।

कार सवार महिलाओं ने मचाया आतंक

पहले टोल कर्मियों को जमकर कूटा, फिर लूटा और भाग गई

जयपुर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। अक्सर देखा जाता है कि टोल कर्मचारियों की ओर से यात्रियों से मारपीट होती है। लेकिन इस बार चौकानें वाला मामला सामने आया है।

टोल प्लाजा पर कार सवार महिलाओं ने वारदात को अंजाम दिया है। महिलाओं ने टोल कर्मियों से मारपीट भी की, फिर लूट की वारदात को अंजाम भी दिया है। मामला जब सामने आया तो पुलिस भी चौक गई। लेकिन पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जिसके बाद अब पुलिस आरोपी महिलाओं की तलाश में लग गई है।

मामला पाली जिले का है। कानावास टोल प्लाजा पर यह वारदात हुई। कार में आई चार महिलाओं ने टोल कर्मियो से मारपीट की। टोल मैनेजर का आरोप है कि महिलाएं मारपीट कर सोने की चैन व काउंटर में रखे डेढ़ लाख रुपए भी लूट कर भाग गई। इनके साथ एक अन्य कार भी थी, जिसमें दो युवक सवार थे। पुलिस ने पीछा किया तो दोनों कार मठ टोल प्लाजा के बैरियर तोड़ कर पाली की ओर भाग गए। टोल पर लगे सीसीटीवी फुटेज में सारी घटना कैद हुई है।

मैनेजर करणसिंह की ओर से शिवपुरा थाने में रिपोर्ट दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि एक जुलाई से कानावास टोल प्लाजा पर ठेका बदला है, जिसके 5 दिन बाद ही एक कार चालक के साथ चार महिलाएं भी इस विवाद में कूद गई। लेकिन पूरा मामला आरोपी महिलाओं को पकड़ने के बाद सामने आएगा। पुलिस की ओर से आरोपी महिलाओं की तलाश की जा रही है।

आईटी कॉरिडोर के लिए नए बस रूट और सेवाएं शुरू

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के सूचना प्रौद्योगिकी कॉरिडोर में पिछले कुछ महीनों में कई नए बस रूट और सेवाएं शुरू की गई हैं, ताकि सॉफ्टवेयर कर्मचारियों और आसपास के अन्य लोगों की यातायात संबंधी समस्याओं को कम किया जा सके।

पश्चिमी कॉरिडोर में बढ़ते यातायात को देखते हुए और आईटी पेशेवरों के करीब आने की उम्मीद में, तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) ने पिछले छह महीनों में कई नए बस रूट शुरू किए हैं। इसके बाद शहर के इन हिस्सों में मेट्रो स्टेशनों और बस स्टेशनों और कार्यस्थलों पर कई सर्वेक्षण किए गए, ताकि यात्रा पैटर्न, मांग, आवश्यकताओं और समाधानों को समझा जा सके।

योजना के हिस्से के रूप में, शुरू किए जाने वाले सबसे लोकप्रिय और महत्वपूर्ण रूटों में से एक ऑलविन 'एक्स' रोड, कोथागुडा और गचीबोवली के माध्यम से मियापुर से नरसिंगी रूट था। इस रूट पर औसतन 15

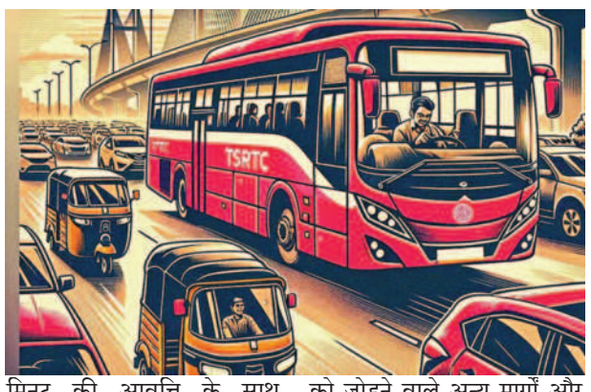

मिनट की आवृत्ति के साथ संचालित की जा रही बसें, मियापुर, बीएचईएल, हफीजपेट और आसपास के इलाकों में रहने वाले सॉफ्टवेयर कर्मचारियों को गचीबोवली और नरसिंगी तक पहुँचाने के लिए हैं।

साथ ही, यह महसूस करते हुए कि बाचुपल्ली, प्रगति नगर और मियापुर जैसे स्थानों में यात्रियों की अच्छी क्षमता है, उन्हें जोड़ने वाले मार्गों पर और अधिक बसें जोड़ी गईं। आरटीसी अधिकारियों ने जेएनटीयू और माइंडस्पेस के माध्यम से बाचुपल्ली और वेवरॉक को जोड़ने वाले अन्य मार्गों और मेहदीपटनम से गोपनपल्ली जैसे अन्य मार्गों पर नानकरामगुडा, विप्रो और आसपास के क्षेत्रों में वातानुकूलित बस सेवाएं शुरू कीं। बस उपयोगकर्ताओं की निरंतर मांग के बाद इन एसी बसों को तैनात किया गया था।

इन क्षेत्रों के लिए मुख्य चुनौती उपयोगकर्ता की प्राथमिकता है क्योंकि आरटीसी को कैब और ऑटो-रिक्शा, मेट्रो और बाइक किराए पर लेने वाली एजेंसियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है, क्योंकि यात्री बस की प्रतीक्षा करने के बजाय, मार्ग पर उपलब्ध अगले वैकल्पिक परिवहन को बुक करते हैं। कार्यालय समय के दौरान महिला यात्रियों की परेशानी मुक्त यात्रा की सुविधा के लिए, जेएनटीयू से वेवरॉक तक विशेष मेट्रो एक्सप्रेस लेडीज स्पेशल बसें संचालित की जाती हैं। ये सेवाएं फोरम मॉल, हाईटेक सिटी, माइंडस्पेस, रायदुर्ग, बायो-डायवर्सिटी पार्क, गाचीबोवली 'एक्स' रोड, इंदिरा नगर, आईआईटी 'एक्स' रोड, विप्रो सर्कल और आईसीआईसीआई टावर्स से होकर जाती हैं। दूसरी ओर, टीजीएसआरटीसी ने रायदुर्ग मेट्रो स्टेशन से नए खुले अमेरिकी वाणिज्य दूतावास तक 'साइबर लाइनर्स' (मिनी बसें) नामक बस सेवा शुरू की है, साथ ही स्टेशन को डीएलएफ, वेवरॉक और जीएआर से भी जोड़ा है। ये वज्र एसी मिनी बसें आईटी कॉरिडोर में मेट्रो स्टेशनों पर कर्मचारियों को उनके कार्यालयों तक ले जाने के लिए खड़ी हैं, जो अंतिम मील कनेक्टिविटी का हिस्सा है।

'माँ सरस्वती' पशु चिकित्सालय का उद्घाटन

प्रति वर्ष 3 हजार सर्जरी और ओपीडी में 40 हजार मवेशियों के इलाज की सुविधा

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के सबसे बड़े पशु चिकित्सालयों में से एक और दक्षिण भारत के सबसे बड़े पशु चिकित्सालय माँ सरस्वती का रविवार को उद्घाटन किया गया, जिसे परोपकारियों और पशु प्रेमियों द्वारा दिए गए दान से 3 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित किया गया।

5,100 वर्ग फीट क्षेत्र में फैले इस अस्पताल में एक एम्बुलेंस, ऑपरेशन थियेटर, गहन चिकित्सा इकाई, कई नैदानिक सुविधाएं, एक मेडिकल डिस्पेंसरी, 5 पशु चिकित्सक, पांच सहायक, पांच पैरा मेडिकल स्टाफ के साथ विशेषज्ञ चिकित्सक, सर्जन मौजूद हैं। इसका औपचारिक उद्घाटन 85 वर्षीय धर्मराज रांका के पोते रूही और मेहर ने दानदाताओं और उनके परिवार के सदस्यों की ओर से किया। त्वचा विशेषज्ञ और धर्मराज रांका की पोती डॉ. निशिता रांका ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह अस्पताल प्रतिदिन 10 सर्जरी करने के साथ-साथ प्रतिदिन 100 पशुओं को संभालने में सक्षम है। उनके अनुसार, प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, यहां प्रति वर्ष 3000 सर्जरी करने और ओपीडी में प्रति वर्ष लगभग 36,000 पशुओं का उपचार करने की उम्मीद है। अत्याधुनिक पशु चिकित्सालय न केवल गगनपहाड़ स्थित सत्य शिवम सुंदरम गौशाला (3200) में आश्रय प्राप्त 6000 गायों, बुरुजुगड्डा स्थित सत्य शिवम सुंदरम गौ सेवा केंद्र में 2800 गायों की देखभाल करेगा, बल्कि आसपास के क्षेत्रों के भेड़, बकरी, कुत्तों जैसे जानवरों की भी सेवा करेगा। माँ सरस्वती पशु चिकित्सालय पशु प्रेमियों के दान से स्थापित किया गया है। यह स्वयं-सज्जित है, आधुनिक डायग्नोस्टिक्स, एक एक्स-रे मशीन, एक एंडोस्कोप, एक रक्त-इंसुलिन विश्लेषक और ऐसी कई अन्य सुविधाओं से सुसज्जित है। सत्यन शिवम सुंदरम गौशाला पिछले कई वर्षों से गगनपहाड़ में 3200 गायों और बुरुजुगड्डा में 2800 गायों को आश्रय देने के लिए पहले से ही प्रसिद्ध है और इसे दक्षिण भारत की सबसे बड़ी गौशाला कहा जाता है। मां सरस्वती पशु चिकित्सालय 85 वर्षीय धरम राज रांका का एक पुराना सपना है। शहर के सेवानिवृत्त जौहरी पिछले 30 वर्षों से गायों को बचाने के मिशन पर हैं।

वे नंगे पांव घूम रहे हैं और पिछले 30 वर्षों से भारत के सबसे पूजनीय पशु 'गाय' की रक्षा के मिशन पर काम कर रहे हैं। धरम राज रांका 1991 से गायों के अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं। 200 गायों के साथ एक छोटे से प्रयास के रूप में शुरू हुआ यह अभियान अब संख्या और समर्थन में बढ़ता जा रहा है। आज दोनों जगहों पर 6000 गायों को आश्रय, चारा और चिकित्सा सहायता दी जाती है। सबसे बढ़कर, उन्हें प्यार, सम्मान और गरिमा दी जाती है और गायों के साथ शाही व्यवहार किया जाता है। पशुओं के लिए अत्याधुनिक पशु चिकित्सालय रांकाजी का जीवन भर का सपना रहा है जो अब पूरा हो गया है।

कवि गोष्ठी में 'अनंता' पर चर्चा संपन्न

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गीत चाँदनी द्वारा कवि गोष्ठी संपन्न हुई। देवघर, झारखंड के वरिष्ठ साहित्यकार अनिल कुमार झा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। श्रुतिकांत भारती, शोभा दुबे और सादुल्लाह ख़ान सबील विशेष अतिथि के रुप में उपस्थित थे।

कवि गोविंद अक्षय ने संस्था की गतिविधियों से अवगत कराया।

उन्होंने बताया कि इस मूल्यांकन कवि गोष्ठी में पटना (बिहार) से संपादिका स्मिता के संपादन में प्रकाशित होने वाली मासिक साहित्यिक डिजिटल पत्रिका अनंता के अंक : 5 जून को प्रकाशित मातृ-पितृ विशेषांक की सामग्री पर साहित्यकारों द्वारा चर्चा की गयी। मूल्यांकन गोष्ठी में भाग लेते हुए ठाकुर दिनेश सिंह, सुधा ठाकुर, सुनील मिश्रा, रेखा देवी वर्मा अपने विचार प्रस्तुत किए। विशेष अतिथि शोभा दुबे ने कहा कि माता-पिता की बराबरी तो कोई भी नहीं कर सकता है। रत्नकला मिश्र ने कहा पत्रिका का यह माता-पिता विशेषांक एक उपलब्धि है।

कपड़े सुखाते समय महिला की करंट लगने से मौत

मंचेरियल, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीरामपुर के कृष्णा कॉलोनी में रविवार को एक महिला की गलती से बिजली के तार को छूने से मौत हो गई। श्रीरामपुर के सब-इंस्पेक्टर एम संतोष ने बताया कि कृष्णा कॉलोनी की रहने वाली विधवा थीगुल्ला शारदा (46) की मौके पर ही मौत हो गई, जब वह एक लोहे के तार के संपर्क में आ गई, जिसमें से बिजली गुजर रही थी। तार में खराबी के कारण वह कपड़े सुखा रही थी, तभी यह हादसा हुआ। उसका बेटा, जो सो रहा था, जाग गया और उसने देखा कि उसकी मां बेहोश पड़ी है। उसने अपने पड़ोसियों को बताया कि जिन्होंने उसे बताया कि उसकी मां को बिजली का झटका लगा है। महिला के बेटे वामशी की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

ट्रांसजेंडरों को प्रमाण पत्र और पहचान पत्र जारी किया

आसिफाबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि जिले में ट्रांसजेंडरों को प्रमाण पत्र और पहचान पत्र जारी किए जाएंगे। शनिवार को जिला केंद्र स्थित एकीकृत जिला समाहरणालय भवन परिसर में जिला कल्याण विभाग पदाधिकारी औदेपु भास्कर के साथ मिलकर दो ट्रांसजेंडरों को प्रमाण पत्र व पहचान पत्र सौंपा गया।

जिलाधिकारी ने कहा कि जिले में आवेदन करने वाले 24 ट्रांसजेंडरों के आवेदनों की जांच कर प्रमाण पत्र एवं पहचान पत्र सौंप दिया गया है और सरकार सभी लोगों के कल्याण के लिए कदम उठाएगी। कार्यक्रम में फील्ड ऑफिसर पी रविकुमार, संबंधित अधिकारी एवं अन्य शामिल हुए।

पुरी की जगन्नाथ रथ यात्रा में भगदड़ जैसे हालात, कई लोग घायल

पुरी, 7 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा के पुरी में आज भव्य जगन्नाथ रथ यात्रा निकाली गई। इस यात्रा में भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई, बताया जा रहा है कि इस दौरान कई लोग घायल हो गए। जिन्हें अस्पताल ले जाया गया है, ये घटना पुरी के बड़ा डांडा में हुई। हादसे के बाद घायलों को उपचार के लिए तुरंत नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया गया।

इसके अलावा रथ खींचने के दौरान हुई दुर्घटना में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जा रहा है कि यह घटना भगवान बलभद्र के रथ को खींचने के दौरान हुई, जिसे सबसे पहले खींचा गया था।

रथ यात्रा में 10 लाख भक्तों के शामिल होने का अनुमान :

पीतल के झांझ और हाथ के ढोल बजाते हुए पुजारी छत्रधारी रथों पर सवार देवताओं के इर्द-गिर्द थे। रथ यात्रा शहर की मुख्य सड़क से धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा था, अनुमान के मुताबिक रथ उत्सव में लगभग 10 लाख भक्त शामिल हुए हैं, जबकि अधिकांश भक्त ओडिशा और पड़ोसी राज्यों से थे। रथयात्रा में विदेशों से भी कई लोग शामिल हुए, इस बीच ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन माझी पुरी पहुंचे और पुरी के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती से मुलाकात की।

सुरक्षा के लिए 180 प्लाटून तैनात किए :

पुरी के पुलिस अधीक्षक पिनाक मिश्रा ने बताया कि सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और 180 प्लाटून (एक प्लाटून में 30 जवान होते हैं) सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है। एडीजी (कानून व्यवस्था) संजय कुमार ने बताया कि महोत्सव स्थल बड़ादंडा और तीर्थ नगरी के अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

गांजा की तस्करी के आरोप में तीन लोग गिरफ्तार

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को गादीगुडा मंडल के मेदिगुडा और कोठापल्ली गांवों में प्रतिबंधित गांजा की फसल उगाने और तस्करी करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। तीनों से जब्त गांजा की कीमत 3.30 लाख रुपये आंकी गई है। उटनूर डीएसपी नागेंद्र ने एक बयान में कहा कि कोठापल्ली के रहने वाले मादवी मोहन, मादवी बापू राव और मेदिगुडा के रहने वाले येने वैजुनाथ को गांजा की फसल उगाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ करने पर तीनों ने जल्दी पैसा कमाने के लिए फसल उगाने और तस्करी करने की बात कबूल की।

अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमिटी की बैठक

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमिटी बैठक समाज कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक में अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमिटी के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल, कन्वेनर रमेश तुल्सीयान, वाइस चेयरमैन गोविंद अग्रवाल, सुनील मित्तल के अतिरिक्त समाज की मलकपेट महिला शाखा की अध्यक्ष नीति अग्रवाल एवं बालक बालिकाओं के अभिभावक उपस्थित थे।

अग्रसेन बायोडेटा कमेटी की साप्ताहिक बैठक आज सिकंदराबाद ऑफ़िस में आयोजित की गई। बैठक में दुर्गा प्रसाद बंसल, पंकज कुमार संघी, सत्यनारायण मोदी, सुनील अग्रवाल, महेश अग्रवाल, रविकांत, संगीता गोयल, शिवराज अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

प्रत्येक सरकारी विद्यालय में सभी सुविधाओं का प्रावधान : वेंकटेश धोत्रे

आसिफाबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि जिले के प्रत्येक सरकारी स्कूल में अम्मा आदर्श विद्यालय समिति के तत्वावधान में छात्रों को बिना किसी असुविधा के पूर्ण सुविधाएं प्रदान करके गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उपाय किए जा रहे हैं। जिला अतिरिक्त कलेक्टर दीपक तिवारी, जिला ग्रामीण विकास अधिकारी सुरेंद्र सहित इंजीनियरिंग अधिकारी, मंडल शिक्षा अधिकारी, मंडल नोडल अधिकारी, आदिम जाति कल्याण विभाग के अधिकारी, आश्रम विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, एस सीआरपी अम्मा आदर्श विद्यालय समिति के तत्वावधान में जिले के सरकारी स्कूलों में किये गये विकास कार्यों की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

जिलाधिकारी ने कहा कि अम्मा आदर्श विद्यालय समिति के तत्वावधान में जिले के सरकारी विद्यालयों में विकास एवं मरम्मत कार्य किये जायेंगे तथा विद्यार्थियों को सभी सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने हेतु कदम उठाये जायेंगे।

भगवान जगन्नाथ स्वामी के रथोत्सव के अवसर पर कोलसावाडी बेगम बजार में स्थित प्राचीन मंदिर में पूजा करते हुए सिकंदराबाद एवं बोईनपल्ली मार्केट यार्ड व्यापारी संघ के अध्यक्ष ए गौतम जैन, मनिलाल शाह, पी राजेंद्र यादव, गजानंद चौधरी, रघुनंद गोप, भावेश शाह एवं मंदिर के पुजारी दीनदयाल आदि।

हैदराबाद के 2 बाइक सवारों की उत्तराखंड में मौत

गोपेश्वर/हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उत्तराखंड के चमोली जिले में शनिवार को भूस्खलन के बाद चट्टानों की चपेट में आने से हैदराबाद के दो पर्यटकों की मौत हो गई, पुलिस ने बताया। यहां पहुंची रिपोर्ट के अनुसार, यह दुर्घटना बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर गौचर और कर्णप्रयाग के बीच चटवापीपल के पास हुई। मृतकों की पहचान निर्मल शाही (36) और सत्य नारायण (50) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, वे हिमालय मंदिर से मोटरसाइकिल पर वापस आ रहे थे, तभी पहाड़ी से लुढ़कते पत्थरों की चपेट में आ गए। अधिकारियों ने बताया कि उनके शव मलबे से निकाल लिए गए हैं।

बद्रीनाथ में पिछले कुछ दिनों से भारी बारिश हो रही है और भूस्खलन के कारण राजमार्ग कई बार अवरुद्ध हुआ है। पिछले एक सप्ताह में जिन इलाकों में भूस्खलन हुआ है, उनमें रुद्रप्रयाग, पीपलकोटी के पास भनीर पानी, जोशीमठ और बद्रीनाथ के बीच पागलनाला और कंचनगंगा शामिल हैं। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सीमा सड़क संगठन के कर्मचारी सड़कों को साफ करने में व्यस्त हैं। भूस्खलन के कारण रुद्रप्रयाग-केदारनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग भी अवरुद्ध है। एहतियात के तौर पर रुद्रप्रयाग जिले के सभी सरकारी और निजी स्कूल शनिवार को बंद कर दिए गए हैं।

'हिन्दी भाषा शिक्षण' पुस्तक लोकार्पण समारोह संपन्न

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के हैदराबाद केंद्र के सौजन्य से नीलकमल प्रकाशन द्वारा प्रकाशित 'हिंदी भाषा शिक्षण' नामक पुस्तक का लोकार्पण हुआ। डॉ राजीव कुमार सिंह और डॉ शिवमूर्ति शर्मा इस पुस्तक के लेखक हैं। क्षेत्रीय निदेशक प्रो. गंगाधर वानोडे ने पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मुख्य अतिथि के रूप में हैदराबाद विश्वविद्यालय के पूर्व उप कुलपति प्रो. आर.एस. सर्राजु, अतिथि के रूप में डॉ सुरभि दत्त, सुरेश चंद्र शर्मा तथा प्राचार्य डॉ. सी.एन. मुगुत्कर एवं साहित्यिक उपस्थित थे। डॉ. फत्तराम नायक और शहर की विभिन्न साहित्यिक विभूतियाँ डॉ. रमा द्विवेदी, सुनीता लुल्ला, डॉ. दयाशंकर प्रसाद, रेखा अग्रवाल आदि उपस्थित रहे। केंद्रीय हिंदी संस्थान से डॉ. एस. राधा, सजग तिवारी, संदीप. मस्तान आदि ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

शिवसेना-नेता...

घटना के बाद से मिहिर फरार है। पुलिस ने राजेश शाह और ड्राइवर को हिरासत में लिया है। कार भी जब्त कर ली है।

पुलिस ने बताया कि वर्ली के कोलीवाड़ा इलाके में रहने वाले प्रदीप नखवा और उनकी पत्नी कावेरी नखवा मछुआरे समुदाय के हैं। दोनों हर रोज ससून डॉक पर मछली खरीदने जाते थे। हर रोज की तरह वे रविवार को भी ससून डॉक से लौट रहे थे। इसी दौरान सुबह 5:30 बजे अटरिया मॉल के पास एक तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कूटी पलट गई और दोनों पति-पत्नी कार के बोनट पर गिर गए।

पति खुद को बचाने की कोशिश में बोनट से तुरंत कूद गया, लेकिन पत्नी उठ नहीं सकी। भागने की हड़बड़ी में आरोपी ने महिला को कुचल दिया और कार से करीब 100 मीटर तक घसीटा। इसके बाद आरोपी मिहिर और उसका ड्राइवर कार लेकर भाग गए। घायल महिला को मुंबई सेंट्रल स्थित नायर अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। पति का फिलहाल इलाज चल रहा है।

हादसे के बाद वर्ली पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी चेक किए, जिससे पता चला कि गाड़ी शिवसेना नेता राजेश शाह की है। राजेश शाह पालघर में सत्ताधारी शिवसेना (शिंदे गुट) के डिप्टी लीडर हैं। वर्ली पुलिस ने हिट-एंड-रन का मामला दर्ज कर सफेद रंग की बीएमडब्ल्यू कार जब्त कर ली है। पुलिस की जांच में सबूत मिटाने की कोशिश की बात भी सामने आई है। कार की विंडशील्ड पर शिवसेना का स्टिकर लगा था। घटना के बाद स्टिकर को खरोंचकर हटाने की कोशिश की गई, ताकि पार्टी के साथ गाड़ी का कनेक्शन छिपाया जा सके। कार की एक नंबर प्लेट भी हटा दी गई, लेकिन पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज को स्कैन किया, जिससे कार मालिक का पता चल गया।

बिहार और आंध्र...

इसके अलावा पिछड़े जिलों के लिए अनुदान और रामायपटनम बंदरगाह और कडप्पा में एक एकीकृत इस्पात संयंत्र बनाने के लिए भी पैसा मांगा है।

बिहार ने भी रखी मांग :

बिहार की बात करें तो राज्य ने केंद्र सरकार से 9 हवाई अड्डों की मांग की है। इसके अलावा दो बिजली परियोजनाओं, दो नदी जल कार्यक्रमों और सात मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए राशि मांगी है। मीडिया रिपोर्ट्स बताती हैं कि दोनों राज्य यह भी चाहते हैं कि केंद्र सरकार द्वारा सभी राज्यों को बुनियादी ढांचे के लिए दिए जाने वाले बिना शर्त लॉन्ग टर्म लोन को लगभग दो गुना करके एक लाख करोड़ तक का किया जाए।

इस्कॉन मंदिर द्वारा निकाली गई भगवान जगन्नाथ रथयात्रा में अग्रणी महिला मंच के सदस्यों ने सम्मिलित होकर दर्शन किए। इस अवसर पर अध्यक्ष सुमन भुवानिया, रितु गोयल, रूपा गुप्ता, संतोष अग्रवाल, संगीता जाजोदिया, स्मिता शाह, प्रीति गोयल एवं पवन भुवानिया आदि उपस्थित थे।

टीजीएसपीडीसीएल के निरीक्षण को लेकर मैलारदेवपल्ली में तनाव

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पुराने शहर के वट्टेपल्ली में शनिवार को उस समय हल्का तनाव व्याप्त हो गया, जब टीजीएसपीडीसीएल के अधिकारी निरीक्षण करने गए थे। अधिकारियों के अनुसार, मीटर से छेड़छाड़ और बिजली चोरी की घटनाओं के बाद टीजीएसपीडीसीएल की एक टीम वट्टेपल्ली के गुंटल बाबा दरगा इलाके में बिजली चोरी की जांच करने गई थी। टीम को देखते ही स्थानीय लोग स्थानीय नेताओं के साथ मौके पर जमा हो गए और उन्हें निरीक्षण करने से रोक दिया। अधिकारी तुरंत इलाके से चले गए। वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि टकराव से बचने के लिए टीजीएसपीडीसीएल की टीम वापस आ गई।

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया था कि टीजीएसपीडीसीएल के अधिकारियों की टीम के साथ कुछ निजी व्यक्ति भी थे। कुछ दिनों से ऐसी खबरें आ रही थीं कि राज्य सरकार ने पुराने शहर में बिजली बिलों के संग्रह का काम अडानी ग्रुप ऑफ कंपनीज को सौंप दिया है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

कमबैक हो तो ऐसा, टीम इंडिया ने जिम्बाब्वे से पूरा किया बदला, दूसरे टी20 मैच में चटाई धूल

हरारे, 7 जुलाई (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में बाजी मारकर 5 मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली है. इस मैच में टीम इंडिया की जीत के हीरो अभिषेक शर्मा रहे, जिन्होंने अपने दूसरे ही मैच में शतकीय पारी खेली.

शुभमन गिल की कप्तानी में युवा भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ खेली जा रही टी20 सीरीज में शानदार वापसी की है. सीरीज के पहले मैच में टीम इंडिया को 13 रनों से हार का सामना करना पड़ा था. लेकिन हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए दूसरे टी20 मैच में भारतीय टीम ने एकतरफा अंदाज में बाजी मारी. इस मैच में भारतीय टीम शुरू से ही हावी रही, जिसके चलते वह एक बड़ी जीत हासिल करने में कामयाब रही. भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया , जो सही भी साबित हुआ. भारतीय बल्लेबाजों ने काफी आक्रामक बल्लेबाजी की और 20 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 234 रन बनाए. शुभमन गिल भले ही 2 रन ही बना सके. लेकिन इसका असर भारतीय बल्लेबाजी पर नहीं पड़ा. टीम की ओर से अभिषेक शर्मा ने सबसे ज्यादा रन बनाए. उन्होंने 47 गेंदों पर 100 रन की पारी खेली. ये उनके इंटरनेशनल करियर का पहला शतक था, जिसमें उन्होंने 7 चौके और 8 छक्के जड़े. ऋतुराज गायकवाड़ भी इस मैच में पीछे नहीं रहे. उन्होंने 47 गेंदों पर नाबाद 77 रन की पारी खेली. उन्होंने अपनी इस शानदार पारी में 11 चौके और 1 छक्का लगाया. खास बात ये रही कि उन्होंने ये रन 163.82 की स्ट्राइक रेट से बनाए. वहीं, पिछले मैच में बिना खाता खोले आउट होने वाले रिंकू सिंह ने भी विस्फोटक पारी खेली. उन्होंने 22 गेंदों पर नाबाद 48 रन बनाए. इस पारी मे रिंकू ने 2 चौके और 5 छक्के जड़े. बल्लेबाजों के बाद गेंदबाजों ने भी इस मुकाबले में अपनी छाप छोड़ी. जिम्बाब्वे की टीम 18.4 ओवर की बल्लेबाजी कर सकी और 134 रन बनाकर ऑल आउट हो गई. आवेश खान और मुकेश कुमार ने इस मैच में सबसे ज्यादा 3-3 विकेट अपने नाम किए. वहीं, रवि बिश्नोई एक बार फिर सबसे किफायती रहे. उन्होंने 4 ओवर में सिर्फ 11 रन ही दिए और 2 विकेट अपने नाम किए. इसके अलावा वॉशिंगटन सुंदर के नाम 1 सफलता रही. जिसके चलते टीम इंडिया ने इस मैच में 100 रनों से बाजी मारी. इस जीत के साथ दोनों टीमों के बीच अब ये सीरीज 1-1 की बराबरी पर पहुंच गई है. सीरीज का तीसरा मैच अब 10 जुलाई को खेला जाएगा.

एशिया कप के लिए भारतीय महिला टीम का ऐलान

अमनजोत कौर- शबनम शकील टीम में नहीं

पाकिस्तान के खिलाफ टीम खेलेगी अपना पहला मैच

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीलंका में 19 जुलाई से होने वाले महिला एशिया कप के लिए भारत ने अपनी 15 सदस्यीय टीम में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेल रही 17 सदस्यीय टीम में से चयनकर्ताओं ने अमनजोत कौर और युवा खिलाड़ी शबनम शकील को टीम में शामिल नहीं किया है। बाकी सदस्यों को टीम में बरकरार रखा गया है।

भारत 19 जुलाई को पाकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा

भारतीय टीम टूर्नामेंट में पाकिस्तान के खिलाफ 19 जुलाई को अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इसके बाद 21 जुलाई को यूएई और 23 जुलाई को नेपाल से भिड़ेगी। इस ग्रुप में शीर्ष दो स्थानों पर रहने वाली टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। भारत की बल्लेबाजी मजबूत दिख रही है, जिसमें शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ओपनर पर हैं। कप्तान हरमनप्रीत कौर उनके बाद आती हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप से पहले टीम को अपने परखने का मौका एशिया कप अक्टूबर में बांग्लादेश में होने वाले टी-20 वर्ल्डकप से पहले उनकी तैयारी का अच्छा प्लेटफॉर्म होगा।टी-20 वर्ल्ड कप 4 अक्टूबर से बांग्लादेश में होना है। ऐसे में टीम के पास खिलाड़ियों को परखने का मौका है। ऋचा घोष और उमा छेत्री विकेटकीपिंग के विकल्प हैं। पूजा वस्त्रकार और दीप्ति शर्मा ऑलराउंडर के तौर पर प्लेइंग 11 को संतुलित रखने में मदद करेंगी।

भारत वर्तमान में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी-20 सीरीज की मेजबानी कर रहा है। वनडे सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप करने और एकमात्र टेस्ट जीतने के बाद टी20 सीरीज में 0-1 से पीछे चल रहा है।

टीमः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शैफाली, दीप्ति, जेमिमा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), वस्त्राकर, अरुंधति रेड्डी, रेणुका ठाकुर, दयालन हेमलता, आशा सोभना , राधा यादव, श्रेयंका पाटिल, साजना सजीवन

रिजर्वः श्वेता, इशाक, तनुजा और मेघना सिंह

विमेंस एशिया कप में भारतीय टीम का शेड्यूल

खिलाफ	डेट	जगह
पाकिस्तान	19 जुलाई	दाम्बुला
यूएई	21 जुलाई	दाम्बुला
नेपाल	23 जुलाई	नेपाल

ओलंपिक से पहले विनेश फोगाट का दमदार प्रदर्शन

स्पेन ग्रां प्री के फाइनल में जीता स्वर्ण पदक

मैड्रिड, 7 जुलाई (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वलिफाई कर चुकी भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने स्पेन ग्रां प्री में महिलाओं के 50 किग्रा का स्वर्ण पदक जीता। दो बार की विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता विनेश ने फाइनल में मारिया तियुमेरेकोवा को 10-5 से हराकर पहला स्थान हासिल किया। विनेश को बुधवार को आखिरी समय में शेंगेन वीजा मिला था और उन्होंने बिना किसी परेशानी के तीन मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बनाई थी।

29 वर्षीय विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता ने पहले क्यूबा की युस्नेलिस गुजमैन को अंकों के आधार पर 12-4 से हराया। इसके बाद उन्होंने क्वार्टर फाइनल में बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक विजेता कनाडा की मैडिसन पार्क्स के खिलाफ जीत दर्ज की। सेमीफाइनल में, विनेश ने एक अन्य कनाडाई केटी डचक को अंकों के आधार पर 9-4 से हराया। विनेश पेरिस ओलंपिक की तैयारी के लिए 20-दिवसीय प्रशिक्षण के लिए फ्रांस जाएंगी।

डब्ल्यूटीसी फाइनल-चैंपियंस ट्रॉफी में रोहित कप्तान होंगे: जय शाह

मुंबई, 7 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सेक्रेटरी जय शाह ने कहा है कि टी-20 वर्ल्ड कप के बाद हम रोहित की कप्तानी में ही 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी और वर्ल्ड टेस्ट चैंपियंनशिप फाइनल जीतेंगे। मैंने राजकोट में बोला था कि जून 2024 में हम दिल भी जीतेंगे, कप भी जीतेंगे। भारत का झंडा भी गाड़ेंगे और हमारे कप्तान ने झंडा गाड़ दिया इस जीत में आखिरी पांच ओवर का बहुत बड़ा योगदान था। इस योगदान के लिए मैं सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह और हार्दिक पंड्या का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। इस जीत के बाद अगला पड़ाव है डब्ल्यूटीस फाइनल और चैंपियंस ट्रॉफी।

शाह ने कहा कि टी-20 वर्ल्ड कप की जीत को मैं कोच राहुल द्रविड़, कैप्टन रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा को डेडिकेट करना चाहता हूं। बीते एक साल में ये हमारा तीसरा फाइनल था। जून 2023 में हम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में हारे। नवंबर 2023 में दस जीत के बाद हम दिल जीते, लेकिन कप नहीं जीत पाए।

विम्बलडन का आनंद लेने पहुंचे 'क्रिकेट के भगवान'

दर्शकों ने दिया स्टैंडिग ओवेशन, बजी तालियां

लन्दन, 7 जुलाई (एजेंसियां)। क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर विम्बलडन सेंटर कोर्ट पहुंचे। इस दौरान दर्शकों ने भारतीय दिग्गज को स्टैंडिंग ओवेशन दिया और तालियां बजाईं। वहीं, पूर्व बल्लेबाज ने हाथ हिलाकर प्रशंसकों को धन्यवाद कहा। सचिन के अलावा इंग्लैंड के टेस्ट और सीमित ओवरों के कप्तान बेन स्टोक्स और जोस बटलर के साथ पूर्व कप्तान जो रूट भी विम्बलडन के मुकाबलों का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचे।

अब विम्बलडन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से एक खास वीडियो साझा करते हुए सचिन का स्वागत किया। विम्बलडन ने एक्स पर डाले वीडियो के साथ लिखा, सेंटर कोर्ट पर फिर आपका स्वागत है सचिन। वीडियो में देखा जा सकता है सचिन 2011 में भारत के टी20 विश्व कप जीतने का जश्न मनाते दिख रहे हैं।

वहीं, सेंटर कोर्ट पर प्रस्तोता ने भी तेंदुलकर का स्वागत करते हुए कहा, हमारे बीच भारत के महान क्रिकेटर, विश्व कप विजेता और क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले लीजैंड हैं। सचिन तेंदुलकर का स्वागत कीजिए। तेंदुलकर पिछले काफी साल से नियमित तौर पर विम्बलडन देखने जाते हैं।

कनाडा ओपन 2024: क्वार्टर फाइनल में उलटफेर करने वाले प्रियांशु अगले राउंड में हारे

ओटाव, 7 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी प्रियांशु राजावत को कनाडा ओपन 2024 में हार का सामना करना पड़ा। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मुकाबले में प्रियांशु को दुनिया के 37वें नंबर के खिलाड़ी ने लगातार गेम में शिकस्त दी। इसके साथ ही कनाडा ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत का अभियान खत्म हो गया। प्रियांशु राजावत को यहां पुरुष एकल सेमीफाइनल में फ्रांस के एलेक्स लेनियर के खिलाफ सीधे गेम मे हार का सामना करना पड़ा, जिससे कनाडा ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत का अभियान खत्म हो गया। दुनिया के 39वें नंबर के खिलाड़ी राजावत को दुनिया के 37वें नंबर के खिलाड़ी लेनियर के खिलाफ 45 मिनट में 17-21 10-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। राजावत ने इससे पहले दोनों खिलाड़ियों के बीच एकमात्र मुकाबले में मैड्रिड स्पेन मास्टर्स के क्वालीफिकेशन में लेनियर को हराया था। क्वार्टर फाइनल में डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन को हराने वाले राजावत ने मुकाबले में सकारात्मक शुरुआत करते हुए 3-0 की बढ़त बनाई लेकिन लेनियर वापसी करते हुए 7-4 से आगे हो गए। कड़े मुकाबले के बीच राजावत ने कुछ मौकों पर बढ़त बनाई लेकिन वह विरोधी के दबाव का सामना नहीं कर पाए जिसने 15-16 के स्कोर पर लगातार पांच अंक के साथ गेम प्वाइंट हासिल किया और फिर पहला गेम जीत लिया।

विंबलडन 2024: पहला सेट हारने के बाद जोकोविच ने की शानदार वापसी, अब प्री-क्वार्टर फाइनल में हुई एंट्री

लंदन,

सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच ने पहला सेट गंवाने के बाद वापसी करते हुए एलेक्सेई पोपिरिन को चार सेट में हराकर विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई जबकि महिला एकल में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी ईगा स्वियातेक को शिकस्त का सामना करना पड़ा। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के जोकोविच ने पोपिरिन को 4-6, 6-3, 6-4, 7-6 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

दूसरी तरफ स्वियातेक को पहला सेट जीतने के बावजूद ऑल इंग्लैंड क्लब पर तीसरे दौर के मुकाबले में गैर वरीय यूलिया पुतिंत्सेवा ने 3-6, 6-1, 6-2 से हराया। इसके साथ ही स्वियातेक का लगातार 21 मैच में जीत का अभियान भी थम गया। पांच बार की ग्रैंडस्लैम विजेता स्वियातेक को विंबलडन का ग्रास कोर्ट काफी रास नहीं आता है। 2022 में भी एलिज कोर्नेट ने तीसरे दौर में उन्हें हराकर उनके लगातार 37 मैच के विजयी अभियान पर रोक लगाई थी। पुतिंत्सेवा अगले दौर में 2017 फ्रेंच ओपन चैंपियन और 13वीं वरीय येलेना ओस्टापेंका से भिड़ेंगी। महिला एकल में ही 21वीं वरीय एलेना स्वितोलिना ने 10वें नंबर की ओन्स जेब्युर को 6-1, 7-6 से हराया।

पुरुष एकल में चौथे वरीय एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने कैमरन नोरी को सीधे सेट में 6-4, 6-4, 7-6 से शिकस्त दी। अमेरिका के 14वें वरीय बेन शेल्टन ने शुक्रवार को स्थगित किए गए मुकाबले में डेनिस शापोवालोव को 6-7, 6-2, 6-4, 4-6, 6-2 से हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। वह रविवार को दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर से भिड़ेंगे।

धोनी का 43वां बर्थडे : भारत को 3 आईसीसी खिताब जिताए

सबसे ज्यादा स्टंपिंग, सबसे ज्यादा मैचों में कप्तानी का रिकॉर्ड

मुंबई, , 7 जुलाई (एजेंसियां)। इंडियन क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का आज 43 साल के हो गए। धोनी ने अपनी पत्नी के साथ आधी रात को अपना जन्मदिन सेलिब्रेट किया और केट काटा। इसका वीडियो उनकी पत्नी साक्षी धोनी ने इसका वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। साक्षी ने इस अवसर पर उनके पैर छुए।

7 जुलाई, 1983 को जन्में धोनी ने 2020 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया, लेकिन उनका आईपीएल खेलना जारी है। धोनी अपनी कप्तानी में भारत को 3 आईसीसी ट्रॉफी जिताने वाले इकलौते कप्तान हैं। यह रिकॉर्ड आज भी कायम है।

29 जून को भारत ने रोहित शर्मा की कप्तानी में दूसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप जीता। टीम इंडिया ने 17 साल पहले धोनी की ही कप्तानी में पहली बार इस फॉर्मेट का वर्ल्ड कप जीता था।

2014 में टेस्ट खेलना छोड़ा

11 अप्रैल, 2008 को धोनी ने कानपुर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहली बार टेस्ट में कप्तानी की। 3 टेस्ट की यह सीरीज 1-1 से ड्रॉ रही। धोनी ने 26 दिसंबर, 2014 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न में आखिरी टेस्ट खेला। इस मुकाबले के ड्रॉ होते ही धोनी ने इस फॉर्मेट को अलविदा कह दिया। उनकी कप्तानी में भारत ने 27 टेस्ट जीते। वह टीम इंडिया के दूसरे सबसे सफल टेस्ट कप्तान हैं।

दोहरा शतक लगाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर

2 दिसंबर, 2005 को धोनी ने श्रीलंका के खिलाफ चेन्नई में अपना टेस्ट डेब्यू किया। उन्होंने 30 रन बनाए। 2013 में इसी मैदान पर उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 224 रन बनाए। जो बतौर विकेटकीपर किसी भारतीय खिलाड़ी का पहला ही दोहरा शतक था। धोनी ने 90 टेस्ट में 4876 रन बनाए।

2007 में पहला टी-20 वर्ल्ड कप जिताया

2007 में आईसीसी ने टी-20 फॉर्मेट का पहला वर्ल्ड कप शुरू कर दिया। भारत ने टूर्नामेंट में अपने सीनियर प्लेयर्स को नहीं भेजा। युवा टीम इंडिया की कमान एमएस धोनी को सौंपी गई। धोनी ने टीम को बखूबी लीड किया और देश को ट्रॉफी भी दिला दी।

धोनी की कप्तानी में भारत ने 2016 में आखिरी वर्ल्ड कप खेला, लेकिन टीम वेस्टइंडीज से सेमीफाइनल हारकर बाहर हो गई। वेस्टइंडीज के खिलाफ ही 2016 में अमेरिका के मैदान पर धोनी ने आखिरी बार टी-20 कप्तानी की। धोनी ने सबसे ज्यादा 72 टी-20 में भारत की कमान संभाली। यह रिकॉर्ड भी अब तक नहीं टूटा। रोहित शर्मा ने 61 टी-20 में कप्तानी करने के बाद संन्यास ले लिया।

98 टी-20 में 2 ही फिफ्टी लगा सके

1 दिसंबर, 2006 को साउथ अफ्रीका के खिलाफ धोनी ने पहला टी-20 खेला। यह भारत का भी पहला ही टी-20 था। इस फॉर्मेट में उन्होंने शुरुआत से ही फिनिशर की भूमिका निभाई। इसलिए 98 टी-20 खेलने के बाद भी वह 2 ही फिफ्टी लगा सके। 27 फरवरी, 2019 को ऑस्ट्रेलिया को खिलाफ धोनी ने आखिरी टी-20 मैच खेला। इसमें भारत को हार मिली।

2017 में वनडे कप्तानी छोड़ी

2007 में भारत वनडे वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गया। राहुल द्रविड़ ने इस फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ दी। इस कारण टी-20 वर्ल्ड कप जिताने वाले धोनी को ही वनडे फॉर्मेट की कप्तानी भी मिल गई। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बेंगलुरु में धोनी ने पहली बार वनडे कप्तानी की।

धोनी की कप्तानी में भारत ने 2011 का वनडे वर्ल्ड कप जीता और 28 साल बाद वनडे फॉर्मेट का ICC खिताब अपने नाम किया। धोनी यहीं नहीं रुके, उन्होंने 2013 में भारत को चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब भी जिताया। यह उनके करियर का आखिरी ICC खिताब भी साबित हुआ। 2016 में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद धोनी ने तीनों फॉर्मेट की कप्तानी विराट कोहली को सौंप दी।

आखिरी वनडे में रनआउट हुए, भारत हारा

23 दिसंबर, 2004 को धोनी ने बांग्लादेश के खिलाफ अपना वनडे और इंटरनेशनल डेब्यू किया। वह खाता भी नहीं खोल सके और रनआउट हो गए। हालांकि, टीम इंडिया ने उन्हें आगे भी मौके दिए, जिसे धोनी ने बखूबी भुनाया। नंबर-3 पोजिशन पर शुरुआत करने के बाद धोनी ने करियर में ज्यादातर मैच फिनिशर की पोजिशन पर खेले। इसके बावजूद उन्होंने 10 हजार से ज्यादा रन बना दिए।

2019 में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में धोनी 72 गेंद पर 50 रन बनाकर रनआउट हुए। भारत ने मैच 18 रन से गंवाया और टीम के वर्ल्ड कप जीतने की उम्मीद भी खत्म हो गई। धोनी ने इस मैच के बाद कोई इंटरनेशनल मैच नहीं खेला और 15 अगस्त, 2020 को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपना इंटरनेशनल रिटायरमेंट अनाउंस कर दिया।

आईपीएल में चेन्नई को 5 खिताब जिताए

एमएस धोनी ने इंटरनेशनल क्रिकेट में तो अपनी कप्तानी में भारत को 3 आईसीसी खिताब दिलाए ही, आईपीएल में भी उनकी कप्तानी शानदार रही। उन्होंने सीएसके और आरपीएस टीम की 226 मैचों में कप्तानी की। उनकी कप्तानी में चेन्नई ने 5 खिताब जीते। 2024 का IPL शुरू होने के बाद धोनी ने ऋतुराज गायकवाड को CSK की कप्तानी भी सौंप दी।

आईपीएल से अब भी रिटायरमेंट नहीं लिया

धोनी 2008 से आईपीएल खेल रहे हैं, उन्होंने अब तक इस टूर्नामेंट से रिटायरमेंट नहीं लिया है। अब तक 264 आईपीएल मुकाबलों में उन्होंने 5243 रन बनाए हैं। इनमें 2 फिफ्टी शामिल हैं। धोनी ने अब तक आईपीएल को अलविदा नहीं कहा है, ऐसे में संभव है कि 43 साल की उम्र में वह 2025 का आईपीएल भी खेलते नजर आ सकते हैं।

धोनी के 5 अटूट रिकॉर्ड्स

3 अलग-अलग आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाले इकलौते कप्तानः धोनी ने 2007 में टी-20 वर्ल्ड कप, 2011 में वनडे वर्ल्ड कप और 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता। ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग ने 4 आईसीसी ट्रॉफी जीती हैं, लेकिन इनमें टी-20 वर्ल्ड कप शामिल नहीं है। 10 हजार वनडे रन बनाने वाले इकलौते भारतीय विकेटकीपरः धोनी ने बतौर विकेटकीपर भारत के लिए 10,599 रन बनाए। उनके बाद राहुल द्रविड़ ने बतौर विकेटकीपर भारत के लिए 2300 रन बनाए हैं। बतौर विकेटकीपर सबसे बड़ा वनडे स्कोरः धोनी ने 2005 में श्रीलंका के खिलाफ विकेटकीपिंग करते हुए 183 रन बनाए। यह बतौर विकेटकीपर किसी भी विकेटकीपर का सबसे बड़ा स्कोर है। उनके बाद क्विंटन डी कॉक ने 178 रन का स्कोर बनाया है।

सबसे ज्यादा स्टंपिंगः धोनी ने तीनों फॉर्मेट मिलाकर 538 मैचों में विकेटकीपिंग की, इनमें उन्होंने 195 स्टंपिंग की। इस मामले में वह टॉप पर हैं। उनके बाद श्रीलंका के कुमार संगकारा ने 139 स्टंपिंग की हैं। सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैचों में कप्तानीः तीनों फॉर्मेट मिलाकर धोनी ने 332 मैचों में कप्तानी की। उनके बाद ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग ने 324 मैचों में कप्तानी की है।

राज्य में बोनालु का उत्साह

देवी को रेशमी वस्त्र प्रदान कर मंत्री ने की बोनालु उत्सव की शुरुआत

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बोनालु उत्सव की शुरुआत हो गई। तेलुगु महीने आषाढ़ के दौरान मनाया जाने वाला यह उत्सव इस साल 4 अगस्त तक चलेगा। बंदोबस्ती विभाग की देखरेख में 'थोट्टेलु', 'फलाराम बंडी' और 'बोनम' की प्रस्तुति के साथ जुलूस लंगर हाउस से शुरू हुआ और गोलकुंडा किले की ओर बढ़ा। लंगर हाउस में उद्घाटन समारोह का नेतृत्व विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद, बंदोबस्ती मंत्री कोंडा सुरेखा, कल्याण और परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर, कलेक्टर अनुदीप दुरीशेट्टी और अन्य अधिकारियों ने किया। उद्घाटन के बाद, उन्होंने देवी महाकाली को 'पट्टु साड़ी' भेंट की। सैकड़ों भक्त गोलकुंडा किले में देवी महाकाली को पहला 'बोनम' चढ़ाने के लिए एकत्र हुए, जिन्हें स्थानीय रूप से जगदम्बिका येल्लम्मा थल्ली या ओरिगंती येल्लम्मा के नाम से जाना जाता है। देवी को विशेष पूजा और 'बोनम' दिया गया - सिंदूर, हल्दी और नीम के पत्तों से सजे मिट्टी के बर्तनों में पके हुए चावल और गुड़ का अनुष्ठानिक प्रसाद।

प्रारंभिक पूजा के बाद 11, 14, 18, 21, 25 और 28 जुलाई के साथ-साथ 1 और 4 अगस्त को भी पूजाएं निर्धारित हैं। गोलकुंडा बोनालू के बाद, प्रसिद्ध लश्कर बोनालू 21 जुलाई को सिकंदराबाद के श्री उज्जैनी महाकाली मंदिर में मनाया जाएगा। यह मंदिर सबसे भव्य समारोहों में से एक के आयोजन के लिए जाना जाता है, जिसमें हैदराबाद और पड़ोसी राज्यों जैसे कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और तमिलनाडु से श्रद्धालु आते हैं।

यह उत्सव 29 जुलाई को लाल दरवाजा स्थित श्री सिंहवाहिनी महाकाली मंदिर में जारी रहेगा और हैदराबाद के पुराने शहर में अक्कन्ना मदन्ना मंदिर में समाप्त होगा। हैदराबाद में 3,000 से ज़्यादा मंदिरों में बोनालू उत्सव मनाया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। इन कार्यक्रमों के सुचारू आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए समितियों का गठन किया गया है।

पूर्व मंत्री ईश्वर ने सिंगरेणी नीलामी पर किशन रेड्डी पर निशाना साधा

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री कोप्पुला ईश्वर ने आज आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिंगरेणी कंपनी को नष्ट करने के लिए तेलंगाना के केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी को कोयला मंत्रालय दिया था, जिसका इतिहास 100 साल से भी ज्यादा पुराना है। पेड्डापल्ली में पार्टी के जिला कार्यालय में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जब केसीआर सत्ता में थे, तो उन्होंने कोयला खदानों की नीलामी को रोक दिया था। उन्होंने आलोचना की कि राज्य के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने खुद सिंगरेनी कोयला ब्लॉकों की निजी कंपनियों को नीलामी में भाग लिया। उन्होंने रेवंत रेड्डी सरकार की यह समझाने के असफल प्रयासों के लिए भी आलोचना की कि सिंगरेणी बिजली कंपनियां घाटे में चल रही हैं। उन्होंने कहा, सिंगारेनी कंपनी राज्य का खजाना है और यह सिर्फ एक कंपनी नहीं है। यह तेलंगाना की आर्थिक और सामाजिक जीवन रेखा है। सिंगरेणी तेलंगाना क्षेत्र के छह जिलों में फैला एक संगठन है। यह एक ऐसी संस्था है जिसने लाखों ग्रामीण गरीबों को जीवन दिया है। उन्होंने कहा कि 133 साल पुरानी इस कंपनी का इतिहास लाखों लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान करने का रहा है। सिंगारेनी एक ऐसी कंपनी भी है जिसने श्रमिकों और प्रबंधन के संयुक्त प्रयासों से कई वर्षों तक लाभ कमाया है। केंद्र और राज्य सरकारों की हिस्सेदारी होने और राज्य सरकार के नियंत्रण में प्रबंधित होने के बावजूद यह एक बार गंभीर घाटे में थी। पिछले एक साल में भी सिंगरेनी ने लाभ का 32 प्रतिशत हिस्सा श्रमिकों को दिया। भले ही सिंगरेनी एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है और लाभ कमा रहा है, लेकिन केंद्र सरकार इसका निजीकरण करने के बारे में सोच रही थी। यह तेलंगाना राज्य के विकास पर कुल्हाड़ी मारने जैसा है। उन्होंने कहा, किसी भी समय, घाटे में चल रहे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को निजी कंपनियों को दे दिया जाएगा और उनकी नीलामी की जाएगी। उन्होंने कहा, कई राज्यों में कोयला खदानें संबंधित सरकारों के अनुरोध पर उन राज्यों को छोड़ दी जाएंगी। ओडिशा, तमिलनाडु, गुजरात, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में मुनाफे की राह पर चल रही सिंगरेणी को भी राज्य के हित में छोड़ दिया जाना चाहिए।

युवक की हत्या के आरोप में तीन गिरफ्तार

निर्मल, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद जिले के बसर में एक महीने पहले हुई एक युवक की हत्या के आरोप में रविवार को तीन नाबालिग लड़कों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक डॉ. जानकी शर्मिला ने बताया कि 15 से 17 वर्ष की आयु के तीन नाबालिग लड़के, जो अलग-अलग फास्ट-फूड केंद्रों में काम करते थे और बसर के विभिन्न हिस्सों से थे, उन्हें शहर के एक रेलवे स्टेशन पर संदिग्ध रूप से घूमते हुए पकड़ा गया। उन्हें निजामाबाद जिले के फकीराबाद के ड्राइवर अर्जुन (20) की हत्या में शामिल होने के आरोप में हिरासत में लिया गया था, जो 1 जून को बसर के शारदानगर में मृत पाया गया था। जांच के दौरान, तीनों ने अपराध करना कबूल किया जब नशे की हालत में अर्जुन ने मोटरसाइकिल पर लिफ्ट देने से इनकार करने पर उनके साथ दुर्व्यवहार किया। उन्होंने युवक को एक सुनसान जगह पर ले जाकर पत्थर से पीट-पीटकर मार डालने की बात स्वीकार की। बाद में उन्होंने सबूत मिटाने के लिए शव को जला दिया।

एसपी ने कहा कि भैंसा एएसपी अविनाश कुमार के नेतृत्व में मुधोल इंस्पेक्टर जी मल्लेश और बसर सब-इंस्पेक्टर के गणेश की एक टीम ने हत्या की जांच शुरू की। उन्होंने शुरू में शव की पहचान की और फिर उनके मोबाइल फोन के कॉल डेटा रिकॉर्ड (सीडीआर) इकट्ठा करके पाया कि हत्या में तीन लड़के शामिल थे।

सीएम से मिली आशा

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय साइकिल चालक आशा मालविया ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात की। आशा कारगिल दिवस रजत जयंती के अवसर पर कन्याकुमारी से कारगिल तक साइकिल यात्रा का आयोजन कर रही हैं। आशा ने 24 जून को कन्याकुमारी से साइकिल यात्रा शुरू की थी। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आशा को बधाई दी।

भद्राचलम में गोदावरी में बह गया हैदराबाद का युवक

कोत्तागुडेम, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद का 28 वर्षीय एक व्यक्ति रविवार को जिले के भद्राचलम में गोदावरी नदी में बह गया। मृतक की पहचान अंबरपेट निवासी हरीश के रूप में हुई है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह घटना उस समय हुई जब हैदराबाद के 5 युवक (जो भद्राद्री मंदिर में पूजा-अर्चना करने आए थे) नदी में नहाने गए थे। हरीश पानी की गहराई का अंदाजा न लगा पाने के कारण बह गया। बाकी चार लोग सुरक्षित हैं। लापता युवकों की तलाश के लिए विशेषज्ञ तैराकों को लगाया गया है। हाल ही में हुई बारिश के कारण नदी का जलस्तर थोड़ा बढ़ गया है।

ड्राइवर को झपकी आने से नेल्लोर जा रहा ट्रक पलटा

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार तड़के आउटर रिंग रोड (ओआरआर) कीसरा पर एक ट्रक पलट गया, जिससे उसका चालक घायल हो गया। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रक गुजरात से आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जा रहा था, तभी यह ओआरआर के यादगारपल्ली गांव में पलट गया। पुलिस को संदेह है कि ड्राइवर को झपकी आ गई होगी और इसी वजह से यह दुर्घटना हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप में 168 पकड़े गए

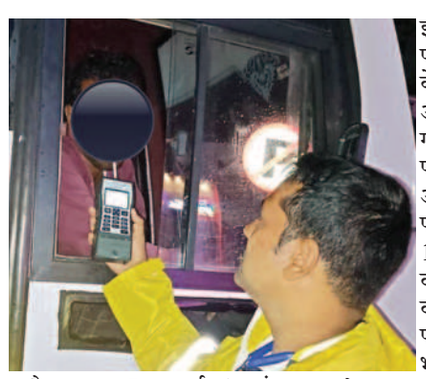

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद के कई इलाकों में शराब पीकर गाड़ी चलाने के खिलाफ अभियान चलाया गया, जिसके परिणामस्वरूप 168 अपराधियों को पकड़ा गया।कुल 134 दोपहिया वाहन, 14 तिपहिया वाहन, 19 चार पहिया वाहन और 1 भारी वाहन चालक पकड़े गए। 26 अपराधियों को 200 मिलीग्राम/100 मिली से 550 मिलीग्राम/100 मिली के बीच रक्त अल्कोहल सांद्रता (बीएसी) के साथ पकड़ा गया। पकड़े गए सभी लोगों को उच्च न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। साइबर पुलिस ने बताया कि यदि कोई व्यक्ति शराब के नशे में वाहन चलाता है और दुर्घटना का कारण बनता है, जिससे लोगों की मृत्यु होती है, तो ऐसे व्यक्तियों को भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या) के तहत गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा, जिसके लिए अधिकतम सजा 10 साल की जेल और जुर्माना है।

बलकम्पेट येल्लम्मा कल्याणम पर यातायात में बदलाव

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद यातायात पुलिस ने येल्लम्मा पोचम्मा देवस्थानम में बलकम्पेट येल्लम्मा कल्याणम के मद्देनजर बालकम्पेट में यातायात प्रतिबंधों की घोषणा की है। यातायात प्रतिबंध सोमवार से बुधवार तक लागू रहेंगे।

ग्रीनलैंड्स, सत्यम थिएटर से फतेहनगर की ओर जाने वाले यातायात को एसआर नगर टी-जंक्शन से एसआर नगर कम्युनिटी हॉल - अभिलाषा टावर्स - बीके गुडा एक्स रोड - श्रीराम नगर एक्स रोड - सनथ नगर / फतेह नगर रोड की ओर मोड़ दिया जाएगा।

फतेहनगर फ्लाईओवर से आने वाले और बालकम्पेट की ओर जाने वाले यातायात को अनुमति नहीं दी जाएगी और उन्हें नए पुल पर कट्टा मैसम्मा मंदिर, बेगमपेट की ओर मोड़ दिया जाएगा। इसी तरह, ग्रीनलैंड्स - बकुल अपार्टमेंट - फूड वर्ल्ड से आने वाले यातायात को बालकम्पेट की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी और उन्हें फूड वर्ल्ड एक्स रोड से सोनाबाई मंदिर - सत्यम थिएटर - मैत्रीवनम / एसआर नगर टी जंक्शन की ओर मोड़ दिया जाएगा।

बेगमपेट, कट्टा मैसम्मा मंदिर से बालकम्पेट की ओर जाने वाले यातायात को अनुमति नहीं दी जाएगी और इसे ग्रीनलैंड्स - माथा मंदिर - सत्यम थिएटर - एसआर नगर टी जंक्शन से बाएं मुड़कर एसआर नगर सामुदायिक हॉल की ओर मोड़ दिया जाएगा।

एसआर नगर टी-जंक्शन से फतेह नगर तक सभी गलियां और संपर्क मार्ग बंद रहेंगे। यातायात पुलिस ने नागरिकों से सहयोग करने का अनुरोध किया है।

नायडू ने की पिछले 10 वर्षों में तेलंगाना के विकास की सराहना

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में राज्य नई ऊंचाइयों पर पहुंचा है। उन्होंने कहा कि बड़े राज्यों में प्रति व्यक्ति आय (पीसीआई) के मामले में तेलंगाना देश में अग्रणी है। नायडू ने कहा कि 3,08,732 रुपये के साथ इसने गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक को पछाड़ते हुए सबसे अधिक पीसीआई दर्ज की। उन्होंने रविवार को एनटीआर भवन में कहा कि आंध्र प्रदेश ने 2,19,518 रुपये का पीसीआई दर्ज किया है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि तेलंगाना के पास एक अच्छा आधार और बुनियाद है। मौजूदा सरकार के पास इसे अगले स्तर पर ले जाने का अच्छा अवसर है। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश 2014 में अलग हो गए। पिछले 10 वर्षों में तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के बीच पीसीआई में अंतर 35 प्रतिशत था और यह मुख्य रूप से हैदराबाद के कारण था।

उन्होंने कहा कि 2014 से 2019 तक आंध्र प्रदेश में तेलुगू देशम सरकार की अथक मेहनत के बाद यह अंतर 27.5 प्रतिशत कम हुआ। फिर आंध्र प्रदेश में विनाशकारी सरकार आने के बाद यह अंतर बढ़कर 44 प्रतिशत हो गया।

उन्होंने कहा कि विभाजन से ज़्यादा, पिछले पांच सालों में खराब शासन की वजह से आंध्र प्रदेश को भारी नुकसान हुआ है। अगर यही शासन चलता रहता, तो पीसीआई में अंतर 100 प्रतिशत तक बढ़ जाता।

नायडू ने कहा कि लोगों को याद नहीं होगा, लेकिन मैंने जो काम किया है, उससे मुझे खुशी महसूस होती है। तेलुगू देशम सरकार के बाद तीन मुख्यमंत्री हुए और विभाजन के बाद भारत राष्ट्र समिति सत्ता में आई और 10 साल तक सत्ता में रही, लेकिन छाप को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस सत्ता में वापस आ गई है और मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य का विकास करने का प्रयास कर रही है।

नायडू ने कहा कि तेलुगु राज्यों के बीच मतभेद होंगे लेकिन जब कोई बाहरी व्यक्ति आक्रमण करता है, तो हम तेलुगु लोग भाईचारा दिखाते हैं। यह एकता जारी रहनी चाहिए और तेलुगु हितों और भाषा को बचाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह टीडीपी का मुख्य एजेंडा है।

तेलुगु देशम पार्टी अपना पुराना गौरव पुनः प्राप्त करेगी: नायडू

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में अपने इरादे स्पष्ट करते हुए आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) तेलंगाना में अपना पुराना गौरव हासिल करेगी और तदनुसार, पार्टी का पूर्ण पुनर्गठन किया जाएगा। उन्होंने रविवार को एनटीआर ट्रस्ट भवन में पार्टी कार्यकर्ताओं से पूछा कि हम 20 साल से विपक्ष में हैं। क्या तेलुगु देशम पार्टी को तेलंगाना में काम करना चाहिए या नहीं? टीडीपी का जन्म तेलंगाना में हुआ था, क्या इसे यहां जारी रखना चाहिए या नहीं? उन्होंने कहा कि कई नेताओं के पार्टी छोड़ने के बावजूद, ऐसे कार्यकर्ता हैं जो पार्टी के झंडे को थामे हुए हैं। पार्टी का जल्द ही पुनर्गठन किया जाएगा। युवाओं और शिक्षितों को प्राथमिकता दी जाएगी और इस आधार पर अगले 30 वर्षों तक गुणवत्तापूर्ण नेतृत्व तैयार किया जाएगा। नायडू ने कहा कि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के लिए अलग-अलग राजनीतिक नीति अपनाई जाएगी। यहां तेलुगु देशम को विकसित करने में विशेष रुचि ली जाएगी। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में पूरी तरह से अलग राजनीतिक दृष्टिकोण अपनाया गया। पार्टी का पूरा पुनर्गठन करने के बाद युवाओं, खासकर युवाओं, शिक्षित और बुद्धिजीवियों को बढ़ावा दिया गया। तेलुगु देशम पार्टी के इतिहास में यह एक बड़ी जीत थी। उन्होंने कहा कि जिस तरह से सीबीएन ने 1995 में काम किया था, उसी तरह की ऊर्जा और गति 2024 में भी बरकरार रखी जाएगी। लोगों को हैदराबाद में 90 दिनों के श्रमदान और जन्मभूमि के दिनों को याद करना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में कोई शासक नहीं होता और अगर कोई तानाशाह की तरह काम करने की कोशिश करता है तो लोग उसे दफना देते हैं।

पुलिस स्टेशन में एसआई को किया जा रहा था परेशान

सोशल मीडिया पर बताई अपनी व्यथा, वीडियो वायरल

कोत्तागुडेम, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अश्वरावपेट के एसआई श्रीरामुला श्रीनिवास, जिनकी रविवार तड़के मृत्यु हो गई थी, ने पुलिस स्टेशन में अपने साथ हुई दुर्दशा और उत्पीड़न की बात अपने परिवार के सदस्यों के साथ साझा की थी। उनके बयान का एक वीडियो, जिसे उनके रिश्तेदारों ने हैदराबाद के अस्पताल में उनके मोबाइल फोन पर रिकॉर्ड किया था, अब सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा किया जा रहा है, जिससे एसआई को परेशान करने वालों की व्यापक निंदा हो रही है।

वीडियो में एसआई ने कहा कि आंध्र प्रदेश के कांस्टेबल सन्यासी नायडू, सुभानी और शेखर, तेलंगाना के शिवा नागराजू और एक महिला कांस्टेबल नागलक्ष्मी उनके सरकारी रिकॉर्ड लिखने के काम में बाधा डालते थे। जब एसआई ने उनसे पूछा कि वे आपसी मतभेदों के कारण उनके काम में बाधा क्यों डाल रहे हैं? तो उन्होंने उसे अभद्र तरीके से जवाब दिया कि वे उसका रिकॉर्ड का काम नहीं करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि आंध्र के कांस्टेबलों ने उनके खिलाफ विद्रोह किया और उनके काम में सहयोग नहीं किया।

जब वह काम को अंजाम देने

के लिए दो अन्य कांस्टेबलों की सहायता लेता था, तो आरोपी कांस्टेबल उन दो कांस्टेबलों को यह कहते हुए गाली देते थे कि वे किसी को उसका काम नहीं करने देंगे। एसआई ने बताया कि इंटेलिजेंस कांस्टेबल शरत थाने में होने वाली गतिविधियों की जानकारी अपने भाई मसबाथुला रामू को देता था, जो एक स्थानीय अखबार का रिपोर्टर है, ताकि उसके खिलाफ झूठी खबरें छप सके।

श्रीनिवास ने कहा कि इन मुद्दों को सीआई के.जितेन्द्र रेड्डी के संज्ञान में लाया गया, लेकिन सीआई ने कांस्टेबलों पर भरोसा करते हुए कार्रवाई करने के बजाय उन्हें परेशान किया और जब वह सीआई से बात करने गए तो उन्हें खड़ा कर दिया।

आत्महत्या का प्रयास करने से 25 दिन पहले ही कांस्टेबलों के खिलाफ इस मामले में डीएसपी और एसपी को रिपोर्ट भी सौंप दी गई थी। पुलिस थाने में तैनात एसआई की अवज्ञा करना कांस्टेबलों की आदत बन गई थी और यह पिछले कई सालों से चल रहा था। श्रीनिवास ने दावा किया कि सीआई छोटी-छोटी वजहों से मेमो जारी करता था और फिर उसे समझ में आया कि उसे जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उन्होंने मामले को स्पेशल ब्रांच इंस्पेक्टर के संज्ञान में लाया, जिन्होंने उन्हें कांस्टेबलों के खिलाफ कार्रवाई करने का आश्वासन दिया, लेकिन इसमें देरी हुई और वह उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं कर सके।

अश्वरावपेट एसआई ने ली अंतिम सांस

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भद्राद्री-कोत्तागुडेम जिले के अश्वरावपेटाश पुलिस उपनिरीक्षक श्रीरामुला श्रीनू का आज शहर के एक अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। हाल ही में उन्होंने महबूबाबाद में कीटनाशक पीकर आत्महत्या का प्रयास किया था। तब से उनका हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। हालांकि, उनकी हालत बिगड़ती चली गई और रविवार तड़के उनकी मौत हो गई। इस संदर्भ में बीआरएस पार्टी के नेता आरएस प्रवीण कुमार ने प्रतिक्रिया देते हुए ट्वीट किया कि एक पूरा जीवन उच्च अधिकारियों के अंतहीन भेदभाव और लापरवाही का शिकार हो गया। उन्होंने आरोप लगाया कि अगर एक अधिकारी, जो सात पुलिस स्टेशनों में एसआई के रूप में काम करता था और दो बच्चों का पिता था, उसे अपनी जान लेने के लिए मजबूर होना पड़ा, तो विभाग में बहुत भेदभाव था जो दिखाई नहीं देता। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस विभाग के उच्च अधिकारी अनुशासन के नाम पर भेदभाव के अस्तित्व को छिपा रहे हैं। उन्होंने कहा, गरीब तबके के कई पुलिसकर्मियों ने मुझसे यह बात साझा की। समय-समय पर गरीब तबके के आईपीएस अधिकारी और जिनके पास गॉडफादर नहीं होते, वे भी पीड़ित बन जाते हैं। उनकी पीड़ा अवर्णनीय है। मैं आपको उनके नाम नहीं बताऊंगा, लेकिन बहुत से लोग जानते हैं। श्रीरामुला श्रीनू के मामले में भी तब तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई, जब तक हमने नहीं पूछा कि सीएम इस परिवार को क्या जवाब देंगे।

10 जुलाई को अखंड अयोध्याकांड पारायण का 12वां संस्करण

तिरुमाला, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) मानवता की भलाई के लिए 10 जुलाई को नाडा नीरंजनम मंच पर अखंड अयोध्याकांड पारायण का 12वां संस्करण आयोजित कर रहा है। एसवीबीसी वैश्विक भक्तों और एसवी वेद विज्ञान पीठम, एसवी वैदिक विश्वविद्यालय, टीटीडी के वैदिक पंडितों के लिए सुबह 7 बजे से 9 बजे तक कार्यक्रम का सीधा प्रसारण करेगा। राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के वेद पंडित और विद्वान इसमें भाग लेंगे। श्री रामानुजाचार्य और श्री अनंत वेणुगोपाल के मार्गदर्शन में अयोध्याकांड के 45-49 सर्गों से 142 श्लोकों का पारायण किया जाएगा।

टीजीपीएससी ने ग्रुप-I प्रारंभिक परीक्षा के नतीजे घोषित किए

31,382 मुख्य परीक्षा के लिए चयनित

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना लोक सेवा आयोग (टीजीपीएससी) ने रविवार को ग्रुप-I प्रारंभिक परीक्षा के नतीजे घोषित किए और मुख्य परीक्षा के लिए 31,382 उम्मीदवारों का चयन किया। नतीजे आयोग की वेबसाइट https://www.tspsc.gov.in पर पोस्ट किए गए हैं। ग्रुप-I मुख्य परीक्षा के लिए 1:100 चयन अनुपात की उम्मीदवारों की मांग के बावजूद, टीजीपीएससी ने 1:50 अनुपात के साथ आगे बढ़ना जारी रखा। टीजीपीएससी ने अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित परिणाम अधिसूचना में कहा कि लिखित मुख्य परीक्षा (पारंपरिक प्रकार) में भर्ती होने वाले उम्मीदवारों की संख्या प्रत्येक मल्टी-ज़ोन में उपलब्ध कुल रिक्तियों की पचास (50) गुना होगी। चयन 9 जून को आयोजित प्रारंभिक परीक्षा के आधार पर किया गया था। आयोग ने कहा कि उम्मीदवारों को सामान्य प्रशासन विभाग के जीओ एमएस संख्या 29 में उल्लिखित मानदंडों और भर्ती अधिसूचना में अधिसूचित मानदंडों के अनुसार मुख्य परीक्षा के लिए अनंतिम रूप से प्रवेश दिया गया है। आरक्षित श्रेणियों में उम्मीदवारों की संख्या में किसी भी कमी के मामले में, संबंधित श्रेणियों में कमी को पूरा करने के लिए आवश्यक 1:50 अनुपात से अधिक उम्मीदवारों को मेरिट सूची में शामिल करने के लिए नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। ग्रुप-I मुख्य परीक्षा 21 से 27 अक्टूबर तक आयोजित की जाएगी और उम्मीदवार परीक्षा से एक सप्ताह पहले अपने हॉल टिकट डाउनलोड कर सकते हैं। प्रारंभिक परीक्षा के कट-ऑफ अंक ग्रुप-I सेवाओं की पूरी प्रक्रिया समाप्त होने के बाद यानी अंतिम परिणाम की घोषणा के बाद आयोग की वेबसाइट पर अपलोड किए जाएंगे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.